रजिस्ट्री सं. डी (डी. एन.) 128/90

REGISTERED NO. D. (D.N.)-128/90

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 46] नई दिल्ली, शनिवार, नवम्बर 17, 1990/कार्तिक 26, 1912

No. 46] NEW DELHI, SATURDAY, NOVEMBER 17, 1990/KARTIKA 26, 1912

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों द्वारा जारी किए गए सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं

Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence)

गृह मंत्रालय

(आन्तरिक सुरक्षा विभाग)

(पुनर्वास प्रभाग)

नई दिल्ली, 9 अक्तूबर, 1990

का. आ. 3004.—निष्क्रांत संपत्ति प्रबंध अधिनियम, 1950 (1950 का 31) की धारा 5 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा गृह मंत्रालय पुनर्वास प्रभाग में संयुक्त सचिव, श्री अरुण कुमार को उक्त अधिनियम के द्वारा अथवा उसके अंतर्गत निष्क्रांत संपत्तियों के महाभिरक्षक को सौंपे गए कार्यों का निष्पादन करने के उद्देश्य से महाभिरक्षक नियुक्त करती है।

2. इस अधिसूचना द्वारा दिनांक 27-7-90 की अधिसूचना संख्या-1 (13)/विशेष सेल/90-एस. एस.-II/बन्दोबस्त (ख) का अधिक्रमण किया जाता है।

[सं.-1 (3)/विशेष सेल/90—एस. एस -II (ग)/बन्दोबस्त (ख)]

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

(Department of Internal Security)

(Rehabilitation Division)

New Delhi, the 9th October, 1990

S.O. 3004.—In exercise of the powers conferred by Section 5 of the Administration of Evacuee Property Act, 1950 (31 of 1950), the Central Government hereby appoints Shri Arun Kumar, Joint Secretary in the Ministry of Home Affairs, Rehabilitation Division as the Custodian General of Evacuee Property for the purpose of performing functions assignd to such Custodian General by or under the said Act.

2. This supersedes notification No. 1(3)/Spl. Cell/90-SS. II/S(B) dated the 27th July, 1990

[No. 1(3)/Spl. Cell/90-SS.II/S(B)]

का. आ. 3005.—विस्थापित व्यक्ति (प्रतिकर तथा पुनर्वास) अधिनियम, 1954 (1954 का 44) की धारा 3 की उपधारा (i) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा गृह मंत्रालय, पुनर्वास प्रभाग में संयुक्त सचिव श्री अरुण कुमार को उक्त अधिनियम के द्वारा अथवा उसके अधीन ऐसे मुख्य बन्दोबस्त आयुक्त को

2936 GI/90—1

सौंपे गए कार्यों का निष्पादन करने के उद्देश्य से संयुक्त मुख्य बंदोबस्त आयुक्त नियुक्त करती है ।

2. इसके द्वारा 27-7-90 की अधिसूचना संख्या-1 (3)/विशेष कक्ष/90-एस एस.-II/बंदोबस्त (क) का अधिक्रमण किया जाता है ।

[संख्या -1(3)/विशेष कक्ष/90-एस. एस.-II/एस. (क)]

कुलदीप राय, उप सचिव

S.O. 3005.—In exercise of the powers conferred by Sub-Section (i) of Section 3 of the Displaced Persons (Compensation and Rehabilitation) Act, 1954 (44 of 1954), the Central Government hereby appoints Shri Arun Kumar, Joint Secretary in the Ministry of Home Affairs, Rehabilitation Division as Chief Settlement Commissioner for the purpose of performng the functions assigned to such Chief Settlement Commisioner by or under the said Act.

2. This supersedes notification No. 1(3)/Spl. Cell/90-SS. II/Settlement(A) dated the 27th July, 1990.

[No. 1(3)/Spl. Cell/90-SS. II/S(A)]

KULDIP RAI, Dy. Secy.

कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय

(पेंशन एवं पेंशनभोगी कल्याण विभाग)

नई दिल्ली, 23 अक्तूबर, 1990

का. आ. 3006.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 148 के खंड (5) के साथ पठित अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा भारतीय लेखा परीक्षा और लेखा विभाग में सेवारत व्यक्तियों के संबंध में भारत के नियंत्रक महालेखा परीक्षक से परामर्श करने के पश्चात् साधारण भविष्य निधि (केन्द्रीय सेवा) नियम, 1960 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्:—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम साधारण भविष्य निधि (केन्द्रीय सेवा) दूसरा संशोधन नियम, 1990 है ।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे ।

2. साधारण भविष्य निधि (केन्द्रीय सेवा) नियम, 1960 में:—

(i) नियम 12 में, उपनियम (1) में, खंड (ख) में "अभिदाता की दस वर्ष की सेवा (जिसमें खंडित सेवा काल भी, यदि कोई हो, सम्मिलित है) पूरी होने के पश्चात् या अधिवर्षिता पर उसकी सेवानिवृत्ति की तारीख से पूर्व दस वर्ष के भीतर, जो भी पहले हो" शब्दों के स्थान पर निम्नलिखित शब्द रखे जाएंगे, अर्थात्:—

"अभिदाता की सेवा के दौरान" ;

(ii) उप-खण्ड (क) में "सम्मिलित है" शब्दों के पश्चात् निम्नलिखित शब्द अन्त: स्थापित किए जाएंगे, अर्थात् :—

"या दिल्ली विकास प्राधिकरण, राज्य आवास बोर्ड या किसी गृह निर्माण सोसाइटी द्वारा प्लाट या फ्लैट के आबंटन के लिए कोई संदाय करना ।"

(iii) नियम 16 के उपनियम (1) में "परन्तुक मंजूरी प्राधिकारी इस सीमा से अधिक रकम का निकालना जो निधि में उसके खाते में जमा अतिशेष के तीन चौथाई तक हो सकती है" शब्दों के स्थान पर निम्नलिखित शब्द, कोष्ठक, अक्षर और अंक अन्त: स्थापित किए जाएंगे, अर्थात्:—

"परन्तु मंजूरी प्राधिकारी नियम 15 के उप-नियम (1) के खण्ड (क) के अधीन रकम निकालने के मामलों में उस सीमा से अधिक रकम का निकालना जो निधि में उसके खाते में जमा अतिशेष के तीन चौथाई तक हो सकती है और खंड (ख) के अधीन रकम निकालने के मामलों में निधि में जमा अतिशेष के 90 प्रतिशत तक ।"

[संख्या 20(11)—पी एण्ड पी डब्ल्यु/86-ई (जी. पी. एफ.)]

MINISTRY OF PERSONNEL, PUBLIC GRIEVANCES AND PENSIONS

(Department of Pension and Pensioners Welfare)

New Delhi, the 23rd October, 1990

S.O. 3006.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 read with clause (5) of article 148 of the Constitution and after consultation with Comptroller and Auditor General of India in relation to persons serving in Indian Audit and Accounts Department, the President hereby makes the following rules further to amend the General Provident Fund (Central Services) Rules, 1960, namely:—

1. (1) These rules may be called the General Provident Fund (Central Services) Second Amendment Rules, 1990.

(2) They shall come into force from the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the General Provident Fund (Central Services) Rules, 1960—

(i) in rule 12, in sub-rule (1), clause (f) shall be omitted;

(ii) (I) in rule 15, in sub-rule (1), in clause (B), for the words "after the completion of ten years of service (including broken period of service, if any) of a subscriber or within ten years before the date of retirement on superannuation whichever is earlier", the following shall be substituted, namely:—

"During the service of a subscriber";

(II) In sub-clause (a), after the word 'site', the following words shall be inserted, namely :—

"or any payment towards the allotment of a plot or flat by the Delhi Development Authority, State Housing Board or a House Building Society."

(iii) in sub-rule (1) of rule 16, after the words 'credit in the fund' the following words, letters, brackets and figures shall be inserted, namely :—

"in case of withdrawals under clause (A) and upto 90% of balance at credit in cases of withdrawals under clause (B) of sub-rule (1) of rule 15."

[No. 20(11)-P&PW/86(GPF)]

का. आ. .—3007—राष्ट्रपति, भारत के संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, साधारण भविष्य निधि (केन्द्रीय-सेवा) नियम, 1960 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्:—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम साधारण भविष्य निधि (केन्द्रीय सेवा) चौथा संशोधन नियम, 1990 है ।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे ।

2. साधारण भविष्य निधि (केन्द्रीय-सेवा) नियम, 1960 में, पंचम अनुसूची के पैरा 2 में प्रविष्टि (8) के पश्चात् और परन्तुक के पूर्व निम्नलिखित प्रविष्टि अन्त: स्थापित की जाएगी, अर्थात् :—

"(9) भारत के महा रजिस्ट्रार के अधीन जनगणना संक्रिया निदेशक।"

[सं० 13(7)-पी० एण्ड पी० डब्ल्यू०/90-ई]

S.O. 3007.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution of India, the President hereby makes the following rules further to amend the

General Provident Fund (Central Services) Rules, 1990, namely:—

1. (1) These rules may be called the General Provident Fund (Central Services) Fourth Amendment Rules, 1990.

(2) They shall come into force from the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the General Provident Fund (Central Services) Rules, 1960, in Fifth Schedule, in paragraph 2, after the entry (8) and before the proviso, the following entry shall be inserted, namely:—

"(9) Directors of Census Organisations under the Registrar General of India."

[No. 13(7)-P&PW/90-E]

का. आ. 3008.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, साधारण भविष्य निधि (केन्द्रीय सेवा) नियम, 1960 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्:—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम साधारण भविष्य निधि (केन्द्रीय सेवा) तीसरा संशोधन नियम, 1990 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से प्रवृत्त होंगे।

2. साधारण भविष्य निधि (केन्द्रीय सेवा) नियम, 1960 में पांचवीं अनुसूची के पैरा 2 में, "भारतीय सर्वेक्षण के निदेशक, अपने नियंत्रणाधीन वर्ग III और IV के अधिकारियों की बाबत।" प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाएगी, अर्थात्:—

"उप महासर्वेक्षक, देहरादून, भारतीय सर्वेक्षण के निदेशक और योजना परिक्षेत्र, देहरादून में महाप्रबंधक, अपने नियंत्रणाधीन समूह "ख", "ग" और "घ" कर्मचारियों और अधीक्षण सर्वेक्षक (3000—4500रु.) के स्तर तक के समूह "क" कर्मचारियों की बाबत।"

[संख्या-13(1)—पी. एण्ड पी. डब्ल्यू./89-ई]

इकबाल खांडे, उप सचिव

S.O. 3008.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution of India the President hereby makes the following rules further to amend the General Provident Fund (Central Services) Rules, 1960, namely:—

1. (1) These rules may be called the General Provident Fund (Central Services) Third Amendment Rules, 1990.

(2) They shall come into force from the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the General Provident Fund (Central Services) Rules, 1960, in the Fifth Schedule, in paragraph 2, for the entry "Directors of the Survey of India, in respect of Class III and Class IV employees under their control" the following entry shall be substituted, namely:—

"Deputy Surveyor General, Dehradun, Directors of Survey of India and General Managers in Planning Zone, Dehradun in respect of Group 'B', 'C' and 'D' employees and Group 'A' officers upto the level of their Superintending Surveyor (Rs. 3000—4500) under their control."

[No. 13(1)-P&PW/89-E]

IQBAL KHANDEY, Dy. Secy.

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

नई दिल्ली, 24 मई, 1990

(आयकर)

का. आ. 3009.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (ii) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा "ज्ञान प्रोबोधिनी, पूणे" को उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ कर-निर्धारण वर्ष 1989-90 के लिए अधिसूचित करती है।

[सं. 8654/फा. सं. 197/27/90—आ. कर (नि.-1)]

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

New Delhi, the 24th May, 1990

(INCOME-TAX)

S.O. 3009.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23-C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Jnana Probodhini, Pune" for the purpose of the said sub-clause for the assessment year 1989-90.

[No. 8654/F. No. 197/27/90-IT (A. I)]

(आयकर)

का. आ. 3010.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (ii) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा "जर्मन लिपरोसी रिलीफ एसोसिएशन रिहैबिलीटेशन फंड, मद्रास" को उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ कर-निर्धारण वर्ष 1989-90 के लिए अधिसूचित करती है।

[सं. 8655/फा. सं. 197/11/89—आ. कर (नि.-1)]

(INCOME-TAX)

S.O. 3010.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23-C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "German Leprosy Relief Association Rehabilitation fund, Madras" for the purpose of the said sub-clause for the assessment year 1989-90.

[No. 8655/F. No. 197/11/89-IT (A. I)]

(आयकर)

का. आ. 3011.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा "भारत सेवा संस्थान, लखनऊ" को उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ कर-निर्धारण वर्ष 1988-89 तथा 1989-90 के लिए अधिसूचित करती है।

[सं. 8658/फा. सं. 197/92/88—आ. कर (नि.-1)]

(INCOME-TAX)

S.O. 3011.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23-C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Bharat Seva Sansthan, Lucknow" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1988-89 and 1989-90.

[No 8658/F. No. 197/92/88-IT (A. I)]

(आयकर)

का० आ० 3012 —आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खण्ड (23-ग) के उपखण्ड (IV) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा "स्किल्स फॉर प्रोग्रेस, बंगलौर" को उक्त उपखण्ड के प्रयोजनार्थ कर-निर्धारण वर्ष 1988-89 तथा 1989-90 के लिए अधिसूचित करती है।

[सं० 8659/फा० सं० 197/56/90-आ० कर (नि०-1)]

(INCOME-TAX)

S.O. 3012.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23-C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Skills for Progress, Bangalore" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1988-89 and 1989-90.

[No. 8659/F. No. 197/56/90-IT (A. I)]

नई दिल्ली, 25 मई, 1990

(आयकर)

का. आ. 3013—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा "इंस्टिट्यूट आफ एनिमल हैल्थ एंड वेटरीनरी बायलोजिकल्स हैब्बल, बंगलौर" को उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ कर-निर्धारण वर्ष 1989-90 के लिए अधिसूचित करती है।

[सं. 8664/फा. सं. 197/55/90 - आ. कर (नि. - 1)]

New Delhi, the 25th May, 1990

(INCOME TAX)

S.O. 3013.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23-C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies the "Institute of Animal Health and Vaterinary Biologicals Hebbal, Bangalore" for the purpose of the said sub-clause for the assessment year 1989-90.

[No. 8664/F. No. 197/55/90-IT (A. I)]

(आयकर)

का. आ. 3014—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा "दि कांग्रिगेशन आफ क्रिश्चियन ब्रदर्स इन इंडिया, कलकत्ता" को उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ कर-निर्धारण वर्ष 1988-89 एवं 1989-90 के लिए अधिसूचित करती है।

[सं. 8665/फा. सं. 197/59/90 - आ. कर (नि. - 1)]

(INCOME-TAX)

S.O. 3014.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23-C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "The Congregation of Christian Brothers in India, Calcutta" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1988-89 and 1989-90.

[No. 8665/F. No. 197/59/90-IT (A. I)]

नई दिल्ली, 26 जून, 1990

(आय-कर)

का. आ. 3015—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खण्ड (23-ग) के उपखंड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा "इंडिया इन्टरनेशनल सेन्टर नई दिल्ली" को उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ कर-निर्धारण वर्ष 1989-90 के लिए अधिसूचित करती है।

[सं. 8691/फा. सं. 197/5/88 - आ. कर (नि. - 1)]

New Delhi, the 26th June, 1990.

(INCOME-TAX)

S.O. 3015.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23-C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies the "India International Centre, New Delhi" for the purpose of the said sub-clause for the assessment year 1989-90.

[No. 8691/F. No. 197/5/88-IT (A. I)]

नई दिल्ली, 23 अगस्त, 1990

(आयकर)

का. आ. 3016—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उप खंड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा "लिटिल सिस्टर्स आफ दि पुअर, कलकत्ता" को 1990-91 से 1992-93 के कर-निर्धारण वर्षों के लिए निम्नलिखित शर्तों के अध्यधीन रहते हुए उक्त उप खण्ड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात :—

(1) कर निर्धारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है ;

(2) कर निर्धारिती ऊपर उल्लिखित कर निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों का किसी भी अवधि के दौरान धारा II की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट स्वरूपों अथवा तरीकों में से किसी एक अथवा एक से अधिक स्वरूपों अथवा तरीकों में भिन्न इसकी निधि (जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर, आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करेगा ;

(3) यह अधिसूचना ऐसी किसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि वह कारोबार उक्त कर निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों।

[सं. 8725/फा. सं. 197/116/90-आ. कर (नि. - 1)]

दलीप सिंह, विशेष कार्य अधिकारी

New Delhi, the 23rd August, 1990

(INCOME-TAX)

S.O. 3016.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23-C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Little Sisters of the Poor, Calcutta", for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1990-91 to 1992-93 subject to the following conditions, nemely :—

(i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established ;

(ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise

than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of section 11 ;

(iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[No. 8725/F. No. 197/116/90-IT (A. I)]

DALIP SINGH, Officer on Special Duty.

नई दिल्ली, 25 मई, 1990

(आय कर)

का. आ. 3017 :—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23ग) के उपखण्ड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा "दि रामकृष्ण मिशन, पास्ट आफिस, बेलूर मठ, हावड़ा, पश्चिम बंगाल" का उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ कर निर्धारण वर्ष 1991-92 से 1993-94 के लिए निम्नलिखित शर्तों के अध्यधीन अधिसूचित करती है, अर्थात् :—

(1) कर निर्धारिती इस संस्थान की आय को उन उद्देश्यों के लिए पूर्ण रूप से और अनन्य रूप से विनियोजित करेगा अथवा विनियोजन के लिए जमा करेगा, जिन उद्देश्यों के लिए इस संस्था को स्थापित किया गया है ;

(2) कर निर्धारिती ऊपर उल्लिखित कर निर्धारण वर्षों से संबंधित पिछले वर्षों के दौरान किसी भी अवधि के लिए इसकी निधि (जेवर जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप मे प्राप्त हुए तथा रखे गए स्वैच्छिक अंशदानो से भिन्न) को धारा 11 की उप-धारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक स्वरूपों तथा तरीकों से अन्यथा किसी स्वरूप अथवा तरीके मे निवेश अथवा जमा नहीं करेगा,

(3) यह अधिसूचना किसी आय पर जो कारोबार के लाभों और अभिलाभों के रूप में हो, तब तक लागू नहीं होगी जब तक वह कारोबार कर निर्धारिती के उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा पुस्तकों को नहीं रखा गया है।

[संख्या 8663/फा. सं. 197/51/90–आ. क. (नि. 1)]

New Delhi, the 25th May, 1990.

(INCOME-TAX)

S.O. 3017.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23-C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "the Ramakrishna Mission, P.O. Belur Math, Howrah, West Bengal" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1991-92 to 1993-94 subject to the following conditions, namely :—

(i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the object for which it is established ;

(ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the terms or modes specified in sub-section (5) of section 11 ;

(iii) this notification will not apply in relation to any income, being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[No. 8663/F. No. 197/51/90-IT (A. I)]

नई दिल्ली, 13 जुलाई, 1990

(आयकर)

का. आ. 3018.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा "केरल फिशरमेन्स वैल्फेयर फंड बोर्ड" को उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ कर-निर्धारण वर्ष 1988–89 तथा 1989–90 के लिए अधिसूचित करती है।

[सं. 8701/फा. सं. 197/186/88–आ. कर (नि.–1)]

New Delhi, the 13th July, 1990.

(INCOME-TAX)

S.O. 3018.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23-C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies the "Kerala Fishermen's Welfare Fund Board" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1988-89 and 1989-90.

[No. 8701/F. No. 197/186/88-IT (A. I)]

(आयकर)

का. आ. 3019.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा "सोसाइटी फार प्रोमोशन आफ वेस्टलैंड डिवेलेपमेंट, नई दिल्ली" को कर-निर्धारण वर्ष 1990–91 से 1992–93 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अध्यधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात् :–

(1) कर निर्धारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है ;

2) कर निर्धारण ऊपर उल्लिखित कर-निर्धारित वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उप धारा (5) मे विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जेवर-जवाहरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा ;

(3) यह अधिसूचना ऐसी किसी आय के संबंध मे लागू नहीं होगा, जोकि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों।

[सं. 8702/फा. सं. 197/104/89–आयकर (नि. 1)]

(INCOME-TAX)

S.O. 3019.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23-C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies the "Society for Promotion of Wastelands Development,

New Delhi for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1990-91 to 1992-93 subject to the following conditions, namely :—

(i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the subject for which it is established ;

(ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of section 11 ;

(iii) this notification will not apply in relation to any income, being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[No. 8702/F. No. 197/104/89-IT (A. I)]

नई दिल्ली, 18 जुलाई, 1990

आयकर

का. आ. 3020:—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा "दि ट्रिब्यून ट्रस्ट, चण्डीगढ़" को कर निर्धारण वर्ष 1990-91 से 1992-93 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात् :—

(1) कर निर्धारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है ;

(2) कर निर्धारिती ऊपर उल्लिखित कर निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उप-धारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा ।

(3) यह अधिसूचना ऐसी किसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों ।

[सं. 8702/फा. सं. 197/104/89-आ. कर (नि.-1)]

New Delhi, the 18th July, 1990

(INCOME-TAX)

S.O. 3020.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23-C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "The Tribune Trust, Chandigarh" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1990-91 to 1992-93 subject to the following conditions, namely :—

(i) the assessee will apply its income, or accumulate it for application, wholly and exclusively to the subject for which it is established ;

(ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of section 11 ;

(iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[No. 8703/F. No. 197/14/90-IT (A. I)]

(आयकर)

का. आ. 3021:—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा "मिशनरीज आफ चैरिटी, कलकत्ता" को कर निर्धारण वर्ष 1990-91 से 1992-93 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अध्यधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात् :—

(i) कर निर्धारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है ;

(ii) कर निर्धारिती ऊपर उल्लिखित कर निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उप-धारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा ;

(iii) यह अधिसूचना ऐसी किसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों ।

[सं. 8704/फा. सं. 197/47/90-आ. कर (नि.-1]

(INCOME-TAX)

S.O. 3021.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23-C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Missionaries of Charity, Calcutta" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1990-91 to 1992-93 subject to the following conditions, namely :—

(i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the subject for which it is established ;

(ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of section 11 ;

(iii) this notification will not apply in relation to any income, being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[No. 8704/F. No. 107/47/90-IT (A. I)]

(आयकर)

का. आ. 3022.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा "जवाहर लाल नेहरू मेमोरियल फण्ड, नई दिल्ली" को कर निर्धारण वर्ष 1990-91 से 1992-93 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अध्यधीन रहते हुए उक्त उप खंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात् :—

(i) कर निर्धारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है ;

(ii) कर निर्धारिती ऊपर उल्लिखित कर निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उप-धारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जेवर जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;

(iii) यह अधिसूचना ऐसी किसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जोकि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो, जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हों तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों।

[सं. 8706/फा. सं. 197/16/90-आ. कर (नि. I)]

(INCOME-TAX)

S.O. 3022.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23-C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Jawaharlal Nehru Memorial Fund, New Delhi" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1990-91 to 1992-93 subject to the following conditions, namely :—

(i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the subject for which it is established ;

(ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of section 11 ;

(iii) this notification will not apply in relation to any income, being profits and gains of business unless thebusiness is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[No. 8706/F. No. 197/16/90-IT (A. I)]

(आयकर)

का. आ. 3023.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा "दि ऐनी बेसेंट ट्रस्ट, मद्रास" को 1990-91 से 1992-93 तक के कर-निर्धारण वर्षों के लिए निम्नलिखित शर्तों के अध्यधीन रहते हुए उक्त उप खंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात् :—

(i) कर निर्धारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है ;

(ii) कर निर्धारिती ऊपर उल्लिखित कर निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उप-धारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से इसकी निधि (जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;

(iii) यह अधिसूचना ऐसी किसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जोकि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो, जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों।

[सं. 8707/फा. सं. 197/92/90-आ. क. (नि-1)]

(INCOME-TAX)

S.O. 3023.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "The Annie Besant Trust, Madras" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1990-91 to 1992-93 subject to the following conditions, namely :—

(i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established ;

(ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture, etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub section (5) of section 11;

(iii) This notification will not apply in relation to any income, being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[No. 3707/F. No. 197/92/90-IT (A. I)]

(आयकर)

का. आ. 3024.—आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उप खंड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा "दि थियोसिफिकल सोसाइटी, अडयार, मद्रास" को 1990-91 से 1992-93 के कर निर्धारण वर्षों के लिए निम्नलिखित शर्तों के अध्यधीन रहते हुए उक्त उप खंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात् :—

(i) कर निर्धारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की की गई है ;

(ii) कर निर्धारिती ऊपर-लिखित कर निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इस की निधि (जेवर जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रखरखाव में स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;

(iii) यह अधिसूचना ऐसी किसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जोकि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों।

[सं. 8708/फा. सं. 197/50/89-आयकर (नि. 1)]

(INCOME-TAX)

S.O. 3024.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "The Theosophical Society, Adyar, Madrass" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1990-91 to 1992-93 subject to the following conditions, namely :—

(i) the assessee will apply its income, or accumulate it for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;

(ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture, etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of section 11;

(iii) This notification will not apply in relation to any income, being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[No. 8708/F. No. 197/50/89-IT (A. I)]

नई दिल्ली, 24 जुलाई, 1990

(आयकर)

का. आ. 3025.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23ग) के उपखंड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा "नेचुरल एसोसिएशन फार दि ब्लाइंड, बम्बई" को 1990-91 से 1992-93 के कर-निर्धारण वर्षों के लिए निम्नलिखित शर्तों के अध्यधीन रहते हुए उक्त उप-खंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात् :-

(i) कर-निर्धारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;

(ii) कर-निर्धारिती ऊपर उल्लिखित कर-निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उप-धारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जेवर, जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;

(iii) यह अधिसूचना ऐसी किसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जोकि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हों जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों।

[सं. 8712/फा. सं. 197/102/90-आ. कर (नि. 1)]

New Delhi, the 24th July, 1990

(INCOME-TAX)

S.O. 3025.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies the "Natural Association for the Blind, Bombay" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1990-91 to 1992-93 subject to the following conditions, namely :—

(i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;

(ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of section 11;

(iii) this notification will not apply in relation to any income, being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[No. 8712/F. No 197/102/90-IT (A. I)]

नई दिल्ली, 25 जुलाई, 1990

(आयकर)

का. आ. 3026.—आयकर अधिनियम, 1961, (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा "दि बम्बई ह्यूमैनिटेरियन लीग, बम्बई" को उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ कर निर्धारण वर्ष 1989-90 के लिए अधिसूचित करती है।

[सं. 8714/फा. सं. 197/199/89-आ. कर (नि. 1)]

New Delhi, the 25th July, 1990

(INCOME TAX)

S.O. 3026.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "The Bombay Humanitarian League, Bombay" for the purpose of the said sub-clause for the assessment year 1989-90.

[No. 8714/F. No. 197/199/89-IT(A-I)]

नई दिल्ली, 31 जुलाई, 1990

(आयकर)

का. आ. 3027 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा "मोतीलाल मेमोरियल सोसाइटी लखनऊ" को उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ कर-निर्धारण वर्ष 1989-90 के लिए अधिसूचित करती है।

[सं. 8718/फा. सं. 197/62/89-आ. कर (नि-1)]

New Delhi, the 31st July, 1990

(INCOME-TAX)

S.O. 3027.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "The Motilal Memorial Society, Lucknow" for the purpose of the said sub-clause for the assessment year 1989-90.

[No. 8718/F. No. 197/62/89-IT (A. I)]

आयकर

का. आ. 3028.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा "फैमिली प्लानिंग एसोसिएशन आफ इंडिया, बम्बई" को उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ कर-निर्धारण वर्ष 1989-90 के लिए अधिसूचित करती है।

[सं. 8719/फा. सं. 197/103/88-आ. कर (नि.-1)]

आनन्द किशोर, अवर सचिव

(INCOME-TAX)

S.O. 3028.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Family Planning Association of India, Bombay" for the purpose of the said sub-clause for the assessment year 1989-90.

[No. 8719/F. No. 197/103/88-IT (A. I)]

ANAND KISHORE, Under Secy.

आदेश

नई दिल्ली, 29 अक्तूबर, 1990

स्टाम्प

का. आ. 3029.—भारतीय स्टाम्प अधिनियम, 1899 (1899 का 2) की धारा 9 की उपधारा (1) के खंड (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा उस शुल्क को माफ करती है जो ग्रामीण विद्युतीकरण निगम लि. द्वारा जारी किये जाने वाले उनहत्तर करोड़ और आठ लाख रुपये मात्र मूल्य के "11.5% (आर. ई. सी.) बंध पत्र-2009" के रूप में वर्णित ऋण पत्रों के स्वरूप के बंध पत्रों पर उक्त अधिनियम के अन्तर्गत प्रभार्य है।

[सं. 31/90-स्टाम्प/फा. सं. 33/22/90-बिक्री कर]

ORDER

New Delhi, the 29th October, 1990

STAMPS

S.O. 3029.—In exercise of the powers conferred by sub-(a) of sub-section (1) of section 9 of the Indian Stamp Act, 1899 (2 of 1899), Central Government hereby remits the duty with which the bonds in the nature of debentures described as "11.5% (REC) Bonds-2009" of the value of rupees sixty nine crores and eight lakhs only issued by the Rural Electrification Corporation Limited are chargeable under the said Act.

[No. 31/90-Stamps F. No. 33/22/90-ST]

आदेश

स्टाम्प

का. आ. 3030.—भारतीय स्टाम्प अधिनियम, 1899 (1899 का 2) की धारा 9 की उपधारा (1) के खंड (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा उस शुल्क को माफ करती है जो कर्नाटक राज्य वित्तीय निगम बंगलौर द्वारा जारी किए जाने वाले तेरह करोड़ पिचहत्तर लाख रुपये मात्र मूल्य के "11.5% कर्नाटक राज्य वित्तीय निगम बंध-पत्र 2010 (प्रथम शृंखला)" (संख्या 49 वाले) के रूप में वर्णित प्रोमिजरी नोटों की प्रकृति के बंध-पत्रों पर उक्त अधिनियम के अन्तर्गत प्रभार्य है।

[सं. 33/90-स्टाम्प-फा. सं. 33/19/90-बि. कर]

ORDER

STAMPS

S.O. 3030.—In exercise of the powers conferred by clause (a) of sub-section (1) of section 9 of the Indian Stamp Act, 1899 (2 of 1899), the Central Government hereby remits the duty with which the bonds in the nature of promissory notes described as "11.5% Karnataka State Financial Corporation Bonds 2010 (First Series)" (bearing No. 49) of the value of rupees thirteen crores seventy five lakhs only to be issued by the Karnataka State Financial Corporation, Bangalore are chargeable under the said Act.

[No. 33/90-Stamps-F. No. 33/19/90-ST]

आदेश

स्टाम्प

का. आ. 3031.—भारतीय स्टाम्प अधिनियम, 1899 (1899 का 2) की धारा 9 की उपधारा (1) के खंड (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा उस शुल्क को माफ करती है जो कोल इंडिया लि. द्वारा जारी—

(क) 150 करोड़ रुपए मूल्य के 9 % (कर मुक्त) बंध-पत्रों, और

(ख) 50 करोड़ रुपये मूल्य के 13 % (कर योग्य) बंध-पत्रों, के रूप में बंध-पत्रों पर उक्त अधिनियम के तहत प्रभार्य है।

[सं. 32/90-स्टाम्प फा. सं. 33/67/90-बिक्री-कर]

वी. के. स्वामीनाथन, अवर सचिव

ORDER

STAMPS

S.O. 3031.—In exercise of the powers conferred by sub-(a) of sub-section (1) of section 9 of the Indian Stamp Act, 1899 (2 of 1899), the Central Government hereby remits the duty with which the bonds in form of—

(a) 9 per cent (tax-free) Bonds of the value of rupees 150 crores, and

(b) 13 per cent (taxable) Bonds of the value of rupees 50 crores,

issued by the Coal India Limited are chargeable under the said Act.

[No. 32/90-Stamps-F. No. 33/67/90-ST]

V. K. SWAMINATHAN, Under Secy.

आदेश

नई दिल्ली, 31 अक्तूबर, 1990

स्टाम्प

का. आ. 3032.—भारतीय स्टाम्प अधिनियम, 1899 (1899 का 2) की धारा 9 की उपधारा (1) के खंड (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा उस शुल्क को माफ करती है जो भारतीय रेलवे फाइनेंस कारपोरेशन लिमिटेड द्वारा जारी किए जाने वाले एक हजार, एक सौ और सत्तर करोड़ रुपये मूल्य के "9 % (कर-मुक्त) बन्धपत्र (5वीं शृंखला)" के रूप में वर्णित ऋणपत्रों के स्वरूप में बन्धपत्रों पर उक्त अधिनियम के अन्तर्गत प्रभार्य है।

[सं. 34/90-स्टाम्प-फा. सं. 33/68/90-बि. कर]

ठाकुर दत्त, उप सचिव

ORDER

New Delhi, the 31st October, 1990

STAMPS

S.O. 3032.—In exercise of the powers conferred by clause (a) of sub-section (1) of section 9 of the Indian Stamp Act, 1899 (2 of 1899), the Central Government hereby remits the duty with which the bonds in the nature of debentures described as "9 per cent (tax-free) Bonds (5th series)" of the value of rupees one thousand, one hundred and seventy crores to be issued by the Indian Railway Finance Corporation Limited are chargeable under the said Act.

[No. 34/90-Stamps—F. No. 33/68/90-ST]

THAKUR DATT, Dy. Secy.

(व्यय विभाग)

नई दिल्ली, 16 अक्तूबर, 1990

का.आ. 3033.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 77 के खंड (3) के अनुसरण में वित्तीय शक्तियों का प्रत्यायोजन नियम, 1978 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्:—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम वित्तीय शक्तियों का प्रत्यायोजन (चौथा संशोधन) नियम, 1990 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. वित्तीय शक्तियों का प्रत्यायोजन नियम, 1978 की अनुसूची 7 में "मोटरयानों और मोटरसाईकिलों का निष्प्रयोज्य ठहराया जाना" मद के सामने स्तम्भ 3 में निर्बन्धन (ग) के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात्:—

"(ग) किसी यान को केवल तभी निष्प्रयोज्य ठहराया जाए जब निम्नलिखित प्राधिकारियों में से किसी एक से इस आशय का प्रमाण पत्र अभिप्राप्त कर लिया गया हो कि यान आगे किसी मितव्ययी उपयोग के लिए ठीक नहीं है:—

(i) राष्ट्रीय विमान पत्तन प्राधिकरण की कोई विद्युत और यांत्रिक कर्मशाला;

(ii) राज्य सड़क परिवहन निगम की कर्मशाला;

(iii) ऐसे स्थानों पर जहां ऊपर (i) और (ii) में वर्णित कर्मशालाएं उपलब्ध न हो वहां केन्द्रीय या राज्य सरकार के विभागों के अधीन परिवहन कर्मशालाएं (")

टिप्पण:—वित्तीय शक्तियों का प्रत्यायोजन नियम, 1978 जिन्हें अधिसूचना सं. का.आ. 2131, तारीख 22 जुलाई, 1978 के अधीन प्रकाशित किया गया था उनका बाद में निम्नलिखित द्वारा संशोधन किया गया:—

(i) अधिसूचना सं. का.आ. 1887, तारीख 9-8-1979
(ii) अधिसूचना सं० का.आ. 2942, तारीख 1-9-1979.
(iii) „ सं. का.आ. 2611, तारीख 4-10-1980.
(iv) „ सं. का.आ. 2164, तारीख 15-8-1981.
(v) „ सं. का.आ. 2303, तारीख 5-9-1981.
(vi) „ सं. का.आ. 3073, तारीख 4-9-1982.
(vii) „ सं. का.आ. 4171, तारीख 11-12-1982.
(viii) „ सं. का.आ. 1314, तारीख 26-2-1983
(ix) „ सं. का.आ. 2502, तारीख 4-8-1984.
(x) „ सं. का.आ. 22, तारीख 5-1-1985
(xi) शुद्धिपत्र सं. का.आ. 1958, तारीख 11-5-1985
(xii) अधिसूचना सं. का.आ. 2082, तारीख 6-7-1985.
(xiii) „ सं. का.आ. 3974, तारीख 25-8-1985.
(xiv) „ सं. का.आ. 5641, तारीख 21-12-1985
(xv) „ सं. का.आ. 1548 तारीख 19-4-1986.
(xvi) „ सं. का.आ. 3183, तारीख 20-9-1986.
(xvii) „ सं. का.आ. 3787 तारीख 8-11-1986
(xviii) „ सं. का.आ. 2508, तारीख 19-9-1987
(xix) „ सं. का.आ. 3092, तारीख 7-11-1987.
(xx) „ सं. का.आ. 3581, तारीख 19-12-1988.
(xxi) „ सं. का.आ. 641, तारीख 17-3-1990.
(xxii) „ सं. का.आ. 1469, तारीख 26-5-1990
(xxiii) „ सं. का.आ. 2173, तारीख 18-8-1990.

[सं. एफ. 1(19)-स्था-II (क)/89]

डी. त्यागेश्वरण, अवर सचिव

(Department of Expenditure)

New Delhi, the 16th October, 1990

S.O. 3033.—In pursuance of clause (3) of article 77 of the Constitution of India, the President hereby makes the following rules further to amend the Delegation of Financial Powers Rules, 1978, namely :—

1. (1) These rules may be called the Delegation of Financial Powers (Fourth Amendment) Rules, 1990.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In Schedule VII to the Delegation of Financial Powers Rules, 1978, against item "condemnaion of motor vehicles and motor cycles", in column 3, for the restriction (c), the following shall be substituted, namely :—

"(c) A vehicle should be condemned only after a certificate has been obtained from one of the following authorities to the effect that the vehicle is not fit for any further economical use—

(i) an Electrical and Mechnical Workshop of the National Airports Authority;

(ii) the Workshop of a State Road Transport Corporation;

(iii) at locations where workshops mentioned at (i) and (ii) are not available, Transport Workshops under the Central or State Government Departments.".

NOTE : The Delegation of Financial Powers Rules, 1978 published vide Notification No. S.O. 2131, dated the 22nd July, 1978 have subsequently been amended by:—

(i) Notification No. SO. 1887, dated 9-6-1979.
(ii) Notification No. SO. 2942, dated 1-9-1979.
(iii) Notification No. S.O. 2611, dated 4-10-1980.
(iv) Notification No. SO. 2164, dated 15-8-1981.
(v) Notification No. SO. 2303, dated 5-9-1981.
(vi) Notification No. SO. 3073, dated 4-9-1982.
(vii) Notification No. SO. 4171, dated 11-12-1982.
(viii) Notification No. SO. 1314, dated 26-2-1983.
(ix) Notification No. S.O. 2502, dated 4-8-1984.
(x) Notification No. SO. 22, dated 5-1-1985.
(xi) Corrigerdum No. SO. 1958, dated 11-5-1985.
(xii) Notification No. SO. 3082, dated 6-7-1985.
(xiii) Notification No. SO. 3974, dated 24-8-1985.
(xiv) Notification No. SO. 5641, dated 21-12-1985
(xv) Notification No. SO. 1548, dated 19-4-1986.
(xvi) Notification No. SO. 3183, dated 20-9-1986.
(xvii) Notification No. SO. 3787, dated 8-11-1986.
(xviii) Notificaiotn No. SO. 2508, dated 19-9-1987.
(xix) Notification No. SO. 3092, dated 7-11-1987.
(xx) Notification No. SO. 3581, dated 10-12-1988.
(xxi) Notification No. SO. 641, dated 17-3-1990
(xxii) Notification No. S.O. 1469, dated 26-5-1990.
(xxiii) Notification No. SO. 2173, dated 18-8-1990.

[No. F. 1(19-E.II(A)/89]

D. THYAGESWARAN, Under Secy.

(कार्यालय आयकर आयुक्त)

कानपुर, 13 जुलाई, 1990

अधिसूचना सं. 6/90-91

का.आ. 3004 :—इस विषय में दिनांक 27-5-88 की अधिसूचना सं. 5 का आंशिक संशोधन करते हुए तथा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 120 की उपधारा (2) में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 120 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार, केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, नई दिल्ली की दिनांक 30-3-88 की अधिसूचना संख्या 7818(एफ.न. 187/5/88–II–ए.आई. द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा उन समस्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए जो मुझे इस ओर अधिकारित करती हैं, मैं, आयकर आयुक्त, कानपुर यह निर्देश देता हूं कि निम्नलिखित सारिणी के स्तम्भ–1 में विनिर्दिष्ट कर निर्धारण अधिकारी उक्त सूची के स्तम्भ–II में विनिर्दिष्ट क्षेत्रों के सम्बन्ध में अथवा ऐसे व्यक्तियों के सम्बंध में अथवा व्यक्तियों के वर्गों के सम्बन्ध में तथा/अथवा आय अथवा आय के वर्गों के सम्बन्ध में ऐसे मामलों के सम्बन्ध में अथवा मामलों के वर्गों के सम्बंध में किन्हीं अन्य आदेशों के आधार पर अन्य निर्धारण अधिकारियों द्वारा कर निर्धारण योग्य मामलों के अतिरिक्त तथा आयकर अधिनियम की धारा 127 के अधीन इस अधिसूचना के साथ-साथ अथवा बाद में पारित आदेशों के अतिरिक्त कर निर्धारण अधिकारी के रूप में अपने कार्यों का निष्पादन करेगा।

सारणी

स्तंभ-I	स्तंभ-II
1. सहायक आयकर आयुक्त सर्किल-1(1), कानपुर	आयकर अधिकारी वार्ड–1(1) से लेकर वार्ड (6) द्वारा निर्धारिणीय सभी व्यक्ति, जिनकी आय की विवरणियां 1-4-1990 अथवा किसी अनुवर्ती वित्तीय वर्ष के 1 अप्रैल को कुल आय/हानि रु. 2 लाख और इससे अधिक, परन्तु रु. 5 लाख से कम दर्शाती है।
2. सहायक आयकर आयुक्त सर्किल-1(2), कानपुर	ऐसे व्यक्तियों, न्यास (ट्रस्ट) एवं संस्थाओं के समस्त मामले, जो धारा 139(4ए) के प्रावधानों के अधीन अपनी आय की विवरणी प्रस्तुत करने के लिए वांछनीय है तथा जिनके कर-निर्धारण के स्थान आयकर अधिनियम 1961 की धारा 124(1) के प्रावधानों के अधीन स्थित हैं। कानपुर, कानपुर देहात, बांदा, जालौन, तथा हमीरपुर के राजस्व जिलों के अन्तर्गत, निम्नलिखित मामलों के अतिरिक्त (क) तलाशी एवं अभिग्रहण के मामले। (ख) ऐसे मामले, जो आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन किसी अन्य कर निर्धारण अधिकारी को सौंपे गए हैं या सौंपे जा सकते हैं। 2. आयकर अधिकारी वार्ड 1(1) से लेकर वार्ड 1(6) द्वारा निर्धारणीय सभी व्यक्ति जिनके द्वारा पूर्ववर्ती वित्तीय वर्ष में कोई विवरणी प्रस्तुत नहीं की गई है।

यह आदेश 16-7-90 से प्रभावी होगा।

[सी.नं. 120/एम.एण्ड पी./ज्यूरिस./89-90/2177]

राज नरायन, आयकर आयुक्त

(Office of the Commissioner of Income-tax)

Kanpur, the 13th July, 1990

NOTIFICATION NO. 6/90-91

S.O. 3004.—In partial modification to Notification No. 5 of 1988 dated 27th May, 1988 on the subject and in exercise of the powers under Sub section (2) of Section 120 of the Income Tax Act, 1961

conferred upon me by the Central Board of Direct Taxes, New Delhi, vide Notification No. 7818 (F. No 187/5/88-II-Ai dated 30-3-88 under sub-section (1) of Section 120 of the Income-tax Act, 1961 and all other powers enabling me in this behalf, I, the Commissioner of Income-tax, Kanpur hereby direct that the assessing Officers mention in Column I of the table below shall perform the functions of an Assessing Officer in respect of such areas and/or persons or Classes of persons and/or incomes or Classes of income and/or cases or Classes of cases mentioned in Column-II of the said table:—

Excepting cases assessable by other Assessing Officers by virtue of any other orders including oders under Section 127 of the Act, on the subject issued simultaneously or subsequent to this Notification.

TABLE

Column-I	Column-II
1. Assistant Commissioner Circle1(1), Kanpur.	All persons assessable by ITOs Ward 1(1) to Ward 1(6), Kanpur whose returns of income as on 1st April of the year 1990, and as on 1st April of any subsequent financial year show total income/loss of Rs. 2 lakhs and above but below Rs. 5 lakhs.
2. Assistant Commissioner Circle 1(2), Kanpur	1. All cases of persons, trusts and institutions which are require to file their return of income under the provisions of Section 139 (4A) and whose place of assessment under the provisions of Section 124 (1) of the Income-tax Act, 1961 is situated. Within the Revenue Districts of Kanpur, Kanpur Dehat, Banda Jalaun and Hamirpur. Excluding (a) Search & Seizure cases. (b) the cases which have been assigned or may be assigned to any other Assessing Officer under the I.T. Act, 1961. 2. All persons assessable by ITOs Ward 1(1) to Ward 1(6) Kanpur where no return has been filed by the assessee in any preceding financial year. This order shall take effect from 16-7-1990.

[C. No. 120/S&P/Juris/89-90/2177]

RAJ NARAIN, Commissioner of Income tax.

वाणिज्य मंत्रालय

नई दिल्ली, 22 अक्तूबर, 1990

का.आ. 3035:—केन्द्रीय सरकार, निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 8 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मशीनी औजारों के संबंध में भारतीय मानक ब्यूरो के प्रमाणन चिह्न को मान्यता देने का प्रस्ताव यह घोषित करने के प्रयोजन के लिए करती है कि यदि मशीनी औजारों पर ऐसे चिह्न चिपकाए या लगाए गए हों तो उन्हें उक्त अधिनियम के अधीन लागू मानक विनिर्देशों के अनुरूप समझा जाएगा;

और उक्त केन्द्रीय सरकार ने उक्त प्रस्ताव को निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1964 के नियम 11 के उप नियम (2) की अपेक्षानुसार निर्यात निरीक्षण परिषद् को भेज दिया है,

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार उक्त उप नियम के अनुसरण में, उक्त प्रस्ताव को उन लोगों की जानकारी के लिए प्रकाशित करती है, जिनके उनसे प्रभावित होने की संभावना है,

2. सूचना दी जाती है कि कोई भी व्यक्ति जो उक्त प्रस्ताव के बारे में कोई आक्षेप या सुझाव देना चाहता है तो इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से पैंतालीस दिन के भीतर उन्हें निर्यात निरीक्षण परिषद् 11वीं मंजिल, प्रगति टावर, 26, राजेन्द्र प्लेस, नई दिल्ली-110008 को भेज सकता है।

3. इस अधिसूचना के प्रयोजन के लिए "मशीनी औजारों" से सामान्य प्रयोग हेतु शक्ति चालित खराद मशीन तथा बर्मा मशीन अभिप्रेत है।

[फा. सं. 6/21/86-ईआईएण्डईपी)]

MINISTRY OF COMMERCE

New Delhi, the 22nd October, 1990

S.O. 3035.—Whereas the Central Government in exercise of the powers conferred under Section 8 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), proposes to recognise the Bureau of Indian Standard certification mark in relation to machine tools for the purpose of denoting that where machine tools are affixed or applied with such mark, it shall be deemed to be in conformity with the standard specification applicable thereto under the said Act;

And whereas the Central Government forwarded the aforesaid proposal to the Export Inspection Council as required by sub-rule (2) of the rule 11 of the Export (Quality Control and Inspection) Rules, 1964;

Now, therefore, in pursuance of the said sub-rule the Central Government hereby publishes the said proposal for the information of the public likely to be affected thereby.

2. Notice is hereby given that any person desiring to forward any objections on suggestions with respect to the said proposal may forward the same within forty five days of publication of this notification in the Official Gazette to the Export Inspection Council, 11th floor, Pragati Tower, 26, Rajendra Place, New Delhi-110008.

3. For the purpose of this notification, 'Machine Tools means General Purpose Power Driven Lathe Machine and drilling machine.

[File No. 6/21/86-EI&EP]

आदेश

का. आ. 3036.—केन्द्रीय सरकार की निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह राय है कि भारत के निर्यात व्यापार के विकास के लिए ऐसा करना आवश्यक तथा समीचीन है कि मशीनी औजारों का निर्यात से पूर्व क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण किया जाए।

और केन्द्रीय सरकार ने उक्त प्रयोजन के लिए नीचे विनिर्दिष्ट प्रस्ताव बनाए हैं और उन्हें निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1964 के नियम 11 के उप नियम (2) की अपेक्षानुसार निर्यात निरीक्षण परिषद् को भेज दिया है।

अत: केन्द्रीय सरकार उक्त उप नियम के अनुसरण में और भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय की अधिसूचना सं. का.आ. 195, तारीख 27 दिसंबर, 1980 को उन बातों के सिवाय अधिक्रांत करते हुए, जिन्हें ऐसे अधिक्रमण से पहले किया गया है या करने का लोप किया है उक्त प्रस्तावों को उन लोगों की जानकारी के लिए प्रकाशित करती है जिनके उनसे प्रभावित होने की संभावना है।

2. सूचना दी जाती है कि यदि कोई व्यक्ति उक्त प्रस्तावों के बारे में कोई आक्षेप या सुझाव भेजना चाहता है तो वह उन्हें इस आदेश के राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख के पैंतालीस दिन के भीतर निर्यात निरीक्षण परिषद्, प्रगति टावर, 11वीं मंजिल, 26, राजेन्द्र प्लेस नयी दिल्ली-110008 को भेज सकता है।

प्रस्ताव

(1) अधिसूचित करना कि मशीनी औजार निर्यात से पूर्व क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण के अधीन होंगे।

(2) इस आदेश के उपबंध (क) में वर्णित मशीनी औजारों का निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम 1990 के प्रारूप के अनुसार क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण के प्रकार को इस प्रकार के क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण के रूप में विनिर्दिष्ट करना जो निर्यात से पूर्व ऐसे मशीनी औजारों को लागू होगा।

(3) निम्नलिखित को मान्यता देना:—

(क) राष्ट्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय मानकों;

(ख) निर्यात निरीक्षण परिषद् द्वारा मान्यता प्राप्त अन्य निकायों के मानकों को;

(ग) इस आदेश के उपबंध III में दिए गए न्यूनतम विनिर्देशों के अधीन रहते हुए निर्यात संविदा में करार पाए गए संविदात्मक विनिर्देशों को;

(घ) अनिवार्य क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण के लागू होने से तुरन्त पहले और अनिवार्य क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण लागू होने की तारीख से 60 दिनों के भीतर निर्यात करने के तुरन्त बाद विनिर्माता/निर्यातकर्ताओं द्वारा सुनिश्चित आदेशों के लिए परेषण हेतु संविदात्मक विनिर्देशों को मान्यता देना।

(4) अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के दौरान, ऐसे मशीनी औजारों के निर्यात को तब तक प्रतिषिद्ध करना जब तक कि उनके साथ निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 7 के अधीन केन्द्रीय सरकार द्वारा स्थापित अभिकरणों में से किसी एक द्वारा जारी किया गया इस आशय का प्रमाणपत्र न हो कि ऐसे मशीनी औजार क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण से संबंधित शर्तों को पूरा करते हैं तथा निर्यात योग्य है या उक्त अधिनियम की धारा (8) द्वारा केन्द्रीय सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त चिह्न या मुद्रा है।

2. इस आदेश की कोई भी बात निम्नलिखित को लागू नहीं होगी।

(क) भावी क्रेताओं को भू मार्ग, वायु मार्ग या समुद्री मार्ग द्वारा मशीनी औजारों के वास्तविक नमूनों के निर्यात को।

(ख) ऐसे परेषण को जो कि अनिवार्य क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण को लागू होने के ठीक पूर्व निर्यातकर्ता/विनिर्माता के परिसरों से भेजे जा चुके हों।

3. इस आदेश में, "मशीनी औजार" से सामान्य प्रयोग हेतु शक्ति-चालित खराद मशीन तथा बर्मा मशीन अभिप्रेत है।

उपाबंध—(क)

निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम 1963 (1963 का 22) की धारा 17 के अधीन बनाए जाने वाले प्रस्तावित नियमों का प्रारूप।

केन्द्रीय सरकार निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 17 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात्:—

(1) संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ: (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम मशीनी औजारों का निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1990 है।

(2) ये तारीख को प्रवृत्त होंगे।

(2) परिभाषाएं: इन नियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो:—

(क) "अधिनियम" से निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) अभिप्रेत है,

(ख) "अभिकरण" से अधिनियम की धारा 7 के अधीन मुम्बई, कलकत्ता, कोचीन, दिल्ली और मद्रास में स्थापित कोई निर्यात निरीक्षण अभिकरण अभिप्रेत है;

(ग) "परिषद्" से अधिनियम की धारा 3 के अधीन स्थापित निर्यात निरीक्षण परिषद् अभिप्रेत है;

(घ) "मशीनी औजार" से सामान्य प्रयोग हेतु शक्तिचालित खराद मशीन और बर्मा मशीन अभिप्रेत है;

(ङ) "अनुसूची" से इन नियमों की अनुसूची अभिप्रेत है।

(3) निरीक्षण का आधार : निर्यात के लिए आशयित मशीन औजारों का निरीक्षण यह सुनिश्चित करने की दृष्टि से किया जाएगा कि मशीनी औजार अधिनियम की धारा 6 के अधीन मान्यता प्राप्त मानक विनिर्देशों के अनुरूप है, या तो—

(क) यह सुनिश्चित करते हुए कि उत्पाद का विनिर्माण इस अधिसूचना के उपाबंध I में विनिर्दिष्ट अनिवार्य प्रक्रियागत क्वालिटी नियंत्रणों का प्रयोग करते हुए किया गया है;

या

(ख) इन नियम के उपबंध-II में विनिर्दिष्ट ढंग से तैयार किए गए उत्पाद के निरीक्षण और परीक्षण के आधार पर किया गया है।

(4) निरीक्षण की प्रक्रिया : (1) मशीनी औजारों के परेषण का निर्यात करने का इच्छुक निर्यातकर्ता निर्यात-संविदा या आदेश की एक प्रति के साथ संविदात्मक विनिर्देशों का ब्योरा देते हुए अभिकरण को अपने आशय को लिखित रूप में सूचना देगा ताकि अभिकरण नियम 3 के प्रावधानों और परिषद् द्वारा अधिकथित प्रक्रिया के अनुसार निरीक्षण कर सके;

(2) उपबंध—क में अधिकथित उत्पादन के दौरान पर्याप्त क्वालिटी नियंत्रण का प्रयोग करते हुए विनिर्मित मशीनी औजारों के निर्यात के लिए और परिषद् द्वारा इस प्रयोजन के लिए गठित विशेषज्ञों के पैनल द्वारा यह न्याय निर्णित करने पर कि विनिर्माण एककों में उत्पादन के दौरान पर्याप्त क्वालिटी नियंत्रण किये है, निर्यातकर्ता उपनियम (i) में उल्लिखित सूचना के साथ यह घोषणा भी देगा कि निर्यात के लिए आशयित मशीनी औजारों का परेषण उपाबंध—(क) में अधिकथित पर्याप्त क्वालिटी नियंत्रण का प्रयोग करते हुए, विनिर्मित किया गया है और परेषण इस प्रयोजन के लिए मान्यता प्राप्त मानक विनिर्देशों के अनुरूप है;

(3) निर्यातकर्ता निर्यात किए जाने वाले परेषण पर लगाए जाने वाले पहचान चिह्न भी अभिकरण को देगा।

(4) उपरोक्त उपनियम (1) के अधीन प्रत्येक सूचना विनिर्माता के परेषण को भेजे जाने से कम से कम सात दिन पूर्व दी जाएगी जबकि उपनियम (2) के अधीन घोषणा सहित सूचना विनिर्माता के परिसर से परेषण के भेजे जाने से कम से कम तीन दिन पूर्व दी जाएगी।

5. उपनियम (1) के अधीन सूचना और उपनियम (2) के अधीन घोषणा यदि कोई हो के प्राप्त होने पर अधिकरण :—

(क) (i) अपना यह समाधान कर लेने पर कि विनिर्माण की प्रक्रिया के दौरान विनिर्माता ने उपाबंध-1 में अधिकथित पर्याप्त क्वालिटी नियंत्रण का प्रयोग किया था और इस प्रयोजन के लिए मान्यताप्राप्त मानक विनिर्देशों के अनुरूप उत्पाद का विनिर्माण करने के लिए इस संबंध में परिषद् या अभिकरण द्वारा जारी किए गए अनुदेशों का, यदि कोई हो, पालन किया है तो यह घोषित करते हुए, तीन दिन के भीतर प्रमाणपत्र जारी करेगा कि मशीनों का परेषण निर्यात योग्य है।

(ii) जहां विनिर्माता निर्यातकर्ता नहीं है, वहां भी परेषण का भौतिक रूप से सत्यापन किया जाएगा और अधिकरण द्वारा ऐसा सत्यापन और निरीक्षण, यदि आवश्यक हो यह सुनिश्चित करने के लिए किया जाएगा कि उपरोक्त शर्तों का पालन किया गया है।

(iii) अभिकरण निर्यात के लिए आशयित परेषणों में से कुछ परेषणों की स्थल पर जांच भी करेगा और यूनिटों द्वारा अपनाई गई उत्पादन के दौरान क्वालिटी नियंत्रण डिलों की पर्याप्तता के अनुसरण का सत्यापन करने के लिए नियमित अंतरालों पर यूनिटों में भी जाएगा। यदि यह पाया जाता है कि विनिर्माण यूनिट विनिर्माण के किसी भी प्रक्रम पर अपेक्षित क्वालिटी नियंत्रण उपायों का प्रयोग नहीं करता है या परिषद् अभिकरण की सिफारिश का पालन नहीं करता है तो यह घोषित किया जाएगा कि यूनिट के पास उत्पादन के दौरान पर्याप्त क्वालिटी नियंत्रण डिले नहीं है।

(ख) जहां निर्यातकर्ता ने उपनियम (2) के अधीन यह घोषित नहीं किया है कि अनुसूची-1 में अधिकथित पर्याप्त क्वालिटी नियंत्रणों का प्रयोग किया है, अपना यह समाधान कर लेने पर कि मशीनी औजारों का परेषण इस प्रयोजन के लिए मान्यताप्राप्त मानक विनिर्देशों के अनुरूप है, उपाबंध-II में अधिकथित के अनुसार किए गए निरीक्षण और परीक्षण के आधार पर ऐसा निरीक्षण करने के सात दिन के भीतर यह घोषणा करते हुए, प्रमाणपत्र जारी करेगा कि मशीनी औजारों का परेषण निर्यात योग्य है :

परन्तु यह तब जब कि अभिकरण का इस प्रकार का समाधान नहीं हो पाता तो वह निर्यातकर्ता को यह घोषणा करते हुए प्रमाण-पत्र जारी करने से इंकार कर देगा कि मशीनरी औजारों का परेषण निर्यात योग्य नहीं है और निर्यात-कर्ता को ऐसे इंकार की सूचना उसके कारणों सहित सात दिनों के भीतर देगा।

(6) ऐसे मामलों में जहां उपनियम 5(क) के अधीन विनिर्माता निर्यातकर्ता नहीं है या उप नियम (5) (ख) के अधीन परेषण का निरीक्षण किया गया है अभिकरण, निरीक्षण के समाप्ति के ठीक पश्चात् परेषण से पैकेजों को इस ढंग से सील बंद करेगा कि सीलबन्द पैकेजों के साथ छेड़छाड़ न की जा सके। परेषण की अस्वीकृति की दशा में, यदि निर्यातकर्ता ऐसा चाहता है तो परेषण अभिकरण द्वारा सीलबन्द नहीं किया जाएगा किन्तु ऐसे मामलों में निर्यातकर्ता अस्वीकृति के विरुद्ध कोई भी अपील करने का हकदार नहीं होगा।

5. निरीक्षण का स्थान :—इन नियमों के अधीन प्रत्येक निरीक्षण या तो (क) ऐसे उत्पादों के विनिर्माता के परिसरों पर किया जाएगा या, (ख) ऐसे परिसरों पर किया जाएगा जहां निर्यातकर्ता ने माल प्रस्तुत किया है, परन्तु यह तब जब कि वहां निरीक्षण के लिए पर्याप्त सुविधाएं विद्यमान हों।

6. निरीक्षण फीस :—विनिर्माता/निर्यातकर्ता द्वारा अभिकरण को निम्नानुसार फीस संदाय की जाएगी,

(1) नियम 3(क) के अधीन निरीक्षण के लिए न्यूनतम 100 रुपये प्रति परेषण के अधीन रहते हुए पोत पर्यन्त निःशुल्क मूल्य के 0.2% की दर से।

(2) नियम 3(ख) के अधीन निरीक्षण के लिए न्यूनतम 100 रु० प्रति परेषण के अधीन रहते हुए पोतपर्यन्त निःशुल्क मूल्य के 0.4% की दर से।

(3) उप नियम (1) तथा (2) में दी गई निरीक्षण फीस की दर में 10% की छूट उन लघु उद्योगों/इकाइयों को दी जाएगी जो कि संबंधित संघ शासित/राज्य सरकारों के पास रजिस्ट्रीकृत हैं।

7. अपील :—(1) नियम 4 के उप नियम (5) के अधीन प्रमाण-पत्र जारी करने से इंकार से व्यथित कोई व्यक्ति उसके द्वारा ऐसे इंकार की सूचना प्राप्त होने के 10 दिनों के भीतर केन्द्रीय सरकार द्वारा इस प्रयोजन के लिए नियुक्त कम से कम तीन और सात से अनधिक व्यक्तियों के पैनल को अपील कर सकेगा ।

(2) विशेषज्ञों के पैनल की कुल सदस्यता के दो तिहाई सदस्य गैर सरकारी होंगे ।

(3) पैनल की गणपूर्ति तीन से होगी ।

(4) अपील प्राप्त होने के दस दिनों के भीतर निपटा दी जाएगी ।

उपाबंध-I

[नियम 3 (क) देखिए]

विनिर्माता द्वारा मशीनी औजारों की क्वालिटी और नियंत्रण इससे संलग्न अनुसूची में दिए गए नियंत्रण के स्तरों सहित उत्पाद के विनिर्माण परीक्षण और पैकिंग के विभिन्न प्रक्रमों पर निम्नलिखित नियंत्रणों का प्रयोग करते हुए किया जाएगा ।

1. क्रय की गई सामग्री तथा संघटक नियंत्रण :—

(क) विनिर्माता द्वारा प्रयुक्त की गई सामग्री या संघटकों की विशेषताओं तथा सह्यताओं सहित ब्यौरेवार विमाओं को समाविष्ट करते हुए क्रय विनिर्देश अधिकथित किए जाएंगे ।

(ख) स्वीकृत परेषणों के साथ या तो क्रय विनिर्देशों की सम्पुष्टि करते हुए उत्पादक का प्रमाण पत्र होगा या ऐसे परीक्षण प्रमाण पत्र के अभाव में प्रत्येक परेषण में से नमूने क्रय विनिर्देशों से इनकी अनुरूपता की जांच करने हेतु नियमित रूप से परीक्षित किए जाएंगे । उत्पादक के प्रमाण पत्र की शुद्धता को सत्यापित करने के लिए पांच परेषणों में से कम से कम एक की प्रति-जांच की जाएगी ।

(ग) बाहर से आने वाले परेषणों का सांख्यिकी नमूना लेने की योजना हेतु निरीक्षण और परीक्षण किया जाएगा ।

(घ) निरीक्षण और परिमाण करने के पश्चात् त्रुटिपूर्ण मदों के उचित पृथकता और निपटान के लिए व्यवस्थित पद्धतियां अपनाई जाएंगी ।

(ङ) उपरोक्त वर्णित नियंत्रणों के संबंध में पर्याप्त अभिलेख व्यवस्थित रूप में रखे जाएंगे ।

2. प्रक्रिया नियंत्रण :—(क) विनिर्माता द्वारा विनिर्माण के विभिन्न प्रक्रमों के लिए ब्यौरेवार प्रक्रिया विनिर्देश अधिकथित किए जाएंगे ।

(ख) प्रक्रिया विनिर्देशों में अधिकथित प्रक्रिया को नियंत्रित करने के लिए उपस्कर एवं उपकरण की पर्याप्त सुविधाएं होंगी ।

(ग) प्रक्रिया विनिर्देशों से प्रसंस्कृत सामग्री की अनुरूपता की जांच करने के लिए नमूना लेना अभिलिखित अन्वेषण पर आधारित होगा ।

(घ) विनिर्माण की प्रक्रिया के दौरान अपनाए गए नियंत्रणों का सत्यापन करने में समर्थ होने के लिए पर्याप्त अभिलेख रखे जाएंगे ।

3. उत्पाद नियंत्रण :—(क) मानक विनिर्देशों के अनुसार उत्पाद की जांच करने के लिए विनिर्माता के पास या तो अपनी परीक्षण सुविधाएं होंगी या उसकी पहुंच वहां तक होगी जहां ऐसी परीक्षण सुविधाएं विद्यमान हों ।

(ख) परीक्षण के लिए नमूना लेना (जहां कहीं अपेक्षित हो) अभिलिखित अन्वेषणों पर आधारित होगा ।

(ग) उत्पाद परीक्षणों के ब्योरों का सत्यापन करने के लिए पर्याप्त अभिलेख रखे जाएंगे ।

4. माप संबंधी नियंत्रण :—उत्पादन एवं निरीक्षण में प्रयुक्त गेजों और नियंत्रणों की कालिकत जांच की जाएगी और इनका अंशशोधन किया जाएगा तथा अभिलेख वृत्त कार्ड के रूप में रखे जाएंगे ।

5. परिरक्षण नियंत्रण :—(क) विनिर्माता द्वारा उत्पाद को मौसम के प्रतिकूल प्रभावों से सुरक्षित रखने के लिए विस्तृत विनिर्देश अधिकथित किए जाएंगे ।

(ख) उत्पाद को भण्डारण एवं परिवहन दोनों के दौरान भली प्रकार परिरक्षित किया जाएगा ।

6. पैकिंग नियंत्रण :—उत्पाद(दों) की पैकिंग तथा निर्यात किए जाने वाले पैकेजों के लिए विनिर्देश अधिकथित किए जाएंगे तथा उनका कठोरता से पालन किया जाएगा ।

अनुसूची

[नियम 3 देखिए (नियम 3 का उप-नियम-क देखिए]

नियंत्रण का स्तर

क्रम सं.	परीक्षण/निरीक्षण की विशेषताएं	अपेक्षाएं	निरीक्षण/परीक्षण किए जाने वाले नमूनों की संख्या	लॉट आकार आवृत्ति	टिप्पणी
1	2	3	4	5	6
1. कच्ची सामग्री :					
1.1	रसायन संमिश्रण	मानक विनिर्देशों के अनुसार	मानक ए.क्यू.सी. के आधार पर	प्रत्येक परेषण	जहां उत्पाद के परीक्षण प्रमाण पत्र द्वारा समर्थित हो वहां इन विशेषताओं का

1	2	3	4	5	6
					अध्यायन पांच परीक्षणों में से कम से कम एक बार किया जाएगा
	1.2 यांत्रिक गुण	मानक विनिर्देशों के अनुसार	मानक ए.क्यू.एल. के आधार पर	यथोक्त	यथोक्त
2	संघटक				
	2.1 कार्यकौशल और फिनिश	यथोक्त	यथोक्त	यथोक्त	यथोक्त
	2.2 विमाएं	यथोक्त	यथोक्त	यथोक्त	यथोक्त
	2.3 रसायन/भौतिक विशेषताएं	यथोक्त	यथोक्त	यथोक्त	यथोक्त
3.	प्रक्रिया नियंत्रण				
	3.1 ढलाई	यथोक्त	यथोक्त	यथोक्त	यथोक्त
	3.1.1 चाक्षुष और विमाएं	यथोक्त	यथोक्त	यथोक्त	यथोक्त
	3.1.2 तनन सामर्थ्य अनुप्रस्थ सामर्थ्य दीर्घीकरण और कठोरता	यथोक्त	यथोक्त	यथोक्त	यथोक्त
	3.1.3 रसायनिक सम्मिश्रण	यथोक्त	यथोक्त		प्रत्येक दिन का उत्पादन
	3.2.4 जलीय परीक्षण (जब कभी अपेक्षित हों)	यथोक्त	यथोक्त		यथोक्त
	3.2 यंत्रीकरण				
	3.2.1 कचाक्षुष और विमाएं	यथोक्त	यथोक्त		यथोक्त
	3.3 दाब				
	3.3.1 चाक्षुष और विमाएं	यथोक्त	यथोक्त		विनिर्माण की एक जैसी दशा के अधीन उत्पाद का प्रत्येक बैच)
	3.4 ताप अभिक्रिया	यथोक्त	यथोक्त		यथोक्त
	3.4.1 तापमान	यथोक्त	यथोक्त		प्रत्येक 1/2 घन्टे प्रत्येक भरण
	3.4.2 समय				
	3.4.3 कठोरता	यथोक्त	यथोक्त		यथोक्त
	3.4.4 चाक्षुष	यथोक्त	यथोक्त		यथोक्त
	3.5 विद्युत लेपन				
	3.5.1 बैच सकेंद्रण	यथोक्त	यथोक्त		नियमित कालिक आवृत्ति पर
	3.5.2 बैच तापमान	यथोक्त	यथोक्त		प्रत्येक 1/2 घन्टे
	3.5.3 डिपिंग का समय	यथोक्त	यथोक्त		प्रत्येक भरण
	3.5.4 वोल्टता	यथोक्त	यथोक्त		प्रत्येक 1/2 घन्टे
	3.55	एम्पियर	यथोक्त		यथोक्त
	3.5.6.1 लेपन परत की मोटाई	यथोक्त	यथोक्त		प्रत्येक भरण
	3.5.6.2 चिपकाव	यथोक्त	यथोक्त		यथोक्त
	3.5.6.3 लवण फुहार	यथोक्त	प्रत्येक दिन का उत्पादन		

1	2	3	4	5	6
	3.6 वैल्डिंग/गढ़ाई (फैब्रिकेशन)	मानक निर्देशों के अनुसार	मानक ए क्यू एल के आधार पर	विनिर्माण की एक जैसी दशा के अधीन उत्पादन का प्रत्येक बैच।	
	3.6.1 चाक्षुष			यथोक्त	
	3.6.2 विमाएं	यथोक्त	यथोक्त	यथोक्त	
	3.7 वसारिक्त करना				
	3.7.1 बैथ सम्मिश्रण	यथोक्त		प्रत्येक घंटा	
	3.7.2 बैथ तापमान	यथोक्त		प्रत्येक 1/2 घंटा	
	3.7.3 डिपिंग समय	यथोक्त		प्रत्येक भरण	
	3.7.4 चाक्षुष	यथोक्त	यथोक्त	यथोक्त	
	3.8 सेकना				
	3.8.1 तापमान	यथोक्त		प्रत्येक 1/2 घंटा	
	3.8.2 संसाधन का समय	यथोक्त		प्रत्येक भरण	
	3.9 समुच्चय	यथोक्त	यथोक्त	यथोक्त	
	3.10 रंगलेपन				
	3.10.1 शाट ब्लास्ट सहित सतह तैयार करना	यथोक्त	यथोक्त	प्रति बैच	
	3.10.2 विस्कासिता	यथोक्त	यथोक्त	प्रति बैच	
	3.10.3 तापमान	यथोक्त	यथोक्त	प्रति बैच	
	3.10.4 समय	यथोक्त		प्रति बैच	
	3.10.5 आसंजन	यथोक्त	यथोक्त	यथोक्त	
	3.10.6 परत की मोटाई	यथोक्त	यथोक्त	यथोक्त	
4. उत्पादन नियंत्रण					
	4.1 कार्यकौशल तथा फिनिश	यथोक्त	यथोक्त	यथोक्त	
	4.2 निष्पादन	मानक विनिर्देश/ मैन्युल के अनुसार	प्रत्येक	यथोक्त	
5. माप संबंधी नियंत्रण					
	5.1 औजारों और गेज जिसके अंतर्गत तापमान गेज, दाब गेज आदि है।	शुद्धता	प्रति	नियमित कालिक आवृत्ति पर	
	5.2 जिग और फिक्सचर	यथोक्त	यथोक्त	नियमित कालिक आवृत्ति पर	
6. पैकिंग					
	6.1 रूपरंग	यथोक्त	यथोक्त	प्रति सम्मिश्रण	

*पैकेज की फिनिश अच्छी होगी और देखने में अच्छे होंगे ।

अन्तर्वस्तु इस ढंग से पैक की जाएगी जिससे कि पैकेजों में ढीलापन न रहे ।

उपाबंध II

[नियम (3) देखिए]

1. मशीनी औजारों का पोषण अधिनियम की धारा 6 के अधीन मान्यताप्राप्त मानक विनिर्देशों से इसकी अनुरूपता सुनिश्चित करने के लिए परीक्षण तथा निरीक्षण के अधीन किया जाएगा ।

2. अनुरूपता का मानदण्ड तथा नमूना लेने के संबंध में संविदात्मक विनिर्देशों में विशिष्ट अनुबंध की अनुपस्थिति में उन पर वही मानक जो नीचे दी गई सारणी I में अधिकथित है लागू होगा ।

2.1 सुसंगत मान्य विनिर्देशों में दिए गए स्वीकृत परीक्षण नीचे दी गई सारणी-I में दिए गए लॉटों में से चुने गए नमूनों पर किए जाएंगे और सारणी में दी गई अनुरूपता हेतु मानदण्डों के आधार पर स्वीकृत या अस्वीकृत किए जाएंगे ।

सारणी I

लॉट आकार	परीक्षण और निरीक्षण के लिए निकाले गए नमूनों संख्या 1	त्रुटिपूर्ण नगों की अनुमेय सं.
15 तक	2	0
16 से 25 तक	3	0
26 से 100 तक	5	0
101 से 150 तक	8	0
151 से 300 तक	13	0
301 से 500 तक	20	0
501 से 1000 तक	32	2
1001 तथा अधिक	50	3

2.2 चुनाव की यादृच्छिकता को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से भा. मा. 4905 में दी गई प्रक्रिया का पालन किया जाएगा ।

3.3 निरीक्षण करने से पहले अभिकरण अपना यह समाधान करेगा कि निर्यातकर्ता/विनिर्माता द्वारा प्रत्येक मशीनी औजारों के परेषण पर दैनिक परीक्षण सुसंगत मानक विनिर्देशों के अनुसार किए गए हैं ।

2.4 परीक्षण की प्रणाली :—जब तक कि निर्यात संविदा में अन्यथा विनिर्दिष्ट न हो परीक्षण की प्रक्रिया संगत मानकों या भारतीय मानक संस्थान के नवीनतम संस्करण में दी गई प्रक्रिया के अनुसार निर्धारित की जाएगी । नमूने अधिनियम की धारा 6 के अधीन मान्यता प्राप्त मानक विनिर्देशों के अनुरूप सभी परीक्षणों के अधीन किए जाएंगे ।

उपाबंध III

सामान्य प्रयोग हेतु खराद मशीन तथा वर्मा मशीनों हेतु आवश्यकताएं

सामान्य प्रयोग हेतु खराद मशीन तथा वर्मा पर अधिकथित न्यूनतम आवश्यकताएं मशीनों का कतिपय न्यूनतम निष्पादन स्तर सुनिश्चित करने के लिए आशयित हैं।

सामान्य प्रयोग हेतु खराद मशीन तथा वर्मा मशीनों के लिए न्यूनतम विनिर्देश ।

1 दस्तावेज

मशीनी औजारों के साथ भेजे गए दस्तावेजों में निम्नलिखित सम्मिलित होंगे :—

(1) अनुदेश निर्देशिका तथा संचालन मैनुअल

(2) भर्यों तथा अतिरिक्त पुर्जों की परीक्षित सूची

(3) विद्युत परिपथ आरेख, तथा

(4) ज्योमितीय शुद्धता पर निरीक्षण रिपोर्ट ।

ये मद्र आवरण में पैक की जाएगी तथा पैकिंग केस के अन्दर सुरक्षित रखी जाएगी ।

2. चाक्षुष निरीक्षण

2.1 पेन्टिंग :—पेंट की हुई सतह सामान्य रूप से चमकदार होगी और पेंट की हुई सतह पर बारीक रेखा के समान दरारें पपड़ी उखाड़ा भाग जैसी त्रुटियां नहीं होंगी । पेंटिंग स्नेहक और तीखों तेलों को सहन करने योग्य होना चाहिए । यदि आवश्यकता हो तो मशीन के पुर्जों को भी भिन्न-भिन्न रंगों से पेंट किया जा सकता है । पेंट के रंग सामान्य रूप से संविदा में निर्दिष्ट होते हैं और इनका कठोरता से पालन किया जाना चाहिए । गियर बक्सों (अग्रधारक, प्रमुख पेटी, एप्रन आदि) की आन्तरिक दीवारें तेल में भिगाई जाएंगी और कर्तन तरलों पर सुरक्षात्मक पेन्ट का लेपन किया जाएगा ।

2.2 नाम पट्टिका :—प्रत्येक मशीनी औजारों का नाम पट्टिक लगी होगी जिस पर मशीन का प्रकार, विनिर्माता का नाम और पता तथा मशीन की क्रम संख्या स्पष्ट रूप से लिखी होगी । उप-साधन और अर्न्तबदम पुर्जे स्पष्टतया चिन्हित होने चाहिए । चिह्न के साथ आवश्यक जानकारी होगी जैसे कालेट पर शिकंजा व्यास और परिवर्तन गियर पहियों पर दांतों की संख्या 1 जो मशीन पर चिपकाई गई नाम पट्टिका और चार्ट प्रमुख स्थान पर और स्पष्ट होने चाहिए ।

2.3 सामान्य सजावट :—ढलाई पर तीव्र किनारों और प्रक्षेपों को, जहां तक हो सके समतल का दिया जाएगा या हटा दिया जाएगा । मशीन न की गई सतह, ढलाई साफ चिकनी होनी चाहिए । सतह पर छोटी-छोटी अनियमितताओं को ठीक किया जा सकता है उदाहरणार्थ पेन्ट करने से पहले पट्टी के साथ आवरित करके सामान्यतया वियोज्य भागों की आपस में मिलने वाली सतहों के जोड़ों पर पट्टी नहीं लगानी चाहिए, हर दशा में विभाज्य भागों के बीच स्पष्ट सीमांकन होना चाहिए ।

मशीन के बाहरी ओर लगे पेंच के शीर्ष, टिबरो आदि को जंग से सुरक्षित रखा जाना चाहिए । क्रियाशील लीवरों और हस्तचक्रों के घेरों पर चिकनी पॉलिस होनी चाहिए तथा उन्हें जंग से सुरक्षित रखने के लिए उनकी सतह पर यथोचित अभिक्रिया की जानी चाहिए ।

जिन मशीन के लिए उचित जकड़नियों का प्रयोग किया जाता है उसके ढक्कन और द्वारों को सुचारु रूप से जकड़ना चाहिए । यदि ढक्कन और दरवाजे उस भाग को छिपा लेते है जो अनुरक्षण और समायोजन के लिए सुगमता से प्राप्त होने चाहिए तो उस दशा में उचित चिटकनियां लगानी चाहिए । यदि ढके भागों में बार-बार ध्यान की आवश्यकता न हो तो उन्हें स्थायी रूप से बांध देना चाहिए । यदि ढक्कन हाईड्रोलक पावरपैक या विद्युत मोटर को ढक लेता है तो संवातन के लिए झिलमिली ढक्कन लगाने चाहिए ।

3.0 मशीन अवयव और उपसंघटक

3.1 निर्देश मार्ग :—प्रबेंड निर्देशन की कठोरता 17 से 230 तक बी एच एन होनी चाहिए । स्लाइडों के लिए जैसे सैडल, क्रॉस स्लाइड आदि 160 से 240 बी.एच.एन. का कठोरता मूल्य अनुज्ञेय होगा ।

कठोर की गई सतह सी.आई. निर्देशन मार्ग की कठोरता 35 एच. आर. सी. होगी या अन्य मानों में इसके समकक्ष होगी । कठोर की गई इस्पात निर्देशन मार्ग की कठोरता 55 से 60 एच.आर. सी. तक होनी चाहिए । बैड निर्देशन के लिए वाहक पर धूल और विषों के प्रवेश को रोकने के लिए वाइपरों का प्रयोग किया जाना चाहिए ।

3.2 तुर्क तथा तुर्क संभार :—खंडों या औजारों के कसने तथा क्रियात्मक सतहों के लिए बनाई गई तुर्कों की बाह्य केन्द्रीय सतह की

कठोरता न्यूनतम 40 एच.आर.सी. तक होगी । कठोर इस्पात के मिश्रधातु के तुर्कों के लिए न्यूनतम कठोरता 30 एच.आर.सी. होनी चाहिए तथा उन तुर्कों के लिए उनमावित नहीं किया जा सकता, न्यूनतम कठोरता 24 एच.आर.सी. या अन्य स्केलों में इसके समकक्ष होगी ।

3.3 शक्तिचालित अनुलम्बी स्लाइडों के मामलों में यह सुनिश्चित किया जाएगा कि स्लाइड के साथ अपरिवर्तनीय चालक अन्वय लगा होगा । यह इसलिए होगा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि शिकंजा न की गई स्थिति में भी स्लाइडों की उसकी स्थिति में रखा जाए ।

3.4 शीघ्र औजार बदलने की पोस्ट के शिकंजों सतहों की प्रतिरोध सहने की कठोरता न्यूनतम 35 एच.आर.सी. होनी चाहिए ।

अमानक हाथ के औजारों से जहां तक संभव हो बचाव करना चाहिए। जब कभी अमानक हाथ के औजारों की आवश्यकता हो तब इन्हें मशीनों के साथ ही विशेषतः मोटरो विभागों में ही प्रदान किया जाएगा ।

4. परीक्षण :

4.1 समतलन और शिकंजा :—समतलन और शिकंजा लगाने के लिए मशीन के बेस पर आवश्यक व्यवस्था की जानी चाहिए । इसमें समतलन पैरों के लिए आधार कब्जे और चूड़ीदार छिद्रों के लिए छिद्र भी सम्मिलित होंगे । छिद्रों की स्थिति अनुदेश निर्देशिका में वर्णित आधार योजना के अनुरूप होनी चाहिए परीक्षण करने से पहले मशीन को विनिर्माता की सिफारिश के अनुसार समतल और शिकंजा लगाया जाएगा ।

4.2 मशीन के मुख्य तकनीकी विनिर्देशों में वे सभी मदें सम्मिलित होंगी, जो भारतीय मानक संस्थान 6893 में जहां तक संभव हो, आती है या संविदा में आती हों ।

इन विनिर्देशों की विनिर्दिष्ट मूल्यों को जांच/माप और पूर्वोबद्ध किया जाएगा । विचलन, यदि कोई हो तो सूचित किए जाएंगे । विचलन से मशीनों के कार्य/निष्पादन पर कोई प्रभाव नहीं पड़ना चाहिए । तुर्क में टेपरों, टेलस्टोक, स्लीव, तुर्क नासा आदि की उचित परिमापों के साथ रंगीन पीठिका के लिए जांच होनी चाहिए ।

4.3 तुर्क की गति क्रेता और विक्रेता के मध्य करार पत्र के अनुसार व्यवस्थित की जाएगी ।

तुर्क की गति (यथास्थिति आर पी एम या प्रहारों की सं./मि.मी.) बिना किसी भार के मापी जाएगी । मापित तुर्क गति (आर पी एम) मोटर की पूर्ण भार पर आरपी एम के अनुरूप परिवर्तित कर दी जाएगी। विनिर्दिष्ट गति की तुलना में तुर्क गति में विचलन भा.मा. 2218 में विनिर्दिष्ट अनुज्ञेय सीमाओं के भीतर होगा । ऐसे मामले में जो गति तुर्क अत्यधिक परिवर्तित होती है वहां एक सूचक के साथ परिवर्तन लीवर लगाया जाएगा ताकि लीवर की विभिन्न अवस्थाओं के लिए संबंधित तुर्क गति विनिर्दिष्ट हो जाए । इन तुर्क गतियों का सत्यापन उपयुक्त मापकों द्वारा किया जाएगा ।

4.4 भरण दर सामान्यतः भा.मा. 2219 में विनिर्दिष्ट ज्योतीमीय क्रम सं. में या संविदा के अनुसार व्यवस्थित की जाएगी । मापित भरण दर की भरण मोटर के पूर्णभार पर आर.पी.एम. के अनुरूप परिवर्तित कर दिया जाएगा । भरण दर में विचलन कायनामेटिक स्कामों में मापित/कम्प्यूटीकृत किया जाएगा । कोणीय भरण दरों के सीधे किनारे और डायल सूचक द्वारा सत्यापन किया जाएगा । मापित भरण दरों का विनिर्दिष्ट भरण दरों से विचलन भा.मा. 2219 में विनिर्दिष्ट सीमाओं के भीतर होगा । जहां भरण चालन में घर्षण चालन जैसे क्लच आदि सम्मिलित है, तो काटने वाले परीक्षणों के दौरान यह अवश्य ही निश्चित किया जाना चाहिए ताकि पूर्ण शक्ति संचरण करते समय घर्षण चालन फिसलें नहीं । जहां भरण दर अत्यधिक परिवर्तित होगी वहां एक सूचक के साथ भरण परिवर्तन लीवर लगाया जाएगा ताकि लीवर को विभिन्न अवस्थाओं के लिए संबंधित भरणदर विनिर्दिष्ट हो । इन भरण दरों का सत्यापन वास्तविक माप द्वारा किया जाएगा ।

4.5 चूड़ी और व्यासीय पिच पैंचदार चूड़ी बनाने वाली मशीन के लिए काईनेटिक योजना से परिकलित की जाएगी । परिकलित चूड़ी और व्यासीय पिच तथा विनिर्दिष्ट पिच में विचलन, जहां, तक संभव हो, यदि कोई विचलन होता है तो वह अनुदेश निर्देशिका में भी वर्णित होना चाहिए ।

4.6 मशीन के स्थिर तापमान पर ज्योतीमीय परीक्षण जिसके अन्तर्गत कार्यक्षमता परीक्षण है, भारतीय मानक परीक्षण चार्ट के अनुसार किया जाएगा । मानक उपकरणों की अपेक्षाएं और मापने की पद्धति भा.मा. 2063 के अनुसार होगी । मशीन परीक्षण चार्ट में अधिकथित सभी अपेक्षाओं की संतुष्टि करेगी सिवाय स्तरीय परीक्षण के जिनके लिए परीक्षण करने के लिए केवल ट्विस्ट की आवश्यकता होती है ।

4.7 तापमान में वृद्धि :—सभी तुर्क यूनिटों का तापमान का माप अगले और पिछले दोनों बेयरिंग पर ही किया जाएगा । तापमान प्राप्त क्षेत्र में उच्चतम, गति का 2/3 के अनुरूप गति पर मापा जाएगा । तापमान की वृद्धि परिवेश तापमान से 40° सें से अधिक नहीं होगा । स्थायीकरण के लिए समय एक घन्टे से अधिक नहीं होगा । स्थायीकरण के लिए वह समय निश्चित किया जाता है जिस समय तापमान 15 मिनट से ऊपर होता है तो 3% से अधिक नहीं बढ़ता । तुर्क आधे घन्टे के लिए अपनी अधिकतम गति से घूमेगा । तापमान में वृद्ध परिवेश तापमान से 40° सें. ग्रे. से अधिक नहीं होगा ।

4.8 कम्पन और आवाज :—जब सभी तुर्कों पर मशीन घर्षण दशा में घूम रही हो तब उसमें अनावश्यक कम्पन और आवाज नहीं होगी ।

4.9 क्रियाशील अवयव :—सभी क्रियाशील अवयव जैसे हेंडल, हस्तगिलरहिए आराम से चलाए जायेंगे ।

4.10 स्नेहन :—निम्नलिखित सुनिश्चित किए जाने चाहिए । सभी संचालन अवयवों को पर्याप्त रूप से स्नेहन किया गया है । अनुदेश निर्देशिका में स्नेहन संबंधी सभी आवश्यक ब्योरे, जैसे स्नेहन का प्रकार, स्नेहन की आवृत्ति, स्नेहन का समय, अपेक्षित स्नेहन की मात्रा आदि होने चाहिए।

4.11 शीतलक उपस्कर :—शीतलक बहाव की मात्रा आई.एस. 2161 में विनिर्दिष्ट के अनुरूप होनी चाहिए ।

शीतलक उपस्कर की निम्नलिखित के लिए जांच की जाएगी :—

—पम्प स्वतः प्राइमिंग होना चाहिए ।

—शीतलक बहाव के विनियमन की व्यवस्था की जायेगी ।

—सभी मशीनी क्षेत्रों पर शीतलक अवयव हो उपलब्ध होना चाहिये ।

—मशीन के किसी भी छोटे पुर्जे जैसे गुप्तार में शीतलक प्रवेश नहीं करना चाहिए और सैंडकास्टिंग में एकत्र नहीं होना चाहिए । शीतलक का बहाव निर्गत तक निर्बाध होना चाहिये । ढांचों पर आवश्यक ग्रेडिएंड की व्यवस्था होनी चाहिये ।

—ऐसी व्यवस्था होनी चाहिए के पिव निर्गत में प्रवेश कर न सके । निर्गत की पर्याप्त क्षमता होनी चाहिये ।

—शीतलक उपस्कर की व्यवस्था ऐसी होनी चाहिये कि पृथक-पृथक पुर्जे आसानी से पहुंच योग्य हो और शीतलकों और फिल्टरों की सर्विसिंग की दृष्टि से बदलने योग्य हों

4.12 विद्युत परीक्षण :—(1) परिपथ का डिजाइन का उचित अनुक्रम अन्तःपाशन और अन्य सुरक्षा उपायों को सुनिश्चित करने की दृष्टि से अध्ययन किया जाएगा ।

(2) विद्युत अवयवों के लिए सुचिह्नित संकेत आई एस. 2032 के अनुरूप होंगे या क्रेता की अपेक्षाओं के अनुसार होंगे ।

(3) विद्युत उपस्कर आई.एस. 1356 में विनिर्दिष्ट सभी अपेक्षाओं को पूरा करेंगे या क्रेताओं की अपेक्षाओं को पूरा करेंगे ।

4.13 शक्ति प्रयोग परीक्षण संस्थापित मोटर क्षमता का प्रयोग करने के लिए मशीन के सामर्थ्य का पता लगाने के लिए किया जाता है, शक्ति निवेश को नापने के लिए मोटर के अन्तिम निवेश से एक वाटमापी लगाया जाता है । मोटर की कार्यक्षमता से परिकलित किया जाता है ।

कटिंग यद्यपि भिन्न-भिन्न मशीनों के लिए वर्कपीस विवरण, कटिंग औजार विवरण चित्र 1 से 6 और सारणी-II में दर्शित है । साधारणतया कट की गहराई धीरे-धीरे से बढ़ाई जाती है जब कि पूरा शक्ति प्रयोग नहीं की जाती या स्वतः कम्पन उत्पन्न नहीं किए जाते । साधारणतया मशीन के सभी क्षेत्रों पर पूर्णशक्ति प्रयोग का आशा की जाती है । निम्नलिखित बातें नोट की जाएंगी ।

—शीतलक का प्रयोग जहां भी आवश्यक हो किया जाएगा ।

—वर्कपीस की निचली सतह मशीन से की जाएगी । (जहां कहीं भी लागू हो जैसे वेधन मशीन और मिलिंग मशीन की दशा में) । और वर्कपीस की दृढ़ता से शिकंजा किया जाएगा ।

—परीक्षण के दौरान, काटने की क्रिया के दौरान भरने के लिए प्रयुक्त स्लाइड के सिवाय सभी स्लाइडें कसी हुई होंगी ।

—यदि खट-खट होती है तो परीक्षण आरम्भ करने से पहले खट-खट को दूर करने के लिए विकृत सतह का मशीन किया जाएगा ।

—औजार अच्छी दशा में होंगे ।

प्रत्येक मशीन के लिए अतिरिक्त आवश्यक जानकारी नीचे दी गई है :—

खराद मशीन :—चक में लगे हुए वर्कपीस पर और सक्रिय खराद वर्कपीस की लम्बाई में तीन खराद पर अर्थात् अग्रधारक सिरे के पास, वर्कपीस के मध्य और पिछले सिरे के पास, कटिंग परीक्षण किए जाते हैं । [आकृति 1] (क) में प्रयुक्त सक्रिय केन्द्र पिछले सिरे की स्लीव में टेपरे के अनुरूप होगा ।

इसके अतिरिक्त कटिंग परीक्षण केवल चक में लगे हुए वर्कपीस पर भी किए जाएंगे [आकृति 1 (ख) वेधिंग] ।

बर्मा मशीन :—वेधन क्रिया ड्रिल के उच्चतम आकार के साथ ही की जाएगी । यदि विनिर्माता सारणी–II में विनिर्दिष्ट से भिन्न कटिंग शर्तों की सिफारिश करता है तो उसका औचित्य बताया जाएगा । वेधन गहराई ड्रिल के व्यास से दुगनी होगी ।

4.14 पैकिंग—सभी मशीनों की पैकिंग भा.मा. 7960 (भाग-I) अधिकथित विनिर्देशों के अनुसार की जाएगी या क्रेता की अपेक्षाओं के अनुसार होगी ।

सारणी-II

मशीन	आकृति	वर्क पीस सामग्री	काटने की गति	भरणदर
खराद मशीन	(क) और (ख)	सी-45 इस्पात क्षमता-60 कि.ग्रा. कठोरता—200 बी. एच. एन. सामान्य	100 न्यूनतम स्विंग बैड	0.3 मि. मी. प्रति चक्र यदि स्विंग ओवर बैड 500 मि. मी. से कम है 0.5 मि.मी. (प्रति चक्र) यदि स्विंग ओवर बैड 500 मि. मी. से अधिक है ।
बर्मा मशीन	4	यथोक्त	20 मी. प्रति मिनट	ड्रिल का व्यास/1001 मि.मी. प्रति चक्र) ।

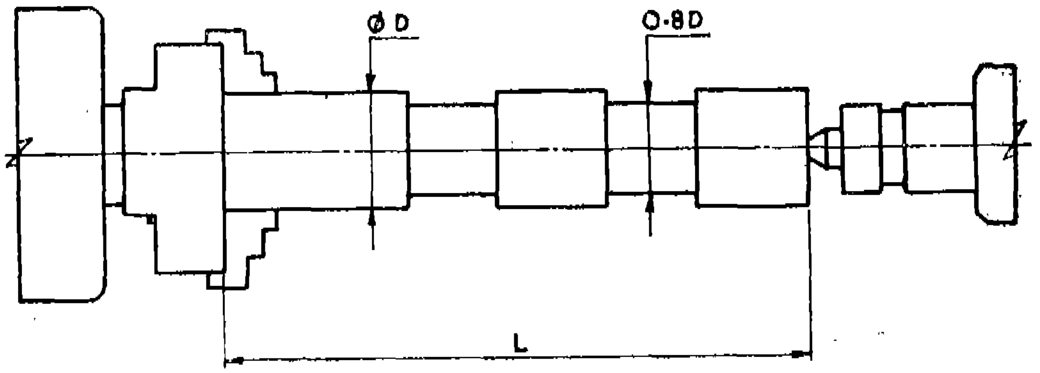

φडी = स्विंग ओवर बैड प्रति 4 (मि.मी)

एल = 0.7 केन्द्रों के बीच अंतर (मि. मीटर) वर्कपीस के व्यास से छह गुना अधिक न हो ।

सामग्री :—सी 45 इस्पात जिसकी शक्ति 60 किलोग्राम एफ प्रति मि.मी.² और अधिकतम कठोरता 200 बी एच एन तक सामान्य है ।

टेलस्टाक स्लीव ओवर हैंग व्यास के लगभग बराबर है ।

आकृति 1(क) चक और सक्रिय केन्द्रों के बीच वर्कपीस का विवरण ।

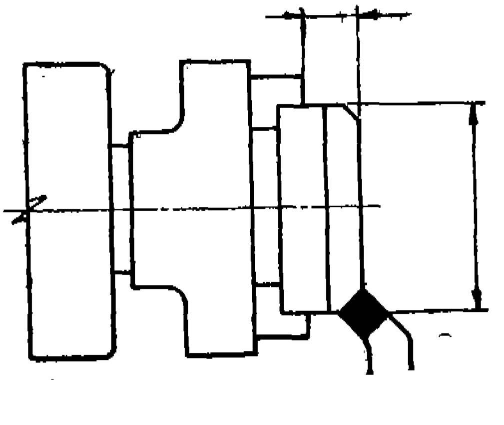

φ डी = 0.3 से 0.4 स्विंग ओवर बैड (मि. मी.) एल-डी/2

सामग्री = सी 45 इस्पात जिसकी शक्ति 60 किलोग्राम एफ/मि.मी.² और कठोरता अधिकतम 200 बी एच एन तक है ।

काटने वाले औजार :—आकृति 1(क) तथा (ख) के अनुसार परीक्षण के लिए औजार होल्डर की फेंक दने वाली अनुलम्बिकार्य टी पी यू एम उपगमन कोण = 45 डिग्री पी 30, अनुलम्बनी का नासा अर्धव्यास भरण दर के लगभग दुगने के बराबर है । काटने के सिरे से पिप टूटन की दूरी = 3.2 मि. मी. औजार का ओवर हैड शेंक की ऊंचाई के लगभग 1.5 गुना होना चाहिए ।

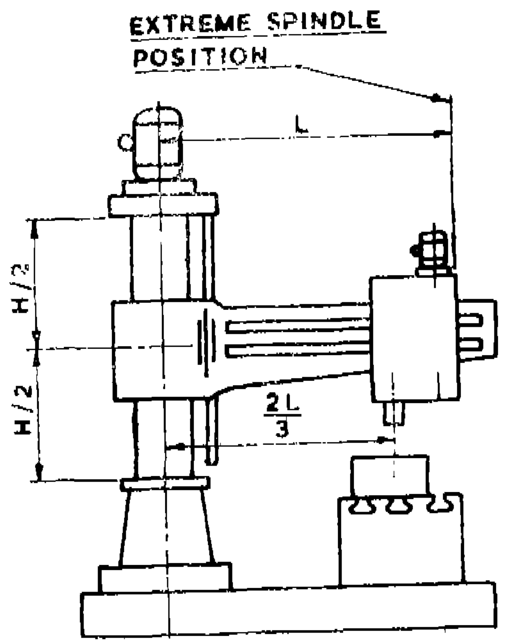

आकृति 1(ख) केवल चक में लगे हुए वर्कपीस का विवरण ।

औजार : एच एस एस भा.मा. 5099 के अनुसार टिवस्ट ड्रिल लिप रनआउट इस प्रकार नियंत्रित किया जाएगा कि वह 0.05 मि.मी. से कम होगा ।

आकृति—2 ड्रिलिंग मशीन पर काटने के परीक्षण ।

[फाइल सं. 6(21)/86-ई आई एण्ड ई पी]

ORDER

S.O. 3036.—Whereas in exercise of the powers conferred by section 6 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government is of opinion that it is necessary and expedient so to do for the development of the export trade of India that Machine Tools should be subject to quality control and inspection prior to export;

And, whereas, the Central Government has formulated the proposals specified below for the said purpose and has forwarded the same to the Export Inspection Council as required by sub-rule (2) of rule 11 of the Export (Quality Control and Inspection) Rules, 1964;

Now, therefore, in pursuance of the said sub-rule and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Commerce No. S.O. 195, dated 27th December, 1980, excepts as respect things done or omitted to be done by such supersession, the Central Government hereby publishes the said proposals for the information of the public likely to be affected thereby;

Notice is hereby given that any person desiring to forward any objection or suggestion with respect to the said proposals may forward the same within fortyfive days of the date of publication of this order in the Official Gazette to the Export Inspection Council, Pragati Tower 11th floor, 26, Rajendra Place, New Delhi-110008.

PROPOSALS

(1) to notify that Machine Tools shall be subject to quality control and inspection prior to export;

(2) to specify the type of quality control and inspection in accordance with the draft Export of Machine Tools (Quality Control and Inspection) Rules, 1990 set out in annexure-A to this order as the type of quality control and inspection which shall be applied to such Machine Tools prior to export.

(3) to recognise—

(a) National and International Standards;

(b) Standards of other bodies recognised by Export Inspection Council;

(c) The contractual specifications as agreed upon in export contract subject to the minimum specifications as set out in Annexure-III to this order;

(d) The contractual specifications for consignments, for orders secured by the manufacturer|exporters immediately prior to introduction of compulsory quality control and inspection and thereafter exported within 60 days from the date of introduction of compulsory quality control and inspection.

(4) to prohibit export in the course of international trade of such Machine tools unless the same are accompanied by a certificate issued by any one of the agencies established by the Central Government under Section 7 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), to the effect that the Machine Tools satisfy the conditions relating to quality control and inspection and are export-worthy or carry a mark or seal recognised by the Central Government under Section 8 of the said Act.

2. Nothing in this order shall apply to—

(a) the export by land, sea or air of bonafide samples of Machine Tools to prospective buyers;

(b) the consignments that have already left the exporter's|manufacturers premises immediately prior to the introduction of the compulsory quality control and inspection.

3. In this Order, 'Machine Tools' means General Purpose Power Driven Lathe Machine and Drilling Machine.

ANNEXURE A

Draft rules proposed to be made under section 17 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963

In exercise of the powers conferred by section 17 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government hereby makes the following rules namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Export of Machine Tools (Quality Control and Inspection) Rules, 1990.

(2) They shall come into force on———

2. Definitions.—In these rules, unless the context otherwise requires—

(a) "Act" means the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963);

(b) "Agency means any of the Export Inspection Agencies established at Bombay, Calcutta, Cochin, Delhi and Madras under section 7 of the Act;

(c) "Council" means the Export Inspection Council established under section 3 of the Act;

(d) "Machine Tools" means General Purpose Power Driven Lathe Machine and Drilling Machine.

(e) "Schedule" means the schedule to these rules.

3. Basis of Inspection.—Inspection of Machine Tools intended for export shall be carried out with a view to ensure that the Machine Tools conform to the standard specifications recognised under Section 6 of the Act; either

(a) by ensuring that the products have been manufactured by exercising necessary In-process Quality Controls as specified in Annexure-I to this notification; or

(b) on the basis of inspection and testing of finished products carried out in the manner specified in annexure-II to these rules.

4. Procedure of inspection.—(1) An exporter intending to export a consignment of Machine Tools shall give an intimation for inspection in writing, to the Agency of his intention so to do furnishing therein details of the contractual specification alongwith a copy of the export contract or order to enable the Agency to carry out inspection in accordance with rule 3 and the procedure laid down by the Council;

(2) For export of Machine Tools manufactured by exercising adequate. In-process Quality Control as laid down in annexure-I and the manufacturing unit adjudged as having adequate In-process Quality Control drills by a panel of experts constituted by the Council for this purpose, the exporter shall also furnish alongwith the intimation mentioned in sub-rule (1) a declaration that the consignment of Machine Tools intended for export has been manufactured by exercising adequate quality control as laid down in annexure-I and that the consignment conforms to the standard specifications recognised for the purpose;

(3) The exporter shall furnish to the Agency the identification marks applied to the consignment to be exported;

(4) Every intimation under sub-rule (1) above shall be given not less than seven days prior to the despatch of the consignment from the manufacturer's premises, while in the case of intimation alongwith declaration under sub-rule (2) it shall be given not less than three days prior to the despatch of the consignment from the manufacturer's premises;

(5) On receipt of the intimation under sub-rule (1) and the declaration, if any, under sub-rule (2), the Agency—

(a) (i) on satisfying itself that during the process of manufacture, the manufacturer had exercised adequate quality controls as laid down in annexure-I and followed the instructions, if any, issued by the Council or Agency in this regard to manufacture the product to conform to the standard specifications recognised for the purpose, shall within three days issue a certificate declaring the consignment of Machine Tools as exportworthy.

(ii) in case where the manufacturer is not the exporter, however, the consignment shall be physically verified and such verification and inspection, if necessary, shall be carried out by the Agency to ensure that the above conditions are complied with.

(iii) the Agency shall, however, carry out on the spot check of some of the consignments meant for export and also visit the manufacturing unit at regular intervals to verify the maintenance of the adequacy of In-process Quality Control drills adopted by the unit. If the manufacturing unit is found not adopting the required quality control measures at any stage of manufacture or does not comply with the recommendations of the Council|Agency, the unit shall be declared as not having adequate In-process Quality Control drills.

(b) In case where the exporter has not declared under sub-rule (2) that adequate quality control as laid down in Schedule-I had been exercised, on satisfying itself that the consignment of Machine Tools conforms to the standard specification recognised for the purpose, on the basis of inspection and testing carried out as laid down in annexure-II, shall within seven days of carrying out such inspection, issue a certificate declaring the consignment of Machine Tools as exportworthy :

Provided that where the Agency is not so satisfied it shall refuse to issue a certificate to the ex-

porter declaring the consignment of Machine Tools as not exportworthy and shall communicate such refusal within seven days to the exporter alongwith the reasons thereof.

(6) In case where the manufacturer is not the exporter under sub-rule (5) (a) of consignment is inspected under sub-rule (5) (b), the Agency shall immediately after completion of the inspection, seal the packages in the consignment in a manner so as to ensure that the sealed packages cannot be tampered with. In case of rejection of the consignment, if the exporter so desires the consignment may not be sealed by the Agency but in such cases, however, the exporter shall not be entitled to prefer any appeal against the rejection.

5. Place of inspection.—Every inspection under these rules shall be carried out either (a) at the premises of the manufacturer of such products, or (b) at the premises at which the goods are offered by the exporter provided adequate facilities for inspection exist therein.

6. Inspection fee.—The inspection fee shall be paid by the manufacturers|exporters to the Agency as under :—

(1) For inspection under rule 3 (a) @ 0.2% of f.o.b. value subject to minimum of Rs. 100|- per consignment.

(2) For inspection under rule 3 (b) @ 0.4% of f.o.b. value subject to minimum of Rs. 100|- per consignment.

(3) A rebate of 10% on the rate of inspection fee given in sub-rule (1) and (2) shall be given to small scale units registered with the concerned State Government or Union Territories.

7. Appeal.—(1) Any person aggrieved by the refusal of the Agency to issue a certificate under sub-rule (5) of rule 4, may, within 10 days of the receipt of the communcation of such refusal by him, refer an appeal to a panel of experts constituting of not less than three but not more than seven persons appointed for the purpose by the Central Government.

(2) The panel shall consist of atleast two thirds of non-officials of the total membership of the panel of experts.

(3) The quorum for the panel shall be three.

(4) The appeal shall be disposed of within fifteen days of its receipts.

ANNEXURE-I

[See Rule 3 (a)]

The quality control of the Machine Tools shall be exercised by the manufacturer by effecting the following controls at different stages of manufactures, preservation and packing of the products as laid down togather with the levels of control as set out in the Schedule appended hereto.

1. Brought out materials and components control.—(a) Purchase specifications shall be laid down by the manufacturer incorporating the properties of materials or components to be used and the detailed dimensions thereof with tolerances.

(b) The accepted consignments shall be either accompanied by a product's test certificate corroborating the requirement of the purchase specifications or in the absence of such test certificate samples from each consignment shall be regularly tested to check its conformity to the purchase specifications. The producer's test certificate shall be counter-checked at least once in five consignments to verify the correctness.

(c) The incoming consignment shall be inspected and tested for ensuring conformity to purchase specifications against statistical sampling plans.

(d) After inspection and tests are carried out, systematic methods shall be adopted for proper segregation and disposal of defectives.

(e) Adequate records in respect of the above mentoned controls shall be systematically maintained.

2. Process Control.—(a) Detailed process specifications shall be laid down by the manufacturer for various processes of manufacture.

(b) Equipment and instrumentation facilities shall be adequate to control the process as laid down in the process specification.

(c) Sampling (wherever required) for checking the conformity of the processed materials with the process specifications shall be based upon the recorded investigation.

(d) Adequate records shall be maintained to enable the verification of the controls adopted during the process of manufacture.

3. Product Control.—(a) The manufacturer shall either have his own testing facilities or shall have access to such testing facilities existing elsewhere to test the product as per the standard specification.

(b) Sampling (wherever required) for testing shall be based on recorded investigations.

(c) Adequate records shall be maintained to enable the verification of the details of product testing.

4. Metrological Control.—Gauges and instruments used in the production and inspection shall be periodically checked or calibrated and records shall be maintained in the form of history cards.

5. Preservation Control.—(a) A detailed specification shall be laid down by the manufactue to safeguard the product from adverse effects of weather condition.

(b) The products shall be well preserved both during storage and during transit.

6. Packing Control.—Specifications shall be laid down for packing the product (s) and as well as for export packages and the same shall be strictly adhered to.

SCHEDULE

[See Rule 3 (See sub-rule 'a' of Rule 3]

LEVELS OF CONTROL

S. No.	Test/Inspection Characteristics	Requirements	No. of samples to be tested/ inspected	Lot size frequency	Remarks
1	2	2	4	5	6
1.	Raw Materials				
1.1.	Chemical Composition	As per standard specification	On the basis of standard A.Q.C.	Each consignment.	Wherever supported by the producer's test. These characteristics shall be verified at least once in five consignments.
1.2	Mechanical properties	-do-	-do-	-do-	-do-
2.	Components				
2.1	Workmanship and finish.	-do-	-do-	-do-	-do-
2.2	Dimensions	-do-	-do-	-do-	-do-
2.3	Chemical/Physical properties	-do-	-do-	-do-	-do-
3.	Process Control				
3.1	Casting				
3.1.1	Visual and dimensional	-do-	-do-	-do-	-do-
3.1.2	Tensile strength transverse strength, % elongation & hardness.	-do-	-do-	-do-	-do-
3.1.3	Chemical composition.	As per standard specification.	On the basis of standard A.Q.L.	Each days production	
3.1.4	Hydraulic test (wherever required)	-do-	-do-	-do-	-do-
3.2	Machining				
3.2.1	Visual and dimensional	-do-	-do-	-do-	
3.3.	Pressing				
3.3.1	Visual and demensional	-do-	-do-	Each batch of production under identical condition of mfg.	

1	2	3	4	5	6
3.4	Heat treatment	As per standard specification	On the basis of standard AQE	Each batch of production under identical condition of mfg.	
3.4.1	Temperature	-do-	-do-	Every 1/2 hr. each charge.	
3.4.2	Time				
3.4.3	Hardness	-do-	-do-	-do-	
3.4.4	Visual	-do-	-do-	-do-	
3.5	Electroplating				
3.5.1	Batch concentration	-do-	-do-	At a regular periodic frequency.	
3.5.2	Batch temperature	-do-	-do-	Every 1/2 hr.	
3.5.3	Time of dipping	-do-	-do-	Each charge	
3.5.4	Voltage	-do-	-do-	Every 1/2 hr.	
3.5.6	Amperes	-do-		-do-	
3.5.6.1	Thickness of coating.	-do-	-do-	Each charge.	
3.5.6.2	Adhesion	-do-	-do-	-do-	
3.5.6.3	Salt spray	-do-	Each day's production.		
3.6	Welding/Fabrication.	-do-	-do-	Each batch of production	
3.6.1	Visual			under identical condition of manufacturing.	
3.6.2	Dimensions.	-do-	-do-	-do-	
3.7	Degreasing				
3.7.1	Batch Composition	-do-		Every hr.	
3.7.2	Batch temperature	-do-		Every 1/2 hr.	
3.7.3	Dipping time	-do-		Each charge.	
3.7.4	Visual	-do-	-do-	-do-	
3.8	Baking				
3.8.1	Temperature	-do-		Every 1/2 hr.	
3.8.2	Time of curing	-do-		Each charge	
3.9	Assembly	-do-	-do-	each	
3.10	Painting				
3.10.1	Surface preparation including short blasting.	-do-	-do-	Each batch	
3.10.2	Viscosity	-do-	-do-	Each batch	
3.10.3	Temperature	-do-	-do-	Each batch	
3.10.4	Time	-do-	-do-	Each batch	
3.10.5	Adhesion	-do-	-do-	-do-	
3.10.6	Coating thickness	-do-	-do-	-do-	
4.	Product Control				
4.1	Workmanship and finish	-do-	-do-	-do-	

1	2	3	4	5	6
4.2	Performance	As per standard specification/manual	-do-	-do-	
5.	Metrological Control				
5.1	Instruments & Guages Accuracy including temperature, guage, pressure guage etc.		Each	At a regular periodic frequency.	
5.2	Jigs and fixtures	-do-	-do-	At a periodic frequency.	
6.	Packing				
*6.1	Appearance	-do-	-do-	Each consignment	

*The packages shall be well finished and above a good appearance. The inner contents shall be packed in such a way that there is no looseness within the packages.

ANNEXURE-II

[See rule 3(b)]

1. The consignment of Machine Tools shall be subjected to inspection and testing to ensure conformity of the same to the standard specifications recognised under section 6 of the Act.

2. In the absence of any specific stipulation in the contractual specifications as regards sampling and criteria of conformity, the same as laid down in Table I shall become applicable.

2.1 The acceptance tests as given in the relevant recognised standards shall be carried out on the sample selected from the lots as given in Table-I below and the lots shall be accepted or rejected on the basis of criterion for conformity given in the Table.

TABLE-I

Lot size	Number of samples to be drawn for inspection and testing.	Permissible No. of defectives.
Upto 15	2	0
16 to 25	3	0
26 to 100	5	0
101 to 150	8	0
151 to 300	13	0
301 to 500	20	1
501 to 1000	32	2
1001 and above	50	3

2.2 In order to ensure the randomness of selection, procedure given in IS : 4905 shall be followed.

2.3 Before undertaking the inspection, the Agency shall satisfy itself that the routine tests on each Machine Tools as given in the relevant standard have been carried out on the consignment by the exporter| manufacturer.

2.4 Methods of testing.—If not otherwise specified in the export contract, the testing procedure shall be as prescribed in the relevant national or latest version of Indian Standard Specifications. The samples shall be subjected to all tests as per standard specification recognised under Section 6 of the Act.

ANNEXURE-III

REQUIREMENTS FOR GENERAL PURPOSE LATHE MACHINE AND DRILLING MACHINE

The minimum requirements laid down below on General Purpose Lathe Machine and Drilling Machines are intended of ensure a certain minimum performance level of the machines.

MINIMUM SPECIFICATION FOR GENERAL PURPOSE LATHE MACHINES AND DRILLING MACHINES

1. DOCUMENTS

The documents to be sent alongwith the machine tools shall include—

(i) Instruction Manual and Operational Manual.

(ii) Check-list or items and spare parts.

(iii) Electrical circuit diagram, and

(iv) Inspection report on geometrical accuracy.

These shall be packed in Water-proof of cover and secured inside the packing case.

2. VISUAL INSPECTION

2.1 Painting.—The painted surface should be uniformly bright and defects such as hairline cracks, peeled off portion should not exist on the painted surface. Paints should be resistant to lubricating and cutting oils. Parts of a machine may also be painted in different colours if required. The colours of paint are in general stipulated in the contract and these may be adhered to. Internal walls of gear boxes (Headstock, feed box, apron etc.) exposed to oil and cutting fluids should be coated by protective paints.

2.2 Name plate.—Each machine tool should have a name plate clearly indicating the type of machine, manufacturer's name and addresss and serial number of the machine. Accessories and interchangeable parts should be clearly marked. The marking should carry essential information such as clamping diameter on collects, number of teeth on change gear wheels. Name plates and charts fitted on the machine should be clear and shall be located prominently.

2.3 General Get-Up.—Sharp edges and projections on castings should be eliminated or smoothended out as far a possible. Unmachined furaces, castings should be cleaned smooth. Minor irregularities on surfaces may be corrected for instance, by covering with putty before painting. Junction of mating surfaces of detatchable parts should not in general be treated with putty, in any case clear demarcation should exist between detatchable parts.

Screw heads, ruts etc. fitted outside the machine should be protected against corrosion, operating lavers and rims of hand-wheels should be polished smooth and they should be adequately surface treated to protect them against corrosion.

Covers and doors should be fastened elegantly to the machine using proper fasteners. If the cover of door conceals a part which should be frequently accessible for maintenance or adjustment, it should be fastened with suitable latches. If the concerned parts do not require frequent attention they may be covered permanently. If the cover conceals a hydraulic power pack or an electric motor, louvers may be provided for ventilation.

3.0 MACHINE ELEMENTS AND SUB-ASSEMBLES

3.1 Guideways.—Bed Guideways should have a hardness of 170 to 230 BHN. Hardness value of 160 to 230 BHN is permissible for slides such as saddles, cross slides, etc.

Surface hardness of CI guide ways shall have a minimum hardness of 35 HRC or equivalent hardness in other scales. Hardened Steel guideways should have a hardness of 55 to 60 HRC. Wipers to be used against ingress of dirt and chips on the carriage for bed guideways.

3.2 Spindles and Spindles stock.—External certreing surface of the spindle nose meant for clamping chucks for tools and functional surfaces shall be hardened to 40 HRC minimum. For spindles of toughened alloy steel the minimum hardness should be 30 HRC and for spindles which cannot be heat treated the minimum hardness should be 24 HRC or its equivalent in other scales.

3.3 In case of power operated vertical slides it shall be ensured that the slide is provided with an irreversible drive element. This is to ensure that the slide is retained in its position even in an unclamped condition.

3.4 Clamping surfaces for quick changing tool post should be hardened to 35 HRC minimum of wear resistance.

Non-standard hand tools should be avoided as fares possible. Whenever Non-standard hand tools are required, the same should be supplied alongwith the machines preferable in metric dimensions.

4. TESTING

4.1 Levelling and Clamping.—Necessary provision must be made on the basis of the machine for levelling and clamping. This includes holes for foundation bolts and threaded for levelling screws. The disposi-

tion of the holes should correspond to the foundation plan described in the instruction manual.

The machine shall be levelled and clamped as per manufacturer's recommendation before tests are commenced.

4.2 The min technical specification of the machines shall include the items covered in IS;6893 as faras possible or as covered by the contract.

These specifications shall be checked|measured and listed alongwith specified values. Deviations, if any, shall be indicated. Deviatio nshould be affect the function|performance of the machine. The tapers in spindle tail-stock, saclecve, spindle nose etc. shall be checked for colour set in the appropriate gauges for full length of the tapers on components.

4.3 The spindle shall be arranged as agreed between the buyer and the seller.

The spindle (rpm or number of stockes|min. as the case may be) shali be measured at no load. The measured spindle speed (rmp) will be converted to correspond to full load rated rpm of motor. The deviation in spindle speed as compared to specified speed shall be within permissible limits specified in IS : 2218. In case where the spindle speed changing is infinitely variable the speed changing speed be provided with a pointer so that for various positions of the lever the corresponding spindle speed specified. The spindle speeds shall be verified by actual measurement.

4.4 The feed rate shall in general be arranged in a geometric series specified in IS: :2219 or as per the contract. The measured feed rate will be converted to correspond to full load rated RPM of the feed motor. The deviation infeed rates shall be measured|computed from the kisematic scheme. Anuular feed rates may be verified by a straight edge and dial indicator. The deviation of the measured feed rate fom the specified rate shall be within limits specified in IS : 2219. In case of feed drive includes a friction drive as clutch etc. during cutting tests it must be ensured that the friction drive does not slip while transmitting full power. In case where the feed rate will be infinitely variable, feed changing lever shall be provided with a pointer so that for various position of the lever, the corresponding feed rate is specified. These feed rates will be verified by actual measurement.

4.5 The thread and diametral pitches will be calculated from the kinematic scheme for machines having facility for producing screw threads. The devations in calculated thread and diametral picches and the specified pitches shall preferably be zero, if any deviation exists, this should be mentioned in Instructional Manual.

4.6 Geometrical accuracy including working accuracy test shall be conducted as per the relevant IS test charts. The requirements on measuring equipment and method of measurements shall be as per IS : 2063. The machine shall satisfy all the requirements laid down in the relevant test chart except for bed level accuracy for which only twist is required to be checked.

4.7 Temperature rise.—Measurement of temperature rise on all spindle units shall be carried out at the bearings. The temperature shall be measured at a speed corresponding to 2|3 of the highest speed in the available range. The temperature rise shall not exceed 40°C above ambient temperature. The time for stabilization shall not exceed about 1 hours. The time for stabilibation is decided as the time at which temperature rise over 15 minutes does not exceed 3 percent.

The spindle will also be run at its highest speed for about half an hour. The rise in temperature shall not exceed 40°C above embient temperature.

4.8 Vibration and Noise.—There shall be no undue vibrations and noise when the machine is run is idle condition at all spindle speess.

4.9 Operating elements.—All the operating elements such as handle, handwheels should operate smoothly.

4.10 Lubrication.—It should be ensured that all moving elemen's are adequately lubricated. Instructios manuals should provide all necessary details of lubrication such as type of lubrication, the frequency of lubrication, lubricating points, quantity of lubricant required, quality lubricant recommended etc.

4.11 Coolant Equipment.—The quantity of coolant flow should correspond to that specified in IS : 2161.

The coolant equipment should be checked for the following :—

- The pumps should be self priming.
- rebulation of coolant flow shall be provided.
- cooland must be available at all machine zones.
- the coolant should not enter any machine sub-assemblies such as apron and should not collect in saddle casting. Coolant should freely flow back to the sump. Necessary gradients should be provided on the castings.
- provision must exist such that chips do not enter the sump.
  the sump capacity should be adequate.
- arrangement of coolant equipment must be such that individual elemens must easily accessible and replaceable, from the point of view of servicing cleaning, changing the coolant and filters.
- splash guards should, in genral, be provided to prevent splashing of coolant around the machine.

— provision must exist for easy removed of chips and sludge.

1.12 Electrical Tests.—(i) The design of the circuitry will be studied from the point of view of ensuring proper sequence, interlocks and other safety measures.

(ii) Graphical symbols for electrical elements shall correspond to IS : 2032 or as per buyer's requirement.

(iii) The electrical equipments should meet all the requirements specified in IS : 1356 or as buyer's requirement.

4.13 Power utilisation tests are conducted to ascertain the ability of the machine to utilize the installed motor capacity. A wattmeter is connected to the input terminals of the motor to measure the input power. From the efficiency of the motor the output is calculated.

Workpiece details, cutting conditions, cutting tools details for different machines are dealt in Figures 1 and 2 and also in Table II. In general, the depth of cut in gradually increased till full power is utilized or self-excited. In general full power utilization is expected at 11 Zones of machining. The following points shall be noted : —

- Coolant shall used wherever necessary.
- the workpiece bottom surface shall be machined. (wherever applicable as in case of drilling machines and the workpiece shall be clamped rigidly.
- during test, all slides shall be clamped other than the slide used for feed during cutting.
- if character occurs, the impaired surface shall be machined to remove chatter marks before continuing the tests.
- tools shall be in good condition.

Addition al information necessary for individual machines is given below :—

Lathe Machine—Cutting tests are conducted on a workpiece held in chuck and live centre at three zones along workpiece length viz. near and headstock end, at the middle of the workpiece and near the tailstock[Refer Figure 1(a)]. Live centre used shall correspond to the tapper in tailstock sleeve.

In addition, cutting tests shall also be conducted on a workpiece held in chuck only [Refer Figure 1(b)].

Drilling Machine—Drilling will be carried out with the highest size of drill. If manufacture recommends cutting conditions other than specified in Table-II, the same has to be justified. Drilling depth shall be twice the diametre of drill.

4.14 Packing—All he machines shall be packed in accordance with the specification laid down in IS : 7960 (Part-I) or as per the buyer's requirement.

TABLE II

Machine	Figure	Workpiece material	Cutting speed	Feed Rate
Lathe Machine.	1 (a) and (b)	C45 Sreel strength 60 kgf/mm Hardness=200 BHN Normalised	100/min, swing bed	0.3mm/rev. if is 500 mm or less than 0.5 mm/ rev. if swing over bed is more than 500 mm.
Drilling Machine	4	—do—	20m/min	Drill Diameter/100 (mm/rev).

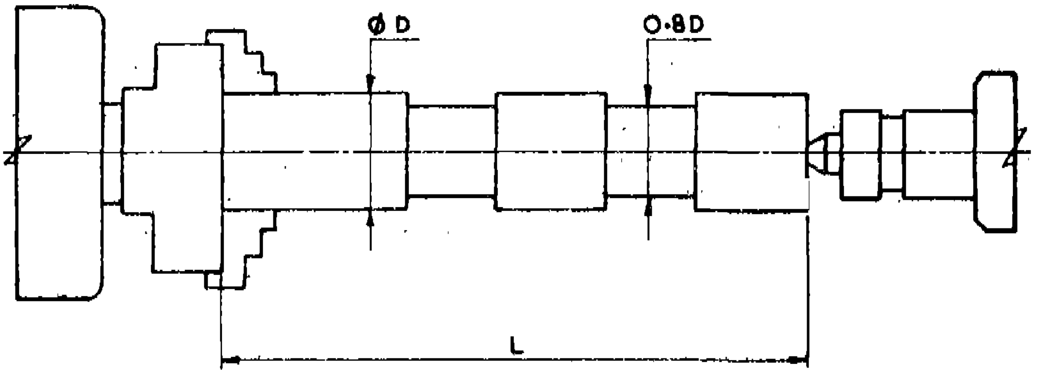

ϕ1)D=Swing over bed /4 (mm)

L=0.7 Admit between centres (mm) but not exceeding six times the diameter of wo k piece

Material C45 steel having a strength of 60 kgf/mm² and hardness maximum upto 200 BHN ;normalised

Tailstock steel overhang is approximately equal to sleeve diameter

Fig. 1 (a) Details of workpiece held between chuck and live centre

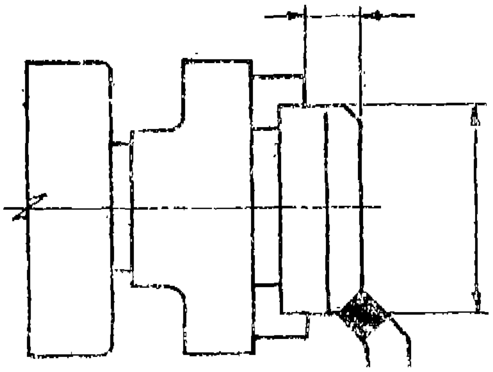

(ϕ)D=0.3 to 0.4 swing over bed (mm) L&D/2
Material=C45 steel having a strength of 60 kgf/mm² and hardness maximum upto 200 BHN

Cutting Tool : For tests as per Fig. 1(a) and 1(b) : Tool holder with throw away inserts TPUN ; approach angle =45°; Grade P30; Nose radius of insert is approximately equal to twice the feed rate ; chip breaker distance from cutting edge=3.2mm. Tool overhang should be approximately 1.5 times the height of shank.

Fig. 1(b) Details of workpiece held in chuck only

Tool : 11 .S. S. Twist Drill corresponding to IS : 5099
Lip runout on drill to be controlled to be less than 0.05mm.

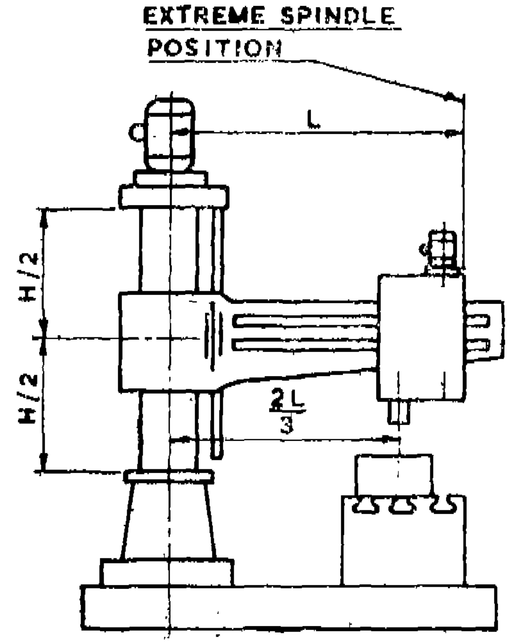

Fig.2 Cutting tests on Drilling Machine

[F. No. 6|21|86-EI&EP]

आदेश

नई दिल्ली, 30 अक्तूबर, 1990

का.आ. 3037 :—केन्द्रीय सरकार की निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह राय है कि भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय के आदेश सं. का.आ. 1153 तारीख 9 अप्रैल, 1988 में नीचे विनिर्दिष्ट रीति में और संशोधन करना आवश्यक और समीचीन है,—

और केन्द्रीय सरकार ने उक्त प्रयोजन के लिए नीचे विनिर्दिष्ट प्रस्ताव बनाया है और उसे निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1987 के नियम II के उपनियम (2) की अपेक्षानुसार निर्यात निरीक्षण परिषद को भेज दिया है,

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त उपनियम के अनुसरण में उक्त प्रस्ताव को ऐसे सभी लोगों की जानकारी के लिए, जिनके उससे प्रभावित होने की संभावना है, प्रकाशित करती है।

2. सूचना दी जाती है कि ऐसा कोई व्यक्ति जो उक्त प्रस्ताव के बारे में कोई आक्षेप या सुझाव देना चाहता है वह उसे इस आदेश के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से पैंतालीस दिन के भीतर, निर्यात निरीक्षण परिषद 11वीं मंजिल, प्रगति टावर, 26, राजेन्द्र प्लेस, नयी दिल्ली-110008 को भेज सकता है।

प्रस्ताव

केन्द्रीय सरकार, निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निर्यात निरीक्षण परिषद से परामर्श करने के पश्चात् भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय के आदेश सं. का.आ. 1153 तारीख 9 अप्रैल, 1988 में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त आदेश में परिशिष्ट-I, की मद 3 के अन्त में निम्नलिखित अन्तः स्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

"परन्तु 200 ग्राम और अधिक भार वाली प्रशीतित सिरधर पामफिट को तूतीकोरीन, मद्रास, काकीनाडा, विशाखापत्तनम्, पाराद्वीप और कलकत्ता से निर्यात की अनुमति दी जाएगी।"

[फाईल सं. 6/12/84-ई आई एंड ई पी]

पाद टिप्पण :

मूल आदेश सं. का.आ. 1153 तारीख 9 अप्रैल, 1988 द्वारा प्रकाशित किया गया।

ORDER

New Delhi, the 30th October, 1990

S.O. 3037.—Whereas, in exercise of the powers conferred by section 6 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government is of opinion that is necessary and expedient further to amend the Order of the Government of India in the Ministry of Commerce, No. S.O. 1153, dated 9th April 1988, in the manner specified below;

And whereas the Central Government has formulated the proposal specified below for the said purpose and has forwarded the same to the Export Inspection Council as required by sub-rule (2) of rule 11 of the Export (Quality Control and Inspection) Rules, 1987 ;

Now, therefore, in pursuance of the said sub-rule, the Central Government hereby publishes the said proposal for the information of the public likely to be affected thereby.

2. Notice is hereby given that any person desiring to forward any objection or suggestion with respect to the said proposal may forwadd the same within forty-five days of the date of publication of this Order in Official Gazette of the Export Inspection Council, 11th floor, Pragati Tower, 26 Rajndra Place, New Delhi-110008.

PROPOSAL

In exercise of the powers conferred by section 6 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government after consulting the Export Inspection Council, makes the following amendment in the order of the Government of India in the Ministry of Commerce, No. S. O. 1153, dated the 9th April, 1988, namely :—

In the said order, in item 3 of annexure-I the following shall be inserted at the end, namely :—

"Provided that frozen silver pomfrets of weight 200 gms. and above from Tuticorin, Madras, Kakinada, Vishakhapatnam, Paradeep and Calcutta shall be allowed for export.

[F. No. 6|12|84-EI&EP]

FOOT NOTE :

The principal order was published vide No. S.O. 1153, dated 9th April 1988.

का.आ. 3038—केन्द्रीय सरकार, निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 17 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट नियमों का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण (संशोधन) नियम, 1990 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. इससे उपाबद्ध अनुसूची के स्तम्भ (2) में निर्दिष्ट नियमों का उक्त अनुसूची के स्तम्भ (3) में निर्दिष्ट रीति से संशोधन किया जाएगा।

अनुसूची

क्रम सं.	नियमों का संक्षिप्त नाम	संशोधित
1	2	3
1.	स्टील के ट्रंक का निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम 1967	नियम 6 की धारा (iii) को छोड़ दो
2.	स्टील ट्यूब का निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1970	—वही—
3.	ढले हुए लोहे के मैनहोल के कवर तथा फ्रेमों का निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1971	—वही—
4.	ढले हुए लोहे के मलनाल तथा फिटिंग्स का निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1971	—वही—
5.	आटोमोबाइल के पुर्जे, संघटकों तथा उप संघटकों का निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1973	—वही—
6.	चमकदार इस्पात की छड़ों का निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1973	—वही—
7.	वायु संपीडकों का निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1974	—वही—
8.	जल प्रशीतकों का निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1974	—वही—

1	2	3
9.	कक्ष वातानुकूलक का निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1974	नियम 6 की धारा (iii) को छोड़ दो
10.	लघु अभियांत्रिक उत्पाद का निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1976	—वही—
11.	पाइप फिटिंग्स का निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1977	—वही—
12.	चांदी के पत्तर चढ़े बर्तनों का निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1978	—वही—
13.	कीलकों का निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1978	—वही—
14.	पटसन मिल के पुर्जों तथा उपसाधनों का निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1979	—वही—
15.	प्रेशर कुकर का निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1983	—वही—
16.	सेफ्टी रेजर ब्लेड का निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1983	—वही—
17.	स्विच गियर तथा नियंत्रण गियर का निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1984	—वही—
18.	घरेलू विद्युत उपकरणों का निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1984	—वही—
19.	घरेलू रेफ्रिजरेटरों का निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1974	—वही—
20.	डीजल इंजनों का निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 967	—वही—
21.	शक्ति चालित पम्पों का निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1967	—वही—
22.	छोटे औजार तथा हाथ के औजार का निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1967	—वही—
23.	विद्युत पंखों का निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1967	—वही—
24.	विस्तारित धातु की इस्पात की चद्दरों का निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1967	—वही—
25.	सिलाई की मशीन का निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1967	—वही—
26.	साईकिल का निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1967	—वही—
27.	विद्युत केबल और कण्डक्टर का निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1968	—वही—
28.	स्टैनललेस स्टील के बर्तनों का निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1967	—वही—
29.	परेषण लाईन टावर का निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1971	—वही—
30.	इस्पात के तार के रस्सों का निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1974	—वही—
31.	ढले हुए लोहे के बने तालों का निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1977	—वही—
32.	शक्ति परिणामित्र का निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1977	—वही—
33.	वाल्वों का निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1978	—वही—
34.	संचायक बैटरियों का निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1978	—वही—
35.	वैल्डिंग इलैक्ट्रोड का निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1978	—वही—
36.	क्षणदीप का निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1978	—वही—

1	2	3
37.	तामचीनी के बर्तनों का निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1978	नियम 6 की धारा (iii) को छोड़ दो।
38.	औद्योगिक जंजीरों का निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1978	—वही—
39.	विद्युत लैम्प तथा ट्यूब का निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1978	—वही—
40.	इस्पात के तार की लड़ियों का निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1979	—वही—
41.	एल्यूमिनियम के बर्तनों का निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1980	—वही—
42.	सफाई तथा जल फिटिंग्स का निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1980	—वही—
43.	गैस सिलेण्डरों का निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1984	—वही—

टिप्पण: मूल नियम सं.का.आ. 1896 तथा का.आ. 1897 तारीख 9-8-1989 द्वारा संशोधित किए गए।

टिप्पण : [फा.सं. 2(1)/85-ई आई एण्ड ई पी]

S.O. 3038.—In exercise of the power conferred by Section 17 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the rules specified in the Schedule annexed hereto, namely:—

1. (1) These rules may be called the Quality Control and In pection (Amendment) Rules, 1990.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. The rules spelified in column (2) if the Schedule annexed hereto shall be amended in the manner specified in column (3) of the said schedule.

SCHEDULE

S. No. No.	Short title of the rule	Amendment.
1	2	3
1.	The Export of Steel Trunk (Inspection) Rules, 1967.	In rule 6, omit clause (iii)
2.	The Export of Steel Tubes (Quality Control and Inspection) Rules, 1970	-do-
3.	The Export of Cast Iron Manhole Covers and Frames (Inspection) Rules, 1971.	-do-
4.	The Export of Cast Iron Soil Pipes and Fittings (Inspection) Rules, 1971	-do-
5.	The Export of Automobile Spares, Components and Accessories (Quality Control and Inspection) Rules, 1973.	-do-
6.	The Export of Bright Steel Bars (Quality Control and Inspection) Rules, 1973.	-do-
7.	The Export of Air Compressors (Quality Control and Inspection) Rules, 1974.	-do-
8.	The Export of Room Air Conditioners (Quality Control and Inspection) Rules, 1974.	-do-
9.	The Export of Water Coolers (Quality Control and Inspection) Rules, 1974.	-do-
10.	The Export of Light Engineering Products (Inspection) Rules, 1976.	-do-
11.	The Export of Pipe Fittings (Inspection Rules, 1977	-do-
12.	The Export of Silver Plated Wares (Inspection) Rules, 1978.	-do-
13.	The Export of Fastners (Inspection) Rules, 1978	-do-
14.	The Exports of Jute Mill Spares and Accessories (Inspection) Rules, 1979	-do-
15.	The Export of Pressure Cookers (Inspection) Rules, 1983.	-do-

1	2	3
16.	The Export of Safety Razor Blades (Quality Control and Inspection) Rules, 1983.	in rule 7, omit clause (iii)
17.	The Export of Switchgear and Controlgear (Quality Control and Inspection) Rules, 1984.	-do-
18.	The Export of Household Electrical Appliances (Quality Control and Inspection) Rules, 1984.	-do-
19.	The Export of Domestic Refrigerators (Quality Control and Inspection) Rules, 1974.	-do-
20.	The Export of Diesel Engines (Quality Control and Inspection) Rules, 1967	-do-
21.	The Export of Power Driven Pumps (Quality Control and Inspection) Rules, 1967.	-do-
22.	The Export of Small Tools and Hand Tools (Quality Control and Inspection) Rules, 1967.	-do-
23.	The Export of Electric Fans (Quality Control and Inspection) Rules, 1967.	-do-
24.	The Export of Expanded Metal Steel Sheets (Inspection) Rules, 1967.	-do-
25.	The Export of Sewing Machines (Quality Control and Inspection) Rules, 1967.	-do-
26.	The Export of Bicycles (Quality Control and Inspection) Rules, 1967	-do-
27.	The Export of Electric Cables and Conductors (Inspection) Rules, 1968.	-do-
28.	The Export of Stainless Steel Utensils (Inspection) Rules, 1967.	-do-
29.	The Export of Steel Wire Ropes (Quality Control and Inspection) Rules, 1974.	-do-
30.	The Export of Transmission Line Towers (Quality Control and Inspection) Rules, 1971.	-do-
31.	The Export of Cast Iron Spun Pipes (Quality Control and Inspection) Rules, 1977.	-do-
32.	The Export of Power Transformer (Quality Control and Inspection) Rules, 1977	-do-
33.	The Export of Valves (Inspection) Rules, 1978	-do-
34.	The Export Storage Batteries (Quality Control and Inspection) Rules, 1978.	-do-
35.	The Export of Welding Electrodes (Quality Control and Inspection) Rules. 1978.	-do-
36.	The Export of Flash Lights (Inspection) Rules, 1978.	-do-
37.	The Export of Enamel Wares (Inspection) Rules, 1978.	-do-
38.	The Export of Industrial Chaing (Quality Control and Inspection) Rules, 1978.	-do-
39.	The Export of Electric Lamps and Tubes (Quality Control and Inspection) Rules, 1978.	-do-
40.	The Export of Steel Wire Strands (Quality Control and Inspection) Rules, 1979.	-do-
41.	The Export of Aluminium Utensils (Quality Control and Inspection) Rules, 1980.	-do-
42.	The Export of Sanitary and Water Fittings (Quality Control and Inspection) Rules, 1980.	-do-
43.	The Export of Gas Cylinders (Quality Control and Inspection) Rules, 1984.	-do-

[File No. 2(1)/85-EI & EP]

Note:

Principal rules were amended vide No. S.O. 1896 and S.O. 1897 both dated 19-8-1989.

का. आ. 3039-केन्द्रीय सरकार, निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 17 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, शुष्क बैटरियों का निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1978 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम शुष्क बैटरियों का निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) (संशोधन) नियम, 1990 है।

(2) ये सरकारी राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. शुष्क बैटरियों का निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1978 के नियम 5 के खंड (ii) का लोप किया जाएगा।

[फाइल सं. 2 (1)/85-ई आई एंड ई पी]

टिप्पण :— मुख्य नियम सं. का. आ. 1607 तारीख 3-6-1978 द्वारा प्रकाशित किए गए थे और का. आ. 1895 तारीख 19-8-1989 द्वारा संशोधित किए गए।

S.O. 3039.—In exercise of the powers conferred by Section 17 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Export of Dry Batteries (Quality Control and Inspection) Rules, 1978, namely :—

1. (1) These rules may be called the Export of Dry Batteries (Quality Control and Inspection), (Amendment) Rules, 1990.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Export of Dry Batteries (Quality Control and Inspection) Rules, 1978, clause (iii) of rule 5 shall be omitted.

[F. No. 2(1)|85-EI&EP]

NOTE.—Principal rules were published by No. S.O. 1607, dated 3-6-1978 and amended by S.O. 1895 dated 19-8-1989

का. आ. 3040.—केन्द्रीय सरकार, निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 17 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, विद्युत मोटर तथा जनित्रों का निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1980 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम विद्युत मोटर तथा जनित्रों का निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) (संशोधन) नियम, 1990 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. विद्युत मोटरों तथा जनित्रों का निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1980 के नियम 8 के खंड (iii) का लोप किया जाएगा।

[फाइल सं. 2 (1)/85-ई आई एंड ई पी]

टिप्पण :—का. आ. 2554 तारीख 27-9-1980 और का. आ. 1898 तारीख 19-8-1989 द्वारा संशोधित।

S.O. 3040.—In exercise of the powers conferred by Section 17 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963, (22 of 1963), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Export of Electric Motors and Generators (Quality Control and Inspection) Rules, 1980, namely :—

1. (1) These rules may be called the Export of Electric Motors and Generators (Quality Control and Inspection) (Amendment) Rules, 1990.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Export of Electric Motors and Generators (Quality Control and Inspection) Rules, 1980, clause (iii) of rule 8 shall be omitted.

[F. No. 2(1)|85-EI&EP]

Note :—

S.O. 2554, dated 27-9-1980 and amended by S.O. 1898 dated 19-8-1989.

नई दिल्ली, 31 अक्तूबर, 1990

का. आ. 3041.—केन्द्रीय सरकार, निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 7 की उप-धारा (i) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मैसर्स जे. बी. बोडा सर्वेयर्स प्रा. लि. मेकर भवन, नं. 1, सर विटठलदास ठाकरसे मार्ग, बम्बई – 400020 को इससे उपबंध अनुसूची – 1 तथा II में विनिर्दिष्ट कार्बनिक रसायनों तथा अकार्बनिक रसायनों का निर्यात से पूर्व निरीक्षण के लिए इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से तीन वर्ष की अवधि के लिए इन शर्तों के अधीन अभिकरण के रूप में मान्यता देती है कि उक्त अभिकरण कार्बनिक तथा अकार्बनिक रसायनों के निर्यात (निरीक्षण) नियम, 1966 के नियम 4 के उपनियम (4) के अन्तर्गत निरीक्षण प्रमाण-पत्र देने के लिए उक्त अभिकरण द्वारा अपनाई गई पद्धति की जांच करने के संबंध में निर्यात निरीक्षण परिषद द्वारा मनोनीत किसी भी अधिकारी को पर्याप्त सुविधाएं देगा।

अनुसूची – I

1. ऐसिटिक ऐसिड,
2. हाईड्रोक्वीनोन,
3. ऑक्सेलिक ऐसिड,
4. बेन्जीन,
5. एथिल एल्कोहल,
6. आइसिन,
7. सोडियम साईट्रेट।

अनुसूची – II

1. सोडियम डाइक्रोमेट,
2. सोडियम सल्फेट,
3. मैंगनीज डायक्साइड (प्राकृतिक से अलग)
4. हाईड्रोक्लोरिक ऐसिड
5. कोपर सल्फेट,
6. सोडियम कार्बोनेट
7. फैरिक एल्यूम,

8. एल्यूमिनियम सल्फेट (नौन फैरिक),
9. अमोनियम क्लोराईड,
10. पोटेशियम डाइक्रोमेट,
11. मैगनीज सल्फेट,
12. सोडियम बाईकार्बोनेट,
13. एल्युमिनों फैरिक,
14. एल्यूमिनियम क्लोराईड,
15. बैरियम क्लोराईड,
16. कैल्शियम कार्बोनेट,
17. पोटाशियम परमैंगनेट,
18. जिंक सल्फेट,
19. अमोनियम एल्यूम,
20. पोटास एल्यूम,
21. एल्युमिनियम ऑक्साइड
22. ब्लीचिंग पाउडर,
23. बोरेक्स
24. कास्टिक सोडा,
25. कास्टिक पोटाश,
26. पोटाशियम कार्बोनेट,
27. पोटाशियम क्लोरेट,
28. सोडियम सिलिकेट,
29. सोडियम हाईड्रो सल्फेट।

[फाइल सं. 5 (15)/88-ई आई एंड ई पी]

New Delhi, the 31st October, 1990

S.O. 3041.—In exercise of the powers conferred by Sub-section (1) of section 7 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government hereby recognise for a period of three years from the date of publication of this notification M/s. J.B Boda Surveyors Private Ltd., Maker Bhawan No. 1, Six Vithaldas Thackersey Marg, Bombay-400020 as an agency for the inspection of the Organic Chemicals and Inorganic Chemicals pecified in Schedule-I and Schedule-II annexed hereto prior to their export subject to the condition that the said agency shall give adequate facilities to any officer nominated by the Export Inspection Council in this behalf to examine the method of Inspection followed by the said agency in granting the certificate of inspection under sub-rule (4) of rule 4 of the Export of Organic and Inorganic Chemicals (Inspection) Rules, 1966.

SCHEDULE-I

01. Acetic acid.
02. Hydroquinone,
03. Oxalic acid,
04. Benzene,
05. Ethyl Alcohol,
06. Xylene,
07. Sodium Citrate.

SCHEDULE-II

01. Sodium Dichromate
02. Sodium sulphate
03. Manganese Dioxide (other than natural)
04. Hydrochloric Acid
05. Copper Sulphate
06. Sodium Carbonate
0.7. Ferric Alum.
08. Aluminium Sulphate (non-ferrice).
09. Ammonium Chloride.
10. Potassium Dichromate.
11. Manganese Sulphate.
12. Sodium Dicarbonate.
13. Alumino Fedric.
14. Aluminium Chloride.
15. Barium Chloride.
16. Calcium Carbonate.
17. Potassium Permangenate.
18. Zinc Sulphate.
19. Ammonium Alum.
20. Potash Alum.
21. Aluminium Oxide.
22. Bleaching Powders.
23. Borax.
24. Caustic Soda.
25. Caustic Potash.
26. Potassium Corbonate.
27. Potassium Chlorate.
28. Sodium Silicate.
29. Sodium Hydro Sulphate

[File No. 5(15)|88-EI&EP]

का. आ. 3042—केन्द्रीय सरकार, निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण(अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 7 की उप-धारा (i) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मेसर्स जे. बी. बोडा सर्वेयर्स प्रा. लि., मेकर भवन, नं. 1, सर विट्ठलदास ठाकरसे मार्ग, बम्बई-400020 को इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट खनिज तथा अयस्क का निर्यात से पूर्व निरीक्षण के लिए इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से एक वर्ष की अवधि के लिए इन शर्तों के अधीन अभिकरण के रूप में मान्यता देती है कि उक्त अभिकरण खनिज तथा अयस्क के निर्यात (निरीक्षण) नियम, 1965 के नियम 4 के उप नियम (4) के अन्तर्गत निरीक्षण प्रमाण पत्र देने के लिए उक्त अभिकरण द्वारा अपनाई गई पद्धति की जांच करने के संबंध में निर्यात निरीक्षण परिषद् द्वारा मनोनीत किसी भी अधिकारी को पर्याप्त सुविधाएं देगा।

अनुसूची

1. कच्चा लोहा
2. मैंगनीज अयस्क मैंगनीज डायक्साइड रहित।

[फाइल सं. 5 (15)/88-ई आई एंड ई पी]

S.O. 3042.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 7 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government hereby recognises for a period of one year from the date of publication of this Notification M/s. J. B. Boda surveyors Private Limited Maker Bhavan No. 1, Sir Vithaldas Thackersey Marg, Bombay-400020 as an agency for the inspection of Minerals and Ores specified in schedule annexed hereto prior to export subject to the condition that the said agency shall give adequate facilities to any officers nominated by the Export Inspection

Council in this behalf to examine the method of inspection followed by the said agency in granting the certification of inspection under sub-rule (4) of rule 4 of the Export of Minerals and Ores (Inspection) Rules, 1965.

SCHEDULE

1. Iron Ore.
2. Manganese Ore excluding manganese dioxide.

[File No. 5(15)|88-EI&EP]

का. आ. 3043.—केन्द्रीय सरकार, निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 7 की उप-धारा (i) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मैसर्स ज. बी. बोडा सर्वेयर्स, प्रा. लि. मेकर भवन, नं.-1, सर विट्ठलदास ठाकरसे मार्ग, बम्बई-400020 को इससे उपाबंध अनुसूची में विनिर्दिष्ट खनिज तथा अयस्क (ग्रुप-i तथा ग्रुप-ii) का निर्यात से पूर्व निरीक्षण के लिए इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से तीन वर्ष की अवधि के लिए इन शर्तों के अधीन अभिकरण के रूप में मान्यता देती है कि उक्त अभिकरण खनिज तथा अयस्क के निर्यात (निरीक्षण) नियम, 1965 के नियम 4 के उपनियम (4) के अन्तर्गत निरीक्षण प्रमाण पत्र देने के लिए, उक्त अभिकरण द्वारा अपनाई गई पद्धति की जांच करने के संबंध में निर्यात निरीक्षण परिषद् द्वारा मनोनीत किसी भी अधिकारी को पर्याप्त सुविधाएं देगा।

अनुसूची

खनिज तथा अयस्क ग्रुप-I

1. फैरोमैंगनीज स्लेग सहित फैरोमैंगनीज
2. कैलसिंड बोक्साइड सहित बोक्साइड

खनिज तथा अयस्क ग्रुप-II

1. मैंगनीज डायक्साइड
2. कायनाइट
3. सिलिमैनाइट
4. संकेन्द्रित जिंक सहित अयस्क जिंक
5. परिदग्ध और निस्तप्त मैगनेसाइट सहित मैगनेसाइट
6. बैराइटिस
7. लाल आक्साइड
8. पीला गेरीक
9. सेलखंडी
10. स्फतीय (फैल्डस्पार)

[फाइल सं. 5(15)/88-ई.आई. एंड ई. पी.]

S.O. 3043.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 7 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government hereby recognises for a period of three year from the date of publication of this notification M|s. J.B. Beda Surveyors Private Limited Makers Bhawan No. 1 Sir Vithaldas Thackersey Marg, Bombay-400020 as an agency for the inspection of Minerals and Ores (Group-I & II) specified in he schedule annexed hereto prior to export subject to the condition that the said agency shall give adequate facilities to any officers nominated by the Export Inspection Council in this behalf to examine the method of inspection followed by the said agency in granting the certificate of inspection under sub-rule (4) of rule 4 of the Export of Minerals and Ores (Inspection) Rules, 1965.

SCHEDULE

Minerals and Ores-Group-I

1. Ferromanganese, including ferromanganese slag.
2. Bauxite, including clancined bauxite.

Minerals and Ores Group-II

1. Manganese dioxide.
2. Kyanite.
3. Sillimanite.
4. Zinc Ores, including zinc concentrate.
5. Magnesite, including dead burnt and calcined magnesite.
6. Barytes.
7. Red Oxide.
8. Yellow Ochre.
9. Steatite.
10. Feldspar.

[F. No. 5(15)|88-EI&EP]

आदेश

नई दिल्ली, 1 नवम्बर, 1990

का. आ. 3044.—केन्द्रीय सरकार, निर्यात (क्वालिटी) नियंत्रण और निरीक्षण अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय के आदेश सं. का. आ. 1153 तारीख 9 अप्रैल 1988 में संशोधन करने के लिए नीचे विनिर्दिष्ट कुछ प्रस्ताव बनाए हैं और उन्हें निर्यात क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण नियम, 1964 के नियम 11 के उप-नियम (2) की अपेक्षानुसार निर्यात निरीक्षण परिषद् को भेज दिया है;

अतः, अब, उक्त उपनियम के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार उक्त प्रस्तावों को उन लोगों की जानकारी के लिए प्रकाशित करती है जिनके उनसे प्रभावित होने की संभावना है;

2. सूचना दी जाती है कि यदि कोई व्यक्ति उक्त प्रस्ताव के बारे में कोई आक्षेप या सुझाव देना चाहता है तो वह उन्हें उस तारीख से 45 दिन के भीतर जिस तारीख को उस राजपत्र की प्रतियां जिसमें आदेश अंतर्विष्ट हैं, जनता को उपलब्ध कराई गई निर्यात निरीक्षण परिषद् 11वीं मंजिल प्रगति टावर, 26 राजेन्द्र प्लेस नयी दिल्ली 110008 को भेज सकता है।

प्रस्ताव

केन्द्रीय सरकार निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण) और निरीक्षण अधिनियम 1963 (1963 का 22) की धारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय के आदेश

का. आ. 1153 तारीख 9 अप्रैल, 1988 में निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त आदेश में:—

उक्त आदेश के उपाबंध 1 में "मछली और मछली उत्पादों के लिए विनिर्देश" शीर्षक के अन्तर्गत विद्यमान पैरा 0.2 और उसकी प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा :—

0.2 हिमशीतित उत्पादों को प्राईमरी आधानों में पैक किया जाएगा और ऐसे प्राईमरी आधानों नालीदार का बोर्ड के डिब्बों में एक पैक किया जाएगा क्रेता की विनिर्दिष्ट अपेक्षाओं के अनुसार मछली और मछली उत्पादों को प्राईमरी आधानों डुप्लेक्स डिब्बों के बिना भी पैक किया जा सकता है। ऐसे मामलों में उत्पादन को मास्टर पोलीबैग में पैक किया जाएगा और मास्टर कार्टन में रख जाएगा।

हिमशीतित मछली तथा मछली उत्पादों को पैकिंग के लिए प्रयुक्त मास्टर कार्टन आतरिक आवरण और स्ट्रेपिंग सामग्री निम्नलिखित अपेक्षा को पूरा करेगी:—

(क) मास्टर कार्टन:—

सामग्री	प्लाईयों की संख्या	फल्यूडस ग्राम भी (ग्रामएम2) स्थिति	फटन क्षमता कि.ग्रा.	दबाव क्षमता कि.ग्रा
1	2	3	4	5	6

1	2	3	4	5	6
1. ब्लाक हिमशीतित श्रिम्प स्क्विड और कटल मछली	नालीदार फाईबर बोर्ड	5	सीधा	1405	12	350
2. पामफ्रट और अन्य मछलियां	नालीदार फाईबर बोर्ड	5	वही	1205	10	450
3. पकाए हुए लाबस्टर	नालीदार फाईबर बोर्ड	5	वही	1205	10	375

(ख) आतरिक आवरण

1. श्रिम्प कटल मछली और स्क्विड के लिए	(i) शुद्ध बिना पुन : चक्कर के, 100 गेज का निम्न घनत्व पोलिथिएन या उच्च मोल्यूकूलर भार, उच्च घनत्व, पालिथिएन 60 गैज, जब आवरण के रूप मे प्रयुक्त हो।
	(ii शुद्ध बिना पुन : चक्कर के, 200 गेज के निम्न घनत्व वाला या उच्च मोल्यूकूलर भार 120 गेज का उच्च घनत्व पोलिथायलीन जब थैल के रूप में प्रयुक्त हो।
2. पामफ्रिट या अन्य मछलियों के लिए	शुद्ध बिना पुन चक्कर के 200 गेज के उच्च घनत्व वाला पोलिथायलीन या उच्च मोल्यूकूर भार 120 गेज का उच्च घनत्व पोलिथायलीन।
3. पकाए हुए लाबस्टर	शुद्ध बिना पुन चक्कर के, 100 गेज का निम्न घनत्व पोलिथायलीन या उच्च मोल्यूकूलर भार 60 गेज का उच्च घनत्व पोलिथायलीन।

(ग) स्ट्रेपिंग सामग्री

उच्च घनत्व वाला पोलिथिएन या पोलिथिएन जिसकी चौड़ाई 12 मिलीमीटर, 75 कि. ग्रा. 1 सेंटीमीटर खंडन भार तथा खंडन पर अधिकतम 20 प्रतिशत दीर्घीकरण।

[फाइल सं. 6/12/84/ई आई एंड ई पी]

ए. के. चौधरी, निदेशक

टिप्पण मूल : अधिसूचना सं. का. आ. 1153 तारीख 9 अप्रैल, 1988 द्वारा प्रकाशित की गयी थी।

ORDER

New Delhi, the 1st November, 1990

S.O. 3044.—Whereas, in exercise of the powers conferred by Section 6 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government has formulated certain proposals specified below, for amending the Order of the Government of India in the Ministry of Commerce, No. S.O. 1153, dated the 9th April, 1988 and has forwarded the same to the Export Inspection Council as required by the sub-rule (2) of rule 11 of the Export (Quality Control and Inspection) Rules, 1964;

Now, therefore, in pursuance of the said sub-rule, the Central Government hereby publishes the said proposals for the information of the public likely to be affected thereby.

2. Notice is hereby given that any person, desiring to forward any objections or suggestions with respect to the said proposals may forward the same within forty-five days of the date on which the copies of the Official Gazette containing the Order are made available to the public, to the Export Inspection Council, 11th floor, Pragati Tower, 26, Rajindra Place, New Delhi-110008.

PROPOSALS

In exercise of the powers conferred by section 6 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government hereby makes the following further amendments in the Order of the Government of India in the Ministry of Commerce, No. S.O. 1153, dated the 9th April, 1988, namely :—

In the said Order,—

In the Annexure-I to the said Order, under heading "SPECIFICATIONS FOR FISH AND FISHERY PRODUCTS" for the existing paragraph 0.2 the following shall be substituted, namely :—

"0.2 The frozen products shall be packed in primary containers and such primary containers shall be packed in corrugated cardboard cartons. As per specific requirements of buyer, fish and fishery products may be packed without primary container/duplex carton. In such cases the products shall be packed in a master poly bag and placed in a master carton.

The master cartons, inner wrap and strapping material used for packing frozen fish and fishery products shall meet the following requirements :—

(a) Master Cartons

	Material	Number of plies	Position of flutes	Gramage (g/m²)	Bursting strength (Kg/cm²)	Compression strength (Kg)
	1.	2.	3.	4.	.	6.
1. Block frozen shrimps, squids and cuttle-fish	Corrugated fibre board	5	Vretical	140^{5}	12	350
2. Pomfrets and other fishes.	Corrugated fibre board	5	-do-	120^{6}	10	450
3. Vooked lobster	Corrugated fibre board	5	Vertical	120^{5}	10	375

(b) Innter Wran

1. For Shrimps, cuttle fish and squid.—(i) Virgin non recycled, Low Density Polyethylene of 100 gauge or High Molecular Weight High Density Polythylene of 60 guage when used as wrap.

(ii) Virgin, non-recycled, Low Density Polyethylene of 200 guage or High Molecular Weight High Density Polyethylene of 120 guage when used as a bag.

2. For pomfrets and other fishes.—Virgin, non-recycled, Low Density Polyethylene of 200 guage or High Molecular weight High Density Polyethylene 120 gauge.

3. For cooked lobster.—Virgin non-recycled Low Density Polyethylene of 100 guage or High Molecular Weight High Density Polyethylene of 60 guage

(c) Strapping Material

High Density Polyethylene or Polypropylene of minimum 12 milimeter widh, 75 kg./centimeter breaking load and 20 per cent maximum elongation break."

[File No. 6/12/84-EI&EP]

A. K. CHAUDHURI, Director

NOTE.—The principal notification was published vide No. S.O. 1153 dated the 9th April, 1988.

मानव संसाधन विकास मंत्रालय

युवा कार्यक्रम और खेल विभाग

नई दिल्ली, 28 जून, 1990

का. आ. 3235. इस विभाग की दिनांक 10 फरवरी, 1988 की समसंख्यक अधिसूचना, जो समय-समय पर संशोधित की गई है, में निम्नलिखित के अनुसार आंशिक तौर पर और संशोधन किया जाता है :—

"क्रम सं. 5 पर सदस्यों की सूची में महानिदेशक, भारतीय खेल प्राधिकरण, नई दिल्ली के सामने श्री पी. के. चटर्जी के स्थान पर श्री ए. के. पंडया का नाम रखा जाता है।"

[फा सं. 13-35/87-खेल-I]

ए. के. संगोत्रा, उप सचिव

परिशिष्ट

खिलाड़ियों के लिए राष्ट्रीय कल्याण कोष की महासमिति के सदस्यों की सूची

1. युवा कार्यक्रम और खेल राज्य मंत्री,
शास्त्री भवन, नई दिल्ली।

2. श्री एम. वरदराजन,
सचिव, भारत सरकार,
युवा कार्यक्रम और खेल विभाग,
कमरा सं. 103-'सी' शास्त्री भवन,
नई दिल्ली।

3. श्री वी. शिवासुब्रामण्यम,
वित्त सलाहकार,
युवा कार्यक्रम और खेल विभाग,
कमरा सं. 209, "ए" विंग,
शास्त्री भवन, नई दिल्ली।

4. श्री वी. एस. आदित्यन,
अध्यक्ष, भारतीय ओलम्पिक संघ
जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम,
नई दिल्ली।

5. श्री ए. के. पण्डया,
महानिदेशक,
भारतीय खेल प्राधिकरण,
जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम,
नई दिल्ली।

6. श्री हुजा शरीफ,
अध्यक्ष,
भारतीय वाणिज्य और उद्योग चैम्बर संघ,
फैडरेशन हाउस, तानसेन मार्ग
नई दिल्ली।

7. श्री चुन्नी गोस्वामी,
सलाहकार (खेलकूद)
टाटा फुटबाल अकादमी,
टाटा लोह और इस्पात कम्पनी लिमिटेड,
जमशेदपुर - 831001

8. श्री वासुदेवन भास्करन,
सहायक खेल अधिकारी,
दक्षिणी रेलवे खेल एसोसिएशन,
मद्रास - 600003

9. श्री सी. चार्ल्स बोरोमियो,
टाटा लोह और इस्पात कम्पनी लिमिटेड,
कल्याण विभाग,
जमशेदपुर।

10. श्री फणी शर्मा,
उपाध्यक्ष
भारतीय टेबल टेनिस संघ,
भारतीय ओलम्पिक संघ,
पश्चिमी एनेक्सी,
अनुराधा सिनेमा,
गोहाटी - 21 (असम)।

11. श्री ए. सी. जोस,
एडवोकेट,
प्रशान्ट स्नेहलया डी. एच. रोड,
कोचीन - 16 (केरल)।

12. श्री नईम कादरी,
विशेष कार्यकारी जिलाधीश,
वजीराबाद,
नन्देड - 431601 (महाराष्ट्र)।

13. निदेशक,
खेल और युवा कल्याण,
खेल और युवा कल्याण निदेशालय,
5, वैशाली कोठरा सुल्तानाबाद,
भोपाल (मध्य प्रदेश)।

14. महानिदेशक,
युवा सेवाएं और खेल,
जम्मू और कश्मीर,
श्रीनगर।

15. अध्यक्ष,
भारतीय टेबल टेनिस संघ,
कमरा सं. 1144–ए, गेट सं. 28,
जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम,
नई दिल्ली।

16. अध्यक्ष,
भारतीय एमेच्योर मुक्केबाजी संघ,
4, के. एस. लिंक रोड,
केजर बंगलो,
जमशेदपुर – 831005

17. अध्यक्ष,
भारतीय बैडमिन्टन संघ,
ए. एल. फिरदोस, जिया मंजिल का पश्चिमी विंग,
गोरखपुर (उत्तर प्रदेश)।

18. अध्यक्ष,
भारतीय जूडो संघ,
सोनवला बिल्डिंग,
65, बम्बई समाचार मार्ग,
बम्बई – 400023

19. अध्यक्ष,
भारतीय भारोत्तोलन संघ,
2/2, बजेशीपुर,
दूसरी बाई लेन,
हावड़ा – 711002

20. श्रीमती उषा चनरथ,
संयुक्त सचिव (खेल)
युवा कार्यक्रम और खेल विभाग,
कमरा सं. 114–"सी"
शास्त्री भवन, नई दिल्ली।

MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT

(Department of Youth Affairs and Sports)

New Delhi, the 28th June, 1990

S.O. 3045.—The Department's Notification of even number dated the 10th February, 1988 as modified from time to time, is hereby further partially modified as follows :—

"in the list of Members at Serial No 5 against the Director General, Sports Authority of India, New Delhi the name of Shri A. K. Pandya is substituted in place of 'Shri D. K. Chatterjee'."

[No. F 13-35/87-SP IV]

A. K. MANGOTRA, Dy Secy

ANNEXURE

LIST OF MEMBERS OF THE GENERAL COMMITTEE OF THE NATIONAL WELFARE FUND FOR SPORTS-PERSONS

1. Minister of State for Youth Affairs & Sports,
Shartri Bhawan, New Delhi.

2. Shri M. Vardarajan,
Secretary to the Government of India,
Department of Youth Affairs & Sports,
Room No. 103-C. Shastri Bhawan,
New Delhi.

3. Shri B. Sivasubramaniam,
Financial Adviser,
Department of Youth Affairs and Sports,
Room No. 209-A. Shastri Bhawan,
New Delhi.

4. Shri B. S. Adityan,
President,
Indian Olympic Association,
Jawaharlal Nehru Stadium,
New Delhi.

5. Shri A. K. Pandya,
Director Geeral,
Sports Authority of India,
Jawaharlal Nehru Stadium,
New Delhi.

6. Shri Haja Sharif,
President,
Federation of India Chamber of Commerce & Industry,
Federation House, Tan Sen Marg,
New Delhi.

7. Shri Chuni Goswami,
Adviser (Sports and Games),
Tata Football Academy,
The Tata Iron & Steel Co. Limited,
Jamshedpur-831001.

8. Shri Vasudevan Bhaskaran,
Assistant Sports Officer,
Southern Railway Sports Association,
Madras-600003.

9. Shri V. Charles Borromeo,
The Tata Iron & Steel Co. Limited,
Welfare Department,
Jamshedpur.

10. Shri Phasi Sharma,
Vice-President,
Table Tennis Federation of India,
Indian Olympic Association,
Western Annexe,
Anuradha Cinema.
Gauhati-21 (ASSAM).

11. Shri A. C. Jose,
Advocate,
Adabt Snehalaya D. H. Road,
Cochin-16 (Kerala).

12. Shri Naveem Kadri,
Special Executive Magistrate,
Vazirabad.
Nanded-431601 (Maharashtra).

13. Director.
Sports and Youth Welfare,
Directorate of Sports and Youth Welfare,
5, Vaishli Kotra Sultanabad.
Bhopal (Madhya Pradesh)

14. Director General.
Youth Services and Sports,
Government of Jammu & Kashmir.
Srinagar.

15. President
Table Tennis Federation of India,
Room No. 1144-A, Gate No. 28,
Jawahrlal Nehru Stadium,
New Delhi.

16. President,
Indian Amateur Boxing Federation,
4. K. S. Link Road.
Kaiser Bunglow,
Jamshedpur-831005

17. President,
Badminton Association of India.
AL Firdose, Eastern Wing of Zia Manzil.
Gorakhpur (Uttar Pradesh).

18. President,
Judo Federation of India.
Sonwala Building,
65, Bombay Samachar Marg.
Bombay-400023.

19. President,
Indian Weightlifting Federation,
2/2, Bajeshipur,
2nd Bye Lane,
Howrah-711002.

20. Smt. Usha Chatrath,
Joint Secretary (SPORTS),
Department of Youth Affairs & Sports,
Room No. 114-C,
Shastri Bhawan,
New Delhi.

नई दिल्ली, 23 अक्तूबर, 1990

का.आ. 3046.—समय-समय पर यथा संशोधित इस विभाग की 7 मई, 1986 की अधिसूचना संख्या एफ. 13-11/85-डी-1 (खेल) को आंशिक रूप से निम्न प्रकार संशोधित किया गया है :—

भाग II पैरा 4 (1) में "युवा कार्यक्रम और खेल राज्य मंत्री—अध्यक्ष" शब्दों के स्थान पर "युवा कार्यक्रम और खेल उपमंत्री—अध्यक्ष" शब्द प्रतिस्थापित किए जाएंगे।

दिनांक 10-2-88 की समसंख्यक अधिसूचना में पैरा 2 में उल्लिखित खिलाड़ियों के लिए राष्ट्रीय कल्याण कोष के प्रबन्ध और प्रशासन के प्रयोजन के लिए सामान्य समिति के अध्यक्ष के रूप में "श्रीमती मारग्रेट आल्वा" के नाम के स्थान पर" श्री भक्त चरण दास" का नाम प्रतिस्थापित किया जाएगा।

[फा० सं० 13-35/87 खेल-4]

संतोष कुमार, निदेशक

New Delhi, the 23rd October, 1990

S.O. 3046.—This Department's Notification No. F. 13-11/85/-DI (SP) dated the 7th May, 1986, as modified from time to time, is herewith partially modified as follows:—

In part II, Para 4(i) the words—"Minister of State for Youth Affairs and Sports—Chairman" shall be substituted with the words—"Deputy Minister for Youth Affairs and Sports—Chairman".

In the Notification of even number dated 10-2-1988, the name of "Smt. Margaret Alva" as Chairman of the General Committee for the purpose of Management and Administration of National Welfare Fund for Sportspersons as mentioned in Para 2 thereof, shall be substituted with the name of "Shri Bhakta Charan Das".

[No. F. 13-35/87-SP-IV]

SANTOSH KUMAR, Director

संस्कृति विभाग

(भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण)

नई दिल्ली, 30 अक्तूबर, 1990

(पुरातत्व)

का.आ. 3047 :—केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि इससे उपाबन्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट प्राचीन संस्मारक, राष्ट्रीय महत्व का है

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, प्राचीन स्मारक तथा पुरातत्वीय स्थल और अवशेष अधिनियम, 1958 (1958 का 24) की धारा 4 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त प्राचीन संस्मारक को राष्ट्रीय महत्व का होना घोषित करने के अपने आशय की दो मास की सूचना देती है।

ऐसे आक्षेप पर, जो राजपत्र में इस अधिसूचना के जारी किए जाने की तारीख से दो मास की अवधि के भीतर उक्त प्राचीन संस्मारक मे हितबद्ध किसी व्यक्ति से प्राप्त होगा केन्द्रीय सरकार विचार करेगी।

अनुसूची

राज्य	जिला	परिक्षेत्र	संस्मारक/स्थल का नाम	संरक्षण के लिए शामिल किए जाने वाले राजस्व प्लाट संख्या
1	2	3	4	5
पश्चिमी बंगाल	हावड़ा	बेलूर पुलिस थाना : बाली मौजा : बारकपुर जे.एल.सं. 16	श्री मायेरघाट	सर्वेक्षण प्लाट सं. 1343

क्षेत्र	सीमाएं	स्वामित्व	टिप्पणियां
6	7	8	9
0.033 एकड़	उत्तर : सर्वेक्षण प्लाट सं 1450 पूर्व : गंगा नदी दक्षिण : सर्वेक्षण प्लाट सं. 1344 पश्चिम : सर्वेक्षण प्लाट सं. 1361	महल फोरशोर हावड़ा कलक्टर साहब	

[सं 2/12/90-एम]

DEPARTMENT OF CULTURE

(Archaeological Survey of India)

New Delhi, the 30th October, 1990

(ARCHAEOLOGY)

S.I. 3047.—Whereas the Central Government is of the opinion that the ancient monument specified in the Schedule annexed hereto is of national importance;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 4 of the Ancient Monuments and Archaeological Sites and Remains Act, 1958 (24 of 1958), the Central Government hereby gives two months' notice of its intention to declare the said ancient monument to be of national importance.

Any objection which may be received within a period of two months from the date of issue of this notification in the Official Gazette from any person interested in the said ancient monument will be taken into consideration by the Central Government.

SCHEDULE

State	District	Locality	Name of Monument/Site	Revenue plot numbers to be included under protection
West Bengal	Howrah	Belur P.S. Bally Mouza : Barakpur J.L. No. 16	Sri Mayer Ghat	Survey Plot No. 1343

Area	Boundaries	Ownership	Remarks
6	7	8	9
0.033 Acres	North : Survey plot No. 1450. East - River Ganga South : Survey plot No. 1344 West : Survey plot No. 1361.	Mahal Foreshore Howrah Collector Saheb.	

[No(2/12/90-M]

का.आ. 3048.—केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट प्राचीन संस्मारक राष्ट्रीय महत्व का है;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, प्राचीन संस्मारक तथा पुरातत्वीय स्थल और अवशेष अधिनियम, 1958 (1958 का 24) की धारा 4 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त प्राचीन संस्मारक को राष्ट्रीय महत्व का घोषित करने के अपने आशय की दो मास की सूचना देती है।

इस अधिसूचना के राजपत्र में जारी किए जाने की तारीख से दो मास की अवधि के भीतर उक्त प्राचीन संस्मारक में हित रखने वाले किसी व्यक्ति से यदि कोई आक्षेप प्राप्त होंगे तो केन्द्रीय सरकार उन पर विचार करेगी।

अनुसूची

राज्य	जिला	परिक्षेत्र	संस्मारक/स्थल का नाम
1	2	3	4
बिहार	सिवान	जीरादेई	भारत के प्रथम राष्ट्रपति स्व. डा. राजेन्द्र प्रसाद का पैतृक गृह।

संरक्षण के लिए सम्मिलित किए जाने वाले राजस्व प्लाट की संख्या	क्षेत्र	सीमाएं	स्वामित्व	टिप्पणियां
5	6	7	8	9
सर्वे प्लाट सं. 1519, 1521, 1522, 1523 और 1524 का भाग जैसा कि नीचे पुन: उद्धृत स्थल रेखांक में दर्शाया गया है।	0.70 एकड़	उत्तर-सर्वे प्लाट प्राइवेट सं 1521 और 1522 का भाग पूर्व-सर्वे प्लाट सं. 1523 और 1524 का भाग दक्षिण-सर्वे प्लाट सं. 1525 का भाग पूर्व—सड़क और सर्वे प्लाट सं. 1519 का भाग		

[सं. 2/12/89-7]

S.O. 3048.—Whereas the Central Government is of the opinion that the ancient monument specified in the Schedule annexed hereto is of national importance;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 4 of the Ancient Monuments and Archaeological Sites and Remains Act, 1958 (24 of 1958), the Central Government hereby gives two months notice of its intention to declare the said ancient monument to be of national importance.

Any objection which may be received within a period of two months from the date of issue of this notification in the Official Gazette from any person interested in the said ancient monument will be taken into consideration by the Central Government.

SCHEDULE

State	District	Locality	Name of Monument/Site	Revnue plot numbers to be included under protection.
1	2	3	4	5
Bihar	Siwan	Jiradei	Ancestral House of Late Dr. Rajendra Prasad, First President of India.	Part of survey plot numbers 1519, 1521, 1522 1523 and 1524 as shown in the site-plan reproduced below.

Area	Boundaries	Ownership	Remarks
6	7	8	9
0.70 acre	North : Part of survey plot numbers 1521 and 1522. East : part of survey plot numbers 1523 and 1524. South : Survey plot number 1525. East : Road and part of survey plot number 1519.	Private	

[No. 2/12/89-7

का.आ. 3049 —केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट प्राचीन संस्मारक और स्थल राष्ट्रीय महत्व का है;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, प्राचीन संस्मारक तथा पुरातत्वीय स्थल और अवशेष अधिनियम, 1958 (1958 का 24) की धारा 4 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त प्राचीन संस्मारक और स्थल को राष्ट्रीय महत्व का होना घोषित करने के अपने आशय की इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से दो मास की सूचना देती है।

ऐसे आक्षेपों पर जो इस अधिसूचना के राजपत्र में जारी की तारीख से दो मास की अवधि के भीतर उक्त प्राचीन संस्मारक और स्थल में हितबद्ध किसी व्यक्ति से प्राप्त होगा, केन्द्रीय सरकार, विचार करेगी।

अनुसूची

राज्य	जिला	परिक्षेत्र	संस्मारक/स्थल का नाम	संरक्षण के लिए शामिल किए जाने वाले राजस्व प्लाट संख्या
1	2	3	4	5
दिल्ली	दिल्ली	पिपलथाला	गोरडन हाई लैंडर्स का संस्मारक और उसके पार्श्वस्थ प्राचीन स्थल	नीचे दिए गए स्थल रेखांक में दर्शित किए गए खसरा सं. 669/204 और खसरा सं. 202/2, 201/1 201/2 तथा 204

क्षेत्र	सीमाएं	स्वामित्व	टिप्पणियां
6	7	8	9
1.39 एकड़	उत्तर : खसरा सं. 200/2 और 200/1 का भाग पूर्व : खसरा सं. 204 का भाग दक्षिण: खसरा सं. 204 का भाग पश्चिम : खसरा सं. 201/2 का भाग	सरकार। सिमीट्री मैनेजमेंट सोसाइटी लिमिटेड, दिल्ली के अधीन खसरा सं. 669/204	—

[स. 2/43/88-एम.]

S.O. 3049.—Whereas the Central Government is of the opinion that the ancient monument and site specified in the Schedule annexed hereto is of national importance ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 4 of the Ancient Monuments and Archaeological Sites and Remains Act, 1958 (24 of 1958), the Central Government hereby gives two months' notice of its intention to declare the said ancient monument and site to be of national importance.

Any objection which may be received within a period of two months from the date of issue of this notification in the Official Gazette from any person interested in the said ancient monument and site will be taken into consideration by the Central Government.

SCHEDULE

State	District	Locality	Name of the Monument/Site	Revenue plot numbers to be included under protection
1	2	3	4	5
Delhi	Delhi	Pipalthala	Memorial of Gordon Highlanders and ancient site adjacent to it.	K. No. 669/204 and part of K. Nos. 200/2, 201/1, 201/2 and 204 as shown in the site plan reproduced below.

Area	Boundaries	Ownership	Remarks
6	7	8	9
1.39 acres	North Part of K. No. 200/2 and 201/1. East Part of K. No. 204. South : Part of K. No. 204. West : Part of K. No. 201/2.	Government. K. No. 669/204 under Cemetry Management Society Ltd., Delhi.	

[No. 2/43/88-M]

का.आ. 3050 —केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट प्राचीन संस्मारक, राष्ट्रीय महत्व का है;

अतः, अब केन्द्रीय सरकार, प्राचीन संस्मारक तथा पुरातत्वीय स्थल और अवशेष अधिनियम, 1958 (1958 का 24) की धारा 4 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त प्राचीन संस्मारक को राष्ट्रीय महत्व का होना घोषित करने के अपने आशय की दो मास की सूचना देती है।

ऐसे आक्षेप पर, जो राजपत्र में इस अधिसूचना के जारी किए जाने की तारीख से दो मास की अवधि के भीतर उक्त प्राचीन संस्मारक में हितबद्ध किसी व्यक्ति से प्राप्त होगा, केन्द्रीय सरकार विचार करेगी।

अनुसूची

राज्य	जिला	परिक्षेत्र	संस्मारक/स्थल का नाम	संरक्षण के लिए शामिल किए जाने वाले राजस्व प्लाट संख्या
1	2	3	4	5
मध्य प्रदेश	धार	वाशनी	शैलकृत मंदिर	नीचे दिए गए स्थल-रेखांक में दर्शित किए गए सर्वेक्षण प्लाट सं. 138/1क/1 का भाग

क्षेत्र	सीमाएं	स्वामित्व	टिप्पणियां
6	7	8	9
2.32 हेक्टर	उत्तर :—सर्वेक्षण प्लाट सं. 166 पूर्व:—सर्वेक्षण प्लाट सं. 138/1क/1/ का शेष भाग दक्षिण :—सर्वेक्षण प्लाट सं. 138/1क/1 का शेष भाग पश्चिम :—सर्वेक्षण प्लाट सं. 138/1क/1 का शेष भाग	मध्य प्रदेश सरकार	—

[सं. 2/25/88-एम.]

S.O. 3050.—Whereas the Central Government is of the opinion that the ancient monument specified in the Schedule annexed hereto is of national importance;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 4 of the Ancient Monuments and Archaeological Sites and Remains Act, 1958 (24 of 1958) the Central Government hereby gives two months' notice of its intention to declare the said ancient monument to be of national importance.

Any objection which may be received within a period of two months from the date of issue of this notification in the Official Gazette from any person interested in the said ancient monument will be taken into consideration by the Central Government.

SCHEDULE

State	District	Locality	Name of Monument/Site	Revenue plot numbers to be included under protection
1	2	3	4	5
Madhya Pradesh	Dhar	Washvi	Rock cut temple	Part of survey plot No. 138/1A/1 as shown in the site plan reproduced below.

Area	Boundaries	Ownership	Remarks
6	7	8	9
2.32 Hect.	North : Survey plot number 166. East : Remaining part of survey plot No. 138/1A/1. South : Remaining part of survey plot number 138/1A/1. West : Remaining part of survey plot number 38/1A/1.	M.P. Government.	

[No. 2/25/85-M]

का.आ. 3051.—केन्द्रीय सरकार को यह राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट प्राचीन संस्मारक, राष्ट्रीय महत्व का है;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, प्राचीन संस्मारक तथा पुरातत्वीय स्थल और अवशेष अधिनियम, 1958 (1958 का 24) की धारा 4 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त प्राचीन संस्मारक को राष्ट्रीय महत्व का होना घोषित करने के अपने आशय की सूचना देती है।

ऐसे आक्षेप पर, जो इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से दो मास की अवधि के भीतर उक्त प्राचीन संस्मारक में हितबद्ध किसी व्यक्ति से प्राप्त होगा, केन्द्रीय सरकार विचार करेगी।

अनुसूची

राज्य	जिला	परिक्षेत्र	संस्मारक का नाम	संरक्षण के लिए शामिल किए जाने वाले राजस्व प्लाट संख्यांक
1	2	3	4	5
तमिलनाडु	मदुरै	अम्मनकोविल पट्टी ग्राम परियारीपट्टी	ब्राह्मी शैल उत्कीर्ण लेख	नीचे दिए गए स्थल रेखाक में दर्शित किए गए सर्वेक्षण प्लाट सं. 105 का भाग

क्षेत्र	सीमाएं	स्वामित्व	टिप्पणियां
6	7	8	9
0.75 एकड़	उत्तर—सड़क पूर्व:—सर्वेक्षण सं. 105 का शेष प्रभाग दक्षिण:—सर्वेक्षण सं. 102/2ए और सर्वेक्षण सं. 105 का शेष प्रभाग पश्चिम में सर्वेक्षण सं. 105 का शेष प्रभाग।	पारम्बोक	स्तंभ 5 के अधीन विनिर्दिष्ट क्षेत्र के भीतर अवस्थित मंदिर और शिला स्तंभ, प्रस्तावित संरक्षण के अधीन नहीं हैं।

[फा. सं. 2/35/84-एम.]

एम. सी. जोशी, महानिदेशक

S.O. 3051.—Whereas the Central Government is of the opinion that the ancient monument specified in the Schedule annexed hereto is of national importance;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 4 of the Ancient Monuments and Archaeological Sites and Remains Act, 1958 (24 of 1958), the Central Government hereby gives two months' notice of its intention to declare the said ancient monument to be of national importance.

Any objection which may be received within a period of two months from the date of publication of this notification in the Official Gazette from any person interested in the said ancient monument will be taken into consideration by the Central Government.

SCHEDULE

State	District	Locality	Name of Monument	Revenue plot numbers to be included under protection
1	2	3	4	5
Tamil Nadu	Salem	Ammankovil-patti village periaripatti	Brahmi rock inscription	Part of survey plot number 105 as shown in the site plan reproduced below.

Area	Boundaries	Ownership	Remarks
6	7	8	9
0.75 Acres	North : Road. East : Remaining portion of survey number 105. South : Survey number 102/2A and remaining portion of survey number 105. West : Remaining portion of survey number 105.	Paramboke	A temple and stone pillar located within the area specified under column 5 are not covered under proposed protection.

[F. No. 2/35/84-M]

M.C. JOSHI, Director General

उद्योग मंत्रालय

(कंपनी कार्य विभाग)

नई दिल्ली, 7 अक्तूबर, 1990

का.आ. 3052.—केन्द्रीय सरकार, कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 620-क की उपधारा (1) और उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मैसर्स सेंट मेरीज फंड्स लिमिटेड को, जो एक कंपनी है और जिसका रजिस्ट्रीकृत कार्यालय केरल राज्य में गिरावोम, केरल, पिन-686664 में है, एक निधि घोषित करती है और यह निदेश देती है कि भारत सरकार के भूतपूर्व वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय (कंपनी विधि प्रशासन विभाग) की अधिसूचना स. सा.का.नि. 978 तारीख 28 मई, 1963 की अनुसूची 3 के स्तंभ (1) में विनिर्दिष्ट उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त निधि को लागू नहीं होंगे या, यथास्थिति, उसके स्तंभ (2) में की तत्स्थानी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट अपवादों, उपांतरणों और अनुकूलनों सहित लागू होंगे और उक्त अधिसूचना का निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना की अनुसूची 1 में, मद 116 और उससे संबंधित प्रविष्टियों के पश्चात् निम्नलिखित मद और प्रविष्टियां जोड़ी जाएंगी, अर्थात् :—

"117. मेसर्स सेंट मेरीज फंड्स लिमिटेड"।

[फा.सं. 38/8/89-सी एल-III]

ए.पी. माथुर, निदेशक

टिप्पणी :—मूल अधिसूचना सा.का.नि. संख्या 978 दिनांक 28 मई, 1963 को अधिसूचित की गयी थी और तदन्तर यथा संशोधित की गयी :—

1 सा.का.नि. सं. 1681 दिनांक 11-10-63
2 सा.का.नि. सं. 853 दिनांक 1-6-64
3 सा.का.नि. सं. 297 दिनांक 12-2-65
4. सा.का.नि. सं. 1332 दिनांक 30-8-65
5. सा.का.नि. सं. 111 दिनांक 14-1-66
6. सा.का.नि. सं. 1543 दिनांक 1-10-66
7 सा.का.नि. सं. 607 दिनांक 29-4-67
8. सा.का.नि. सं. 608 दिनांक 29-4-67
9. सा.का.नि. सं. 1166 दिनांक 6-6-69
10. सा.का.नि. सं. 2707 दिनांक 18-11-69
11 सा.का.नि. सं. 1306 दिनांक 27-7-71
12 सा.का.नि. सं. 1 दिनांक 21-12-73
13. सा.का.नि. सं. 690 दिनांक 22-6-74
14. सा.का.नि. सं. 275 दिनांक 14-2-75
15. सा.का.नि. सं. 409 दिनांक 29-3-75
16. सा.का.नि. सं. 1300 दिनांक 11-9-76
17. सा.का.नि. सं. 426 दिनांक 8-3-78
18 सा.का.नि. सं. 728 दिनांक 28-4-78
19 सा.का.नि. सं. 1296 दिनांक 4-10-79
20. सा.का.नि. सं. 1100 दिनांक 9-10-80
21. सा.का.नि. सं. 1099 दिनांक 9-10-80
22 सा.का.नि. सं. 164 दिनांक 10-2-83
23 सा.का.नि. सं. 843 दिनांक 19-11-83
24 सा.का.नि. सं. 844 दिनांक 19-11-83
25 सा.का.नि. सं. 217 दिनांक 25-2-84
26 सा.का.नि. सं. 231 दिनांक 20-2-85
27 सा.का.नि. सं. 21 दिनांक 24-12-85
28 सा.का.नि. सं. 275 दिनांक 3-3-86
29 सा.का.नि. सं. 306 दिनांक 11-4-86
30 सा.का.नि. सं. 70 दिनांक 22-8-86
31 सा.का.नि. सं. 861 दिनांक 24-10-86
32 सा.का.नि. सं. 353 दिनांक 22-1-87
33 सा.का.नि. सं. 365 दिनांक 22-1-87
34 सा.का.नि. सं. 430 दिनांक 20-5-87
35 सा.का.नि. सं. 598 दिनांक 31-7-87
36 सा.का.नि. सं. 597 दिनांक 31-7-87
37. सा.का.नि. सं. 921 दिनांक 30-11-87
38 सा.का.नि. सं. 922 दिनांक 3-12-87
39 सा.का.नि. सं. 264 दिनांक 5-4-88
40 सा.का.नि. सं. 479 दिनांक 18-6-88
41 सा.का.नि. सं. 515 दिनांक 25-6-88
42. सा.का.नि. सं. 597 दिनांक 15-7-88
43. सा.का.नि. सं. 596 दिनांक 15-7-88
44 सा.का.नि. सं. 598 दिनांक 15-7-88
45 सा.का.नि. सं. 809 दिनांक 22-9-88
46. सा.का.नि. सं. 961 दिनांक 17-12-88
47. सा.का.नि. सं. 32 दिनांक 6-12-88
48 सा.का.नि. सं. 959 दिनांक 17-12-88
49 सा.का.नि. सं. 960 दिनांक 17-12-88
50. सा.का.नि. सं. 318 दिनांक 6-5-89
51. सा.का.नि. सं. 501 दिनांक 22-7-89
52 सा.का.नि. सं. 502 दिनांक 22-7-89
53 सा.का.नि. सं. 649 दिनांक 22-8-89
54. सा.का.नि. सं. 650 दिनांक 22-8-89
55. सा.का.नि. सं. 651 दिनांक 22-8-89
56 सा.का.नि. सं. 844 दिनांक 25-10-89
57 सा.का.नि. सं. 102 दिनांक 5-2-90
58 सा.का.नि. सं. 241 दिनांक 29-3-90
59 सा.का.नि. सं. 302 दिनांक 16-4-90
60. सा.का.नि. सं. 303 दिनांक 10-5-90

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Company Affairs)

New Delhi, the 7th October, 1990

S.O. 3052.—In exercise of the powers conferred by sub-sections (1) and (2) of Section 620-A of the Companies Act,

1956 (1 of 1956), the Central Government hereby declares Messrs. St. Mary's Funds Limited a company having its registered office at Privom, Kerala, Pin 686664 in the State of Kerala to be a Nidhi and directs that the provisions of the said Act specified in column (1) of Schedule III to the notification of the Government of India in the late Ministry of Commerce and Industry (Department of Company Law Administration's) No. G.S.R. 978 dated the 28th May, 1963 shall not apply, or as the case may be, shall apply with the exceptions, modifications and adaptations specified in the corresponding entry in column (2) thereof, to the said Nidhi and makes the following amendment in the said notification, namely :—

In Schedule I to the said notification, after item 116 and the entries relating thereto, the following item and entries shall be added, namely :—

"117. Messers St. Mary's Funds Limited".

[F. No. 38/8/89-CL-III]

U. P. MATHUR, Director

Note.—The Principal Notification was notified vide GSR No. 978 dated 28th May, 1963 and subsequently amended vide :—

1. GSR No. 1681 dated 11-10-63
2. GSR No. 853 dated 4-6-64
3. GSR No. 297 dated 12-2-65
4. GSR No. 1332 dated 30-8-65
5. GSR No. 111 dated 14-1-66
6. GSR No. 1543 dated 1-10-66
7. GSR No. 607 dated 29-4-67
8. GSR No. 608 dated 29-4-67
9. GSR No. 1466 dated 6-6-69
10. GSR No. 2707 dated 18-11-69
11. GSR No. 1306 dated 27-7-71
12. GSR No. 1 dated 21-12-73
13. GSR No. 690 dated 22-6-74
14. GSR No. 275 dated 14-2-75
15. GSR No. 409 dated 29-3-75
16. GSR No. 1300 dated 11-9-76
17. GSR No. 426 dated 8-3-78
18. GSR No. 728 dated 28-4-78
19. GSR No. 1296 dated 4-10-79
20. GSR No.1100 dated 9-10-80
21. GSR No. 1099 dated 9-10-80
22. GSR No. 164 dated 10-2-83
23. GSR No. 843 dated 19-11-83
24. GSR No. 844 dated 19-11-83
25. GSR No. 217 dated 25-2-84
26. GSR No. 231 dated 20-2-85
27. GSR No. 21 dated 24-12-85
28. GSR No. 275 dated 3-3-86
29. GSR No. 306 dated 11-4-86
30. GSR No. 70 dated 22-6-86
31. GSR No. 961 dated 24-10-86
32. GSR No. 353 dated 22-4-87
33. GSR No. 365 dated 22-4-87
34. GSR No. 430 dated 20-5-87
35. GSR No. 598 dated 31-7-87
36. GSR No. 597 dated 31-7-87
37. GSR No. 921 dated 30-11-87
38. GSR No. 922 dated 3-12-87
39. GSR No. 264 dated 5-4-88
40. GSR No. 479 dated 18-6-88
41. GSR No. 515 dated 25-6-88
42. GSR No. 597 dated 15-7-88
43. GSR No. 596 dated 15-7-88
44. GSR No. 598 dated 15-7-88
45. GSR No. 800 dated 22-9-88
46. GSR No. 961 dated 17-12-88
47. GSR No. 32 dated 6-12-88
48. GSR No. 959 dated 17-12-88
49. GSR No. 960 dated 17-12-88
50. GSR No. 318 dated 6-5-89
51. GSR No. 501 dated 22-7-89
52. GSR No. 502 dated 22-7-89
53. GSR No. 649 dated 22-8-89
54. GSR No. 650 dated 22-8-89
55. GSR No. 651 dated 22-8-89
56. GSR No. 844 dated 25-10-89
57. GSR No. 102 dated 5-2-90
58. GSR No. 241 dated 29-3-90
59. GSR No. 302 dated 16-4-90
60. GSR No. 303 dated 10-5-90.

कृषि मंत्रालय

(कृषि अनुसंधान तथा शिक्षा विभाग)

(भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्)

नई दिल्ली, 25 सितम्बर, 1990

का. आ. 3053:—भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा निर्मित स्थायी वित्त समिति के विनियमों के नियम 2(ii) के अनुसरण में तथा कृषि उत्पाद उपकर अधिनियम, 1940 की धारा 7(2) में निहित प्रावधान का अनुसरण करते हुए शासी निकाय ने निम्नलिखित सदस्यों को दिनांक 13-9-1990 से एक वर्ष की अवधि के लिए (यानी उस तिथि से जिस दिन पुनर्गठित स्थायी वित्त समिति की पहली बैठक हुई थी) । या जब तक कि उनके उत्तराधिकारी का विधिवत रूप से निर्वाचन नहीं हो जाता है इसमें जो भी बाद में हो, उस समय तक के लिए स्थायी वित्त समिति के सदस्य के रूप में निर्वाचित किया गया है :

1. डा. एस.एस. खन्ना,
सलाहकार (कृषि),
योजना आयोग,
नई दिल्ली

2. डा. ए. अहमद,
कुलपति,
शेर-ए-कश्मीर कृषि तथा प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय,
कैम्प आफिस, रेलवे रोड,
जम्मू (जम्मू व कश्मीर)।

3. डा. डी.एस. बलैन,
निदेशक,
राष्ट्रीय पशु आनुवंशिकी संसाधन ब्यूरो तथा राष्ट्रीय पशु आनुवंशिकी संसाधन, हरियाणा।

4. डा. एच.आर. कालिया,
आनुवंशिकीविद् (सेवानिवृत्त) न्यूगल निवास,
पो. आ. बान्दला, पालमपुर-176061
(हि. प्र.)
श्री एम बागा रेड्डी,
संसद सदस्य (लोक सभा),
जहीराबाद, मेडक जिला (आ. प्र.)
9, फिरोजशाह रोड, नई दिल्ली

6. श्री बहादुर सिंह,
भूतपूर्व विधायक, नोहर,
जिला--श्रीगंगानगर (राजस्थान)

7 डा. एम. अरविन्दकाशन,
अनुसंधान निदेशक,
केरल कृषि विश्वविद्यालय,
वेल्लानिक्कारा, त्रिचूर-680654

[सं. एफ. 2(1)/88-समन्वय]

हजारी लाल, अवर सचिव

MINISTRY OF AGRICULTURE

(Department of Agricultural Research and Education)

(Indian Council of Agricultural Research)

New Delhi, the 25th September, 1990

S.O. 3053.—In pursuance of Regulation 2(iv) of the Standing Finance Committee Regulations, framed by the Indian Council of Agricultural Research and in pursuance of provision contained in Section 7(2) of the A.P. Cess Act, 1940, the Governing Body has elected the following members to the Standing Finance Committee for a period of one year with effect from 13-9-90 (i.e. the date on which the first meeting of the re-constituted SFC held) or till such time their successors are duly elected, whichever is later.

1. Dr. S. S. Khanna,
Adviser (Agriculture)
Planning Commissioner, New Delhi.

2. Dr. A. Ahmed,
Vice-Chancellor,
Sher-E-Kashmir University of Agriculture and Technology, Camp Office, Railway Road, Jammu (J&K).

3. Dr. D. S. Balain,
Director,
National Bureau of Animal Genetic Resources and National Institute of Animal Genetics, Karnal (Haryana).

4. Dr. H. R. Kalia,
Geneticist (Retd.) Neugal Niwas,
P.O. Bandla, Palampur-176061 (H.P.).

5. Shri M. Baga Reddy,
M.P. (Lok Sabha)

Zahirabad, Medak Distt. (A.P.)
9, Ferozeshah Road, New Delhi.

6. Shri Bahadur Singh,
Ex-M.L.A., Nohar,
Distt. Sriganganagar (Rajasthan).

7. Dr. M. Aravindakashan,
Director of Research,
Kerala Agricultural University,
Vellanikkara, Trichur-680654.

[No. F. 2(1)/88-CDN]

HAZARI LAL, Under Secy.

ऊर्जा मंत्रालय

(कोयला विभाग)

नई दिल्ली, 29 अक्तूबर, 1990

का.आ. 3054:—केन्द्रीय सरकार ने कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 4 की उपधारा (1) के अधीन जारी की गई भारत के राजपत्र भाग II, खंड 3, उपखण्ड (ii), तारीख 12 नवम्बर, 1988 में प्रकाशित भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय (कोयला, विभाग) की अधिसूचना स. का.आ. 3392, तारीख 19 अक्तूबर, 1988 द्वारा उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूचियों और इस अधिसूचना से उपाबद्ध अनुसूचियों में विनिर्दिष्ट परिक्षेत्र की भूमियों में जिनका माप 753.253 हेक्टर (लगभग) या 1861.28 एकड़ (लगभग) है, कोयले का पूर्वेक्षण करने के अपने आशय की सूचना दी थी;

और उक्त भूमियों की बाबत उक्त अधिनियम की धारा 7 की उपधारा (1) के अधीन कोई सूचना नहीं दी गई है;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए 12 नवम्बर, 1990 से प्रारंभ होने वाली एक वर्ष की और अवधि ऐसी अवधि के रूप में विनिर्दिष्ट करती है जिसके भीतर केन्द्रीय सरकार उक्त भूमियों या ऐसी भूमियों या उन पर के कोई अधिकारों का अर्जन करने के अपने आशय की सूचना दे सकेगी।

अनुसूची "क"

तवा विस्तार ब्लाक

पाथाखेरा क्षेत्र

जिला बैतूल (मध्य प्रदेश)

क्र. सं.	जंगल का नाम	खाता सं.	तहसील	जिला	क्षेत्रफल हैक्टर	टिप्पणियां
1.	मध्यप्रदेश सरकार का आसिर आरक्षित वन	396	बैतूल	बैतूल	79.219	भाग
2.	मध्य प्रदेश सरकार का आसिर आरक्षित वन	397	बैतूल	बैतूल	283.691	भाग
3.	मध्य प्रदेश सरकार का आसिर आरक्षित वन	398	बैतूल	बैतूल	98.078	भाग
4.	मध्य प्रदेश सरकार का आसिर आरक्षित वन	400	बैतूल	बैतूल	66.265	भाग
			कुल क्षेत्र		527.253 हैक्टर (लगभग) या 1302.84 एकड़ (लगभग)	

"ख"

क्र.स.	स्वामी का नाम	तहसील	जिला	क्षेत्र हैक्टर में	टिप्पणियां
1.	मध्य प्रदेश का पुनर्वास विभाग	बैतूल	बैतूल	162.000	भाग
7.	मध्य प्रदेश विद्युत बोर्ड, सारणी	बैतूल	बैतूल	64.000	भाग
			कुल क्षेत्र	226.00 हैक्टर (लगभग) या 558.44 एकड़ (लगभग)	

कुल योग (क+ख) 753.253 हैक्टर (लगभग) या 1861.28 एकड़ (लगभग)

सीमा वर्णन :

क—ख रेखा "क" बिन्दु से आरंभ होती है और कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 की धारा 9(1) के अधीन का.आ. 2617, तारीख 9 सितम्बर, 1978 द्वारा अधिसूचित पाथाखेरा ब्लाक–3 की उत्तरी सीमा के साथ चलती हुई "ख" बिन्दु पर मिलती है।

ख—ग रेखा कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 की धारा 9(1) के अधीन का.आ.सं. 2617, तारीख 9 सितम्बर, 1978 द्वारा अधिसूचित पाथाखेरा ब्लाक–3 की पूर्वी सीमा के साथ-साथ जाती है और "ग" बिन्दु पर मिलती है।

ग—घ रेखा भागत: मध्य प्रदेश विद्युत बोर्ड द्वारा धारित भूमि से होकर जाती है और तब आरक्षित वन की पूर्वी सीमा के साथ चलती है और "घ" बिन्दु पर मिलती है।

घ—ङ रेखा खाना सख्यांक 395 और 396 की सम्मिलित सीमा के साथ-साथ चलती है तब आसिर आरक्षित वन के खाना स. 396 मे होकर जाती है तथा "ङ" बिन्दु पर खाना स. 396 की उत्तरी सीमा पर मिलती है।

ङ—च रेखा खाना सं. 396 और 397 की उत्तरी सीमा के साथ-साथ चलती है और बिन्दु "च" पर मिलती है।

च—छ रेखा पुनर्वास क्षेत्र की पूर्वी सीमा के साथ-साथ जाती है फिर उसी क्षेत्र से होकर गुजरती है और "छ" बिन्दु पर मिलती है।

छ—क रेखा पूनर्वास क्षेत्र की पश्चिमी सीमा के साथ-साथ जाती है और आरक्षित बिन्दु "क" पर मिलती है।

[फा. स. 43015/8/88-एल.एस.डब्ल्यू]

MINISTRY OF ENERGY

(Department of Coal)

New Delhi, the 29th October, 1990

S.O. 3054.—Whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Energy (Department of Coal) No. S.O. 3392 dated the 19th October, 1988, issued under sub-section (1) of section 4 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), (hereinafter referred to as the said Act) and published in part-II, section 3, sub-section (ii) of the Gazette of India, dated the 12th November, 1988, the Central Government gave notice of its intention to prospect for coal in lands measuring 753.253 hectares (approximately) or 1861.28 acres (approximately) in the locality specified in the Schedule appended thereto as also in the schedule hereto annexed.

And whereas in respect of the said lands, no notice under sub-section ()1 of Section 7 of the said Act has been given.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by the said sub-section (1) the Central Government hereby specifies a further period of one year commencing on the 12th November, 1990 as the period within which the Central Government may give notice of its intention to acquire the said lands or any rights in or over such lands :—

SCHEDULE 'A'

TAWA EXTENSION BLOCK

PATHAKHERA AREA

Disrict Betul (Madhya Pradesh

Sl. No.	Name of forest	Compartment Number	Tehsil	District	Area in hectares	Remarks
1.	Asir Reserve Forest of Government of Madhya Pradesh	396	Betul	Betul	77.219	Part
2.	Asir Reserve Forest of Government of Madhya Pradesh	397	Betul	Betul	283.691	Part
3.	Asir Reserve Forest of Government of Madhya Pradesh	398	Betul	Betul	98.078	Part
4.	Asir Reservo Forest of Government of Madya Pradesh	400	Betul	Betul	66.265	Part
				Total Area	527.253 hectares (approximately) Or 1302.84 acres (approximately)	

'B'

Sl. No.	Name of owner	Tehsil	District	Area in hectares	Remarks
1.	Rehabilitation Departmeut of Madhya Pradesh Madhya Pradesh	Betul	Betul	162.00	Part
2.	Madhya Pradesh Electricity Boarc, Sarni	Betul	Betfil	64.000	Part
		Total area :		226.000 hectares (approximately) or 558.40 acres (approximately;	

Grand Total (A+B) : 753.253 hectares (approximately)
or
1861.28 acreas (approximately)

BOUNDARY DESCRIPTION :

A-B Line starts from point 'A' and passes along the northern boundary of Pathakhera Block-III notified under section 9(1) of the Coal-Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 vide S.O. No. 2617 dated the 9th September, 1978 and meets at point 'B'.

B-C Line passes along the eastern boundary of Pathakhera Block-III notified under section 9(1) of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 vide S.O. No. 2617 dated the 9th September, 1978 and meets at point 'C'.

C-D Line passes partly through the land held by Madhya Pradesh Electricity Board and then along the eastern boundary of Reserve Forest and meets at point 'D'.

D-E Line passes along the common boundary of compartment number 395 and 396, then proceeds through compartment number 396, of Asar Reserve Forest and meets on the northern boundary of compartment number 396 at point 'E'.

E-F Line passes along the northern boundary of compartment number 396 and 397 and meets at point 'F'.

F-G Line passes along the eastern boundary of the rehabilitation Area then proceeds through the same area and meets at point 'G'.

G-A Line passes along the western boundary of the rehabilitation Area and meets at starting point 'A'.

[No. 43015/8/88-LSW]

का.आ. 3055 :—केन्द्रीय सरकार ने, कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 (का 20) की धारा 7 की उपधारा (1) के अधीन भारत के राजपत्र, असाधारण भाग 2, खंड 3, उपखंड (ii) तारीख 11 अक्तूबर, 1989 में प्रकाशित भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय (कोयला विभाग) की अधिसूचना सं. का.आ. 798(अ) तारीख 26 सितम्बर, 1989 द्वारा उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट परिक्षेत्र की भूमि और अधिकारों के अर्जन करने के अपने आशय की सूचना दी थी,

और, सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 8 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार को अपनी रिपोर्ट दे दी है।

और, केन्द्रीय सरकार का, पूर्वोक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात और उड़ीसा सरकार से परामर्श करने के पश्चात यह समाधान हो गया है कि इससे संलग्न अनुसूची में वर्णित भूमि का जिसका माप 4941.05 हेक्टर (लगभग) या 12209.33 एकड़ (लगभग), अर्जन किया जाना चाहिए।

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह घोषणा करती है कि उक्त अनुसूची में वर्णित भूमि का, जिसका माप 4941.05 हेक्टर (लगभग) या 12209.33 एकड़ (लगभग) है, अर्जन किया जाता है।

इस अधिसूचना के अंतर्गत आने वाले क्षेत्र के रेखांक सं. एस.ई.सी.एल. बी.एस.पी. जी.एम3(परि.)/भूमि/59 तारीख 27 दिसम्बर, 1989 का निरीक्षण कलक्टर, सुन्दरगढ़ (उड़ीसा) के कार्यालय में या कोयला नियंत्रक, 1, काउंसिल हाउस स्ट्रीट कलकत्ता के कार्यालय में या साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लि. (राजस्व अनुभाग), सीपत रोड, बिलासपुर—495001 (मध्य प्रदेश के कार्यालय में किया जा सकता है।

अनुसूची

गोपालपुर विस्तार ब्लाक

आई.बी. वैली कोलफील्ड्स

जिला सुन्दरगढ़ (उड़ीसा)

समस्त अधिकार

क.स.	ग्राम का नाम	बन्दोबस्त संख्यांक	तहसील	जिला	क्षेत्र एकड़ों में	टिप्पणियां
1.	टिकिलीपारा	15	हेमगिरी	सुन्दरगढ़	1743.85	सम्पूर्ण
2.	सियारमल	17	हेमगिरी	सुंदरगढ़	862.34	सम्पूर्ण
3.	गोपालपर	19	हेमगिरी	सुंदरगढ़	140.67	भाग
4.	मतलिया	75	हेमगिरी	सुंदरगढ़	2381.32	सम्पूर्ण
5.	करलीकछार	76	हेमगिरी	सुंदरगढ़	511.94	सम्पूर्ण
6.	कुलडा	77	हेमगिरी	सुंदरगढ़	542.82	सम्पूर्ण
7.	बंकीबहल	78	हेमगिरी	सुंदरगढ़	836.33	सम्पूर्ण
8.	बलिगा	79	हेमगिरी	संदरगढ़	1234.64	सम्पूर्ण
9.	गर्जनबहल	89	हेमगिरी	संदरगढ़	798.35	सम्पर्ण
10.	बगरूकेला	90	हेमगिरी	संदरगढ़	1055.96	सम्पूर्ण
11.	किरिपसिरा	91	हेमगिरी	सुंदरगढ़	1681.11	सम्पूर्ण
12.	जप्तीजंगल	—	—	—	420.00	—

जोड़: 12,209.33 एकड़ (लगभग)
4941.05 हेक्टर
(लगभग)

ग्राम टिकिलिपारा (सम्पूर्ण) में अर्जित किए गए प्लाट संख्यांक –

प्लाट संख्यांक 1 से 1269

ग्राम सियारमल (संपूर्ण) में अर्जित किए गए प्लाट संख्यांक :

प्लाट संख्यांक 1 से 815 .

ग्राम गोपालपुर (भाग) में अर्जित किए गए प्लाट संख्यांक :

82, 361, 365, 366, 367, 672, 673, 674, 683, 689, 699, 700, 701, 738, 748, 760, 1478, 1484, 1525, 1531, 689/1803 और 699/1836

ग्राम तुमुलिया (संपूर्ण) में अर्जित किए गए प्लाट संख्यांक :
प्लाट संख्यांक 1 से 2942

ग्राम करलीकरछार (संपूर्ण) में अर्जित किए गए प्लाट संख्यांक
प्लाट संख्यांक 1 से 510

ग्राम कुलडा (संपूर्ण) में अर्जित किए गए प्लाट संख्यांक :
प्लाट संख्यांक 1 से 461

ग्राम बकीबहल (संपूर्ण) में अर्जित किए गए प्लाट संख्यांक:
प्लाट संख्यांक 1 से 657

ग्राम बलिंगा (संपूर्ण) में अर्जित किए गए प्लाट संख्यांक
प्लाट संख्यांक 1 से 1111

ग्राम गर्जनबहल (संपूर्ण) में अर्जित किए गए प्लाट संख्यांक
प्लाट संख्यांक 1 से 1166

ग्राम बंगरूकेला (संपूर्ण) में अर्जित किए गए प्लाट संख्यांक
प्लाट संख्यांक 1 से 832

ग्राम किरिपसिरा (संपूर्ण) में अर्जित किए गए प्लाट संख्यांक
प्लाट संख्यांक 1 से 1715

ग्राम जप्तीजंगल (संपूर्ण) में अर्जित किए गए प्लाट संख्यांक

सीमा वर्णन

ट–ट1–ट2–ट3	रेखा ग्राम क्षुपुरंगा, तुमुलिया, जप्तीजंगल के तिराहे पर बिन्दु "ट" से प्रारंभ होती है और ग्राम तुमुलिया की दक्षिणी सीमा के साथ-साथ चलकर बिन्दु "ट–3" पर मिलती है ।
ट3–ट4–ट5	रेखा ग्राम बंगरूकेला की दक्षिणी सीमा के साथ-साथ चलकर बिन्दु "ट5" पर मिलती है ।
ट5–ट6–ट7– ट8–ट9–ट–10	रेखा ग्राम किरिपसिरा की भागतः पश्चिमी सीमा, भागतः दक्षिणी पूर्वी सीमा और भागतः उत्तरी सीमा के साथ-साथ चलती हुई बिन्दु —"ट 10" पर मिलती है ।
ट10–ट11–ट12	रेखा ग्राम गर्जनबहल और बलिंगा की पूर्वी सीमा से होती हुई "ट12" पर मिलती है ।
ट12–ट13–ट14– ट15–ट16	रेखा ग्राम बलिंगा, बकीबहल की उत्तरी सीमा के साथ-साथ चलती हुई सियारमल और टिकिलिपारा की भागतः पूर्वी सीमा से होती हुई ग्राम टिकिलिपारा की उत्तरी सीमा से गुजर कर बिन्दु "ट16" पर मिलती है ।
ट16–ग–ख	रेखा ग्राम रिकिलिपारा की उत्तरी पश्चिमी, सीमा के साथ-साथ चलती हुई बिन्दु "ख" पर मिलती है ।
ख–क–द–ध–त–ण	रेखा ग्राम सियारमल की पूर्वी सीमा के साथ-साथ चलती हुई, ग्राम गोपालपुर के मध्य से और नाले की उत्तरी सीमा से होती हुई बिन्दु "ण" पर मिलती है ।
ण–ढ–ड	रेखा ग्राम गोपालपुर की पश्चिमी सीमा के साथ-साथ चलकर उसी ग्राम के मध्य से होती हुई नाले की दक्षिणी सीमा से होकर बिन्दु "ड" पर मिलती है ।
डठ–र–	रेखा ग्राम सियारमल, तुमुलिया की पश्चिमी सीमा के साथ-साथ चलती हुई प्रारंभ बिन्दु "ट" पर मिलती है ।

[सं. 43015/10/87-सी. .एल.एस.डब्ल्यू.]

बी.बी. राव, अवर सचिव

S.O. 3055.—Whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Energy (Department of Coal) No. S.O. 798(E) dated the 26th September, 1989 under sub-section (1) of section 7 of the Coal Bearing Area (Acquisition and Development) Act. 1957 (20 of 1957), and published in Part II, Section 3, sub-section (ii) of the Extraordinary Gazette of India dated the 11th October, 1989, the Central Government gave notice of its intention to acquire lands and rights in the locality specified in the Schedule appended to that notification ;

And whereas the Competent Authority in pursuance of section 8 of the said Act has made his report to the Central Government.

And whereas the Central Government after considering the report aforesaid and after consulting the Government of Orissa, is satisfied that the Lands measuring 4941.05 hectares (approximately) or 12209.33 acres (approximately) described in the Schedule appended hereto should be acquired.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 9 of the Coal Bearing Area (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government hereby declares that the lands measuring 4941.05 hectares (approximately) or 12209.33 acres (approximately) described in the said schedule are hereby acquired.

The plan No. SECL/BSP/GM (PROD)|LAND|59 dated the 27th December. 1989 of the area covered by this notification may be inspected in the Office of the Collector, Sundargarh (Orissa) or in the Office of the Coal Controller, 1, Council House Street, Calcutta or in the office of the South Eastern Coalfields Limited (Revenue Section), Seepat Road, Bilaspur-495001 (Madhya Pradesh)

THE SCHEDLE

GOPALPUR EXTENSION BLOCK

IB VALLEY COALFIELD

DISTRICT SUNDERGARH—(ORISSA)

ALL RIGHTS

Sl. No.	Name of Village	Settlement Number.	Tehsil	District	Area in acrs	Remarks
1.	Tikilipara	15	Hemgiri	Sundargarh	1743.85	Full
2.	Siarmal	17	Hemgiri	Sundargarh	862.34	Full
3.	Gopallpur	19	Hemgiri	Sundargarh	140.67	Full
4.	Tumulia	75	Hemgiri	Sundargarh	2381.32	Full
5.	Karlikachhar	76	Hemgiri	Sundargarh	511.94	Full
6.	Kulada	77	Hemgiri	Sundargarh	542.82	Full
7.	Bankibahal	78	Hemgiri	Sundargarh	836.33	Full
8.	Balinga	79	Hemgiri	Sundargarh	1234.64	Full
9.	Garjanbahahl	89	Hemiri	Sundargarh	798.35	Full
10.	Bangurukela	90	Hemgiri	Sundargarh	1055.96	Full
11.	Kir psira	91	Hemgiri	Sundargarh	16-31-11	Full
12.	capti jngal	—	—	—	420.00	--
			Total :		12209.33 acres (approximately) OR 4941.05 hectares (approximately)	

Plot numbers acquired in village Kikilipsira (Full) :

Plot Numbers 1 to 1269.

Plot numbers acquired in village Siarmal (Full) :

Plot number 1 to 815.

Plot numbers acquired in village Gopalpur (Part) :

82, 361, 365, 366, 367, 672, 673; 674; 683; 689; 698, 699, 700, 701, 736, 748: 760; 1478; 1484; 1525; 1531, 689/1803 and 699/1836.

Plot numbers acquired in village Tumulia (Full) :

Plot numbers 1 to 2942.

Plot numbers acquired in village Karlikachhar (Full)

Plot numbers 1 to 510.

Plot numbers acquired in village Kulada (Full) :

Plot number 1 to 461.

Plot numbers acquired in village Bankibahal (Full) :

Plot numbers 1 to 657.

Plot numbers acquired in village Balinga (Full) :

Plot numbers 1 to 1111.

Plot numbers acquired in village Garjanbahal (Full) :

Plot numbers 1 to 1166.

Plot numbers acquired in village Bangurukela (Full) :

Plot numbers 1 to 832.

Plot numbers acquired in village Kiripsira (Full) :

Plot numbers 1 to 1715.

Plot numbers acquired in Japti Jungle (Full).

Boundary Description :

K-K1-K2-K3 Line starts from point 'K' which is a tri-junction point of villages Jhupurunga, Tumulia, Taptijungle and passes along the southern boundary of village Tumulia and meets at point 'K3'.

K3-K4-K5 Line passes along southern boundary of village Bangurkela and meets at point 'K5'.

K5-K6-K7 Line passes partly along the western boundary

K8-K9-K10 partly along south-eastern and northern boundary of village Kiripsira and meets at point 'K10'.

K10-K11-K12 Line passes along the eastern boundary of villages Garjanbahal and Balinga and meets at point 'K12'.

K12-K13-K14-K15-K16 Line passes along the northern boundary of villages Balinga, Bankibahal and partly eastern boundary of Siarmal and Tikilipara then northern boundary of village Tikilipara and meets at point '16'.

K16-C-B Line passes along the northern-western boundary of village Tikilipara and meets at point 'B'.

B-A-R-Q-P-O Line passes along the eastern boundary of village Siarmal and proceeds through village Gopalpur along the northern boundary of nallah and meets at point 'O'.

O-N-M Line passes along the western boundary of village Gopalpur and proceeds through the same village along the southern boundary of nallah and meets at point 'M'.

M-L-K Line passes along the western boundary of village Siarmal, Tumulia and meets at the starting point 'K'.

[No. 43015/10/87-CA|LSW]

B. B. RAO, Under Secy.

पैट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

नई दिल्ली, 1 अक्तूबर, 1990

का. आ. 3056.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में कांडला से पंजाब राज्य में भटिंडा (वाया राजस्थान व हरियाणा राज्य) तक पैट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइप लाइन इण्डियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइन को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पैट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम अधिकारी, इण्डियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड पाइप लाइन्स, 270 सुभाष नगर, रोहतक को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

तहसील : बावल जिला : महेन्द्र गढ़ राज्य : हरियाणा

गांव का नाम :	हदबस्त नं.	मुस्तील नं.	हेक्टेयर	आर	सेंटी आर
1	2	3	4	5	6
भदरामा	04	(51)	00	05	06
		09	00	00	00
		10/1	00	07	08
		10/2	00	01	52
		11	00	04	05
		(52)	00	00	00
		13/2	00	00	51
		14	00	10	62
		15	00	12	64
		17	00	02	28
		18/1	00	01	52
		18	00	04	55
		21	00	00	00
		18	00	06	83
		22	00	00	00
		19	00	06	07
		(71)	00	01	01
		(236)	00	00	50
प्रगपुरा	03	(27)	50	00	00
		3/1	00	09	11
		3/2	00	00	00
		4/1	00	01	01
		4/2	00	11	89
		08	00	04	55
		09	00	07	08
		(30)	00	01	26
मुलखा	02	(22)/1	00	05	31
		10	00	03	29
		(23)/5	00	00	25
		06	00	13	40
		07	00	12	14
		08	00	01	26
		11	00	03	54
		12	00	13	41
		13	00	11	89
		14	00	01	01
		20	00	09	61
		(24)/16	00	12	64
		17	00	06	58
		21/2	00	00	25
		22/21	00	08	09
		22/2	00	00	76
		23	00	13	40
		24	00	06	58
		(32)/15	00	04	3
		16	00	08	60
		17	00	13	41
		18	00	06	32
		21	00	08	10
		22	00	13	41
		23	00	07	08
		(33)/4	00	00	76
		05	00	11	89
		(33)/6	00	01	27
		07	00	11	38
		08	00	13	40
		09	00	01	77
		11	00	13	41
		12	00	09	86
		13	00	00	25
		(34)/1 1	00	07	59
		1/2	00	04	55
		2/1	00	02	78
		2/2	00	00	76
		(44)/1	00	04	81
		(45)/3	00	00	26
		04/1	00	00	51
		4/2	00	03	79
		4/3	00	05	56
		05	00	13	40
		07	00	03	29
		08	00	13	41

1	2	3	4	5	6
	02	09	00	11	33
		10	00	04	56
		12	00	07	08
		12	00	01	77
		(46)			
		14	00	02	28
		15	00	12	61
		(46)			
		16	00	00	51
		17	00	10	S7
		18/2	00	13	15
		19	00	13	29
		21	00	13	41
		22	00	09	86
		23	00	00	25
		(47)/25	00	05	06
		(48)/5	00	05	31
		(175)	00	01	26
		(177)	00	02	28
		(471)	00	00	51
		(480)	00	04	30

[सं. ओ–31015/13/89–ओ. आर.-I]

MINISTRY OF PETROLEUM AND NATURAL GAS

New Delhi, the 1st October, 1990

S.O. 3056.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Kandla in the State of Gujarat to Bhatinda in the State of Punjab (Via Rajasthan & Haryana States) pipeline should be laid by Indian Oil Corporation Limited.

And whereas, it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipeline (Acquisition of right of user in land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein :

Provided that, any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the Land to the Competent Authority, Indian Oil Corporation Limited, Pipelines, 270, Subhash Nagar, Rohtak.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

SCHEDULE

Tehsil—Bawal District—Mehndragarh State—Haryana

Name of Village	Hadbast No.	(Mustateel) Kila No.	Area		
			Hct. Are	Cent	Ares
1	2	3	4	5	6
Bhadraya	04	(51)	00	05	06
		09	00	00	00
		10/1	00	07	08
		10/2	00	01	52
		11	00	04	05
		(52)	00	00	00
		13/2	00	00	51
		14	00	10	62
		15	00	12	64
		17	00	02	28
		18/1	00	01	52
		18	00	04	55
		2/1	00	00	00
		18	00	06	83
		2/2	00	00	00
		19	00	06	07
		(71)	00	01	01
		(236)	00	00	50
Pragpura	03	(27)	00	00	00
		3/1	00	09	11
		3/2	00	00	00
		4/1	00	01	01
		4/2	00	11	89
		08	00	04	55
		09	00	07	08
		(30)	00	01	26
Sulakha	02	(22)/1	00	05	13
		10	00	03	29
		(23)/5	00	00	25
		06	00	13	40
		07	00	12	14
		08	00	01	26
		11	00	03	54
		12	00	13	41
		13	00	11	89
		14	00	01	01
		20	00	09	61
		(24)/16	00	12	64
		17	00	06	58
		21/2	00	00	25
		22/1	00	08	09
		22/2	00	00	76
		23	00	13	40
		24	00	06	58
		(32)/15	00	04	30
		16	00	08	60
		17	00	13	41
		18	00	06	32
		21	00	08	10
		22	00	13	41
		23	00	07	08
		(33)/4	00	00	76
		05	00	11	89
		(33)/6	00	01	27
		07	00	11	38
		08	00	13	40
		09	00	01	77
		11	00	13	41
		12	00	09	86
		13	00	00	25
		(34)/1	00	07	59
		1/2	00	04	55
		2/1	00	02	78
		2/2	00	00	76
		(44)/1	00	04	81
		(45)/3	00	00	26
		04/1	00	00	51

1	2	3	4	5	6
		4/2	00	03	79
		4/3	00	05	56
		05	00	13	40
		07	00	03	29
		08	00	13	41
		09	00	11	38
		10	00	04	56
		11	00	07	80
		12	00	01	77
		(46)			
		14	00	02	28
		15	00	12	64
		(46)			
		16	00	00	51
		17	00	10	87
		18/2	00	13	15
		19	00	03	29
		21	00	13	41
		22	00	09	86
		23	00	00	25
		(47)/25	00	05	06
		(48)/5	00	05	31
		(175)	00	01	26
		(177)	00	02	28
		(471)	00	00	51
		(480)	00	04	30

[No. O-31015/13/89-OR-II]

नई दिल्ली, 29 अक्तूबर, 1990

का. आ. 3057.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में कांटला से पंजाब राज्य में भटिंडा एवं राजस्थान राज्य में चाकसू से हरियाणा राज्य में पानीपत (करनाल) तक पैट्रोलियम के परिवहन के लिए पाईप लाइन इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्पाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पैट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम अधिकारी, इण्डियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड ए-30, सैन कॉलोनी, बनीपार्क, जयपुर-16 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिशः हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची

तहसील : रायपुर	जिला : पाली	राज्य : राजस्थान		
नाम गांव	खसरा नं.	क्षेत्र फल		
		हेक्टेयर	आर	सें. यर
हालिया	6	00	18	61
	7	00	07	[illegible]
	9	00	04	50

1	2	3	4	5
	34	00	05	04
	68	00	01	62
	67	00	05	52
	66	00	05	46
	64	00	03	60
	63	00	05	04
	62	00	01	80
	40	00	00	40
	39	00	02	50
	41	00	03	24
	49	00	03	60
	50	00	02	24
	51	00	03	96
	53	00	00	36
	54	00	01	60
	60	00	00	81
	59	00	00	40
	55	00	02	20
	56	00	02	88
	2	00	62	60
	57	00	02	36
	115	00	04	14
	118	00	05	40
	950/2	.	07	92
	119	00	04	10
	120	00	00	46
	122	00	00	76
	121	00	10	10
	343	00	00	28
	342	00	00	48
	834	00	48	90
	344	00	02	10
	246	00	08	00
	345	00	00	9
	347	00	10	80
गेन्दडा	47	00	00	72
	49	00	09	72
	626	00	02	88
	757	00	01	08
	780	00	03	84
	54	00	01	20
	56	00	02	58
	82	00	36	62
	825	00	23	[illegible]
	827	00	09	66
पुरांनिया	40	00	09	00
	41	00	05	04
	42	00	08	82
	46	00	05	76
	47	00	04	50
	48	00	03	96
	49	00	02	34
	50	00	02	52
	51	00	05	10

1	2	3	4	5
	52	00	01	08
	53	00	00	72
	54	00	00	48
	55	00	00	40
	56	00	00	24
	66	00	04	80
	57	00	00	48
	60	00	06	32
	61	00	09	00
	62	00	08	00
	63	00	26	50
	64	00	05	00
	65	00	01	50
	116	00	01	80
	126	00	10	20
	127	00	04	20
	121	00	06	24
	125	00	05	40
	138	00	02	88
	139	00	03	20
	137	00	05	04
	148	00	01	08
	143	00	01	08
	147	00	02	76
	144	00	00	48
	145	00	03	96
	233	00	01	50
	234	00	05	40
	237	00	00	36
	238	00	03	20
	228	00	01	40
	239	00	04	20
	240	00	05	40
	241	00	02	40
	245	00	00	90
	242	00	06	84
	243	00	10	40
	314	00	02	16
	315	00	05	76
	337	00	04	50
	311	00	02	70
	338	00	03	80
	339	00	01	20
	342	00	01	02
	341	00	01	80
	36	00	34	84
	378	00	07	20
	379	00	1	50
	377	00	01	08
	374	00	07	20
	366	00	04	80
	367	00	00	24
	365	00	09	00
	364	00	00	20
	353	00	10	08
	354	00	03	60
	356	00	01	12
	355	00	07	62
	406	00	01	44
रामगढ़ सरंतान	63	00	01	08
	62	00	55	32
	56	00	00	48
	50	00	03	60
	52	00	03	72
	54	00	01	20
	52	00	02	52
	29	00	10	26
	30	00	03	24
	31	00	05	58
	08	00	09	36
	14	00	06	36
मानपुरा	420	00	36	36
	472	00	02	50
	473	00	00	92
	474	00	01	08
	475	00	03	00
	476	00	00	40
	508	00	06	48
	509	00	03	96
	510	00	03	24
	507	00	06	20
	511	00	03	60
	505	00	01	00
	506	00	04	32
	512	00	00	20
	530	00	02	48
	531	00	14	82
	532	00	06	48
	533	00	02	24
	534	00	02	99
	535	00	02	34
	538	00	02	80
	537	00	00	30
	539	00	07	38
	540	00	05	04
	542	00	06	12
	543	00	05	40
	545	00	07	38
	581	00	01	80
	582	00	01	62
	579	00	00	16
	580	00	00	20
	583	00	19	00
	585	00	01	60
	586	00	02	00
	584	00	00	10
	578	00	00	30
	577	00	00	66

1	2	3	4	5
	587	00	06	48
	576	00	06	72
	588	00	30	04
	590/766	00	01	50
	575	00	01	00
	590	00	05	72
	589	00	03	52
	591	00	03	92
	592	00	07	70
	593	00	14	32
	594	00	01	26
	595	00	06	16
	596	00	00	10
	597	00	07	26
	598	00	01	00
	599	50	00	20
	600	00	02	70
	602	00	08	64
	605	00	04	48
	567	00	36	94
	610	00	07	40
	611	00	03	50
	612	00	09	70
	613	00	02	64
	614	00	06	80
	617	00	00	40
	615	00	00	60
	616	00	06	40
	625	00	00	60
	626	00	02	24
	629	00	03	86
	624	00	00	16
	630	00	04	32
	632	00	[illegible]	64
	633	00	05	[illegible]
	622	00	00	[illegible]
	634	00	00	40
	635	00	05	00
	636	00	06	48
	637	00	07	20
	638	00	04	16
	639	00	03	[illegible]
	640	00	05	04
	643	00	05	74
	644	00	00	36
	645	00	05	36
	647	00	04	80
	646	00	05	76
	648	00	00	20
	649	00	00	60
	692	00	31	88
	672	00	01	80
	673	00	03	52
	674	00	05	40
	675	07	07	80

1	2	3	4	5
	677	00	00	20
	678	00	00	20
	680	00	42	94
	691	00	01	26
खेड़ा सांगनलान	153	00	06	66
	146	00	01	44
	147	00	01	80
	152	00	00	72
	151	00	00	32
	148	00	01	84
	149	00	07	02
	136	00	01	17
	137	00	03	69
	123	00	03	20
	124	00	03	80
	125	00	00	20
	122	00	02	64
	127	00	01	96
	99	00	10	80
	121	00	01	94
	128	00	01	44
	98	00	00	66
	120	00	00	44
	118	00	02	90
	119	00	00	90
	100	00	00	60
	115	00	02	66
	116	00	01	60
	117	00	01	80
	113	00	00	72
	114	00	03	46
	108	00	04	80
	109	00	00	60
	103	00	00	80
	107	00	01	60
	104	00	02	56
	105	00	00	20
	60	00	01	32
	61	00	02	64
	62	00	00	96
	59	00	02	82
	58	00	07	92
	56	00	06	98
	57	00	02	00
	55	00	08	12
	54	00	06	00
	53	00	05	04
	52	00	14	04
	18	00	00	20
	16	00	00	90
	01	00	00	56
काटरी	74	00	09	00
शेरगढ़	61	00	02	20

1	2		4	5
	228	00	11	52
	227	00	14	04
	222	00	02	00
	225	00	24	64
	226	00	12	60
	86	00	02	52
	87	00	01	44
	88	00	06	48
	91	00	06	48
	93	00	01	44
	95	00	04	32
	96	00	01	40
	97	00	03	20
	98	00	01	60
	99	00	06	40
	100	00	03	96
	101	00	04	50
	102	00	05	76
	103	00	12	00
	105	00	02	52
	107	00	03	24
	108	00	06	84
	110	00	01	44
	111	00	01	44
	112	00	02	16
मगराधना	265	00	05	49
	263	00	03	24
	262	00	05	76
	261	00	03	96
	259	00	01	14
	258	00	33	20
	256	00	13	68
	248	00	34	28
	205	00	07	20
	200	00	01	08
	204	00	03	24
	210	00	00	20
	203	00	09	52
	202	00	01	28
	196	00	07	62
	195	00	02	00
	193	00	13	14
	189	00	04	50
	188	00	02	52
	190	00	01	07
	187	00	00	60

[नं. ओ.-31015/4/89-ओ. आर.-I]
कं. सी. कटोच अवर सचिव

New Delhi, the 29th October, 1990

S.O. 3057.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Kandla in the State of Gujrat to Bhatinda in the State of Punjab and Ehaksu in the State of Rajasthan to Baholli (Karnal) in the State of Haryana, Pipeline(s) should be laid by Indian Oil Corporation Limited

And whereas, it appears that for the purpose of laying such pipeline(s), it is necessary to acquire the right of user the Land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (i) of the section 3 of the Petroleum and Minerals Pipeline (Acquisition of Right of User in the Land) Act 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that, any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline(s) under the land to the Competent Authority, Indian Oil Corporation Limited, A-30, Sen Colony, Bani Park, Jaipur-16.

And every person making such an objection shall state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

SCHEDULE

Tehsil : Raipur District : Pali State : Rajasthan

Name of Village	Survey No.	Area		
		Hectare	Are	Centiare
1	2	3	4	5
Dholiya	6	00	08	64
	7	00	07	_0
	9	00	04	50
	34	00	05	04
	68	00	01	6_
	67	00	05	52
	66	00	04	46
	64	00	03	60
	63	00	05	04
	62	00	01	80
	40	00	00	40
	39	00	02	50
	41	00	03	24
	49	00	03	60
	50	00	03	24
	51	00	03	96
	53	00	00	36
	54	00	01	60
	60	00	00	84
	59	00	00	40
	55	00	02	20
	56	00	02	88
	[illegible]	00	62	60
	57	00	02	36
	115	00	04	14
	118	00	05	40
	950/2	00	07	92
	19	00	04	10
	120	00	00	40
	122	00	00	70
	121	00	10	10
	343	00	00	28
	342	00	00	48
	884	00	48	90
	344	00	02	10
	346	00	08	00
	345	00	00	96
	347	00	10	80

1	2	3	4	5	6	
Sentra		47		00	00	72
		49		00	09	72
		636		00	02	88
		757		00	01	08
		780		00	03	84
		53		00	01	20
		56		00	02	58
		82		00	36	62
		825		00	23	20
		827		00	09	00
Kurania		40		00	09	00
		41		00	05	04
		42		00	08	82
		46		00	05	76
		47		00	04	50
		48		00	03	96
		49		00	02	34
		50		00	02	52
		51		00	05	40
		52		00	01	08
		53		00	00	72
		54		00	00	48
		55		00	00	40
		56		00	00	24
		66		00	05	80
		57		00	09	48
		60		00	00	32
		61		00	09	00
		62		00	08	00
		63		00	26	50
		64		00	05	00
		65		00	01	50
		116		00	01	80
		126		00	10	20
		127		00	04	20
		121		00	00	24
		125		00	05	40
		138		00	02	80
		139		00	03	20
		137		00	05	04
		148		00	01	08
		143		00	01	08
		147		00	02	76
		144		00	00	48
		145		00	03	96
		233		00	01	50
		234		00	05	40
		237		00	00	36
		238		00	03	20
		228		00	01	40
		239		00	04	20
		240		00	05	40
		241		00	02	40
		245		00	00	90
		242		00	06	84
		243		00	10	40
		314		00	02	16
		315		00	05	76
		337		00	04	50
		311		00	02	70
		338		00	03	80
		339		00	01	20
		342		00	01	02
		341		00	01	80
		36		00	34	84
		378		00	07	20

1	2	3	4	5		
		379		00	01	50
		377		00	01	08
		374		00	07	20
		366		00	04	80
		367		00	00	24
		365		00	09	00
		364		00	00	20
		353		00	10	08
		354		00	03	60
		356		00	01	12
		355		00	07	02
		406		00	01	44
Ramgarh Sarotan		63		00	01	08
		62		00	55	32
		56		00	00	48
		50		00	03	60
		52		00	03	72
		54		00	01	20
		53		00	02	52
		29		00	10	26
		30		00	03	24
		31		00	05	58
		08		00	09	36
		14		00	06	30
Manpura		420		00	30	30
		472		00	03	50
		473		00	00	92
		474		00	01	08
		475		00	03	00
		476		00	00	40
		508		00	06	48
		509		00	03	96
		510		00	03	24
		507		00	06	20
		511		00	03	60
		505		00	01	00
		506		00	04	32
		512		00	00	20
		530		00	02	48
		531		00	14	82
		532		00	06	48
		533		00	02	24
		534		00	02	99
		535		00	02	34
		538		00	02	80
		537		00	00	30
		539		00	07	38
		540		00	05	04
		542		00	06	12
		543		00	05	40
		545		00	07	28
		581		00	01	80
		582		00	01	62
		579		00	00	10
		580		00	00	20
		583		00	19	00
		585		00	01	60
		586		00	02	00
		584		00	00	10
		578		00	00	30
		577		00	00	60
		587		00	06	48
		576		00	06	72
		588		00	30	04

1	2	3	4	5
Maapura	590/766	00	01	50
	575	00	01	00
	590	00	05	72
	589	00	03	52
	591	00	03	92
	592	00	07	70
	593	00	14	32
	594	00	01	26
	595	00	06	16
	596	00	00	10
	597	00	07	26
	598	00	01	00
	599	00	00	20
	600	00	02	70
	602	00	08	64
	605	00	04	48
	567	00	36	94
	610	00	07	40
	611	00	03	50
	612	00	09	70
	613	00	02	64
	614	00	06	80
	617	00	00	40
	615	00	00	60
	616	00	06	40
	625	00	00	60
	626	00	02	24
	629	00	03	86
	624	00	00	10
	630	00	04	32
	632	00	05	04
	633	00	05	94
	622	00	00	20
	634	00	00	40
	635	00	05	00
	636	00	06	48
	637	00	07	20
	638	00	04	16
	639	00	03	12
	640	00	05	04
	643	00	03	74
	644	00	00	56
	645	00	03	36
	647	00	04	80
	646	00	05	76
	648	00	00	20
	649	00	00	60
	692	00	31	88
	672	00	01	80
	673	00	03	52
	674	00	05	40
	675	00	07	80
	677	00	00	20
	678	00	00	20
	680	00	42	94
	691	00	01	26
Kheda Sangnotan	153	00	06	66
	146	00	01	44
	147	00	01	80
	152	00	00	72
	151	00	00	32
	148	00	01	84
	149	00	07	02
	136	00	01	17
Kheda Sangnotan	137	00	03	69
	123	00	03	20
	124	00	03	80
	125	00	00	20
	122	00	02	64
	127	00	01	96
	99	00	10	80
	121	00	01	94
	128	00	01	44
	98	00	00	66
	120	00	00	44
	118	00	02	90
	119	00	00	90
	100	00	00	60
	115	00	02	66
	116	00	01	60
	117	00	01	80
	113	00	00	72
	114	00	03	46
	108	00	04	80
	109	00	00	60
	103	00	00	80
	107	00	01	60
	104	00	02	56
	105	00	00	20
	60	00	01	32
	61	00	02	64
	62	00	00	96
	59	00	02	82
	58	00	07	92
	56	00	06	98
	57	00	02	00
	55	00	06	12
	54	00	06	00
	53	00	05	04
	52	00	14	04
	18	00	00	20
	16	00	00	90
	01	00	00	56
	74	00	09	00
	61	00	92	20
	228	00	11	52
	227	00	14	04
	222	00	02	00
	22	00	24	64
	226	00	12	60
	86	00	02	52
	87	00	01	44
	88	00	06	48
	91	00	06	48
	93	00	01	44
	95	00	04	32
	96	00	01	40
	97	00	03	20
	98	00	01	60
	99	00	06	40
	100	00	03	96
	101	00	04	50
	102	00	05	76
	103	00	12	00
	105	00	02	52
	107	00	03	24
	108	00	06	84
	110	00	01	44

1	2	3	4	5
Saradhana	111	00	01	44
	112	00	02	16
	265	00	05	40
	263	00	03	24
	262	00	05	76
	261	00	03	96
	259	00	04	14
	258	00	33	20
	256	00	13	68
	248	00	34	28
	205	00	07	20
	200	00	01	08
	204	00	03	24
	210	00	00	20
	203	00	09	52
	202	00	01	28
	196	00	07	62
	195	00	02	00
	193	00	13	14
	189	00	04	50
	188	00	02	52
	190	00	01	07
	187	00	00	60

[No. O-31015/4/89-OR-I]

K. C. KATOCH, Under Secy.

नई दिल्ली, 22 अक्तूबर, 1990

का.आ. 3058:—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में एल डब्ल्यू ई एफ से लनवा ईपीएस.-I तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइपलाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के लिए प्रयोजन के लिए एतदपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, बड़ौदा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची

एल.डब्ल्यू.ई.एफ. से लनवा ई.पी.एस.-I तक पाइप लाइन बिछाने के लिए।

राज्य: गुजरात	जिला: मेहसाना	तालुका: चाणसमा		
गांव	सर्वे नं.	हेक्टेयर	आरे.	सेन्टीयर
1	2	3	4	5
धानोधरा	506	0	01	92
	509	0	06	21
	508	0	07	32
	514/पी	0	02	88
	513	0	04	32
	517/पी	0	06	00
	517/1	0	08	52
	522/1	0	04	44
	519	0	00	60
	521	0	13	44

[सं. ओ-11027/128/90-ओ.एन.जी.-डी.-III]

New Delhi, the 22nd October, 1990

S.O. 3058.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from LWEF to Lanwa-EPS-I in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire that right of user in the land described in the schedule annexed hereto :—

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines *(Acquisition of Right of User in the land)* Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares it's intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara-390009.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be hear in person or by legal Practitioner.

SCHEDULE

Pipeline from LWEF to LANWA EPS-I

State : Gujarat	District : Mehsana	Taluka: Chanasma		
Village	Survey No.	Hectare	Are	centiare
Danodarda	506	0	01	92
	509	0	06	12
	508	0	07	32
	514/P	0	02	88
	513	0	04	32
	517/P	0	06	00
	517/1	0	08	52
	522/1	0	04	44
	519	0	00	60
	521	0	13	44

[No. O-11027/128/90-ONG-D-III]

का.आ. 3059.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में बी.सी.ऐ.डी. से बेचराजी ईपीऐस तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइप लाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और अतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962, (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, बड़ौदा-9. को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या यह वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची

बी.सी.ऐ.डी. से बेचराजी ई.पी.एस. तक पाइप लाइन बिछाने के लिए।

राज्य : गुजरात जिला: मेहसाना तालुका: का चानासमा

गांव	सर्वे नं.	हेक्टेयर	आरे.	सेन्टीयर
1	2	3	4	5
इन्द्रप	184/1	0	68	40
	196	0	01	44
	197	0	05	28

[सं. ओ-11027/129/90-ओ.एन.जी.डी.-III]

S.O. 3059.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from BCAD to Becharaji EPS in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire that right of user in the land described in the schedule annexed hereto :—

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares it's intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara-390009.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be hear in person or by legal Practitioner.

SCHEDULE

Pipeline from BCAD to Becharaji EPS.

State : Gujarat District : Mehsana Taluka : Chanasma

Village	Survey No.	Hectare	Are	Centiare
Indrap	184/1	0	68	40
	196	0	01	44
	197	0	05	28

[No. O-11027/129/90-ONG-D-III]

का. आ. 3060.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में ए एल. डब्ल्यू. इ. यू. से ननवा ई पी एस-I तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्पाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, बड़ौदा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या यह वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची

एल. डब्ल्यू. ई. यू. से ननवा ई पी एस एफ तक पाइप लाइन बिछाने के लिए।

राज्य: गुजरात जिला—महसाना तालुका—चानसमा

गांव	सर्वे नं.	हे.	आर.	सेन्टीयर
धानोधरडा	554	0	01	32
	555/1	0	12	60
	555/2	0	03	72
	556/2	0	03	84
	556/1	0	04	08
	564/पी	0	06	12
	564/पी	0	05	76
	565	0	15	84

[सं. ओ.-11027/131/90—ओ. एन. जी. -डी.-III]

S.O. 3060.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from LWEU to Lanwa EPS-I in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire that right of user in the land described in the schedule annexed hereto :—

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares it's intention to acquire the right of user therein :

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara-390009.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal Practitioner.

SCHEDULE

Pipeline from LWEU to LANWA EPS-I

State : Gujarat District : Mehsana Taluka : Chanasma

Village	Survey No.	Hectare	Are	Centiare
Dandarda	554	0	01	32
	555/1	0	12	60
	555/2	0	03	72
	556/2	0	03	84
	556/1	0	04	08
	564/P	0	06	12
	564/P	0	05	76
	565	0	15	84

[No. O-11027/131/90-ONG-D-III]

का. आ. 3061.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में एल. डब्ल्यू. एच. क्यू. से कनपा ई पी एस-II तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और अतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्‌पाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्‌द्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, वडोदरा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या यह वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची

एल. डब्ल्यू. एच. क्यू. से कनपा ई पी एस-II तक पाइप लाइन बिछाने के लिए।

राज्य :—गुजरात जिला—महेसाना तालुका—चनास्मा

गांव	सर्वे नं.	हे.	आर.	सेन्टीयर
ककासना	193	0	08	64
	192	0	06	00

[सं. ओ.—11027/133/90—ओ. एन. जी. डी. -III]

S.O. 3061.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from LWHQ to Lanwa EPS-II in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire that right of user in the land described in the schedule annexed hereto :

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares it's intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara-390009.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal Practitioner.

SCHEDULE

Pipline from LWHQ to LANWA EPS-II

State : Gujarat District : Mehsana Taluka : Chanasma

Village	Survey No.	Hectare	Are	Centiare
Kokasana	193	0	08	64
	192	0	06	00

[No. O-11027/133/90-ONG-D-III]

अधिसूचना

का. आ. 3062.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में ऐन के ऐच ऐम से सुणे के अं. जी. ऐस तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइपलाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और अतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्‌पाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है ।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, बड़ोदा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा ।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या यह वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

अनुसूची

एम.के.एच.एम. से, एन.के.जी.जी.एस. तक पाइप लाइन बिछाने के लिए ।

राज्य : गुजरात जिला : अहमदाबाद तालुका : वीरमगाम

गांव	सर्वे नं.	हेक्टेयर	आर.	सेन्टीयर
भोटारीया	49	0	01	08
	35/1	0	03	24
	35/2	0	04	20

[सं. ओ-11027/134/90-ओ.एन.जी.डी.-III]

S.O. 3062.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from NKHM to NK Gas-I in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire that right of user in the land described in the schedule annexed hereto.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares it's intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara-390009.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal Practitioner.

SCHEDULE

Pipeline from KNHM to NK GGS I

State : Gujarat District : Ahmedabad Taluka : Viramgam

Village	Survey No.	Hectare	Are	Centiare
Bhotariya	49	0	01	08
	35/1	0	03	24
	35/2	0	04	20

[No. O—11027/134/90—ONG—D—III]

का.आ. 3063 :—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में टी.पी. राणासन से रमोल गैस तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइपलाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए ।

और अतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्पाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है ।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा, रोड बड़ोदा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा ।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या यह वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

अनुसूची

टी पी. राणासन से राणासन रामोल जी.जी. एस. तक पाइप लाइन बिछाने के लिए ।

राज्य : गुजरात जिला : अहमदाबाद तालुका : दसक्रोई

गांव	ब्लाक नं.	हे.	आर.	सेन्टीयर
लुबर्डा	कार्टट्रेक	0	03	20
	739	0	09	60
	740	0	13	40
	741	0	12	85
	742	0	06	69
	769	0	01	35
	744	0	05	92

[सं. ओ-11027/123/90-ओ. एन. जी.-डी-III]

S.O. 3063.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from T.P. RANASAN to RAMOL Gas in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquired that right of user in the land described in the schedule annexed hereto.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein :

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara-390009.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal Practitioner.

SCHEDULE

P p line from T.P. RANASAN to RAMOL GGS

S ate : G ijarat Ditrict : Ahmedabad Taluka : Dascroi

Village	Block No.	Hec-tare	Are	Cen-tiare
Bhuvaldi	Cart track	0	03	20
	739	0	09	60
	740	0	13	40
	741	0	12	85
	742	0	06	69
	769	0	01	35
	744	0	05	92

[No. O-11027/123/90-ONG-D-III]

का. आ. 3064 .—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्यों में चोकारी टी बिंदु से उन्द्रे तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइलाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और अतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्पाबद्ध अनुसूचि में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, बड़ौदा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची

चोकारी टी बिंदु से उंदेरा तक पाईप लाईन बिछाने के लिए (नया)

राज्य—गुजरात जिला व तल्लुका—बड़ौदा

गांव	ब्लॉक नं.	हे.	आर.	सेंटी.
1	2	3	4	
अपाड	285	0	14	80
	286	0	17	20
	287	0	03	00
	290	0	12	00
	291	0	00	05
	292	0	25	00
	293	0	09	00
	कार्ट ट्रैक	0	01	20
	296	0	12	80
	295	0	24	15
	254	0	02	50
	298/B	0	18	80
	304	0	10	00
	306	0	00	70
	कार्ट ट्रैक	0	00	70
	305	0	10	00
	307/A	0	41	00
	कार्ट ट्रैक	01	01	00
	309	0	19	09
	कार्ट ट्रैक	0	01	40
	191	0	20	20
	190	0	17	16
	189	0	08	16
	156	0	02	25
	188	0	25	15
	186	0	03	65
	185	0	18	30
	166	0	13	70
	165	0	11	00
	164	0	01	20
	129	0	10	38
	127	0	27	79
	125/A	0	29	20
	122	0	29	50
	121	0	06	90

[सं. ओ-11027/142/90-ओ. एन. जी. डी. -III]

S.O. 3064.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Chokari T Point to Underi in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquired that right of user in the land described in the schedule annexed hereto:—

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein :

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, Makarpura Road; Vadodara-390009.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal Practitioner.

SCHEDULE

Pipeline from Chokari 'T' Point to Undera

State : Gujarat District & Taluka : Vadodara

Village	Block No.	Hectare	Are	Centiare
1	2	3	4	5
Ampad	285	0	14	80
	286	0	17	20
	287	0	03	00
	290	0	12	00
	291	0	00	50
	292	0	25	00
	293	0	09	00
	Cart track	0	01	20
	296	0	12	80
	295	0	24	15
	254	0	02	50
	298/B	0	18	80
	304	0	10	00
	306	0	00	70
	C.T.	0	00	70
	305	0	10	00
	307/A	0	41	00
	Cart track	0	01	00
	309	0	19	09
	Car track	0	01	40
	191	0	20	20
	190	0	17	16
	189	0	08	16
	156	0	02	25
	188	0	25	15
	186	0	03	65
	185	0	18	30
	166	0	13	70
	165	0	11	00
	164	0	01	20
	129	0	10	38
	127	0	27	79
	125/A	0	29	20
	122	0	29	50
	121	0	06	90

[No. O-11027/142/90-ONG-D-III]

का. आ. सं. 3065.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में एल डब्ल्यू एच क्यू से लनवा ईपीएस-II तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइपलाईन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और अतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्पाबद्ध अनुसूचि में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, बड़ौदा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची

एल. डब्लू. एच. क्यू. से लनवा ई. पी. एस. II तक पाइप लाइन बिछाने के लिए

राज्य : गुजरात जिला : मेहसाना तालुका : चाणसमा

गांव	सर्वे नं.	हेक्टेयर	आर.	सेंटीयर
सुणसर	549	0	02	28
	557	0	06	12
	556/पी	0	02	76
	556/पी	0	03	36
	555	0	01	08
	559	0	00	72
	553/9	0	08	88
	553/2	0	04	56
	53/पी	0	04	56

[सं. ओ-11027/127/90-ओ. एन. जी. डी.-II]

S.O. 3065.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from LWHQ to Lanwa-EPS.II in Gujarat State pipelines hould be laid by the Oil & Natural Gas Commission.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire that right of user in the land described in the schedule annexed hereto:—

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, Makarpura Road; Vadodara-390009.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal Practitioner.

SCHEDULE

Pipeline from LWHQ to LANWA EPS-II

State : Gujarat District : Mehsana Taluka : Chanasma

Village	Survey No.	Hectare	Are	Centiare
Sunasar	549	0	02	28
	557	0	06	12

1	2	3	4	5
	556/P	0	0[illegible]	76
	556/P	0	03	36
	555	0	0[illegible]	08
	559	0	0[illegible]	7[illegible]
	553/3	0	08	88
	553/[illegible]	0	04	56
	553/P	0	04	56

[No. O-110[illegible]7/127/90-ONG-D-III]

नई दिल्ली, 29 अक्तूबर, 1990

का. आ. 3066.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में टी. पी. रणासण से रामोल जी जी. एस तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइपलाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और अतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्पाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिजपाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962, (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, बड़ौदा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची

टी. पी. रणासन से रामोल जी. पी. एस. तक पाइप लाइन बिछाने के लिए।

राज्य : गुजरात जिला : अहमदाबाद तालुका : दसक्रोई

गांव	ब्लाक नं.	हे.	आर.	सेंटी.
मूधीया	76	0	16	00
	77	0	13	20
	78	0	04	76
		0	00	86

[सं. ओ-11027/139/90-ओ एन जी-डी-III]

New Delhi, the 29th October, 1990

S.O. 3066.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from T. P. RANASAN to RAMOL GGS in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil and Natural Gas Commission.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire that right of user in the land described in the schedule annexed hereto:—

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara-390009.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal Practitioner.

SCHEDULE

Pipeline from T.P. Ranasan to Ramol GGS

State : Gujarat District : Ahmedabad Taluka : Dascroi

Village	Block No.	Hectare	Are	Centiare
Muthia	75	0	15	00
	77	0	13	20
	78	0	04	76
	Cart track	0	00	86

[No. O-11027/139/90-ONG-D-III]

का. आ. 3067.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में कोकारी टी बिंदु से जिप्को तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइपलाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और अतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962, (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, बड़ौदा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या यह वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची

कोकारी टी बिंदु से जिप्को तक पाइप लाइन बिछाने के लिए (बयावा)

राज्य—गुजरात जिला—बड़ौदा ता: पादरा

गांव	ब्लाक नं.	हे.	आर.	सेंटी
पावका	कार्ट ट्रैक	0	01	80
	172	0	01	50
	165	0	02	50
	171	0	04	70
	170	0	04	40
	169	0	04	60

1	2	3	4	5
	168	0	05	00
	175	0	18	00
	149	0	31	40
	कार्ट ट्रैक	0	02	00
	148	0	17	00
	147	0	12	50
	कार्ट ट्रैक	0	01	00

[सं. ओ-11027/140/90-ओ. एन. जी. डी.-III]

S.O. 3067.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Chokari T Point to GIPCO in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire that right of user in the land described in the schedule annexed hereto:—

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, Makarpura Road; Vadodara-390009.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal Practitioner.

SCHEDULE

Pipeline From Chokari 'T' Point to GIPCO

State : Gujarat District : Vadodara Taluka : Padra

Village	Block No.	Hect.	Are	Centi-are
Panda	Cart track	0	01	80
	172	0	01	50
	165	0	02	50
	171	0	04	70
	170	0	04	40
	169	0	04	60
	168	0	05	00
	175	0	18	00
	149	0	31	40
	Cart track	0	02	00
	148	0	17	00
	147	0	12	50
	Cart track	0	01	00

[No. O-11027/140/90-ONG-D-III]

का. आ. 3068.— यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में चोकारी टी बिंदु से जिप्को तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए ।

और अतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, बड़ोदा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची

चोकारी टी बिंदु से जिप्को तक पाइप लाइन बिछाने के लिए (नया)

राज्य—गुजरात जिला—बड़ोदा तहसील—पादरा

गांव	सर्वे नं.	हे.	आर.	सें टि.
1	2	3	4	5
उमराया	376	0	22	89
	388	0	13	64
	389	0	11	59
	390	0	06	49
	398/A	0	18	96
	400	0	06	00
	399	0	28	77
	430	0	14	47
	429	0	06	00
	428/B	0	12	49
	427	0	07	54
	610	0	15	93
	611	0	01	53
	612/बी	0	15	37
	625	0	14	00
	624	0	06	00
	623	0	06	04
	649	0	00	94
	650	0	08	18
	651	0	10	09
	663	0	05	30
	662	0	05	30
	659	0	15	84
	665	0	03	00
	675	0	00	55
	676	0	14	00
	कार्ट ट्रैक	0	00	40
	677	0	12	09
	कार्ट ट्रैक	0	01	59
	757	0	09	00
	758	0	02	40

1	2	3	4	5
	756	0	04	32
	755	0	04	32
	709	0	20	00
	710	0	05	20

[सं. ओ.-11027/141/90-ओ.एन.जी.डी.-III]

S.O. 3068.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Chokari T. Point to GIPCO in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquired that right of user in the land described in the schedule annexed hereto:—

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, Makarpura Road; Vadodara-390009.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be hear in person or by legal Practitioner.

SCHEDULE

Pipeline from CHOKARI T. Point to GIPCO.

State : Gujarat District : Vadodara Taluka : Padra

Village	Block No.	3	4	5
Umaraya	376	0	22	89
	388	0	13	64
	389	0	11	59
	390	0	06	49
	398/A	0	18	96
	400	0	06	00
	399	0	26	77
	430	0	14	47
	429	0	06	00
	428/B	0	12	49
	427	0	07	54
	601	0	15	93
	611	0	01	53
	612/B	0	15	37
	625	0	14	00
	624	0	06	00
	623	0	06	04

1	2	3	4	5
	649	0	00	94
	650	0	08	18
	651	0	10	09
	663	0	05	30
	662	0	05	30

[No. O-11027/141/90-ONG-D-III]

का.आ. 3069 :—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना का.आ.सं. 1489 तारीख 26-5-90 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूचि में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाय तेल और प्राकृतिक गैस आयोग में, सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

गोलादरा से जी एन बी ई तक पाईप लाईन बिछाने के लिए।

राज्य : गुजरात जिला : भरुच तालुका वागरा

गांव	ब्लाक नं.	हे.	आर.	सेन्टी.
1	2	3	4	5
पणीयादरा	187/ए/बी	0	33	93
	181	0	08	19
	180	0	08	97
	179	0	15	86
	178/ए	0	04	94
	178/बी	0	08	84
	178/सी	0	07	15
	178/डी	0	07	87
	178/ई	0	02	47
	177	0	05	07

1	2	3	4	5
	715	0	07	28
	714	0	12	61
	713	0	11	70
	712	0	09	75
	711	0	06	24
	708	0	10	40
	709	0	20	93
	718	0	21	84

[सं. ओ.-11027/42/90 ओ.एन.जी.डी.-III]

S.O. 3069.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum & Natural Gas S.O. No. 1489 dated 26-5-90 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands in the schedule appended to this notification for the purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification ;

Now therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Goverment hereby declares that the right of user in said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub- section (4) of the section. the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

SCHEDULE

Pibeline From Goladara To GNBI.

State : Gujarat District : Bharuch Taluka : Vagra

Village	Block No.	Hect.	Are	Centiare
Paniyadara	187/A/B	0	33	93
	181	0	08	19
	180	0	08	97
	179	0	15	86
	178/A	0	04	94
	178/B	0	08	84
	178/C	0	07	15
	178/D	0	07	87
	178/E	0	02	47
	177	0	05	07
	715	0	07	28
	714	0	12	61
	713	0	11	70
	712	0	09	75
	711	0	06	24
	708	0	10	40
	709	0	20	93
	718	0	21	84

[No. O-11027/ 24/90 ONG-D-III]

का.आ. 3070:—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना का.आ.सं. 1488 तारीख 26-5-90 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग के अधिकार को पाइप लाइन को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाय तेल और प्राकृतिक गैस आयोग में, सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

अंकेरा से जिरको तक पाइप लाइन बिछाने के लिए।

राज्य—गुजरात जिला व तालुका—बड़ोदरा

गांव	सर्वे नं.	हेक्टेयर	आर.	सेन्टीयर
1	2	3	4	5
अंकेरा	319/1	0	02	20
	320/1 बी	0	14	80
	324/2	0	09	00
	324/1	0	11	20
	कार्ट ट्रेक	0	01	00
	345	0	22	60
	351	0	11	20
	250	0	00	20
	353	0	22	00
	कार्ट ट्रेक	0	02	60
	373	0	13	00
	372/पी	0	03	40
	372/पी	0	17	40
	367	0	00	20
	371	0	12	40
	370/पी	0	06	65
	370/पी	0	04	35
	369	0	14	60
	395	0	20	00
	कार्ट ट्रेक	0	02	00
	447	0	07	80
	448	0	03	00

1	2	3	4	5
	449	0	11	40
	450	0	03	00
	451	0	10	00
	452	0	08	67
	कार्ट ट्रैक	0	01	60
	459	0	22	60
	461	0	01	50
	465	0	18	70
	466	0	04	75
	कार्ट ट्रैक	0	01	40
	471/1	0	13	00
	474	0	15	92
	477	0	12	65
	478	0	08	50
	476	0	02	55
	479/1	0	03	00
	480	0	21	90
	481	0	01	72

[सं. आ.-11027/41/90-ओ.एन.जी.डी.-III]

S.O. 3070.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas S.O No. 1488 dated 26-5-90 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared it's intention to acquire the right of user in the lands in the schedule appended to this notification. for the purpose of laying pipeline.

And whereas the Comptetent Authority has under sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, submitted report to the Government,

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Goverment hereby declares that the right of user in said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub- section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

SCHEDULE

Pipeline from Undera to GIPCO

State : Gujarat District) Taluka : Vadodara

Village	Survey No.	Hect	Are	Centiare
1	2	3	4	5
Undera	319/1	0	02	20
	320/1/B	0	14	80
	324/2	0	09	0
	324/1	0	11	20
	Cart track	0	00	0

	345	0	22	60
	351	0	11	20
	350	0	00	20
	353	0	22	00
	Cart track	0	02	60
	373	0	13	00
	372/1	0	03	40
	372/[illegible]	0	17	40
	367	0	00	20
	371	0	12	40
	370/P	0	06	65
	370/P	0	04	35
	369	0	14	60
	395	0	20	00
	Cart track	0	02	00
	447	0	07	80
	448	0	03	00
	449	0	11	40
	450	0	03	00
	451	0	10	00
	452	0	08	67
	Cart track	0	01	60
	459	0	22	60
	461	0	01	50
	465	0	18	70
	466	0	04	75
	Cart track	0	01	40
	4711/1	0	13	00
	474	0	15	92
	477	0	12	65
	478	0	08	50
	476	0	02	55
	479/1	0	03	00
	480	00	21	90
	481	0	01	72

[No. O-11027/41/90 ONG-D-III]

का.आ.सं. 3071.—यत: पैट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पैट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना का आ. सं. 1491 तारीख 3-5-90 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग के अधिकार को पाइप लाइन को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यत: सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यत: केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अत: उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाय तेल और प्राकृतिक

गम आयोग में, सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

बलोल जी.जी.एस. से लनवा जी.जी.एस. तक पाइप लाइन बिछाने के लिए।

राज्य : गुजरात जिला : मेहसाना तालुका : चाणसमा

गांव	सर्वे नं.	हैक्टेयर	आर.	सेन्टीयर
लनवा	327/पी	0	08	00
	326/पी	0	05	00
	326/पी	0	04	50
	326/पी	0	06	50
	340/3	0	04	00
	341/पी	0	09	00
	338	0	00	75
	342	0	13	00
	348	0	09	80
	349	0	09	00
	350	0	15	60
	366/पी	0	17	80
	367	0	13	00
	370/पी	0	06	20
	380/पी	0	05	40
	371	0	09	60
	372	0	08	88
	387	0	01	92
	385/पी	0	06	75
	385/पी	0	08	25
	कार्ट ट्रैक	0	01	20
	44202	0	02	60
	446	0	12	80
	445/पी	0	03	40
	445/पी	0	08	00
	452	0	10	40
	453	0	11	20

[सं. ओ.-11027/39/90-ओ.एन.जी.डी.III]

S.O. 3071.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum & Natural Gas S.O No 1491 dated 3-5-90 under sub-section (1) o' Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Goverument declared it's intention to acquire the right of user in the lands in the schedule appended to this notification; for the purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, submitted report to the Government.

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands in the schedule appended to this notification;

Now therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub- section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

SCHEDULE

Pipeline from Balol GGS to Lanva GCS.

State : Gujarat District : Mehsana Taluka : Chanasma

Village	Survey No.	Hec.	Are	Centiare
Lanva	327/P	0	08	00
	326/P	0	05	00
	326/P	0	04	50
	326/P	0	06	50
	340/2	0	04	00
	341/P	0	09	00
	338	0	00	75
	342	0	13	00
	348	0	09	80
	349	0	09	00
	350	0	15	60
	366/P	0	17	80
	367	0	13	00
	370/P	0	06	20
	370/P	0	05	40
	371	0	09	60
	372	0	08	88
	387	0	01	92
	385/P	0	06	75
	385/P	0	08	25
	Cart track	0	01	20
	442/2	0	02	60
	446	0	12	80
	445/P	0	03	40
	445/0	0	08	00
	452	0	10	40
	453	0	11	20

[No. O-11027/39/90/ONG-D-III]

का.आ. सं. 3072.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाईन भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना का.आ.सं. 1495 तारीख 26-5-90 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकार को पाइपलाईनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में निर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का निश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में निर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाईन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाय तेल और प्राकृतिक गैस आयोग में, सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

पखाजन-1 से दहेज जी.जी.एस. तक पाइप लाइन बिछाने के लिए

राज्य गुजरात जिला: भरुच तालुका: वागरा

गांव	ब्लाक नं.	हेक्टेयर	आर.	सेंटीयर
भेसली	110/ए	0	10	40
	128	0	23	30
	129/ए/बी	0	07	80
	124	0	00	65
	130	0	10	40
	133	0	01	30

[सं. ओ-11027/38/90-ओ.एन.जी.डी.-III]

S.O. 3072.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas S.O. No. 1495 dated 26-5-90 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared it's intention to acquire the right of user in the lands in the schedule appended to this notification; for the purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, submitted report to the Government,

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands in the schedule appended to this notification;

Now therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Goverment hereby declares that the right of user in said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub- section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

SCHEDULE

PIPELINE FROM PAKHAJAN-1 TO DAHEJ GGS.

State : Gujarat District : Bharuch Taluka : Vagra

Village	Block No.	Hectare	Are	Centiare
Bhesali	110/A	0	10	40
	128	0	23	40
	129/A/B	0	07	80
	124	0	00	65
	130	0	10	40
	133	0	01	30

[No. O-11027/38/90-ONG.D-III]

का.आ.सं. 3073.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाईप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना का.आ.सं. 1476 तारीख 26-5-90 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग के अधिकार को पाइपलाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाईन बिछाने के लिए प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाय तेल और प्राकृतिक गैस आयोग में, सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

जी.एन.जी.एफ. से ई पी एस तक पाईप लाईन बिछाने के लिए

राज्य : गुजरात जिला : भरुच तालुका : वागरा

गांव	ब्लाक नं.	हेक्टेयर	आर.	सेंटीयर
गंधार	394	0	33	28
	362	0	30	16
	391	0	00	48
	363	0	11	44
	364	0	10	64
	369	0	02	88
	379	0	17	68
	377	0	15	60
	382	0	08	32
	383	0	27	04
	385	0	07	28
	384/ए/बी	0	00	48
	326/ए/बी	0	08	32
	कार्ट ट्रैक	0	02	08
	321	0	26	00
	322/ए/बी	1	99	68

[सं. ओ-12027 37 90-ओ एन जी डी-III)]

S.O. 3073.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas S.O. No. 1476 dated 26-5-90 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands in the schedule appended to this notification. for the purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, submitted report to the Government,

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands in the schedule appended to this notification ; this notification;

Now therefore, inexercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Goverment hereby declares that the right of user in said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub- section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

SCHEDULE

PIPELINE FROM GNGF TO E.P.S.

State : Gujarat District : Bharuch Taluka : Vagar

Village	Block No.	Hectare	Are	Centiare
Gandhar	394	0	33	28
	362	0	30	16
	391	0	00	48
	363	0	11	44
	364	0	10	64
	369	0	02	88
	379	0	17	68
	377	0	15	60
	382	0	08	32
	383	0	27	04
	385	0	07	28
	384	0	00	48
	326/A/B	0	08	32
	Cart track	0	02	08
	321	0	26	00
	322/A-B	1	99	68

[No. O-11027/37/90-ONG-D-III]

का.आ. 3074.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना का.आ.सं. 1475 तारीख 26-5-90 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग के अधिकार को पाइपलाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 6 की धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करता है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाय तेल और प्राकृतिक गैस आयोग में, सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

जी.एन.ए.पी. से ई.पी.एस. तक पाइप लाइन बिछाने के लिए

राज्य : गुजरात जिला : भरूच तालुक : वागरा

गांव	ब्लाक नं.	हेक्टयर	आर.	सेंटीयर
चांचवेल	281	1	25	84
	282	0	60	32
	284	01	58	04

[सं. 0-11027 36 90-ओ एन जी डी.-III)]

S.O. 3074.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum & Natural Gas S.O No 1475 dated 26-5-90 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands in the schedule appended to this notification, for the purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government,

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

SCHEDULE

PIPELINE FROM GNAP TO. E.P.S.

State : Gujarat District : Bharuch Taluka : Vagra

Village	Block No.	Hectare	Area	Centiare
Chanchwel	281	1	25	84
	282	0	60	32
	284	1	57	04

[No. O-11027/36/90-ONG-D-III

का. आ. 3075 :—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन अधिनियम 1962) (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना का आ. सं. 848 तारीख 7-4-90 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग के अधिकार को पाइपलाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाय तेल और प्राकृतिक गैस आयोग में, सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

जी.एन.ए.पी. से ई.पी.एस तक पाइप लाईन बिछाने के लिए

राज्य—गुजरात जिला—भरूच तालुका—वागरा

गांव	ब्लाक नं.	हे.	आर	सेन्टी.
1	2	3	4	5
गंधार	322ए-बी	1	69	39

[सं. ओ-11027/35/90-ओ.एन.जी. डी-तीन)

S.O. 3075.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas S.O No 848 dated 7-4-90 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared it's intention to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the land in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Goverment hereby declares that the right of user in said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

SCHEDULE

PIPELINE FROM GNAP TO E.P.S.

State : Gujrat District : Bharuch Taluka :Vagra

Village	Block No.	Hectare	Are	Centiare
Gandhar	322/A-B	1	69	39

[No. O-11027/35/90-ONG-D-III]

का. आ. 3076 :—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना का.आ. सं. 849 तारीख 7-4-90 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग के अधिकार को पाइपलाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाय तेल और प्राकृतिक गैस आयोग में, सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

जी एन सी एफ (7) से ई पी एस तक पाईप लाईन बिछाने के लिए।

राज्य—गुजरात जिला—भरूच तालुका—वागरा

गांव	ब्लाक सं.	हे.	आर.	सेन्टी.
वांचलक	284	0	44	72

[सं. ओ-11027/34/90-ओ. एन. जी-डी-III]

S.O. 3076.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum & Natural Gas S.O. No. 849 dated 7-4-90 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared it's intention to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands in the schedule appended to this notification;

Now therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline ;

And further in exercise of power conferred by sub- section (4) of the section. the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

SCHEDULE

PIPELINE FROM GNDF (7) TO EPS

State : Gujarat District : Bharuch Taluka : Vagra

Village	Block No.	Hectare	Are	Centiare
Chanchwel	284	0	44	72

[No. O-1127/34/90-ONG D-III]

का. आ. 3077 :—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 856 तारीख 7-4-90 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना मे संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग के अधिकार को पाइपलाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था ।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है ।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूचि में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है ।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अर्जित किया जाता है ।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाय तेल और प्राकृतिक गैस आयोग में, सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा ।

अनुसूची

जी एन डी जेड से ई पी एस तक पाईप लाईन बिछाने के लिए

राज्य—गुजरात जिला—भरूच तालुका—वागरा

गांव	ब्लाक नं.	हे.	आर.	सेन्टी.
1	2	3	4	5
गंधार	322/ए/बी	0	11	08

[सं. ओ.-11027/32/90-ओ.एन.जी. डी-III]

S.O. 3077.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum & Natural Gas S.O. No. 856 dated 7-4-90 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared it's intention to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands in the schedule appended to this notification.

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline ;

And further in exercise of power conferred by sub- section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

SCHEDULE

PIPELINE FROM GNDZ TO EPS

State : Gujarat District : Bharuch Taluka : Vagra

Village	Block No.	Hectare	Are	Centiare
Gandhar	322/A/B		11	08

[No. O-11027/32/90-ONG-D-III]

का. आ. 3078 :—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना का.आ.सं. 852 तारीख 7-4-90 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग के अधिकार को पाइपलाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था ।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है ।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है ।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अर्जित किया जाता है ।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाय तेल और प्राकृतिक गैस आयोग में, सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा ।

अनुसूची

पश्चिम शोभासन-2 से शोभासन-3 तक पाइपलाइन बिछाने के लिए

राज्य—गुजरात : जिला एवं तालुका—मेहसाणा

गाँव	सर्वे नं.	हेक्टर	आर.	सेन्टी.
1	2	3	4	5
शोभासन	357/2	0	08	88
	357/3	0	08	04
	366	0	04	44
	367/1/2	0	06	96
	370 } 371 }	0	04	68
		0	04	80
	372			
	कार्टट्रैक	0	00	81
	386	0	01	92
	387	0	03	12
	385	0	14	16
	388	0	00	75
	392	0	02	52
	473	0	01	50
	474	0	07	20
	479	0	07	92
	483	0	03	00
	485	0	10	32
	482	0	04	56
	1	0	10	80
	कार्ट ट्रैक	0	01	80
	3	0	01	20
	7	0	10	90
	8	0	06	00
	73	0	14	88
	74	0	06	72
	77	0	05	04
	87	0	12	60
	85	0	10	08

[सं. ओ-11027/27/90-ओ.एन.जी. डी-III]

S.O. 3078.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum & Natural Gas S.O. No 852 dated 7-4-90 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared it's intention to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands in the schedule appended to this notification.

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub- section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

SCHEDULE

PIPELINE FROM WEST SOB . 2 TO SOB-3.

STATE : GUJARAT DISTRICT & TALUKA : MEHSANA

Village	Survey No.	Hec.	Area	Centiare
1	2	3	4	5
Sobhasan	357/2	0	08	88
	357/3	0	08	04
	366	0	04	44
	367/1/2	0	06	96
	370	0	04	68
	371 } 372 }	0	04	80
	Cart track	0	00	84
	386	0	01	92
	387	0	03	12
	385	0	14	16
	388	0	00	75
	392	0	02	52
	473	0	01	50
	474	0	07	20
	479	0	07	92
	483	0	03	00
	485	0	10	32
	482	0	04	56
	1	0	10	80
		0	01	80
	Cart track			
	3	0	01	20
	7	0	10	90
	8	0	06	00
	73	0	14	88
	74	0	06	72
	77	0	05	04
	87	0	12	60
	85	0	10	08

[No.O-11027/27/90-ONG-D-III]

का. आ. 3079.—यत: पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि मे उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 586 तारीख 2-2-90 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग के अधिकार को पाइपलाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यत: सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे, यत: केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूचि में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अत: उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूचि में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केंद्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाय तेल और प्राकृतिक गैस आयोग में, सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा ।

अनुसूची

कूप नं. एस. के. ए. बी से सी. टी. एफ. कड़ी तक पाइप लाइन बिछाने के लिए ।

राज्य—गुजरात जिला—मेहसाना तालुका—कड़ी

गांव	सर्वे नं.	हेक्टर	आर.	सेन्टीयर
कड़ी	1643	0	09	75

[सं. O.-11027/24/90—ओ. एन. जी. डी. -III]

S.O. 3079.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum & Natural Gas S.O. No. 586 dated 2-2-90 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared it's intention to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Goverment hereby declares that the right of user in said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

SCHEDULE

PIPELINE FROM WELL NO. SKAB TO CTF KADI

STATE : GUJARAT DIST : MEHSANA TALUKA :KADI

Village	Survey No.	Hec.	Are	Centiare
Kadi	1643	0	09	75

[No O-11027/24/90-ONG-D-III]

का. आ. 3080.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 585 तारीख 2-2-90 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग के अधिकार को पाइपलाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था ।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है ।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है ।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अर्जित किया जाता है ।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाय तेल और प्राकृतिक गैस आयोग में, सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा ।

अनुसूची

कूप नं. 243 से जी. सी. एस. कलोल तक पाइपलाइन बिछाने के लिए ।

राज्य—गुजरात जिला—मेहसाना तालुका—कलोल

गांव	ब्लॉक नं.	हेक्टर	आर.	सेन्टीयर
ओला	471	0	06	00
	473	0	06	60
	कार्ट ट्रैक	0	01	05
	474	0	10	65

[सं. ओ.-11027/23/90—ओ. एन. जी. डी.-III]

S.O. 3080.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum & Natural Gas S.O. No. 585 dated 2-2-90 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared it's intention to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under section (1) of the Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

SCHEDULE

PIPELINE FROM WELL NO.K.-243 TO GCS KALOL

STATE : GUJARAT DIST : MEHSANA TALUKA - KALOL

Village	Block No.	Hec.	Area	Centiare
OLA	471	0	06	00
	473	0	06	60
	Cart track	0	01	05
	474	0	10	65

[No. O-11027/23/90.ONG.D.-III]

का. आ. 3081—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाईपलाइन भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 588 तारीख 2-2-90 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग के अधिकार को पाइपलाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाए तेल और प्राकृतिक गैस आयोग में, सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

टी. पी. रानासन से रामोल जी. जी. एस. तक पाइप लाईन बिछाने के लिए।

राज्य—गुजरात जिला—अहमदाबाद तालुका—दसक्रोई

गांव	सर्वे नं.	हेक्टेयर	आर.	सेन्टीयर
मुठीया	290	0	10	60
	292	0	19	80
	कार्ट ट्रेक	0	03	20
	17	0	33	80
	20	0	30	60
	21	0	22	40
	45	0	17	40
	44	0	01	30
	47	0	07	20
	49	0	28	40
	50	0	37	20
	75	0	38	00
	74	0	03	24
	77	0	00	30
	79	0	23	40

[सं. O—11027/20/90—ओ. एन. जी. डी. III]

S.O. 3081.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum & Natural Gas S.O. No. 588 dated 2-2-90 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared it's intention to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

SCHEDULE

PIPELINE FROM T.P. RANASAN TO RAMOL GGS.

STATE : GUJARAT DISTRICT : AHMEDABAD

TALUKA : DASCROI

Village	Survey No.	Hec.	Area	Centiare
Muthiya	290	0	10	60
	292	0	19	80
	Cart track	0	03	20
	17	0	33	80
	20	0	30	60
	21	0	22	40
	45	0	17	40
	44	0	01	30
	47	0	07	20
	49	0	28	40
	50	0	37	20
	75	0	38	00
	74	0	03	24
	77	0	00	30
	79	0	23	40

[No. O-11027/20/90-ONG.D.-III]

का० आ० 3082.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 579 तारीख 2-2-90 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग के अधिकार को पाइपलाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में

उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने का बजाय तेल और प्राकृतिक गैस आयोग में, सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

कलोल से जी. जी. एस. 11 तक पाइप लाइन बिछाने के लिए।

राज्य:—गुजरात जिला:—मेहसाणा तालुका:—कलोल

गांव	ब्लॉक नं.	हेक्टेयर	आर.	सेन्टीयर
सईज	963	0	12	00
	959	0	15	80

[सं. O.–11027/17/90—ओ. एन. जी. डी.- III]

S.O. 3082.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum & Natural Gas S.O. No. 579 dated 2-2-90 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared it's intention to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under section (1) of the Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands in the schedule appended to this notification;

Now therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

SCHEDULE

PIPELINE FROM KALOL TO GGS XI.

St te : Gujrat District : Mehsana Taluka : Kalol

Village	Block No.	Hec.	Are	Centiare
Saij	963	0	12	00
	959	0	15	80

[No. O-11027/17/90-ONG-D-III]

का. आ. सं. 3083.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 580 तारीख 2-2-90 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग के अधिकार को पाइपलाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाए तेल और प्राकृतिक गैस आयोग में, सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

टी. पी. रासासन से रामोल जी. जी. एस. तक पाइप लाइन बिछाने के लिए।

राज्य:—गुजरात जिला:—अहमदाबाद तालुक: दसक्रोई

गांव	ब्लॉक नं.	हेक्टेयर	आर.	सेन्टीयर
हुन्स पुरा	2	0	10	00
	कार्ट ट्रेक	0	07	00
	28	0	10	00
	129	0	11	60
	124	0	07	40
	कार्ट ट्रेक	0	03	36
	67	0	17	40
	68	0	21	00
	61	0	20	60

[सं. ओ-11027/16/90—ओ एन जी डी. -III]

S.O. 3083.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum & Natural Gas S.O. No. 580 dated 2-2-90 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared it's intention to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under-section (1) of the Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands in the schedule appended to this notification;

Now therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of the section the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

SCHEDULE

PIPELINE FROM T.P. RANASAN TO RAMOL GGS.

State : Gujarat District : Ahmedabad Taluka : Dascroi

Village	Block No.	Hec.	Are	Centiare
Hanspura	2	0	10	00
	Cart track	0	07	00
	128	0	10	00
	129	0	11	60
	124	0	07	40
	Cart track	0	03	36
	67	0	17	40
	68	0	21	00
	61	0	20	60

[No. O-11027/16/90-ONG-D-III]

का. आ. 3084.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 581 तारीख 2-2-90 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग के अधिकार को पाइपलाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था ;

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है ;

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का निश्चय किया है ;

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अर्जित किया जाता है ;

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निदेश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाए तेल और प्राकृतिक गैस आयोग में, सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा ।

अनुसूची

नवागाम सी. टी. एफ. से कोयली रिफाईनरी तक पाइपलाइन बिछाने के लिए ।

राज्यः—गुजरात जिला व तालुका :—बड़ोदरा

गांव	सर्वे नं.	हेक्टेयर	आर.	सेन्टीयर
नन्देसरी	426/1	0	71	00

[सं. ओ.-11027/15/90-ओ. एन. जी. डी.-III]

S.O. 3084.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum & Uatural Gas S.O. No. 581 dated 2-2-90 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared it's intention to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under-section (1) of the Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands in the schedule appended to this notification;

Now therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil and Natural Gas Commission free from encumbrances.

SCHEDULE

Pipeline From Navagam CTF to Koyali Refinery.

State : Gujarat District & Taluka : Baroda

Village	Survey No.	Hec	Are	Centiare
Nandesari	426/1	0	71	00

[No. O-11027/15/90-ONG.D-III]

का. आ. 3085.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 583 तारीख 2-2-90 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग के अधिकार को पाइपलाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था ;

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है ;

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है ;

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अर्जित किया जाता है ;

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाए तेल और प्राकृतिक गैस आयोग में, सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा ।

अनुसूची

नवगाम सी. टी. एफ. से कोयली रिफाइनरी तक पाइपलाइन बिछाने के लिए

राज्य:—गुजरात जिला व तालुका:—बरोडा

गांव	सर्वे नं.	हेक्टेयर	आर.	सेन्टीयर
फाजलपुर	5/1/ए	0	27	72
	गोचर	0	12	40
	5	0	12	80
	543	0	05	40
	6	0	12	40
	1/1/पी	0	13	20
	1/1/पी	0	30	60
	15	0	08	40
	33	0	10	00
	31/1	0	05	80
	30	0	14	80
	1/पी	0	15	00

[सं. ओ—11027/14/90-ओ. एन. जी. डी.-III]

के. विवेकानन्द, डेस्क अधिकारी

S.O. 3085.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum & Natural Gas S.O. No. 583 dated 2-2-90 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared it's intention to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under-section (1) of the Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands in the schedule appended to this notification;

Now therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free

SCHEDULE

Pipeline from Navagam CTF to Koyali Refinery

State : Gujarat District & Taluka : Baroda

Village	Survey No.	Hec.	Are	Centiare
Fazalpur	5/1/A	0	27	72
	Gauchar	0	12	40
	5	0	12	80
	543	0	05	40
	6	0	12	40
	1/1/P	0	13	20
	1/1/P	0	30	60
	15	0	08	40
	33	0	10	00
	33/1	0	05	80
	30	0	14	80
	1/P	0	15	00

[No. O-11027/14/90-ONG-D-III]

K. VIVEKANAND, Desk Officer

नई दिल्ली, 1 नवम्बर, 1990

का. आ. 3086.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि महाराष्ट्र राज्य में भारत पैट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड रिफाइनरी, माहुल-बम्बई से कैराग्राम तक (पातालगंगा औद्योगिक क्षेत्र, तालुका खालापुर, जिला रायगढ़, राज्य महाराष्ट्र) तथा कैराग्राम से माहुल, बम्बई तक अथवा के परिवहन के लिए दो पाइप लाइनें चेंबूर पातालगंगा लाइन लिमिटेड बम्बई द्वारा बिछायी जानी चाहिएं।

और अतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदुपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पैट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाईप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, चेंबूर पातालगंगा पाईप लाइन प्रकल्प तथा पनवेल, सिडको सेक्टर नं. 11, प्लाट नं. 112 भगमजला, रोड नं. 16 जिला रायगढ पिन कोड-410 217, राज्य महाराष्ट्र को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि-व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची

भारत पेट्रोलियम कारपोरेशन लमिटेड माहुल मुंबई से कैरा ग्राम तक, (पातालगंगा औद्योगिक क्षेत्र तालुका खालापुर जिला रायगड राज्य महाराष्ट्र) पाइप लाइन बिछाने के लिये

ग्राम	सर्वे नंबर गट नंबर	हिस्सा नंबर	क्षेत्र हेक्टेयर	आर	सेंन्टेयर
1	2	3		4	6
ग्राम—पानशील	53	1 क पैकी	00	04	00
तालुका—खालापुर	53	2 पैकी	00	02	00
जिला—रायगड	54	7 पैकी	00	24	00
राज्य—महाराष्ट्र	54	4 पैकी	00	19	50
	54	6 पैकी	00	02	00
	56	0 पैकी	00	04	00
	55	1 पैकी	00	03	50
	56	0 पैकी	00	11	00
	58	0 पैकी	00	01	00
	59	2 पैकी	00	21	50
	59	1 पैकी	00	03	50
	59	3 पैकी	00	01	00
	59	4 पैकी	00	03	00
	63	0 पैकी	00	01	00
	60	0 पैकी	00	03	00
	63	3 पैकी	00	11	00
	63	4 ब पैकी	00	09	00

1	2	3	4		
	63	4 अ पैकी	00	02	00
	104	2 पैकी	00	04	50
	104	3(2) पैकी	00	07	50
	105	0 पैकी	00	14	50
	106	4 पैकी	00	14	50
	106	3 पैकी	00	01	00
	106	2 पैकी	00	03	00
	106	1 पैकी	00	12	00
	111	0 पैकी	00	03	00
	107	0 पैकी	00	01	00
	99	0 पैकी	00	18	00
	98	0 पैकी	00	01	00
	96	0 पैकी	00	07	00
	94	0 पैकी	00	07	00
	54	7 पैकी			
	पानशील से वासांबे (मोहपाडा) रास्ता		00	02	00

[सं. पा.-32015/4/90-वित्त]

New Delhi, the 1st November, 1990

S.O. 3086.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Naptha/its return stream from Refinery of Bharat Petroleum Corporation Ltd., Mahul Bombay to Village Kaira in Patalganga Industrial Area Taluka Khalapur District Raigad in Maharashtra State pipelines should be laid by the Chembur Patalganga Pipelines Ltd., Bombay;

And whereas, it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of right of user in land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein :

Provided that, any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notificaion, object to the laying of the pipelines under the land to the Competent Authority, Chembur Patalganga Pipelines Project having his Office at New Panvel (CIDCO) Sector No. 11, Plot No. 12, Ground Floor, Road No. 16, District Raigad, Pin Code-410217, State Maharashtra.

And every person making such an objection shall state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

SCHEDULE

Pipe line from Refinery of Bharat Petroleum Corporation Ltd. Mahul Bombay to Village Kaira in Patalganga Industrial Area Taluka Khalapur District Raigad in Maharashtra State.

Village	S.No. / Gat No.	Hissa No.	Area Hectare		centiare
1	2	3	4		
Village-Panshil	53	1C Part	00	04	00
Taluka-Khalapur	53	2 Part	00	02	00
District-Raigad	54	7 Part	00	24	00
State-Maharashtra	54	4 Part	00	19	50
	54	6 Part	00	02	00
	56	0 Part	00	04	00
	55	1 Part	00	03	50
	56	0 Part	00	11	00
	58	0 Part	00	01	00
	59	2 Part	00	21	50
	59	1 Part	00	03	50
	59	3 Part	00	01	00
	59	4 Part	00	03	00
	63	0 Part	00	01	00
	60	0 Part	00	03	00
	63	3 Part	00	11	00
	63	4 B Part	00	09	00
	63	4 A Part	00	02	00
	104	2 Part	00	04	50
	104	3(2) Part	00	07	50
	105	0 Part	00	14	50
	106	4 Part	00	14	50
	106	3 Part	00	01	00
	106	2 Part	00	03	00
	106	1 Part	00	12	00
	111	0 Part	00	03	00
	107	0 Part	00	01	00
	99	0 Part	00	18	00
	98	0 Part	00	01	00
	96	0 Part	00	07	00
	94	0 Part	00	07	00
	Panshil to Wasambe (Mohopada) Road		00	02	00
	54	7 Part			

[No. P-32015/4/90-Dist.]

का. आ. 3087.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि महाराष्ट्र राज्य में भारत पैट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड रिफाइनरी, माहुल-बम्बई से कैराग्राम तक (पातालगंगा औद्योगिक क्षेत्र, तालुका खालापुर, जिला रायगड, राज्य महाराष्ट्र) तथा कैराग्राम से माहुल, बम्बई तक नेफ्था के परिवहन के लिए दो पाइप लाइनें चेंबूर पातालगंगा पाइप लाइन लिमिटेड, बम्बई द्वारा बिछायी जानी चाहिएं।

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदुपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पैट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, चेंबूर पातालगंगा पाईप लाइन्स प्रकल्प नया पनवेल, सिडको सैक्टर नं. 11, प्लाट नं. 12, तलमजला, रोड नं. 16 जिला रायगड पिन कोड-410 217, राज्य महाराष्ट्र को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि-व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची

भारत पेट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड माहुल मुंबई से कैरा ग्रामतक (पातालगंगा औद्योगिक क्षेत्र तालुका खालापुर जिला रायगढ राज्य महाराष्ट्र) पाईप लाईन बिछाने के लिए।

ग्राम	सर्वे नंबर / गट नंबर	हिस्सा नंबर	क्षेत्र हेक्टेयर	आर	सेन्टेयर
1	2	3	4		
ग्राम–तलेगांव	45	2 पैकी	00	07	00
तालुका–खालापुर	45	3 पैकी	00	02	00
जिला–रायगढ	45	1 पैकी	00	05	50
राज्य–महाराष्ट्र	46	6 पैकी	00	09	00
	46	4 पैकी	00	10	00
	ओहोल	पैकी	00	02	00
	35	3 पैकी	00	13	00
	35	5 पैकी	00	01	00
	35	2 पैकी	00	01	00
	47	6 पैकी	00	31	50
	47	4 पैकी	00	01	00
	47	2 पैकी	00	09	00
	47	7 पैकी	00	01	00
	47	3 पैकी	00	26	00
	गोवंड	पैकी	00	02	00
	24	14 पैकी	00	07	00
	24	12 पैकी	00	11	50
	24	11 पैकी	00	09	00
	24	10 पैकी	00	01	50
	24	9 पैकी	00	06	00
	24	8 पैकी	00	01	00
	24	5 पैकी	00	13	00
	24	3 पैकी	00	02	50
	24	1 पैकी	00	19	50
	21	5 पैकी	00	09	00
	21	10 पैकी	00	04	00
	20	9 पैकी	00	02	00
	20	8 पैकी	00	13	00
	20	7 पैकी	00	11	00
	20	6 पैकी	00	06	00
	20	3 पैकी	00	04	00
	20	2 पैकी	00	00	00
	20	1 पैकी	00	05	00
	8	7 पैकी	00	10	00
	8	5 पैकी	00	11	50
	8	3 पैकी	50	10	00
	9	12 पैकी	00	07	00
	9	11 पैकी	00	05	00
	9	10 पैकी	00	03	00
	9	5 पैकी	00	02	00
	9	9 पैकी	00	03	00
	9	6 पैकी	00	11	00
	9	3 पैकी	00	07	00
	9	1 पैकी	00	09	00

[सं. पी.-32015/3/90-वित्त]

S.O. 3087.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Naptha/its return stream from Refinery Bharat Petroleum Corporation Ltd., Mahul Bombay to Village Kaira in Patalganga Industrial Area Taluka Khalapur District Raigad in Maharashtra State pipelines should be laid by the Chembur Patalganga Pipelines Ltd., Bombay;

And whereas, it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of right of user in land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that, any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notificaion, object to the laying of the pipelines under the land to the Competent Authority, Chembur Patalganga Pipelines Project having his Office at New Panvel (CIDCO) Sector No. 11, Plot No. 12, Ground Floor, Road No. 16 District Raigad, Pin Code-410217, State Maharashtra.

And every person making such an objection shall state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

SCHEDULE

Pipe Line from Refinery of Bharat Petroleum Corporation Ltd. Mahul Bombay to Village Kair in Patalganga Industrial Area Taluka Khalapur District Raigad in Maharashtra State.

Village	S.No. / Gat No.	Hissa No.	Area Hectare	Are	Centiare
1	2	3	4		
Village-Talegaon	45	2 Part	00	07	00
Taluka-Khalapur	45	3 Part	00	02	00
Distt. Raigad	45	1 Part	00	05	50
State-Maharashtra	46	6 Part	00	09	00
	46	4 Part	00	10	00
	Ohal (Nalla)	Part	00	02	00
	35	3 Part	00	13	00
	35	5 Part	00	01	00
	35	2 Part	00	01	00
	47	6 Part	00	31	50
	47	4 Part	00	01	00
	47	2 Part	00	09	00
	47	7 Part	00	01	00
	47	3 Part	00	26	00
	Cattle track	Part	00	02	00
	24	14 Part	00	07	00
	24	12 Part	00	11	50
	24	11 Part	00	09	00
	24	10 Part	00	01	50
	24	9 Part	00	06	00
	24	8 Part	00	01	00
	24	5 Part	00	13	00
	24	3 Part	00	02	50
	24	1 Part	00	19	50
	21	5 Part	00	09	00
	21	10 Part	00	04	00
	20	9 Part	00	02	00
	20	8 Part	00	13	00
	20	7 Part	00	11	00
	20	6 Part	00	06	00
	20	3 Part	00	04	00

1	2	3	4		
	20	2 Part	00	00	50
	20	1 Part	00	05	00
	8	7 Part	00	10	00
	8	5 Part	00	11	50
	8	3 Part	00	10	00
	9	12 Part	00	07	00
	9	11 Part	00	05	00
	9	10 Part	00	05	00
	9	5 Part	00	02	00
	9	9 Part	00	03	00
	9	6 Part	00	11	00
	9	3 Part	00	07	00
	9	1 Part	00	09	00

[No. P-32015/5/90-Dist.]

का. आ. 3088:—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि महाराष्ट्र राज्य में भारत पैट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड रिफाइनरी, माहुल–बम्बई से कैराग्राम तक (पातालगंगा औद्योगिक क्षेत्र, तालुका खालापुर, जिला रायगड राज्य महाराष्ट्र) तथा कैराग्राम से माहुल, बम्बई तक नेफ्था के परिवहन के लिए दो पाईप लाइन चेंबूर पातालगंगा पाईप लाइन लिमिटेड, बम्बई द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और अतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाईनो को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्पाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पैट्रोलियम और खनिज पाईप लाईन (भूमि मे उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाईप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, चेंबूर पातालगंगा पाइप लाइन्स प्रकल्प तथा पनवेल, सिडको सैक्टर नं. 11, प्लाट नं. 12, तलगजला, रोड नं. 16 जिला रायगड पिन कोड 410 217 राज्य महाराष्ट्र को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि-व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची

भारत पैट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड माहुल मुंबई से कैरा ग्राम तक (पातालगंगा औद्योगिक क्षेत्र तालुका खालापुर जिला रायगड राज्य महाराष्ट्र) पाईप लाइन बिछाने के लिए।

ग्राम	सर्वे नंबर	हिस्सा नंबर	क्षेत्र		
	गट नंबर		हेक्टेयर	आर	सेन्टेयर
1	2	3	4		
ग्राम–खानावले					
तालुका–पनवेल	29	4 पैकी	00	12	00
जिला–रायगड	29	3 पैकी	00	08	00
राज्य–महाराष्ट्र	28	0 पैकी	00	02	50
	29	2 पैकी	00	04	00
	29	1 पैकी	00	09	50
	50	14 पैकी	00	08	00
	50	13 पैकी	00	02	00
	50	10 अ पैकी }	00	01	00
	50	10 ब }			
	टाटा पावर लाईन	पैकी	00	05	25
	23	1 अ पैकी	00	06	00
	50	7 पैकी	00	01	00
	50	9 पैकी	00	01	00
	17	2 पैकी	00	06	00
	51	0 पैकी	00	08	00
	52	1 पैकी	00	01	50
	52	2 पैकी	00	10	50
	53	0 पैकी	00	12	00
	54	0 पैकी	00	13	00
	156	0 पैकी	00	09	00
	155	1 पैकी	00	06	00
	93	3 पैकी	00	05	00
	94	0 पैकी	00	07	00
	93	1 पैकी	00	04	00
	93	1 अ पैकी	00	18	00
	151	0 पैकी	00	04	00
	146	0 पैकी	00	03	00
	147	0 पैकी	00	20	00
	148	0 पैकी	00	02	00
	145	0 पैकी	00	04	00
	मुंबई पुणा रोड	पैकी	00	04	00
	138	0 पैकी	00	09	00
	139	2 अ पैकी	00	36	00
	136	1 अ पैकी	00	15	00
	134	0 पैकी	00	20	00
	133	0 पैकी	00	18	00
	132	0 पैकी	00	02	00

[सं. पी.-32015/6/90-वितन]

S.O. 3088.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Naptha/its return stream from Refinery Bharat Petroleum Corporation Ltd., Mahul, Bombay to Village Kaira in Patalganga Industrial Area Taluka Khalapur District Raigad in Maharashtra State pipelines should be laid by the Chembur Patalganga Pipelines Ltd., Bombay;

And whereas, it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of right of user in land) Act 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that, any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notificaion, object to the laying of the pipelines under the land to the Competent

Authority, Chembur Patalganga Pipelines Project having his Office at New Panvel (CIDCO) Sector No. 11, Plot No. 12, Ground Floor, Road No. 16, District Raigad, Pin Code-410217, State Maharashtra.

And every person making such an objection shall state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

SCHEDULE

Pipe Line from Refinery of Bharat Petroleum Corporation Ltd. Mahul Bombay to Village Kaira in Patalganga Industrial Area Taluka Khalapur District Raigad in Maharashtra State.

Village	S.No. / Gat No.	Hissa No.	Area Hect.	Are	Cent.
Village—Kharawale	29	4 Part	00	12	00
Taluka—Panvel	29	3 Part	00	08	00
Distt. —Raigad	28	0 Part	00	02	50
State—Maharashtra	29	2 Part	00	04	0
	29	1 Part	00	09	50
	50	14 Part	00	08	00
	50	13 Part	00	02	00
	50 50	10A Part 10B Part	00	01	00
	Tata Power Line	Part	00	05	25
	23	1A Part	00	06	00
	50	7 Part	00	01	00
	50	9 Part	00	01	0
	17	2 Part	00	06	00
	51	0 Part	00	08	00
	52	1 Part	00	01	50
	52	2 Part	00	10	50
	53	0 Part	00	12	00
	54	0 Part	00	12	00
	156	0 P rt	00	09	00
	155	1 Part	00	06	00
	93	3 Part	00	05	00
	94	0 Part	00	07	00
	93	1 P rt	00	04	00
	93	1A Part	00	18	00
	151	0 Part	00	04	00
	146	0 Part	00	03	00
	147	0 P rt	00	20	00
	148	0 Part	00	02	00
	145	0 Part	00	04	00
	Bombay Poona Road	Part	00	04	00
	138	0 Part	00	19	00
	139	2A Part	00	16	00
	136	1A Part	00	15	00
	134	0 Part	00	20	00
	133	0 Part	00	18	00
	132	0 Part	00	02	00

[No. P-32015/6/90-Dist.]

का. आ. 3089 :— यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि महाराष्ट्र राज्य में भारत पेट्रोलियम कार्पोरेशन लिमिटेड रिफाइनरी, माहुल-बम्बई से कैरा ग्राम तक (पातालगंगा औद्योगिक क्षेत्र, तालुका खालापुर, जिला रायगढ़ राज्य महाराष्ट्र) तथा कैरा ग्राम से माहुल बम्बई तक नेफ्था के परिवहन

के लिए पाईप लाइन चेंबूर पातालगंगा पाईप लाईन लिमिटेड, बम्बई द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाईनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्उपाबद्ध अनुसूची में वर्णित उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पैट्रोलियम और खनिज पाईप लाईन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाईप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, चेंबूर पातालगंगा पाईप लाइन्स प्रकल्प नया पनवेल, सिडको सेक्टर नं. 11, प्लाट नं. 12, तलमंजला, रोड नं. 16 जिला रायगड पिन कोड 410 217, राज्य महाराष्ट्र को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची

भारत पेट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड माहुल मुम्बई से कैरा ग्राम तक (पातालगंगा औद्योगिक क्षेत्र तालुका खालापुर जिला रायगड राज्य महाराष्ट्र) पाईप लाईन बिछाने के लिये।

ग्राम	सर्वे नंबर / गट नम्बर	हिस्सा नंबर	क्षेत्र हेक्टेयर	आर	सेन्टेयर
1	2	3	4		
ग्राम—पोसरे तालुका—पनवेल जिला—रायगड राज्य—महाराष्ट्र	180	2 पैकी	00	05	25
	181	0 पैकी	00	13	25

[संख्या पी.—32015/7/90—वित्त.]

S.O. 3089.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Naptha/its return stream from Refinery Bharat Petroleum Corporation Ltd., Mahul Bombay to Village Kaira in Patalganga Industrial Area Taluka Khalapur District Raigad in Maharashtra State pipelines should be laid by the Chembur Patalganga Pipelines Ltd., Bombay;

And whereas, it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of right of user in land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that, any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification object to the laying of the pipelines under the land to the Competent Authority, Chembur Patalganga Pipelines Project having his Office at New Panvel (CIDCO) Sector No. 11, Plot No. 12, Ground Floor, Road No. 16, District Raigad, Pin Code-410217, State Maharashtra.

And every person making such an objection shall state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

SCHEDULE

Pipe Line from Refinery of Bharat Petroleum Corporation Ltd. Mahul Bombay to Village Kaira in Patalganga Industrial Area Taluka Khalapur District Raigad in Maharashtra State.

Village	S.No. Gat No.	Hissa No.	Area Hect.	Are	Cent.
1	2	3	4		
Village—Poyanje	180	2 Part	00	05	25
Taluka—Panvel					
Distt.—Raigad					
State—Maharashtra	181	0 Part	00	13	25

[No. P-32015/7/90-Dist.]

का.आ. 3090.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि महाराष्ट्र राज्य में भारत पट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड रिफाइनरी, माहुल-बम्बई से कैराग्राम तक (पातालगंगा औद्योगिक क्षेत्र, तालुका खालापुर, जिला रायगढ़, राज्य महाराष्ट्र) तथा कैराग्राम से माहुल, बम्बई तक नेप्था के परिवहन के लिए दो पाईप लाइन चेंबूर पातालगंगा पाईप लाइन लिमिटेड, बम्बई द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पट्रोलियम और खनिज पाईप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाईप लाईन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, चेंबूर पातालगंगा पाईप लाइन्स प्रकल्प नया पनवेल सिडको सेक्टर नं. 11 प्लाट नं. 12, तलमजला, रोड नं. 16 जिला रायगढ़ पिन कोड 410 217, राज्य महाराष्ट्र को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि-व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची

भारत पट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड माहुल मुम्बई से कैरा ग्राम तक (पातालगंगा औद्योगिक क्षेत्र तालुका खालापुर जिला रायगढ़ राज्य महाराष्ट्र) पाईप लाइन बिछाने के लिए।

ग्राम	सर्वे नंबर गट नंबर	हिस्सा नम्बर	क्षेत्र हैक्टर	आर	सेन्टर
1	2	3	4		
ग्राम—मोहोपे	69	2 पैकी	00	38	00
तालुका—पनवेल	68	0 पैकी	00	00	50
जिला—रायगढ़	67	0 पैकी	00	12	00
राज्य—महाराष्ट्र	70	0 पैकी	00	09	00
	72	1 पैकी			
	72	2 पैकी	00	06	00
	72	3 पैकी			
	मोहोल (नाला)	पैकी	00	02	00

[सं. पी.-32015/8/90-वित्त]

S.O. 3090.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Naptha/its return stream from Refinery Bharat Petroleum Corporation Ltd., Mahul Bombay to Village Kaira in Patalganga Industrial Area Taluka Khalapur District Raigad in Maharashtra State pipelines should be laid by the Chembur Patalganga Pipelines Ltd., Bombay;

And whereas, it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum and Minerals, Pipelines (Acquisition of right of user in land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that, any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipelines under the land to the Competent Authority, Chembur Patalganga Pipelines Project having his Office at New Panvel (CIDCO) Sector No. 11, Plot No 12, Ground Floor, Road No. 16, District Raigad. Pin Code-410217, State Maharashtra.

And every person making such an objection shall state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

SCHEDULE

Pipe Line from Refinery of Bharat Petroleum Corporation Ltd. Mahul Bombay to Village Kaira in Patalganga Industrial Area Taluka Khalapur District Raigad in Maharashtra State.

Village	S.No. Gat No.	Hissa No.	Area Hect.	Are	Cent.
1	2	3	4		
Village—Mohope	69	2 Part	00	38	00
Taluka—Panvel	68	0 Part	00	00	50
District—Raigad	67	0 Part	00	12	00
State—Maharashtra	70	0 Part	00	09	00

1	2	3	4		
	72	1 Part			
	72	2 Part	00	06	00
	72	3 Part			
	Ohol (Nalla) Port		00	02	00

[No. P-32015/8/90–Dist.]

का.आ. 3091 यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि महाराष्ट्र राज्य में भारत पैट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड रिफाइनरी, माहुल-बम्बई से कैरा ग्राम तक (पातालगंगा औद्योगिक क्षेत्र, तालुका खालापुर, जिला रायगढ़, राज्य महाराष्ट्र) तथा कैराग्राम से माहुल, बम्बई तक नेपथा के परिवहन के लिए दो पाईप लाइन चेंबूर पातालगंगा पाईप लाइन लिमिटेड, बम्बई द्वारा बिछाया जानी चाहिए।

और अतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्पाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पैट्रोलियम और खनिज पाईप लाईन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाईप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, चेंबूर पातालगंगा पाईप लाइन्स प्रकल्प नया पनवेल, सिडको सेक्टर नं. 11 प्लाट नं. 12, तलमजला, रोड, नं. 16 जिला रायगढ़ पिन कोड 410 217, राज्य महाराष्ट्र को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि-व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची

भारत पैट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड माहुल मुम्बई से कैरा ग्राम तक (पातालगंगा औद्योगिक क्षेत्र तालुका खालापुर जिला रायगढ़ राज्य महाराष्ट्र) पाईप लाईन बिछाने के लिए।

ग्राम	सर्वे नंबर / गट नंबर	हिस्सा नंबर	क्षेत्र हैक्टर	आर	सेन्टेयर
1	2	3	4		
ग्राम-भिंगारवाडी	43	1 पैकी	00	28	00
तालुका-पनवेल	43	2 पैकी	00	04	00
जिला-रायगढ़	54	0 पैकी	00	24	00
राज्य-महाराष्ट्र	45	1 पैकी	00	11	00
	55	0 पैकी	00	04	00
	56	1 पैकी	00	03	00
	56	2 पैकी	00	02	00
	58	1 पैकी	00	28	00
	63	2 पैकी	00	02	00
	63	1 पैकी	00	05	00
	64	0 पैकी	00	12	00
	71	0 पैकी	00	03	00
	70	2 पैकी	00	11	00
	70	1 पैकी	00	02	00
	70	1(1) पैकी	00	11	00
	70	3 पैकी	00	08	00
	74	1 पैकी	00	23	00
	75	0 पैकी	00	01	00
	76	1 पैकी		02	00
	76	3 पैकी	00	09	00
	77	1 पैकी	00	15	00
	77	2 पैकी	00	05	00

[नं. पी. 32015/9/90 वित्त]

S.O. 3091.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Naptha/its return stream from Refinery Bharat Petroleum Corporation Ltd., Mahul Bombay to Village Kaira in Patalganga Industrial Area Taluka Khalapur District Raigad in Maharashtra State pipelines should be laid by the Chembur Patalganga Pipelines Ltd., Bombay;

And whereas, it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum and Minerals, Pipelines (Acquisition of right of user in landn) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that, any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipelines under the land to the Competent Authority, Chembur Patalganga Pipelines Project having his Office at New Panvel (CIDCO) Sector No. 11. Plot No. 12, Ground Floor, Road No. 16, District Raigad, Pin Code-410217, State Maharashtra.

And every person making such an objection shall state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

SCHEDULE

Pipe Line from Refinery of Bharat Petroleum Corporation Ltd. Mahul Bombay to Village Kaira in Patalganga Industrial Area Taluk Khalapur District Raigad in Maharasthtra State.

Village	S.No. / Gat No.	Hissa No.	Area Hect-	are	Centiure
1	2	3	4		
Village–Bhingarwadi	43	1 Part	00	28	00
Taluka—Panvel	43	2 Part	00	04	00
District-Raigad	54	0 Part	00	24	00
State–Maharashtra	45	1 Part	00	11	00
	55	0 Part	00	04	00
	56	1 Part	00	03	00
	56	2 Part	00	02	00
	58	1 Part	00	28	00
	63	2 Part	00	02	00
	63	1 Part	00	05	00
	64	0 Part	00	12	00
	71	0 Part	00	03	00
	70	2 Part	00	11	00

1	2	3	4		
	70	1 Part	00	02	00
	70	1(1) Part	00	11	00
	70	3 Part	00	08	00
	74	1 Part	00	23	00
	75	0 Part	00	01	00
	76	1 Part	00	02	00
	76	3 Part	00	09	00
	77	1 Part	00	15	00
	77	2 Part	00	05	00

[No. P-3 015/9/90 D.st.]

का.आ. 3092 यत: केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि महाराष्ट्र राज्य में भारत पैट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड रिफाइनरी, माहुल-बम्बई से कैराग्राम तक (पातालगंगा औद्योगिक क्षेत्र, तालुका खालापुर, जिला रायगढ़, राज्य महाराष्ट्र) तथा कैराग्राम से माहुल, बम्बई तक नेप्था के परिवहन के लिए दो पाईप लाइन चेंबूर पातालगंगा पाईप लाइन लिमिटेड, बम्बई द्वारा बिछायी जानी चाहिए।

और अत: यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अत: अब पैट्रोलियम और खनिज पाईप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतदद्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाईप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकार, चेंबूर पातालगंगा पाईप लाइन्स प्रकल्प नवा पनवेल सिडको सेक्टर नं. 11, प्लाट नं. 12, तलमजला, रोड नं. 16 जिला रायगढ़ पिन कोड 410 217, राज्य महाराष्ट्र को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और एसा आक्षेप हर व्यक्ति विनिर्दिष्टत: यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि-व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची

भारत पैट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड माहुल बम्बई से कैरा ग्राम तक (पातालगंगा औद्योगिक क्षेत्र तालुका खालापुर जिला रायगढ़ राज्य महाराष्ट्र) पाइप लाईन बिछाने के लिए।

ग्राम	सर्वे नंबर / गट नंबर	हिस्सा नंबर	क्षेत्र		
			हैक्टेयर	आर	सेन्टीआर
1	2	3	4		
ग्राम-भिंगार	47	2पैकी	00	25	50
तालुका-पनवेल	47	1पैकी	00	02	50
जिला—रायगढ़	61	0पैकी	00	03	00
राज्य-महाराष्ट्र	60	0पैकी	00	12	00
	59	1(1)पैकी	00	07	20
	59	1(2)पैकी	00	06	80
	73	2पैकी	00	09	00
	74	0पैकी	00	05	00
	75	1अ पैकी	00	04	00
	80	1पैकी	00	09	00
	81	1पैकी	00	06	00
	81	2(1)पैकी	00	05	00
	81	2(2)पैकी	00	10	00
	82	0पैकी	00	00	50
	89	0पैकी	00	02	00
	117	1पैकी	00	03	00
	83	2(1)पैकी	00	10	00
	83	1पैकी	00	08	50
	88	0पैकी	00	03	00
	85	2पैकी	00	09	00
	87	0पैकी	00	05	00
भिंगार	86	0पैकी	00	06	00
	ओहल (नाला)	पैकी	00	06	00
	131	2पैकी	00	01	000
	131	1पैकी	00	05	5
	132	0पैकी	00	19	00
	भिंगार ते चारफाटा रोड पैकी		00	02	00

[सं. पा.-32015/10/90 वित.]

S.O. 3092.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Naptha its return stream from Refinery of Bharat Petroleum Corporation Ltd, Mahul Bombay to Village Kaira in Patalganga Industrial Area Taluka Khalapur District Raigad in Maharashtra State pipelines should be laid by the Chembur Patalganga Pipelines Ltd., Bombay;

And whereas, it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum and Minerals, Pipelines (Acquisition of right of user in land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that, any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notificaion, object to the laying of the pipelines under the land to the Competent Authority, Chembur Patalganga Pipelines Project having his Office at New Panvel (CIDCO) Sector No. 11, Plot No. 12, Ground Floor, Road No. 16, District Raigad, Pin Code-410217, State Maharashtra.

And every person making such an objection shall state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

SCHEDULE

Pipe Line from Refinery of Bharat Petroleum Corporation Ltd. Mahul Bombay to Village Kaira in Patalganga Industrial Area Taluka Khalapur District Raigad in Maharashtra State.

Village	S.No. / Gat No.	Hissa No.	Area		
			Hect	are	Centiare
1	2	3	4		
Village—Bhingar	47	2 Part	00	25	50
Taluka-Panvel	47	1 Part	00	02	50
District-Raigad	61	0 Part	00	03	00

1	2	3	4		
State-Maharashtra	60	0 Part	00	12	00
	59	1(1) Part	00	07	20
	59	1(2) Part	00	06	80
	73	2 Part	00	09	00
	74	0 Part	00	08	00
	75	1B Part	00	04	00
	80	1 Part	00	09	00
	81	1 Part	00	06	00
	81	2(1) Part	00	05	00
	81	2(2) Part	00	10	00
	82	0 Part	00	00	50
	89	0 Part	00	02	00
	117	4 Part	00	03	00
	83	2(1) Part	00	10	00
	83	1 Part	00	08	50
	88	0 Part	00	03	00
	83	2 Part	00	09	00
	87	0 Part	00	05	00
Bhingar	86	0 Part	00	06	00
Ohal (Nala)		Part	00	06	00
	131	2 Part	00	01	00
	131	1 Part	00	05	50
	132	0 Part	00	19	00
Shedung to Vardoli Road.		Part	00	02	00

[No. P-3 015/ 0/90 Dist.]

का. आ. 3093.—यत: केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि महाराष्ट्र राज्य में भारत पैट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड रिफाइनरी, माहुल-बम्बई से कैराग्राम तक (पातालगंगा औद्योगिक क्षेत्र, तालुका खालापुर, जिला रायगड, राज्य महाराष्ट्र तथा कैराग्राम से माहुल बम्बई तक नेफ्था के परिवहन के लिए दो पाईप लाइन चेंबूर पातालगंगा पाईप लाईन लिमिटेड, बम्बई द्वारा बिछायी जानी चाहिए।

और यत: यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाईनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदुपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अत: अब पेट्रोलियम और खनिज पाईप लाईन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाईप लाईन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्रधिकारी, चेंबूर पातालगंगा पाईप लाइन प्रकल्प नया पनवेल, सिडको सैक्टर नं. 11, प्लाट नं. 12, तलमजला, रोड नं. 6 जिला रायगड पिन कोड 410 217, राज्य महाराष्ट्र को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने हुए व्यक्ति विनिर्दिष्टत: यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि-व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची

भारत पेट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड माहुल बम्बई से कैरा ग्राम तक (पातालगंगा औद्योगिक तालुका खालापुर जिला रायगड राज्य महाराष्ट्र) पाईप लाईन, बिछाने के लिये।

ग्राम	सर्वे नंबर / गट नंबर	हिस्सा नंबर	क्षेत्र		
			हेक्टर	आर	सेंटियर
1	2	3	4		
ग्राम—शेडुंग	121	3 पैकी	00	03	50
तालुका—पनवेल	121	1(2) पैकी	00	06	50
जिला—रायगड	121				
राज्य—महाराष्ट्र	121	2 पैकी	00	06	50
	121	1(3) पैकी	00	01	50
	42	0 पैकी	00	01	00
	118	0 पैकी	00	14	00
	119	1 पैकी	00	09	00
	117	1 पैकी	00	06	50
	117	2 पैकी			
	114	2(1) पैकी	00	11	50
	114	2(2) पैकी	00	11	00
	112	0 पैकी	00	13	50
	113	0 पैकी	00	04	00
	111	0 पैकी	00	19	50
	118	0 पैकी	00	19	50
			00	02	00
(भिंगार ते शेडुंग रोड)					

[सं. पी.-32015/11/90-वित्त]

S.O. 3093.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Naptha/its return stream from Refinery Bharat Petroleum Corporation Ltd., Mahull Bombay to Village Kaira in Patalganga Industrial Area Taluka Khalapur District Raigad in Maharashtra State pipelines should be laid by the Chembur Pataiganga Pipelines Ltd., Bombay;

And whereas, it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of righth of user in land)) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that, any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notificaion, object to the laying of the pipelines under the land to the Competent Authority, Chembur Patalganga Pipelines Project having his Office at New Panvel (CIDCO) Sector No. 11, Plot No. 12, Ground Floor, Road No. 16, District Raigad, Pin Code-410217, State Maharashtra.

And every person making such an objection shall state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

SCHEDULE

Pipe Line from Refinery of Bharat Petroleum Corporation Ltd Mahul Bombay to Village Kair in Patalgang Industrial Area Taluka Khalapur District Raigad in Maharashtra State.

Village	S. No. / Gat No.	Hissa No.	Area Hectare-Are-Centiare
1	2	3	4
Village—Shedung	121	3 Part	00-03-50
Taluka—Panvel			
District—Raigad	121	1(2) Part	00-06-50
State—Maharashtra	121	2 Part	00-06-50
	121	1(3) Part	00-01-50
	42	0 Part	00-01-00

1	2	3	4
	118	0 Part	00-14-00
	119	1 Part	00-09-00
	117	1 Part	
			00-06-50
	117	2 Part	
	114	2 (1) Part	00-11-50
	114	2 (2) Part	00-11-00
	112	0 Part	00-13-50
	113	0 Part	00-04-00
	111	0 Part	00-19-50
	118	0 Part	
			00-02-00
	Bhingar to Shedung Road		

[No. P-32015/11/90-Dist.]

का. आ. 3094 .—यत: केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि महाराष्ट्र राज्य में भारत पैट्रोलियम कॉर-पोरेशन लिमिटड रिफाइनरी, माहूल-बम्बई से कैराग्राम तक (पातालगंगा औद्योगिक क्षेत्र, तालुक खालापुर, जिला रायगड, राज्य महाराष्ट्र) तथा कैराग्राम महूल, बम्बई तक नेफ्था के परिवहन के लिए दो पाईन लाइन चेंबूर पातालगंगा पाईप लाईन लिमिटेड, बम्बई द्वारा बिछायी जानी चहिए ।

और अत: यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाईनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अत: अब पेट्रोलियम और खनिज पाईप लाईन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोपित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबंध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाईप लाईन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षेप प्राधिकारी, चेंबूर पातालगंगा पाईप लाईन प्रकप नया पनवल, सिडको सेक्टर नं. 11, प्लाट नं. 12, तलमजला, रोड नं. 16 जिला रायगड पिन कोड 410 217, राज्य महाराष्ट्र को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा ।

और ऐसा आक्षेप हर व्यक्ति विनिर्दिष्टत यह ...कथन करे... कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप ... हो या ...सी विधि-व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची

भारत पेट्रोलियम कारपोरेशन ...टेड माहूल मुंबई से केराग्राम तक (पातालगंगा औद्योगिक क्षेत्र तालुका खालापार जिला रा...ड राज्य महाराष्ट्र पाईप लाईन. बिछाने के लिये।

ग्राम	सर्वे नं / गट नंबर	हिसा नंबर	क्षेत्र हेक्टेयर	आर.	सेंटयर
1	2	3	4		
ग्राम—अजिवली तालुका—पनवेल	69	0 पैकी	00	32	00
जिला—रायगड	70	0 पैकी	00	.50	00
राज्य—महाराष्ट्र	68	0 पैकी	00	23	50
	62	2 पैकी	00	42	00
	62	1 पैकी	00	01	00

1	2	3	4		
	63	2 पैकी	00	04	50
	63	1 पैकी	00	01	00
	61	0 पैकी	00	01	50
	60	2 पैक	00	09	50
	53	0 पैकी	00	01	00
	ओहाल (नाला) पैकी		00	08	00

[स. पी. 32015/12/90-वित्त :]

S.O. 3094.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Naptha/its return stream from Refinery Bharat Petroleum Corporation Ltd., Mahull Bombay to Village Kaira in Patalganga Industrial Area Taluka Khalapur District Raigad in Maharashtra State pipelines should be laid by the Chembur Patalganga Pipelines Ltd., Bombay;

And whereas, it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in land described in the schedule annexed thereto :

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum and Minerals, Pipelines (Acquisition of right of user in land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that, any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notificaion, object to the laying of the pipelines under the land to the Competent Authority, Chembur Patalganga Pipelines Project having his Office at New Panvel (CIDCO) Sector No. 11, Plot No. 12, Ground Floor, Road No. 16, District Raigad. Pin Code-410217, State Maharashtra.

And every person making such an objection shall state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

SCHEDULE

Pipe Line from Refinery of Bharat Petroleum Corporation Ltd. Mahul Bombay to Village Kaira in Patalganga Industrial Area Taluka Khalapur District Raigad in Maharashtra State.

Village	S. No. / Gat No.	Hissa No.	Area Hectare-Are-Centiare
1	2	3	4
Village—Ajivali	69	0 Part	00-32-00
Taluka-Panvel District-Raigad	70	0 Part	00-01-00
State-Maharashtra	68	0 Part	00-23-50
	62	2 Part	00-42-00
	62	1 Part	00-01-00
	63	2 Part	00-04-50
	63	1 Part	00-01-00
	61	0 Parrt	00-01-50
	60	2 Part	00-09-50
	53	0 Part	00-01-00
	Ohal (Nala) Part		00-08-00

[No. P-32015/12/90-Dist.]

का. आ. 3095 .—यत: केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि महाराष्ट्र राज्य में भारत पैट्रोलियम कॉर-पोरेशन लिमिटेड रिफाइनरी, माहूल-बम्बई से कैराग्राम तक (पातालगंगा औद्यो-

गिक क्षेत्र, तालुका खालापुर, जिला रायगड, राज्य महाराष्ट्र) तथा केराग्राम से माहूल, बम्बई तक नेफ्था के परिवहन के लिए दो पाईप लाइन चेंबूर पातालगंगा पाईप लाईन लिमिटेड, बम्बई द्वारा बिछायी जानी चाहिए।

और अतः यह प्रतीत होता कि ऐसी लाईनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाईप लाईन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाईप लाईन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, चेंबूर पातालगंगा पाईप लाईन्स प्रोजेक्ट नया पनवल सिडको सेंटर नं. 11, प्लाट नं. 12, तलमंजला, रोड नं. 16, जिला रायगड, पिन कोड 410 217, राज्य महाराष्ट्र को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि-व्यवसायी

अनुसूची

भारत पेट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड माहूल मुबई से केरा ग्राम तक (पातालगंगा औद्योगिक क्षेत्र तालुका खालापुर जिला रायगड राज्य महाराष्ट्र) पाईप लाईन बिछाने के लिये।

ग्राम	सर्वे नंबर / गट नम्बर	हिस्सा नंबर	क्षेत्र हैक्टेयर	आर	सेंटीयर
1	2	3	4		
ग्राम—सांगडे तालुका—पनवेल	ओहोल (नाला) पैकी		00	04	00
जिला—रायगड	94	0 पैकी	00	05	50
राज्य—महाराष्ट्र	95	0 पैकी	00	09	00
	96	1 पैकी	00	09	00
	96	2 पैकी	00	09	00
	97	0 पैकी	00	01	00
	109	0 पैकी	00	13	00
	110	1 पैकी	00	01	00
	113	0 पैकी	00	25	00
	111	0 पैकी	00	02	00
	112	2 पैकी	00	06	00
	112	2 अ पैकी	00	10	00
	112	2 ब पैकी	00	10	00
	114	3 पैकी	00	04	00
	117	0 पैकी	00	06	00
	121	0 पैकी	00	03	00
	122	0 पैकी	00	24	00
	123	0 पैकी	00	01	00
	124	1 पैकी	00	08	00
	124	2 पैकी	00	01	00
सांगडे (जारी)	141	11 अ (पैकी)	00	06	24
	141	11 पैकी			
	125	0 पैकी	00	07	50
	126	1 पैकी	00	05	50
	126	2 पैकी	00	01	00
	127	1 पैकी	00	01	00
	127	2 पैकी	00	03	50
	128	0 पैकी	00	12	00
	141	8 पैकी	00	03	00
	141	2 पैकी	00	18	00
	141	9 पैकी	00	01	00
	129	0 पैकी	00	03	06
	130	0 पैकी	00	04	00
	131	1 पैकी	00	12	00
	132	0 पैकी	00	02	06
	131	2 पैकी	00	11	50

[सं. पी-32015/13/90-वित्त.]

S.O. 3095.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Naptha/its return stream from Refinery Bharat Petroleum Corporation Ltd., Mahull Bombay to Village Kaira in Patalganga Industrial Area Taluka Khalapur District Raigad in Maharashtra State pipelines should be laid by the Chembur Patalganga Pipelines Ltd., Bombay:

And whereas, it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelinnes (Acquisition of right of user in land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that, any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notificaion, object to the laying of the pipelines under the land to the Competent Authority, Chembur Patalganga Pipelines Project having his Office at New Panvel (CIDCO) Sector No. 11, Plot No. 12, Ground Floor, Road No. 16, District Raigad, Pin Code-410217, State Maharashtra.

And every person making such an objection shall state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner

SCHEDULE

Pipe Line from Refinerv of Bharat Petroleum Corporation Ltd. Mahul Bombay to Village Kaira in Patalganga Industrial Area Taluka Khalapur District Raigad in Maharashtra State

Village	S No. / Gat No.	Hissa No.	Area Hectare-Are-Centiare
1	2	3	4
Village-Sangade	Ohal	Part	00-04-00
Taluka-Panvel	94	0 Part	00-05-50
District-Raigad	95	0 Part	00-09-00
State-Maharashtra	96	1 Part	00-09-00
	96	2 Part	00-09-00

1	2	3	4
	97	0 Part	00-01-00
	109	0 Part	00-13-00
	110	1 Part	00-01-00
	113	0 Part	00-25-00
	111	0 Part	00-02-00
	112	1 Part	00-06-00
	112	2A Part	00-10-00
	112	2B Part	00-10-00
	114	3 Part	00-04-00
	117	0 Part	00-06-00
	121	0 Part	00-03-00
	122	0 Part	00-24-00
	123	0 Part	00-01-00
	124	1 Part	00-08-00
	124	2 Part	00-01-00
Sangade	141	11A Part	00-06-25
	141	11 Part	
	125	0 Part	00-07-50
	126	1 Part	00-05-50
	126	2 Part	00-01-00
	127	1 Part	00-01-00
	127	2 Part	00-03-50
	128	0 Part	00-12-00
	141	8 Part	00-03-00
	141	2 Part	00-18-00
	141	9 Part	00-01-00
	129	0 Part	00-03-00
	130	0 Part	00-04-00
	131	1 Part	00-12-00
	131	0 Part	00-02-00
	131	2 Part	00-11-50

[No. P-32015/13/90-Dist.]

का.आ. 3096.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि महाराष्ट्र राज्य में भारत पेट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड रिफाइनरी, माहुल-बम्बई से कैरा ग्राम तक (पातालगंगा औद्योगिक क्षेत्र, तालुका खालापुर, जिला रायगढ़, राज्य महाराष्ट्र) तथा कैरा ग्राम से माहुल, बम्बई तक नेफ्था के परिवहन के लिए दो पाईप लाइन चेंबूर पातालगंगा पाईप लाईन लिमिटेड, बम्बई द्वारा बिछायी जानी चाहिए।

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाईनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्पाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाईप लाईन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाईप लाईन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, चेंबूर पातालगंगा पाईप लाईन्स प्रकल्प नया पनवेल, सिडको सेक्टर नं. 11, प्लाट नं. 12, तलमजला रोड नं. 16 जिला रायगढ़ पिन कोड 410 217, राज्य महाराष्ट्र को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि-व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची

भारत पेट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड माहुल मुम्बई से कैरा ग्राम तक (पातालगंगा औद्योगिक क्षेत्र तालुका खालापुर/जिला रायगढ़ राज्य महाराष्ट्र, पाईप लाईन बिछाने के लिए,

ग्राम	सर्वे नम्बर / गेट नम्बर	हिस्सा नम्बर	क्षेत्र हेक्टेयर	आर	सेन्टीयर
ग्राम—बोर्ले	ओहोल (नाला)	0 पैकी	00	04	00
तालुका—पनवेल					
जिला—रायगढ़	111	0 पैकी	00	01	00
राज्य—महाराष्ट्र	109	0 पैकी	00	20	00
	110	0 पैकी	00	02	25
	107	0 पैकी	00	00	50

[सं० पी०-32015/14/90 वित

S.O. 3096.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Naptha/its return stream from Refinery of Bharat Petroleum Corporation Ltd., Mahul Bombay to Village Kaira in Patalganga Industrial Area Taluka-Khalapur District-Raigad in Maharashtra State pipelines should be laid by the Chembur Patalganga Pipelines Ltd., Bombay;

And whereas, it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of right of user in land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein :

Provided that, any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipelines under the Land to the Competent Authority, Chembur Patalganga Pipelines Project having his Office at New Panvel (CIDCO) Sector No. 11, Plot No. 12, Ground Floor. Road No. 16, District Raigad, Pin Code-410217, State Maharashtra :

And Every person making such an objection shall state specifically, whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

SCHEDULE

Pipe Line from Refinery of Bharat Petroleum Corporation Ltd., Mahul Bombay to Village Kaira in Patalganga Industrial Area Taluka Khalapur District Raigad in Maharashtra State.

Village	S. No. Gat No.	Hissa No.	Area Hectare-Are-Ventiare
1	2	3	4
Village-Borle	Ohal (Nala)	Part	00-04-00
Taluka-Panvel	111	0 Part	00-01-00
District-Raigad	109	0 Part	00-20-00
State-Maharastra	110	0 Part	00-02-25
	107	0 Part	00-00-50

[No. P-32015/14/90-Dist.]

का.आ. 3097.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि महाराष्ट्र राज्य में भारत पेट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड रिफाइनरी, माहुल-बम्बई कैरा ग्राम तक (पातालगंगा औद्योगिक क्षेत्र, तालुका खालापुर, जिला रायगढ़, राज्य महाराष्ट्र) तथा कैरा ग्राम से माहुल, बम्बई तक नेफ्था के परिवहन के लिए दो पाईप लाईन चेम्बूर पातालगंगा पाईप लाईन लिमिटेड, बम्बई द्वारा बिछायी जानी चाहिए।

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाईनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्पाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाईप लाईन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाईप लाईन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, चेंबूर पातालगंगा पाईप लाइन्स प्रकल्प नया पनवेल, सिडको सेक्टर नं. 11, प्लाट नं. 12, तलमजला, रोड नं. 16 जिला रायगढ़ पिन कोड 410 217, राज्य महाराष्ट्र को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि-व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची

भारत पेट्रोलियम कार्पोरेशन लिमिटेड माहुल मुम्बई से कैरा ग्राम तक (पातालगंगा औद्योगिक क्षेत्र तालुका खालापुर, जिला रायगढ़ राज्य महाराष्ट्र) पाईप लाईन बिछाने के लिए।

ग्राम	सर्वे नम्बर / गट नम्बर	हिस्सा नम्बर	क्षेत्र हेक्टेयर	आर.	सेंटीयर
1	2	3	4		
ग्राम-चिखले तालुका-पनवेल	ओहोल (नाला)		00	13	00
जिला-रायगढ़	58	0 पैकी	00	06	00
राज्य-महाराष्ट्र	60	5 पैकी	00	20	00
	60	2अ पैकी	00	05	00
	60	2ब पैकी	00	03	50
	58	0 पैकी	00	02	00
	74	2 पैकी	00	08	00
	74	1 पैकी	00	02	00
	73	6अ पैकी	00	14	00
	73	6ब पैकी	00	15	00
	73	2 पैकी	00	12	00
	73	3 पैकी	00	02	00
	77	4 पैकी	00	08	00
	77	5 पैकी	00	01	00
	77	3 पैकी	00	09	00
	77	2 पैकी	00	14	00
	पानी जाने का मार्ग	पैकी	00	02	00
	79	2 पैकी	00	12	00
	79	3 पैकी	00	06	25
	79	1 पैकी	00	13	00
	82	2 पैकी	00	01	00
	86	1 पैकी	00	02	00
	83	4 पैकी	00	12	50
	83	3 पैकी	00	09	00
	84	6 पैकी	00	06	00
	84	5 पैकी	00	13	00
	83	1 पैकी	00	01	00
	84	2अ पैकी	00	04	00
	84	2ब पैकी	00	05	00
	84	1 पैकी	00	15	00
	चिखले रास्ता	पैकी	00	02	00
	135	1 पैकी	00	42	00
	135	2 पैकी	00	10	00
	135	3 पैकी	00	06	00
	136	1 पैकी	00	02	00
	131	4 पैकी	00	12	00
	131	5 पैकी	00	01	00
	131	2 पैकी	00	03	00
	131	1 पैकी	00	08	00
	130	1/3 पैकी	00	15	00
	130	1/2 पैकी	00	06	00
	130	1/1 पैकी	00	17	00
	129	2अ पैकी	00	03	00
	129	2ब पैकी	00	07	00

[सं. पी.-32015/15/90-वित्त.]

S.O. 3097.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Naptha/its return stream from Refinery of Bharat Petroleum Corporation Ltd., Mahul Bombay to Village Kaira in Patalganga Industrial Area Taluka-Khalapur District-Raigad in Maharashtra State pipelines should be laid by the Chembur Patalgana Pipelines Ltd., Bombay ;

And whereas, it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of right of user in land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein ;

Provided that, any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipelines under the Land to the Competent Authority, Chembur Patalganga Pipelines Project having his Office at New Panvel (CIDCO) Sector No. 11, Plot No. 12, Ground Floor, Road No. 16, District Raigad, Pin Code-410 217, State Maharashtra;

And Every person making such an objection shall state specifically, whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

SCHEDULE

Pipe Line from Refinery of Bharat Petroleum Corporation Ltd. Mahul Bombay to Village Kaira in Patalganga Industrial Area Taluka Khalapur District Raigad in Maharastra State.

Village	S. No. / Gat No.	Hissa No.	Area Hectare-Are-Centiare
1	2	3	4
Village-Chikhale Taluka-Panvel	Ohal (Nala)	Part	00-13-00
District-Raigad	58	0 Part	00-06-00
State : Maharastra	60	5 Part	00-20-00
	60	2A Part	00-05-00
	60	2B Part	00-03-00
	58	0 Part	00-02-00
	74	2 Part	00-08-00
	74	1 Part	00-02-00
	73	6A Part	00-14-00
	73	6B Part	00-15-00

1	2	3	4
	73	2 Part	00-12-00
	73	3 Part	00-02-00
	77	4 Part	00-08-00
	77	5 Part	00-01-00
	77	3 Part	00-09-00
	77	2 Part	00-14-00
	Water Course	Part	00-02-00
	79	2 Part	00-12-00
	79	3 Part	00-06-25
	79	1 Part	00-13-00
	82	2 Part	00-01-00
Chikhale	86	1 Part	00-02-00
	83	4 Part	00-12-50
	83	3 Part	00-09-00
	84	6 Part	00-06-00
	84	3 Part	00-13-00
	83	1 Part	00-01-00
	84	2 A Part	00-04-00
	84	2B Part	00-05-00
	84	1 Part	00-15-00
	Chikhale Road	Part	00-02-00
	135	1 Part	00-42-00
	135	2 Part	00-10-00
	133	3 Part	00-06-00
	136	1 Part	00-02-00
	131	4 Part	00-12-00
	131	5 Part	00-01-00
	131	2 Part	00-03-00
	131	1 Part	00-08-00
	130	1/3 Part	00-15-00
	130	1/2 Part	00-06-00
	130	1/1 Part	00-17-00
	129	2A Part	00-03-00
	129	2B Part	00-07-00

[No. P-32015/15/90 Dist.]

का.आ. 3098.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि महाराष्ट्र राज्य में भारत पेट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड रिफाइनरी, माहुल-बम्बई से कैराग्राम तक (पातालगंगा औद्योगिक क्षेत्र, तालुका खालापुर, जिला रायगढ़, राज्य महाराष्ट्र-तथा कैराग्राम से माहुल, बम्बई तक नेफ्था के परिवहन के लिए दो पाईप लाईन चेंबूर पातालगंगा पाईप लाईन लिमिटेड, बम्बई द्वारा बिछायी जानी चाहिए ।

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाईनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदुपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाईप लाईन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है ।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाईप लाईन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, चेंबूर पातालगंगा पाईप लाइन्स प्रकल्प नया पनवेल, सिडको सैक्टर नं. 11, प्लाट नं. 12, तलम जला, रोड नं. 16 जिला रायगढ़ पिन कोड 410 217, राज्य महाराष्ट्र को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा ।

और ऐसा आक्षेप हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

अनुसूची

भारत पेट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड माहुल मुम्बई से कैरा ग्राम तक (पातालगंगा औद्योगिक क्षेत्र तालुका खालापुर, जिला रायगढ़ राज्य महाराष्ट्र पाईप लाईन बिछाने के लिए

ग्राम	सर्वे नम्बर / गट नम्बर	हिस्सा नम्बर	क्षेत्र हेक्टेयर	आर.	सेंटीयर
1	2	3	4		
ग्राम—शिवकर	79	4 पैकी	00	02	00
तालुका—पनवेल	78	1 पैकी	00	04	00
जिला—रायगढ़	79	3 पैकी	00	12	00
राज्य—महाराष्ट्र	80	0 पैकी	00	10	00
	81	0 पैकी	00	12	00
	87	0 पैकी	00	02	00
	90	1 पैकी	00	20	00
	90	2 पैकी	00	02	00
	91	0 पैकी	00	01	00
	92	0 पैकी	00	02	00
	89	2 पैकी	00	12	00
	89	1 पैकी	00	15	00
	93	0 पैकी	00	09	60
	94	0 पैकी	00	01	00
	95	0 पैकी	00	09	00
	95	0 पैकी	00	08	00
	95	0 पैकी	00	08	00
	129	0 पैकी	00	02	00
	148/1	2 पैकी	00	06	40
	148/2	1 पैकी	00	10	50
शिवकर	183	0 पैकी	00	15	00
	138	0 पैकी	00	01	00
	137	0 पैकी	00	01	00
	129	0 पैकी	00	06	40
	189	1 पैकी	00	01	00
	190	3 पैकी	00	08	00
	191	0 पैकी	00	06	50
	193	0 पैकी	00	02	50
	194	0 पैकी	00	05	60
	192	0 पैकी	00	01	00
	195	3 पैकी	00	02	00
	195	4 पैकी	00	09	00
	196	0 पैकी	00	02	00
	129	0 पैकी	00	20	00
	211	3 पैकी	00	03	50
	211	3 पैकी	00	14	00
	211	3 पैकी	00	03	50
	211	4 पैकी	00	16	00
	210	5 पैकी	00	02	00
	210	3 पैकी	00	20	00

1	2	3	4		
	210	1 पैकी	00	32	00
	258	1 पैकी	00	07	50
	258	1 पैकी	00	09	00
	258	1 पैकी	00	10	00
	258	2 पैकी	00	09	50
	258	2 पैकी	00	05	00
	263	0 पैकी	00	11	00
	264	0 पैकी	00	02	00
	262	0 पैकी	00	18	60
	261	0 पैकी	00	05	00
	शिवकर रास्ता	0 पैकी	00	02	00

[सं. पी-32015/16/90-वित्त]

S.O. 3098.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the trannsport of Naptha|its return stream from Refinery of Bharat Petroleum Corporation Ltd., Mahul Bombay to Village Kaira in Patalganga Industrial Area Taluka-Khalapur District-Raigad in Maharashtra State pipelines should be laid by the Chembur Patalganga Pipelines Ltd., Bombay ;

And whereas, it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of right of user in land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein ;

Provided that, any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipelines under the Land to the Competent Authority, Chembur Patalganga Pipelines Project having his Office at New Panvel (CIDCO) Sector No. 11, Plot No. 12, Ground Floor, Road No. 16, District Raigad, Pin Code-410217, State Maharashtra ;

And Every person making such an objection shall state specifically, whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

SCHEDULE

Pipe Line from Refinery of Bharat Petroleum Corporation Ltd. Mahul Bombay to Village Kaira in Patalganga Industrial Area Taluka Khalapur District Raigad in Maharashtra State.

Village	S. No. Gat No.	Hissa No.	Area Hectare-Are-Centiare
1	2	3	4
Village-Shivkar			
Taluka-Panvel	79	4 Part	00-02-00
District-Raigad	78	1 Part	00-04-00
State-Maharashtra	79	3 Part	00-12-00
	80	0 Part	00-10-00
	81	0 Part	00-12-00
	87	0 Part	00-02-00
	90	1 Part	00-20-00
	90	2 Part	00-02-00
	91	0 Part	00-01-00
	92	0 Part	00-02-00
	89	2 Part	00-12-00

1	2	3	4
Shivkar	89	1 Part	00-15-00
	93	0 Part	00-09-60
	94	0 Part	00-01-00
	95	0 Part	00-09-00
	95	0 Part	00-08-00
	95	0 Part	00-08-00
	129	0 Part	00-02-00
	148	2 Part	00-06-40
	—— 1		
	148	1 Part	00-10-50
	—— 1		
	183	0 Part	00-15-00
	138	0 Part	00-01-00
	137	0 Part	00-01-00
	129	0 Part	00-06-40
	189	1 Part	00-01-00
	190	3 Part	00-08-00
	191	0 Part	00-06-50
	193	0 Part	00-02-50
	194	0 Part	00-05-60
	192	0 Part	00-01-00
	195	3 Part	00-02-00
	195	4 Part	00-09-00
	196	0 Part	00-02-00
	129	0 Part	00-20-00
	211	3 Part	00-03-50
	211	3 Part	00-14-00
	211	3 Part	00-03-50
	211	4 Part	00-16-00
	210	5A Part	00-02-00
	210	3 Part	00-20-00
	210	1 Part	00-32-00
	258	1 Part	00-07-50
	258	1 Part	00-09-00
	258	1 Part	00-10-00
	258	2 Part	00-09-50
	258	2 Part	00-05-00
	263	0 Part	00-11-00
	264	0 Part	00-02-00
	262	0 Part	00-18-60
	261	0 Part	00-05-00
	Shivkar Road	o Part	00-02-00

[No. P. 32015/16/90-Dist.)

का.आ. 3099—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित मे यह आवश्यक है कि महाराष्ट्र राज्य में भारत पैट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड रिफाइनरी, माहुल-बम्बई से कैराग्राम तक (पातालगंगा औद्योगिक क्षेत्र, तालुका खालापुर, जिला रायगढ़, राज्य महाराष्ट्र) तथा कैराग्राम से माहुल, बम्बई तक नेफ्था के परिवहन के लिये दो पाईप लाईन चेबूंर पातालगंगा पाईप लाईन लिमिटेड, बम्बई द्वारा बिछायी जानी चाहियें ।

और अतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाईनों को बिछाने के प्रयोजन के लिये एतदुपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ।

अतः अब पैट्रोलियम और खनिज पाईप लाईन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है ।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाईप लाईन बिछाने के लिये आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, चेंबूर पातालगंगा पाईप लाईन प्रकल्प नया पनवेल, सिडको सैक्टर नं. 11, प्लाट नं. 12 तलमजला, रोड नं. 16 जिला रायगढ़ पिन कोड 410 217, राज्य महाराष्ट्र को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि-व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची

भारत पैट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड माहुल मुंबई से कैरा ग्राम तक (पातालगंगा औद्योगिक क्षेत्र तालुका खालापुर जिला रायगढ़ राज्य महाराष्ट्र) पाईप लाईन बिछाने के लिये।

ग्राम	सर्वे नंबर / गट नंबर	हिस्सा नंबर	क्षेत्र हैक्टेयर	आर	सेन्टेयर
1	2	3	4		
ग्राम-विचुंबे तालुका-पनवेल जिला-रायगढ़ राज्य-महाराष्ट्र	72	0 पैकी	00	02	00

[सं. पी.-32015/17/90-वित]

S.O. 3099.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the trannsport of Naptha|its return stream from Refinery of Bharat Petroleum Corporation Ltd., Mahul Bombay to Village Kaira in Patalganga Industrial Area Taluka-Khalapur District-Raigad in Maharashtra State pipelines should be laid by the Chembur Patalganga Pipelines Ltd., Bombay ;

And whereas, it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum and Mine-Pipelines (Acquisition of right of user in land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein ;

Provided that, any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipelines under the Land to the Competent Authority, Chembur Patalganga Pipelines Project having his Office at New Panvel (CIDCO) Sector No. 11, Plot No. 12, Ground Floor, Road No. 16, District Raigad, Pin Code-410217, State Maharashtra ;

And Every person making such an objection shall state specifically, whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

SCHEDULE

Pipe Line from Refinery of Bharat Petroleum Corporation Ltd. Mahul Bombay to village Kaira in Patalganga Industrial Area Taluka Khalapur District Raigad in Maharashtra State

Village	S.No. / Gat No	Hissa No	Area Hect	Are	Centriare
1	2	3	4		
Village—Vichumbe Taluka—Panvel District—Raigad State—Maharashtra	72	O Part	00	02	00

[No. P-32015/17/90 -Distt]

का.आ. 3100 यत: केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि महाराष्ट्र राज्य में भारत पैट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड रिफाइनरी, माहुल-बम्बई से कैराग्राम तक (पातालगंगा औद्योगिक क्षेत्र, तालुका खालापुर, जिला रायगढ़, राज्य महाराष्ट्र) तथा कैराग्राम से माहुल, बम्बई तक नेफ्था के परिवहन के लिये दो पाईप लाईन चेंबूर पातालगंगा पाईप लाईन लिमिटेड, बम्बई द्वारा बिछाई जानी चाहिये।

और अतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाईनों को बिछाने के प्रयोजन के लिये एतदुपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पैट्रोलियम और खनिज पाईप लाईन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाईप लाईन बिछाने के लिये आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, चेंबूर पातालगंगा पाईप लाईन प्रकल्प नया पनवेल, सिडको सैक्टर नं. 11, प्लाट नं. 12 तलमजला, रोड नं. 16 जिला रायगढ़ पिन कोड 410 217, राज्य महाराष्ट्र को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि-व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची

भारत पैट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड माहुल मुंबई से कैरा ग्राम तक (पातालगंगा औद्योगिक क्षेत्र तालुका खालापुर जिला रायगढ़ राज्य महाराष्ट्र) पाईप लाईन बिछाने के लिये

ग्राम	सर्वे नंबर / गट नंबर	हिस्सा नंबर	क्षेत्र हैक्टेयर	आर	सेन्टेयर
1	2	3	4		
ग्राम-वेवद	101	0 पैकी	00	14	50
तालुका-पनवेल	78	0 पैकी	00	05	60
जिला-रायगढ़	102	0 पैकी	00	09	00
राज्य-महाराष्ट्र	78	0 पैकी	00	86	40
	74	0 पैकी	00	01	00
	70	0 पैकी	00	17	00
	75	0 पैकी	00	12	00
	69	3 पैकी	00	44	00
	69	4 पैकी	00	04	00
	69	7 पैकी	00	04	00
	68	0 पैकी	00	10	00

[सं. पी-32015/18/90 वित्त]

S.O. 3100.—Whereas it appears to the Centdal Government that it is necessary in the public interest that for the trausport of Natha|its return stream from Rtfinery of Bharat Petroleum Corporation Ltd., Mahul Bombay to Village Kaira in Patalganga Industrial Area Taluka-Khalapur District-Raigad in Maharashtra State pipelines should be laid by the Chembur Patalgana Pipelines Ltd., Bombay ;

And whereas, it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of right of user in land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein ;

Provided that, any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipelines under the Land to the Competent Authority, Chembur Patalganga Pipelines Project having his Office at New Panvel (CIDCO) Sector No. 11, Plot No. 12, Ground Floor, Road No. 16, District Raigad, Pin Code-410217, State Maharashtra ;

And Every person making such an objection shall state specifically, whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

SCHEDULE

Pipe Line from Refinery of Bharat Petroleum Corporation Ltd. Mahul Bombay to Village Kaira in Patalganga Industrial Area Taluka Khalapur District Raigad in Maharashtra State.

Village	S.No. Gat No.	Hiss No.	Area Hect.	Are	Centiare
1	2	3	4		
Village—Devad					
Taluka—Panvel	101	0 part	00	14	50
District—Raigad	78	0 part	00	05	60
State—Maharashtra	102	0 Part	00	09	00
	78	0 part	00	86	40
	74	0 part	00	01	00
	70	0 part	00	17	00
	75	0 part	00	12	00
	69	3 part	00	44	00
	69	4 part	00	04	00
	69	7 part	00	04	00
	68	0 part	00	10	00

[No. P-32015/18/90-Dist.]

का.आ. 3101.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि महाराष्ट्र राज्य में भारत पेट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड रिफाइनरी, माहुल-बम्बई से कैराग्राम तक (पातालगंगा औद्योगिक क्षेत्र, तालुका खालापुर, जिला रायगढ़, राज्य महाराष्ट्र) तथा कैराग्राम से माहुल, बम्बई तक नेफ्था के परिवहन के लिये दो पाईप लाईन चेंबूर पातालगंगा पाईप लाईन लिमिटेड, बम्बई द्वारा बिछाई जानी चाहिये।

और अत यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाईनों को बिछाने के प्रयोजन के लिये एतदुपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पैट्रोलियम और खनिज पाईप लाईन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है ।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाईप लाईन बिछाने के लिये आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, चैंबूर पातालगंगा पाईप लाईन प्रकल्प नया पनवेल, सिडको सैक्टर नं. 11, प्लाट नं. 12 तलमजला, रोड नं. 16 जिला रायगढ़, पिन कोड 410 217, राज्य महाराष्ट्र को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि-व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची

भारत पैट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड माहुल मुंबई से कैरा ग्राम तक (पातालगंगा औद्योगिक क्षेत्र तालुका खालापुर जिला रायगढ़ राज्य महाराष्ट्र) पाईप लाईन बिछाने के लिये

ग्राम	सर्वे नंबर गट नंबर	हिस्सा नंबर	क्षेत्र हेक्टेयर	आर	सेन्टेयर
1	2	3	4		
ग्राम—आकुर्ली	गाधी नदी	पैकी	00	10	00
तालुका—पनवेल	99	4अ 1 पैकी	00	07	00
जिला—रायगढ़	99	4अ 2 पैकी	00	08	00
राज्य—महाराष्ट्र					

[सं. पी-32015/19/90-वित]

S.O. 3101.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Naptha|its return stream from Refinery of Bharat Petroleum Corporation Ltd., Mahul Bombay to Village-Kaira in Patalganga Industrial Area Taluka-Khalapur District-Raigad in Maharashtra State pipelines should be laid by the Chembur Patalganga Pipelines Ltd., Bombay ;

And whereas, it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of right of user in land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein ;

Provided that, any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipelines under the Land to the Competent Authority, Chembur Patalganga Pipelines Project having his Office at New Panvel (CIDCO) Sector No. 11, Plot No. 12, Ground Floor, Road No. 16, District Raigad, Pin Code-410217, State Maharashtra ;

And Every person making such an objection shall state specifically, whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

SCHEDULE

Pipeline Line from Refinery of Bharat Petroleum Corporation Ltd. Manul Bombay to Village Kaira in Patalganga Industrial Area Taluk Khalapur District Raigad in Maharastra State.

Village	S.No. Gat No.	Hissa No.	Area Hect.	Are	Centiare
1	2	3	4		
Village—Akurli	Gadhi	Part	00	10	00
Taluka—Panvel	River	4A 1 part	00	07	00
District—Raigad	09	4A 2 part	00	08	00
State—Maharastra					

[No. P-32015/19/90-Dist.]

का.आ.—3102 यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि महाराष्ट्र राज्य में भारत पैट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड, रिफाइनरी, माहूल-मुंबई से कैराग्राम तक पातालगंगा औद्योगिक क्षेत्र, तालुका खालापुर, जिला रायगढ़ राज्य महाराष्ट्र तथा कैराग्राम से माहूल, बम्बई तक नेफ्था के परिवहन के लिये वो पाइप लाइन चेंबूर पातालगंगा पाइप लाइन लिमिटेड, बम्बई द्वारा बिछायी जानी चाहिये।

और अतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिये एतदपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पैट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिये आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, चेंबूर पातालगंगा पाइप लाइन्स प्रकल्प नया पनवेल, सिडको सैक्टर नं. 11, प्लाट नं. 12, तलमजला, रोड नं. 16 जिला रायगढ़ पिन कोड-410 217, राज्य महाराष्ट्र को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि-व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची

भारत पैट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड माहूल मुंबई से कैरा ग्राम तक (पातालगंगा औद्योगिक क्षेत्र तालुका खालापुर जिला रायगढ़ राज्य महाराष्ट्र) पाईप लाईन बिछाने के लिये

ग्राम	सर्वे नंबर / गट नंबर	हिस्सा नंबर	क्षेत्र हैक्टेयर	आर	सेन्टेयर
1	2	3	4		
ग्राम-शिलोत्तर रायचूर	12अ	1 पैकी	00	05	00
तालुका-पनवेल	23	0 पैकी	00	12	00
जिला-रायगढ़ राज्य-महाराष्ट्र	पुराना नेरा रोड	पैकी	00	03	00
	24	0 पैकी	00	12	50
	32	0 पैकी	00	06	50
	31	1 पैकी	00	02	25
	31	2 पैकी			
	35	0 पैकी	00	04	50
	36	1 पैकी	00	05	00
	36	2 पैकी	00	03	00
	38	0 पैकी	00	10	00
	2	0 पैकी	00	01	00
	1	2 पैकी	00	03	50
	1	1 पैकी	00	08	50
	42	1 अ पैकी	00	04	00
	42	2 पैकी	00	18	00
	42	3 पैकी	00	06	75
	42	5 पैकी	00	01	50
	44	0 पैकी	00	02	00
	पनवेल से माथेरन रोड	पैकी	00	02	00
	45	2 अ पैकी	00	11	00
	45	1/2 पैकी	00	05	00
	45	18 पैकी	00	49	00

[सं. पी-32015/20/90-वित्त]

S.O. 3102.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Naptha/its return from Refinery to Bharat Petroleum Corporation Ltd., Mahul Bombay to Village Kaira in *Patalganga Industrial Area Taluka-Khalapur District-Raigad* in Maharashtra State pipelines should be laid by the Chembur Patalgana Pipelines Ltd., Bombay ;

And whereas, it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of right of user in land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein ;

Provided that, any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipelines under the Land to the Competent Authority, Chembur Patalgana Pipelines Project having his Office at New Panvel (CIDCO) Sector No. 11, Plot No. 12, Ground Floor, Road No. 16, District Raigad, Pin Code-410 217, State Maharashtra ;

And Every person making such an objection shall state specifically, whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

SCHEDULE

Pieele Line from Refinery of Bharat Petroleum Corporation Ltd. Mahul Bombay to Village Kaira in Patalganga Industrial Area Taluka Khalapur District Raigad in Maharashtra State.

Village	S.No. / Gat No.	Hissa No.	Area Hect.	Are	Cent.
1	2	3	4	5	
Village—Shilottar Raichur					
Taluka—Panvel	12A	1 part	00	05	00
District—Raigad	23	0 Part	00	12	00
State—Maharashtra	Old Nera Road.	part	00	03	00
	24	0 Part	00	12	50
	32	0 Part	00	06	50
	31	1 part	00	02	25
	31	2 part			
	35	0 part	00	04	50
	36	1 part	00	05	00
	36	2 part	00	03	00
	38	0 part	00	10	00
	2	0 part	00	01	00
	1	2 part	00	03	50

1	2	3	4		
Shilottar Raichur	1	1 Part	00	08	50
	42	1A Part	00	04	00
	42	2 Part	00	18	00
	42	3 Part	00	06	75
	42	5 Part	00	01	50
	44	0 Part	00	02	00
	Panvel to Mathrn Road.	Part	00	02	00
	45	2A Part	00	11	00
	45	1/2 Part	00	05	00
	45	18 Part	00	49	00

[No. P-32015/20/90-Distt.]

का.आ. 3103 :– यत: केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि महाराष्ट्र राज्य में भारत पैट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड रिफाइनरी, माहुल-बम्बई से कैराग्राम तक (पातालगंगा औद्योगिक क्षेत्र, तालुका खालापुर, जिला रायगढ़, राज्य महाराष्ट्र) तथा कैराग्राम से माहुल, बम्बई तक नेफथा के परिवहन के लिए दो पाईप लाइन चेंबूर पातालगंगा पाईप लाइन लिमिटेड, बम्बई द्वारा बिछायी जानी चाहिए।

और अत: यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अत: अब पैट्रोलियम और खनिज पाईप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद द्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि मे हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाईप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, चेंबूर पातालगंगा पाईपलाइन्स प्रकल्प नया पनवेल, सिडको सैक्टर नं 11, प्लाट नं 12, तलमंजला, रोड नं. 16 जिला रायगढ़ पिन कोड 410217, राज्य महाराष्ट्र को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप हर व्यक्ति विनिर्दिष्टत: यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि-व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची

भारत पट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड माहुल मुम्बई से करा ग्राम तक (पातालगंगा औद्योगिक क्षेत्र तालुका खालापुर जिला रायगढ़ राज्य महाराष्ट्र) पाईप लाईन बिछाने के लिए।

ग्राम	सर्वे नंबर गट नंबर	हिस्सा नंबर	क्षेत्र हैक्टर	आर	सेन्टेयर
1	2	3	4		
ग्राम–पालीदेवद	37	1 पैकी	00	09	00
तालुका-पनवेल	31	0 पैकी	00	09	50
जिला–रायगढ़	28	2 पैकी	00	23	00
राज्य–महाराष्ट्र	29	0 पैकी	00	02	00
	22	2 पैकी	00	12	00
	26	0 पैकी	00	05	00
	25	1 पैकी	00	03	00
	24	1 पैकी	00	05	00
	33	0 पैकी	00	20	25
	22	1/1 पैकी	00	01	00
	21अ	7 बी पैकी	00	01	00
	पनवेल बायपास रोड पैकी 23		00	12	00
	28	2 पैकी	00	00	54
	37	1 पैकी	00	01	35
	27	0 पैकी	00	00	80
	28	1 पैकी	00	02	20

[सं. पी-32015/21/90 वित्त]

S.O. 3103.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Naptha/its return stream from Refinery of Bharat Petroleum Corporation Ltd., Mahul Bombay to Village Kaira in Patalganga Industries Area Taluka-Khalapur District-Raigad in Maharashtra State pipelines should be laid by the Chembur Patalgana Pipelines Ltd., Bombay ;

And whereas, it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of right of user in land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein ;

Provided that, any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipelines under the Land to the Competent Authority, Chembur Patalganga Pipelines Project having his Office at New Panvel (CIDCO) Sector No. 11, Plot No. 12, Ground Floor, Road No. 16, District Raigad, Pin Code-410217, State Maharashtra ;

And Every person making such an objection shall state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

SCHEDULE

Pipeline from Refinery of Bharat Petroleum Corporation Ltd. Mahul Bombay to Village Kaira in Patalganga Industrial Area Taluka Khalapur District Raigad in Maharashtra State.

Village	S.No. Gat No.	Hissa No.	Area Hectare	Are	Centiare
1	2	3	4		
Village—Palidevad	37	1 Part	00	09	00
Taluka—Panvel	31	0 Part	00	09	50
District— Raigad	28	2 Part	00	23	00
State— Maharashtra	29	0 Part	00	02	00
	22	2 Part	00	12	00
	26	0 Part	00	05	00
	25	1 Part	00	03	00
	24	1 Part	00	05	00
	23	0 Part	00	20	25
	22	1/1 Part	00	01	00
	21A	7 B Part	00	01	00
	Panvel by pass 23	Part	00	12	00
	28				
	28	2 Part	00	00	54
	37	1 Part	00	01	35
	27	0 Part	00	00	80
	28	1 Part	00	02	20

[No. P.-32015/21/90-Dist.]

का.आ. 3104 :—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि महाराष्ट्र राज्य में भारत पैट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड रिफाइनरी, माहुल-बम्बई से कैरा ग्राम तक (पातालगंगा औद्योगिक क्षेत्र, तालुका खालापुर, जिला रायगढ़, राज्य महाराष्ट्र) तथा कैराग्राम से माहुल, बम्बई तक नेपथा के परिवर्तन के लिए पाईप लाइन चेंबूर पातालगंगा पाइप लाइन लिमिटेड, बम्बई द्वारा बिछायी जानी चाहिए ;

और अतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्पाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ;

अतः अब पैट्रोलियम और खनिज पाईप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है ;

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाईप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, चेंबूर पातालगंगा पाईप लाइन्स प्रकल्प तथा पनवेल, (सिडको) सेक्टर 11, प्लाट नं० 12, तलमजला, रोड नं० 16 जिला रायगड पिन कोड 410 217, राज्य महाराष्ट्र को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा ;

और ऐसा आक्षेप कर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि-व्यवसायी की मार्फत ।

अनुसूची

भारत पैट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड माहुल मुंबई से कैरा ग्राम तक (पातालगंगा औद्योगिक क्षेत्र तालुका खालापुर जिला रायगढ राज्य महाराष्ट्र) पाइपलाइन बिछाने के लिए ।

ग्राम	सर्वे नंबर गट नंबर	हिस्सा नंबर	क्षेत्र हैक्टेयर	आर	सेन्टेयर
1	2	3	4		
ग्राम—आदई	117	10ब पैकी	00	14	00
तालुका—पनवेल	117	4ब पैकी	00	01	00
जिला-रायगढ़	117	9+10 अ पैकी		01	00
राज्य-महाराष्ट्र	117	6 पैकी	00	02	00
	117	2+3+7 पैकी		02	50
	127+128	प्लाट नं. 3 पैकी	00	01	00
	127+128	प्लाट नं. 6 पैकी	00	01	00
	127+128	प्लाट नं. 4 पैकी	00	04	00
	आदई रास्ता	पैकी	00	02	50
	129	1 पैकी	00	22	00
	129	2 पैकी	00	03	00
	129	3 पैकी	00	02	00
	129	4 पैकी	00	01	00
	132	5 पैकी		13	00
	132	2 पैकी	00	01	00
	132	6 पैकी	00	08	00
	132	1 पैकी	00	10	00
	130	3 पैकी	00	01	00
	133	3 पैकी	00	10	00
	133	2ड पैकी	00	05	00
	133	1 पैकी	00	10	00
	133	2अ पैकी	00	01	00
	131	1 पैकी	00	29	00
	6	1+2+4 पैकी	00	10	75
	7	0 पैकी	00	01	00

[सं. पी. 32015/22/90-वित्त]

S.O. 3104.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Naptha/its return stream from Refinery of Bharat Petroleum Corporation Ltd., Mahul Bombay to Village Kaira in Patalganga Industrial Area Taluka-Khalapur District-Raigad in Maharashtra State pipelines should be laid by the Chembur Patalganga Pipelines Ltd., Bombay;

And whereas, it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of right of user in land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein ;

Provided that, any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipelines under the Land to the Competent Authority, Chembur Patalganga Pipelines Project having his Office at New Panvel (CIDCO) Sector No. 11, Plot No. 12, Ground Floor, Road No. 16, District Raigad, Pin Code-410217, State Maharashtra ;

And Every person making such an objection shall state speciafically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

SCHEDULE

Pipe line from Refinery of Bharat Petroleum Corporation Ltd. Mahul Bombay to Village Kaira in Patalganga Industrial Area Taluka Khalapur District Raigad in Maharashtra State.

Village	S. No. Gat No.	Hissa No	Area Hectare	Are	Centiare
1	2	3	4		
Village—Adai	117	10B Part	00	14	00
Taluka—Panvel	117	4B Part	00	01	00
District—Raigad					
State—Maharashtra	117	9+10 A Part	00	01	00
	117	6 Part	00	02	00
	117	2+3+7 Part	00	02	50
	127+128	Plot No. 3 Part	00	01	00
	127+128	Plot No. 6 Part	00	01	00
	127+128	Plot No. 4 Part	00	04	00
	Adai Road.		00	02	50
	129	1 Part	00	22	00
	129	2 Part	00	03	00
	129	3 Part	00	02	00
	129	4 Part	00	01	00
	130	3 Part	00	01	00
	132	5 Part	00	13	00
	132	2 Part	00	01	00
	132	6 Part	00	08	00
	132	1 Part	00	10	00
	133	3 Part	00	10	00
	133	2D Part	00	05	00
	131	1 Part	00	29	00
	133	1 Part	00	10	00
	133	2A Part	00	01	00
	6	1+2+4 Part	00	10	75
	7	0 Part	00	01	00

[No. P-32015/22/90-Dist.

का. आ. 3105.—यत: केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि महाराष्ट्र राज्य में भारत पैट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड रिफाइनरी, माहूल-बम्बई से कैराग्राम तक (पातालगंगा औद्योगिक क्षेत्र तालुका खालापुर, जिला रायगड, राज्य महाराष्ट्र) तथा कैराग्राम से माहूल, बम्बई तक द्वारा नैफथा के परिवहन के लिए दो पाईप लाइन चेंबूर पातालगंगा पाईपलाईन लिमिटेड बम्बई द्वारा बिछायी जानी चाहिए।

और यत: यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाईनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्पाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अत: अब पैट्रोलियम और खनिज पाईप लाईन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50 की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाईप लाईन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, चेंबूर पातालगंगा पाईप लाइन्स प्रकल्प नया पनवेल, सिडको सैक्टर नं. 11, प्लाट नं. 12, तलमजला, रोड नं. 16, जिला रायगड़ पिन कोड 410 217, राज्य महाराष्ट्र को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों की भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप हर व्यक्ति विनिर्दिष्टत : यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत

अनुसूची

भारत पैट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड रिफायनरी माहूल (मुंबई) से कैराग्रामतक (पातालगंगा औद्योगिक क्षेत्र तालुका खालापुर जिला रायगड़ राज्य महाराष्ट्र पाईप लाईन बिछाने के लिये

ग्राम	सर्व्हे नंबर / गट नंबर	हिस्सा नंबर	सिटी सर्व्हे नंबर	क्षेत्र हेक्टेयर	आर	सेन्टेयर
1	2	3	4	5		
ग्राम —तुर्भे (ट्राम्बें),	152 अ	0 पैकी	1 पैकी	00	12	80
तालुका—कुर्ला	मिठागर	पैकी	2 पैकी	00	49	60
	पेस्तमशहा					
जिला —बंबई उपनगर जिला						
राज्य—महाराष्ट्र	152 अ	पैकी	1 पैकी	00	27	20
	मिठागर संतुतान	पैकी	2 पैकी	00	27	00
	152 अ	0 पैकी	1 पैकी	00	12	60

[सं पी–32015/23/90–वित्त]

S.O. 3105.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Naptha/its return stream from Refinery of Bharat Petroleum Corporation Ltd., Mahul Bombay to Village Kaira in Patalganga Industrial Area Taluka-Khalapur District-Raigad in Maharashtra State pipelines should be laid by the Chembur Patalgana Pipelines Ltd., Bombay ;

And whereas, it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of right of user in land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein ;

Provided that, any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipelines under the Land to the Competent Authority, Chembur Patalgana Pipelines Project having his Office at New Panvel (CIDCO) Sector No. 11, Plot No. 12, Ground Floor, Road No. 16, District Raigad, Pin Code-410217, State Maharashtra ;

And Every person making such an objection shall state specifically, whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

SCHEDULE

Pipe Line from Refinery of Bharat Petroleum Corporation Ltd. Mahul Bombay to Village Kaira in Patalganga Industrial Area Taluka Khalapur District Raigad in Maharathtra State.

Village	S. No. / Gat No.	Hissa No.	CTS No.	Area Hectare	Are	Centiare
1	2	3	4	5		
Village — Turbhe (Trombay)	152 A	0 Part	1 Part	00	12	80
Taluka — Kurla	Mithagar Pestanshaha	Part	2 Part	00	49	60
District—Bombay Subarban District	152 A	Part	1 Part	00	27	20
State—Maharashtra						
	Mithagar Santutan	Part		00	27	00
	152 A	0 Part	1 Part	00	12	60

[No. P-32015/23/90-Dist.]

का. आ. 3106—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि महाराष्ट्र राज्य में भारत पैट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड रिफाइनरी, माहुल-बम्बई से कैराग्राम तक (पातालगंगा औद्योगिक क्षेत्र, तालुका खालापुर, जिला रायगढ़, राज्य महाराष्ट्र) तथा कैराग्राम से माहुल बम्बई तक नेफथा के परिवहन के लिए दो पाईप लाइन चेंबूर पातालगंगा पाईप लाईन लिमिटेड, बम्बई द्वारा बिछायी जानी चाहिए।

और अतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाईनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदुपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पैट्रोलियम और खनिज पाईप लाईन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाईप लाईन बिछाने के लिए आक्षेप प्राधिकारी चेंबूर पातालगंगा पाईप लाइन्स प्रकल्प नया पनवल, सिडको सैक्टर नं. 11, प्लाट नं. 12, नलमजला रोड नं., 16 जिला रायगढ़ पिन कोड 410 217, राज्य महाराष्ट्र को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची

भारत पैट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड रिफायनरी माहूल (मुंबई) से कैराग्राम तक (पातालगंगा औद्योगिक क्षेत्र तालुका खालापुर जिला रायगढ़ राज्य महाराष्ट्र पाईप लाईन बिछाने के लिये।

ग्राम	सर्वे नंबर गट नंबर	हिस्सा नंबर	सिटी सर्वे नंबर	क्षेत्र हेक्टयर	आर	सेन्टेयर
1	2	3	4	5		
ग्राम—मंडाले तालुका—कुर्ला	89	1(1) पैकी	2 पैकी	00	94.	00
जिला—बंबई उपनगर जिला	88	पैकी	1 पैकी	00	14	40
राज्य—महाराष्ट्र	90	1 पैकी	3 पैकी	00	38	80
	91	1/1 पैकी	5 पैकी	00	69	40
	88	पैकी	1 पैकी	00	04	40
	88	पैकी	1 पैकी	00	10	00
	क्रीक (खाड़ी)					
	80	0 पैकी	6/1 पैकी	00	62	00
	80	0 पैकी	6/1 पैकी	00	72	00
	80	0 पैकी	6/1 पैकी	00	20	00
	80	0 पैकी	6/1 पैकी	00	40	00
	80	0 पैकी	6/1 पैकी	00	07	40
	(घाटकोपर रोड)					

[सं. पी.-32015/24/90-वित्त]

S.O. 3106.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Naptha return stream from Refinery of Bharat Petroleum Corporation Ltd., Mahul Bombay to Village Kaira in Patalganga Industrial Area Taluka-Khalapur District-Raigad in Maharashtra State pipelines should be laid by the Chembur Patalganga Pipelines Ltd., Bombay ;

And whereas, it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of right of user in land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein ;

Provided that, any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipelines under the Land to the Competent Authority, Chembur Patalganga Pipelines Project having his Office at New Panvel (CIDCO) Sector No. 11, Plot No. 12, Ground Floor, Road No. 16, District Raigad, Pin Code-410217, State Maharashtra ;

And Every person making such an objection shall state specifically, whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

SCHEDULE

Pipeline from Refinery of Bharat Petroleum Corporation Ltd. Mahul Bombay to Village Kaira in Patalganga Industrial Area Taluka Khalapura District Raigad in Maharashtra State.

Village	S. No. GAT No.	Hissa No.	CTS No.	Area Hectare	Are	Centiare
1	2	3	4	5		
Village — Mandale	89	1(1) Part	2 Part	00	94	00
Taluka — Kurla	88	Part	1 Part	00	14	40
District — Bombay	90	1 Part	3 Part	00	38	80
Subarban District	91	1/1 Part	4 Part	00	69	40

1	2	3	4	5		
State — Maharashtra	88	Part	1 Part	00	04	40
	88	Part	1 Part	00	10	00
	Creek					
	80	0 Part	6/1 Part	00	62	00
	80	0 Part	6/1 Part	00	72	00
	80	0 Part	6/1 Part	00	20	00
	80	0 Part	6/1 Part	00	47	00
	80	0 Part	6/1 Part	00	07	40
	(Ghatakopar Road)					

[No. P-32015/24/90-Dist

का. आ. 3107.—यत : केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि महाराष्ट्र राज्य में भारत पैट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड रिफाइनरी, माहुल-बम्बई मे कैराग्राम तक (पातालगंगा औद्योगिक क्षेत्र तालुक खालापुर। जिला रायगड़, राज्य महाराष्ट्र) तथा कैराग्राम से माहूल बम्बई तक नेफथा के परिवहन के लिए दो पाईप लाइन चेबूर पातालगंगा पाईप लाईन लिमिटेड, बम्बई द्वारा बिछाई जानी चाहिए ।

और अतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाईनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्पाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ।

अत: अब: पट्रोलियम और खनिज पाईप लाईन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन अधिनियम) 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है ।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भमि के नीचे पाईप लाईन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, चेंबूर पातालगंगा पाईप लाइन्स प्रकल्प मया पनवेल, सिडको सैक्टर नं. 11, प्लाट नं. 12, तक्षमअल रोड़ नं. 16 जिला रायगड़ पिन कोड 410 217, राज्य महाराष्ट्र को इस अधिसूचना की तारीख मे 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप हर व्यक्ति विनिर्दिष्ट : यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

अनुसूची

भारत पैट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड रिफायनरी माहूल (मुंबई केरा ग्राम तक पातालगंगा औद्योगिक क्षेत्र तालुका खालापुर] जिला रायगड़ राज्य महाराष्ट्र पाईप लाईन बिछाने के लिये ।

ग्राम	सर्वे नंबर गट नंबर	हिस्सा नंबर	सिटी सर्वे नंबर	क्षेत्र		
				हेक्टेयर	आर	सेन्टेयर
1	2	3	4	5		
ग्राम —मानखुर्द तालुका—कुर्ला जिला—बंबई सबर्दद जिला राज्य—महाराष्ट्र	138	1 पैकी	1 पैकी	00	00	40
	138	1 पैकी	1 पैकी	00	57	69
	टाटा लाईनत					
	138	1 पैकी	4 पैकी	00	24	31
	138	1 पैकी	4 पैकी	01	14	71
	[टाटा लाईन]					
	138	पैकी	3 पैकी	00	04	50
	138	पैकी	1 पैकी	00	17	00
	कुर्ला मानखुर्द रेल्वे क्रांस)			00	06	40

1	2		3	4	5	
	138	पैकी	4 पैकी	00	03	50
	(आगरवाड़ी रोड़ क्रास)			00	01	80
	138	4 पैकी	4 पैकी	00	04	20
	(पनवेल सायन रोड़)		4 पैकी	00	06	72
	179		4 पैकी	00	07	20
	(सायन ट्राम्बे रोड़)			00	02	40
	बीए.आर.सी.पैकी 88 अ		443 पैकी	00	66	80

[सं. पी-32015/35/90 वित]

S.O. 3107.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Naptha|its return stream from Refinery of Bharat Petroleum Corporation Ltd., Mahul Bombay to Village Kaira in Patalganga Industrial Area Taluka-Khalapur District-Raigad in Maharashtra State pipelines should be laid by the Chembur Patalganga Pipelines Ltd., Bombay;

And whereas, it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the Land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of right of user in land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that, any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipelines under the Land to the Competent Authority, Chembur Patalganga Pipelines Project having his Office at New Panvel (CIDCO) Sector No. 11, Plot No. 12, Ground Floor, Road No. 16, District Raigad, Pin Code-410217 State Maharashtra.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

SCHEDULE

Pipe Line from Refinery of Bharat Potroleum Corporation Ltd. Mahul Bombay to Village Karia in Patalganga Industrial Area Taluka Khalapur District Raigad in Maharashtra State.

Village	S. No. / GAT No.	Hissa No.	CTS No.	Area Hectare	Are	Centiare
1	2	3	4	5		
Village — Mankhurd	138	1 Part	1 Part	00	06	40
Taluka — Kurla	138	1 Part	1 Part	00	57	69
District — Bombay	(Tata line)					
Suburban District	138	1 Part	4 Part	00	24	31
State — Maharashtra	138	1 Part	4 Part	01	74	71
	(Tata line)					
	138	Part	3 Part	00	04	50
	138	Part	1 Part	00	17	00
	(Kurla Mankhurd			00	06	40
	138 Railway Cross)	Part	4 Part	00	03	25
	(Agarwadi Road cross)			00	01	80
	138		4 Part	00	04	20
	(Panvel Sion Road)		4 Part	00	06	72
	179		4 Part	00	07	20
	(Sion Trombay Road)			00	02	40
	BARC 88 A	0 Part	443 Part	00	66	80

[No. P-32015/25/90-Dist.

का. आ. 3108:यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि महाराष्ट्र राज्य में भारत पैट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड रिफाइनरी माहुल-बम्बई से कैराग्राम तक (पातालगंगा औद्योगिक क्षेत्र, तालुका खालापुर, जिला रायगड़, राज्य महाराष्ट्र) तथा कैराग्राम से माहुल बम्बई तक नैफथा परिवहन के लिए दो पाईप लाइन चेंबूर पातालगंगा पाईप लाईन लिमिटेड, बम्बई द्वारा बिछायी जानी चाहिए।

और अतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाईन को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्पाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पैट्रोलियम और खनिज पाईप लाईन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाईप बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, चेंबूर पातालगंगा पाईप लाइन्स प्रकल्प नया पनवेल, सिड्को सैक्टर नं. 11, प्लाट नं. 12, तलमजला रोड न. 16 जिला रायगड पिन कोड 410 217 राज्य महाराष्ट्र को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा

और ऐसा आक्षेप हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि-व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची

भारत पैट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड रिफायनरी माहूल (मुंबई) से कैरा पातालगंगा औद्योगिक क्षेत्र तालुका खालापुर जिला रायगड राज्य महाराष्ट्र पाईप लाईन बिछाने के लिये

ग्राम	सर्वे नंबर / गट नंबर	हिस्सा नंबर	सिटी सर्वे नंबर	क्षेत्र		
				हेक्टेयर	आर	सेन्टेयर
1	2	3	4	5		
ग्राम—देवनार तालुका—कुर्ला जिला—मुंबई उपनगर जिला राज्य-महाराष्ट्र	108	0 पैकी	43/54	00	16	00
	63	0 पैकी	43/54	00	22	40
	107	0 पैकी	43/54	01	48	80
	73	0 पैकी	43/54	00	17	20
	72	0 पैकी	43/54	00	72	00
	68	0 पैकी	43/54	00	32	00

[सं. पी-32015/26/90/वित्त-]

S.O. 3108.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Naptha/its return stream from Refinery of Bharat Petroleum Corporation Ltd., Mahul Bombay to Village Kaira in in Patalganga Industrial Area Taluka-Khalapur District-Raigad in Maharashtra State pipelines should be laid by the Chembur Patalganga Pipelines Ltd., Bombay ;

And whereas, it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the Land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of right of user in land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that, any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipelines under the Land to the Competent Authority, Chembur Patalganga Pipelines Project having his Office at New Panvel (CIDCO) Sector No. 11, Plot No. 12, Ground Floor, Road No. 16, District Raigad, Pin Code-410217, State Maharashtra;

And every person making such an objection shall state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

SCHEDULE

Pipe Line from Refinery of Bharat Petroleum Corporation Ltd. Mahul Bombay to Village Kaira in Patalganga Industrial Area Taluka Khalapur District Raigad in Maharashtra State

Village	S. No. / GAT No.	Hissa No.	CTS No.	Area Hectare	Are	Centiare
1	2	3	4	5		
Village — Devnar	108	0 Part	443/54	00	16	00
Taluka — Kurla	63	0 Part	443/54	00	22	40
District — Bombay	107	0 Part	443/54	01	48	80
Subarban District	73	0 Part	443/54	00	17	20
State — Maharashtra	72	0 Part	443/54	00	72	00
	68	0 Part	443/54	00	32	00

[No. P-32015/26/90-Dist]

का. आ. 3109.—यत : केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता कि लोकहित में यह आवश्यक है कि महाराष्ट्र राज्य में भारत पैट्रोलियम कार्पोरेशन लिमिटेड रिफाइनरी माहुल-बम्बई से कैराग्राम तक (पातालगंगा औद्योगिक क्षेत्र, तालुका खालापुर, जिला रायगढ़, राज्य महाराष्ट्र तथा कैराग्राम से माहुल बम्बई तक नेफ्था के परिवहन के लिए दो पाईप लाइन चेंबूर पातालगंगा पाईप लाईन लिमिटेड बम्बई द्वारा बिछायी जानी चाहिए।

और अतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्पाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाईप लाईन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाईप लाईन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, चेंबूर पातालगंगा पाइप लाइन्स प्रकल्प नया पनवेल, सिडको सैक्टर न. 11, प्लॉट नं. 12, तलमजला, रोड नं. 16 जिला रायगढ़ पिन कोड 410 217, राज्य महाराष्ट्र को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि-व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची

भारत पैट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड रिफायनरी माहुल (मुंबई) से कैराग्राम तक पातालगंगा औद्योगिक क्षेत्र तालुका खालापुर जिला रायगढ़ राज्य महाराष्ट्र पाईप लाईन बिछाने के लिए।

ग्राम	सर्वे नंबर / गट नंबर	हिस्सा नंबर	सिटी सर्वे नंबर	क्षेत्र हेक्टेयर	आर	सेन्टेयर
1	2	3	4	5		
ग्राम—आणिक तालुका—कुर्ला जिला—बंबई	67	1 पैकी	273 पैकी	00	05	50
उपनगर जिला राज्य—महाराष्ट्र	67	1 पैकी	266 पैकी	00	01	50

1	2	3	4	5		
	67	1 पैकी	273 पैकी	00	01	15
	67	1 पैकी	266 पैकी	00	30	00
	67	1 पैकी	266 पैकी	00	10	00
	63	0 पैकी	265 पैकी	00	27	00
	63	0 पैकी	265 पैकी	00	01	80
	63	0 पैकी	262 पैकी	00	12	00
	12	25 पैकी	263 पैकी	00	04	50
	63	0 पैकी	262 पैकी	00	22	50
	12	25 पैकी	263 पैकी	00	09	50
	64	0 पैकी	261 पैकी	00	07	50
	64	0 पैकी	261 पैकी	00	45	00
	12	25 पैकी	263 पैकी	00	15	60
	74	0 पैकी	260 पैकी	00	03	75
	12	25 पैकी	263 पैकी	00	01	50
	74	0 पैकी	260 पैकी	00	18	85
	रास्ता		263 पैकी	00	09	50
	रास्ता		263 पैकी	00	02	00
	75	0 पैकी	—	00	02	00
	75	0 पैकी	315 पैकी	00	03	60
	57	0 पैकी	251 पैकी	00	10	50
	57	0 पैकी	263 पैकी	00	10	60
	57	0 पैकी	263 पैकी	00	01	25
	74	0 पैकी	315 पैकी	00	19	20
	56	0 पैकी	250 पैकी	00	01	50
	56	0 पैकी	249 पैकी	00	00	65
	रास्ता		263 पैकी	00	00	65
			246 पैकी	00	01	20
	47		244 पैकी	00	01	30
	50	0 पैकी	242 पैकी	00	03	00
	रास्ता	0 पैकी	316 पैकी	00	06	80
	50	0 पैकी	242 पैकी	00	04	92
	रास्ता		315 पैकी	00	14	00
	—		317 पैकी	00	02	00
	कोयला नगर		319 पैकी	00	07	70
	रास्ता		319 पैकी	00	13	75
	करीरप्रर रोड		319 पैकी	00	11	68
	गावठाण रास्ता		—	00	00	50
	42	0 पैकी	376 पैकी	00	01	24
	बीज पुरवठा कंपनी		377 पैकी	00	01	00
	—		378/1 पैकी	00	00	32
	करीप्रर रोड			00	53	25
	बी टी रेलवे			00	03	00
	4	0 पैकी	261 पैकी	00	00	08
	,,	,,	263 पैकी	00	00	09
	,,	,,	315 पैकी	00	00	27
	,,	,,	313 पैकी	00	02	20

[सं. पी-32015/27-90 वित्त]

पी. के. राजागोपालन, अवर सचिव

S.O. 3109.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Naptha|its return stream from Refinery of Bharat Petroleum Corporation Ltd., Mahul Bombay to Village-Kaira in Patalganga Industrial Area Taluka-Khalapur District-Raigad in Maharashtra State pipelines should be laid by the Chembur Patalganga Pipelines Ltd., Bombay ;

And whereas, it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the Land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of right of user in land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that, any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipelines under the Land to the Competent Authority, Chembur Patalganga Pipelines Project having his Office at New Panvel (CIDCO) Sector No. 11, Plot No. 12, Ground Floor, Road No. 16, District Raigad, Pin Code-410217.

And every person making such an objection shall state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

SCHEDULE

Pipe Line from Refinery of Bharat Petroleum Corporation Ltd. Mahul Bombay to Village Kaira in Patalganga Industrial Area Taluka Khalapur District Raigad in Maharashtra State.

Village	S. No. / GAT No.	Hissa No.	CTS No.	Area		
				Hectare	Acre	Centiare
1	2	3	4	5		
Village — Anik	67	1 Part	273 Part	00	05	50
aluka — Kurla	67	1 Part	266 Part	00	01	50
District — Bombay						
Subarban District	67	1 Part	273 Part	00	01	15
State — Maharashtra	67	1 Part	266 Part	00	30	00
	67	1 Part	266 Part	00	10	00
	63	0 Part	265 Part	00	27	00
	63	0 Part	265 Part	00	01	80
	63	0 Part	262 Part	00	12	00
	12	25 Part	263 Part	00	04	50
	63	0 Part	262 Part	00	22	50
	12	25 Part	263 Part	00	09	50
	64	0 Part	261 Part	00	07	50
	64	0 Part	261 Part	00	45	00
	12	25 Part	263 Part	00	15	60
	74	0 Part	260 Part	00	03	75
	12	25 Part	263 Part	00	01	50
	74	0 Part	260 Part	00	18	85
	Road		263 Part	00	09	50
	Road		263 Part	00	02	00
	75	0 Part	——	00	02	00
	75	0 Part	315 Part	00	03	60
ANIK	57	Part	251 Part	00	10	50
	57	0 Part	263 Part	00	10	60
	57	0 Part	263 Part	00	01	25
	74	0 Part	315 Part	00	19	20
	56	0 Part	250 Part	00	01	50
	56	0 Part	249 Part	00	00	65
	Road		263 Part	00	00	65
			246 Part	00	01	30
	47		244 Part	00	01	30
	50	0 Part	242 Part	00	03	00
	Road	Part	316 Part	00	06	80

1	2	3	4	5		
ANIK	50	0 Part	242 Part	00	04	92
	Road		315 Part	00	14	00
	—		317 Part	00	02	00
	Koyana Nagar		319 Part	00	07	70
	Road		19 Part	00	18	75
	Carrier Road		319 Part	00	11	68
	Gavthan Road		—	00	00	50
	42	0 Part	376 Part	00	01	24
	Electric Supply Board		377 Part	00	01	00
	—		378/1 Part	00	00	32
	Carrier Road		—	00	53	25
	B.P.T. Railway		—	00	08	00
	64	0 Part	261 Part	00	00	08
	64	0 Part	263 Part	00	00	09
	64	0 Part	315 Part	00	00	27
	64	0 Part	313 Part	00	02	20

[No. P-32015/27/90-Dist.]

P.K. RAJAGOPALAN, Under Secy.

श्रम मंत्रालय

नई दिल्ली, 23 अक्तूबर, 1990

का.आ. 3110—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार बोकारो स्टील प्लांट के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, सं. 1 धनबाद के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 22-10-90 को प्राप्त हुआ था।

MINISTRY OF LABOUR

New Delhi, the 23rd October, 1990

S.O. 3110.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, No. 1, Dhanbad as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Bokaro Steel Plant and their workmen, which was received by the Central Government on 22-10-90.

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. I, DHANBAD

In the matter of a reference under section 10(1)(d) of the Industrial Dispute Act, 1947.

Reference No. 18 of 1987

Parties :

Employers in relation to the management of Bakaro Steel Plant.

AND

Thier Workmen.

Present :

Shri S. K. Mitra, Presiding Officer.

Appearances :

For the Employers : Shri J. P. Singh, Advocate.

For the Workmen : Shri A. Sen, Concerned Workman.

State : Bihar Industry : Steel

Dated, the 21st September, 1990

AWARD

By Order No. L-26012|17|87-D.III(B), dated, the 7th October, 1987, the Central Government in the Ministry of Labour, has, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) and sub-section (2-A) of the Industrial Disputes Act, 1947, referred the following dispute for adjudication to this Tribunal :

"Whether the action of the Management of Bokaro Steel Plant in transferring Shri A. Sen, Stenographer from Bokaro Steel City to Bhawanathpur Mines is justified ? If not, to what relief the workman is entitled ?"

2. The case of the management of Bakora Steel Plant as appearing from the written statement submitted, details apart, is as follows :

The present reference is bad in law and is not maintainable. Arbind Sen, the concerned workman, was appointed in the erstwhile Bokaro Steel Limited, now known as Bokaro Steel Plant after the enactment of Public Sector Iron & Steel Companies (Restructuring) and Miscellaneous Provisions Act, 1978, as a Typist by offer of appointment dated 8|16-3-66 on the terms and conditions mentioned in the offer of appointment. Clause 2(v) of the offer of appointment envisages the provision for

transfer of employee to any place in connection with the business of the management subject to payment of travelling allowance as per rules of the company. On 18-4-86 the workman submitted an application addressed to the General Manager (Works) requesting for his transfer on the ground of strained relations with the officers. The terms of appointment is an integral part of the contract of service and the management had a right to transfer any workman, but in the present case it was on the specific request of the workman concerned that he was transferred to Bhawanathpur Mines and Quarries Department of Bokaro Steel Plant by transfer order dated 1-5-1986. In terms of transfer order he was allowed transfer T.A. and settling in allowance. Since the transfer of the workman is condition of service and it was so made on his request, the concerned workman is estopped from raising any plea regarding his transfer. In any event the transfer was effected in the exigencies of the company's work and was not on the basis of any extraneous or other consideration and hence the same cannot be challenged before the Tribunal. Besides, the workman concerned has already been dismissed from service by the competent authority and an application under Section 33(2)(b) of the Industrial Disputes Act has been filed before this Tribunal for approval of the action of the management in dismissing him from service of the company. In the circumstances, the management has prayed that the Tribunal be pleased to give an award holding that the action of the management in transferring the concerned workman to Bhawanathpur Mines is justified.

3. The case of the concerned workman as appearing from the written statement submitted, briefly stated, is as follows :

He originally jointed as Lower Division Clerk in the office of the Regional Labour Commissioner (C), Ministry of Labour, Govt. of India, Dhanbad in 1961. He resigned his post as Lower Division Clerk in the employment of Central Govt. and for better prospects he joined as assistant (T) in the ministerial cadre of the than Bokaro Steel Limited at Bokaro Steel City. Since his employment in Bokaro Steel Ltd. he discharged his duties to the entire satisfaction of all concerned. In 1978 M|s. Steel Authority of India Ltd. was incorporated and the same replaced Bokaro Steel Limited and Bokaro Steel Plant became a plant under the unit of Steel Authority of India which is the present employer. He was posted in Works Division of General Group in 1974 and worked in a number of departments. He was posted in C.R.M. II (Op) department in 1981 and since then he was working there till his transfer to Bhawanathpur Limestone Mines. He took active part in trade union activities and became the General Secretary of Jharkhand Mazdoor Sangh. His trade union activities irked Sri P. N. Roy, Supdt., CRM-II (Op) and the then Chief Personnel Manager, Sri P. D. Kapila. As a matter of fact, he became eye-sore to the management and officers of C.R.M. II (Op) became hostile to him. He requested the management to transfer him to other department sometime in 1983. But the management did not transfer him. Many false allegations were laid against him and charge-sheets were issued. He replied to the charge-sheets, but his explanations were not accepted and enquiry committees were set up to enquire into the charges. All on a sudden when he was on leave on account of sickness, he was transferred by order dated 1-5-86 to Bhawanathpur Limestone Mines. He had been allotted a quarter in Bokaro Steel City and his family consisting of his ailing wife and three children were also staying at Bokaro Steel City. Anyway, he protested against his transfer to a staton at a distance of 425 K.Ms where there existed no facility for education of children. His request was not heeded to by the management. He had perforce to join his new post at Bhawanathpur Limestone Mines, Bhawanathpur under protest. At Bhawanathpur there was no post or job available to him. He was not even provided sitting accommodation. He was not paid his emoluments. Although he was transferred to Bhawanathpur Limestone Mines at Bhawanathpur, his service conditions including his seniority, promotion etc. were kept in the Works Division of Bokaro Steel Plant. It was very difficult for him to attend the enquiry from such a long distance and the transfer was made purposefully and deliberately so that he could not participate in the domestic enquiry. The management has filed an application under section 33(2)(b) of the Industrial. Disputes Act and he reserves his right to contest the application. When an employee is transferred to another place his service conditions are governed by establishment or department to which he is transferred; but in this particular case his service conditions which were applicable to Bokaro Steel Plant have remained the same. This itself indicates the illegality and malafide of his transfer. His transfer is a clear case of victimisation. His wife has been hospitalised at Bokaro Steel City. He is not also keeping well. In the circumstances, he has submitted that the action of the management in transferring him to Bhawanathpur Limestone Mines is punitive and unjustified and he is entitled to be re-transferred to Bokaro Steel Plant, Bokaro Steel City.

4. In rejoinder to the written statement of the concerned workman, the management has stated that

the concerned workman was appointed in the erstwhile Bokaro Steel Limited as a Typist. The management has disputed that he was discharging his duty satisfactorily or that his trade union activities were not liked by Shri P. N. Roy, Supdt., CRM-II (Op) and Sri P. D. Kapila, the then Chief Personnel Manager or that the officers became hostile to him. His transfer to Bhawanathpur was made on his own request. The management has denied and disputed the conditions obtaining in his family and also the fact that there was no facility for education of children at Bhawanathpur. It has also been denied that he joined his new post at Bhawanathpur under protest and in the light of terms and conditions of his service, his alleged protest, even if made, is meaningless and immaterial. The management has emphatically denied that the transfer was punitive and malafide or that there was no proper working condition at Bhawanathpur.

5. In rejoinder to the written statement of the management, the concerned workman has asserted that his transfer to Bhawanathpur is not justified.

6. The management, in order to justify its action has examined only one witness MW-1 R.B. Sharma, at present working in Personnel Department (Works) of Bokaro Steel Plant and laid in evidence a number of documents which have been marked Exts. M-1 to M-9. On the other hand, the concerned workman has examined himself as WW-1 and laid in evidence some items of documents which have been marked Exts. W-1 to W-3.

7. Admittedly, the erstwhile Bokaro Steel Limited is now known as Bokaro Steel Plant after the enactment of Public Sector Iron & Steel Companies (Restructuring) and Miscellaneous Provisions Act, 1978 and after incorporation of M|s. Steel Authority of India in 1978.

The concerned workman, Arbinda Sen was undeniably employed as Lower Division Clerk in the office of the Regigonal Labour Commissioner (C), Dhanbad. According to him, he joined Bokaro Steel Limited as Asstt. (T), but the fact is that he joined Bokaro Steel Limited as a Typist. This position is established by the letter of appointment issued in his favour by Bokaro Steel Ltd. dated 8|16-3-1986 (Ext. M-1) and also from the specific pleading of the management which remains unassailed by the concerned workman.

8. Clause 2(v) of the letter of appointment issued in favour of the concerned workman (Ext. M-1) reads as follows :

> "You shall be bound, if and when required by the Company, to serve in any department of their business or in any other business of the Company, or concerns of the Company, to go or be transferred to any other place in connection with their business in which case you shall be allowed travelling allowance as provided for in the company's rules."

The concerned workman has stated in his testimony which has remained unassailed that in 1974 he gave consent for transfer from Finance & Accounts Group to General Group under Works Division, and from May, 1974 he was working under General Group under Works Division. His further testimony is that in 1981 he was posted under the Supdt., Coal Rolling Mill, Sri P. N. Roy. His case is that Sri P.N. Roy started harassing him and the officers of Coal Rolling Mills too became hostile to him and he requested for his transfer to some other department at Bokaro Steel City sometime in 1983. The management has stated in the rejoinder that his request for transfer in 1983 could not be materialised due to the exigencies of Company's work. It appears that the management by letter dated 1|8-6-1984 informed him at his request for transfer to Finance Accounts Department could not be acceded to and that he might seek transfer to any other department under the General Group. It further appears that the concerned workman requested the management by letter dated 18-4-86 (Ext. M-2) to take immediate action for his transfer and made some covert reflections against S|Sri Manjhi, S. Mitra and P. N. Roy and Sharma—all officers of the company. The management considered his request for transfer and this is evident from the note-scheet merked Ext. M-3 and ultimately transferred him to Bhawanathpur Mines in M & Q Department with immediate effect, by transfer order dated 1-5-1986 (Ext. M-4). The transfer order further stipulated that he would be entitled travelling allowance and settling allowance as per rules. By another order of the same date he was released from his post in order to enable him to report for his duty at Bhawanathpur Mines (Ext. M-6). The concerned workman reported for duty at Bhawanathpur Mines by letter dated 28-5-86 (Ext. M-7).

9. It has been contended by the concerned workman that he joined his post at Bhawanathpur Mines under protest, but his joining report (Ext. M-7) does not spell out this position.

10. The concerned workman has assailed the action of the management in transferring him to Bhawanathpur on the ground that (i) since he was an employee working under General Group, he was not liable to be transferred to Bhawanathpur Limestone Mines in Mines Division, and (ii) the order of transfer is punitive, vindictive and malafide.

11. In support of his contention that he was not liable to be transferred to Bhawanathpur Limestone Mines in Mines Division as he was working under General Group, the concerned workman has produced circular of Bokaro Steel Ltd., Personnel Department, Establishment Section dated 21-4-71 (Ext. W-3). The relevant portion of the circular is gleaned hereinbelow :

> "Office staff are considered for promotion within the following separate grounds :—
>
> (i) Finance & Accounts Group,
>
> (ii) Commercial Group,
>
> (iii) Raw Materials Group,
>
> (iv) General Group.
>
> It is clarified that seniority of the employees is maintained groupwise, subject to para 3 above. Further, office staff are considered for promotion within the above groups

against the available vacancies, subject to para 2 above. If there is no vacancy in the department where the promoted employee is working, he is transferred to another department within the group where the vacancy exists."

This circular indicates that office staff are considered for promotion within four separate groups, namely, Finance & Accounts Group, Commercial Group, Raw Materials Group and General Group. It also envisages that the seniority of employees is maintained groupwise and office staff are considered for promotion within the aforesaid group and against available vacancy. This circulor does not put an embargo on the management circumscribing its authority to transfer its employees from one group to another or from one place to another. The concerned workman has admitted in his testimony that Bhawanathpur Limestones Mines is a captive mine of Steel Authority of India. Bokaro Steel Ltd. is a part and parcel of Steel Authority of India and Clause 2(v) of the letter of appointment of the concerned workman envisages that he could be transferred to any other place in connection with the business of the company. This being so, the order of the management transferring him to Bhawanathpur Limestone Mine at Bhawanathpur is not considered to be illegal or unjustified. His seniority as per circular dated 21-4-71 (Ext. W-3) has to be retained in General Group since he was earlier an employee of that group. This has been retained by the management with information to him by issuing Office Order dated 10-5-86 (Ext. M-5). The Office Order clearly spells out that he was to remain in General Group even after his transfer to Bhawanathpur Limestone Mine.

The next contention of the concerned workman is that the order of the management in transferring him to Bhawanathpur is punitive and malafide. It appears that the concerned workman was transferred to Bhawanathpur which is distanced by 425 K. Ms. from Bokaro Steel City while departmental proceedings were pending against him for enquiry into his alleged misconduct. There is no vestige of evidence on record to indicate that the management, by transferring him to Bhawanathpur, has made it impossible to represent himself in the departmental enquiry. The evidence on record indicates that he was paid travelling allowance for his journey to Bokaro Steel City in connection with hearing of departmental enquiry. There is also no evidence that his transfer was punitive and malafide. The management transferred him to Bhawanathpur not on its own but at the request of the concerned workman, though the place of posting was not obviously liked by the latter.

12. Considering the evidence on record and circumstances of the case, I am constrained to hold that the action of the management in transferring the concerned workman to Bhawanathpur Limestone Mines is not unjustified.

13. Accordingly, the following award is rendered—the action of the management of Bokaro Steel Plant in transferring Sri A. Sen, Stenographer, from Bokaro Steel City to Bhawanathpur Mines is justified.

In the circumstances of the case, I award no cost.

S. K. MITRA, Presiding Officer

[No. L-26012|17|87-D.III(B)]

का. आ. 3111.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार मलाजखण्ड कॉपर प्रोजेक्ट ऑफ एच.सी. लिमिटेड मलाजखंड के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, जबलपुर, के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 22-10-90 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 3111.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Malanjkhand Copper Project of H. C. Ltd., Malanjkhand and their workmen, which was received by the Central Government on 22-10-90.

ANNEXURE

BEFORE SHRI V. N. SHUKLA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, JABALPUR(M.P.)

Case No. CGIT|LC(R)(205)|1987

PARTIES :

Employers in relation to the management of Malanjkhand Copper Project of H.C. Ltd. P.O. Malanjkhand, District Balaghat (M.P.) and their workman Shri K. L. Bhagat, Canteen Supervisor, represented through the Bhartiya Khanij Mazdoor Sangh (BMS), P.O. Malanjkhand, District Balaghat (M.P.).

APPEARANCES :

For Workman.—Shri S.S. Shakarwar, Advocate.

For Management.—Shri R.K. Gupta, Advocate.

INDUSTRY : Copper Mine DISTRICT : Balaghat (M.P.)

AWARD

Dated, the 12th October, 1990

This is a reference made by the Central Government in the Ministry of Labour vide its Notification No. L-43012|14|87-D.III(B) Dated 25-9-1987 for adjudication of the following dispute :—

"Whether the action of the management of Malanjkhand Copper Project of H.C. Ltd., Malanjkhand, Distt. Balaghat in imposing punishment of stoppage of one increment to Shri K. L. Bhagat, Canteen Supervisor with effect from 1-10-1985 and not promoting him as Sr. Canteen Supervisor is justified ? If not, to what relief the workman is entitled to ?"

2. Management has filed its statement of claim. On behalf of the workman|union statement of claim

and rejoinder have been filed. The case was at the stage of filing rejoinder by the management and documents by the parties and framing of issues.

3. On 25-9-1990 Counsel for the workman, Shri S.S. Shakarwar, stated that the workman has died about a year back. Consequently the reference has become infructuous and the proceedings under reference are terminated. Award is made accordingly.

No order as to costs.

V. N. SHUKLA, Presiding Officer

[No. L-43012|14|87-D.III(B)]

V. K. SHARMA, Desk Officer

नई दिल्ली, 23 अक्तूबर, 1990

का. आ. 3112.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार भारतीय खाद्य निगम हजारीबाग के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, नं. 1, धनबाद के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 22-10-90 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 23rd October, 1990

S.O. 3112.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal No. 2 Dhanbad as shown in the Annexure in the Industrial dispute between the employers in relation to the Management of Food Corporation of India, Hazaribagh and their workmen, which was received by the Central Government on the 22-10-90.

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO. 2) AT DHANBAD

PRESENT

Shri I. N. Sinha, Presiding Officer.

Reference No. 6 of 1990

In the matter of an Industral dispute under Section 10(1)(d) of the I. D. Act., 1947.

PARTIES

Employers in relation to the management of FCI, Hazaribagh and their workmen.

APPEARANCES

On behalf of the workmen.—Shri Vijayendra Kumar, State Joint Secretary, FCI Executive Staff Union.

On behalf of the employers : Shri I. C. Sardana, Distt. Manager, FCI, Hazaribagh.

STATE : BIHAR. INDUSTRY : Food.

Dated, Dhanbad, the 9th October. 1990

AWARD

The Govt. of India, Ministry of Labour in exercise of the powers conferred on them under Section 10(1)(d) of the I. D. Act, 1947 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication vide their Order No. L-22012(231)|F|89-IR(C.II), dated, the 18th January, 1990.

SCHEDULE

"Whether the action of the Distt. Manager, Food Corporation of India, Hazaribagh in terminaing services of S|Sri Narmadeshwar Prasad Rai and Hans Raj Singh, Ex. Casual Workers of FSD Suriya, Distt. Hazaribagh w.e.f. 1-10-85 without assigning any reason and in contravention of Section 25F of the I. D. Act and in not regularising them is justified ? If not, to what relief the workmen concerned are entitled ?"

The case of the workmen is that both the concerned workmen namely S|Shri Narmadeshwar Prasad Rai and Hansraj Singh were employed on 1-10-84 as casual labourers by the management of Food Storage Depot (hereinafter referred to as FSD for brevity Suriya under District Manager, FCI Hazaribagh which was previously under the jurisdiction of District Manager FCI Gaya. Till 30-9-85 both the concerned workmen worked regularly and had completed more than 240 days continuous service within 12 calendar months. However, their services were terminated orally by the Asstt. Depot Supdt., FSD Suriya with effect from 1-10-85 and the names were struck off from the Attendance Register without observing the conditions as laid down under section 25F of the I. D. Act. The management neither gave notice to the concerned workmen indicating the reasons for their termination of service nor they paid any notice pay in lieu of notice. The management also did not give compensation to the concerned workmen and no intimation was sent to the appropriate Govt. as required under Section 25F of the I. D. Act. The services of the concerned workmen therefore amount to retrenchment and non compliance of the provision of Section 25F of the I. D. Act has made the retrenchment void and the concerned workmen will be deemed to continue in the service of the management from 1-10-85. As the concerned workmen have been retrenched in violation of Section 25F of the I. D. Act, they are entitled for reinstatement with full back wages and consequential benefits with effect from 1-10-85. As per headquarters circular dated 6-5-87 also the concerned workmen are entitled for regularisation as in the case of 67 employees who were also working like the concerned workmen and have already been regularised by the management On the above facts it has been prayed to pass an Award in favour of the concerned workmen holding that the action of the management in terminating the services of the concerned workmen without assigning any reason and in contravention of Section 25F of the I. D. Act and in not regularising them is illegal and unjustified and the concerned workmen may be declared to continued in the service of the management with effect from 1-10-85 with full back wages and consequential benefits in time scale of FCI with regularisation of their service.

The case of the management is that there is no relationship of employer and employee between the management and the concerned workmen. The District Manager, FCI Hazaribagh or any other autho-

rity never employed the concened workmen as casual labour or in any other capacity on 1-10-85 or on any other date at FSD Suriya. Since the concerned workmen were not in the service of the management there was no question of their termination from service without following provisions of Section 25F of the I. D. Act. There as also no question of regularisation of the concerned workmen in service under headquarters circular dated 6-5-87 since the concerned workmen never employed in the FCI at any time. The FCI depot at Sirya has a limited permanent staff to run the administration of the FSD headed by depot incharge. The handling of FSD is done by the contractors who are licensed under contract labour regulation and abolition Act. As such there is no question of appointment of casual labour by the management for the depot at Suriya.

It is submitted by the management that the workmen have started a false dispute in order to gain a foot hold in District Office of FCI at Hazaribagh where the sponsoring union has no substantial membership or following in the District Office Hazaribagh. On the above facts it is prayed that the reference be answered in favour of the management holding that the concerned workmen are not entitled to any relief.

The points for decision are :—

(1) Whether employer-employee relationship existed between the management and the concerned workmen,

(2) Whether the termination of the services of the 2 concerned workmen with effect from 1-10-85 in contravention of Section 25F of the I.D. Act is justified and

(3) Whether the management is jutsified in not regularising the concerned workmen with effect from 1-10-85 ?

The management examined 2 witnesses and the workmen examined one witness in support of their respective case. The documents of the workmen have been marked Ext. W-1 to W-5. No document has been exhibited on behalf of the management.

Point No. 1

The case of the workmen is that the two concerned workmen were engaged as casual labourers and were performing duties of regular employees of the corporation. According to the management the concerned workmen were not employed by the management and that they were contractors labourers. Admittedly, no appointment letter was issued by the management of FCI to the concerned workmen. MW-1 in his examination-in-chief has stated that he was working as Technical Assistant at Suriya from November, 1983 to November, 1986 and during that period neither of the 2 concerned workmen were working at Suriya at FCI. He has stated that during the said period most of the time contractors used to do the work through their workmen as handling labour at Suriya FSD. In cross-examination he has stated that he has no knowledge that Attendance was maintained in respect of 10 handling labourers including the concerned workmen and others by Suriya FSD authorities and he further stated that the present depot incharge can give the details of the past on the basis of the records maintained at FSD at Suriya. The fact that MW-1 has no knowledge whether attendance used to be maintained in respect of handling labourers shows that he was trying to suppress something otherwise he should have strightway stated that no attendance used to be maintained in respect of the handling labourers of FSD Suriya. He has admitted that staff Attendance Register was maintained during his period and they did not maintain any attendance register of casual workmen or contractors

FRESH Page 328

workmen. MW-2 Shri R. K. Sinha was working as Asstt. depot Supdt. at Suriya from January, 1982 to December, 1985. Thus he was the person who was working as Asstt. depot Supdt Suriya FSD during the period of the claim of the workmen. He has denied that the concerned workmen had worked in Suriya FSD during the period from October, 1984 to September, 1985. According to him from October, 1984 they were having handling labourers through contractor and before that they had departmental handling labourers. Thus it is admitted that the departmental handling labourers used to be employed at Suriya FSD prior to October, 1984. He was asked with a question whether he could name any of the contractors who used to do the work after October, 1984. In para-3 of his deposition MW-2 has stated that attendance register used to be maintained when labourers were directly employed by the management prior to October, 1984. In para-4 of his deposition he has stated that in 1988-89 Shri B. N. Prasad was posted as depot incharge at Suriya and the certificate Ext. W-2 bears the signature of Shri B. N. Prasad, Asstt. depot Manager of Suriya FSD. Thus it is admitted by MW-2 that the certificate Ext. W-2 was issued by Shri B. N. Prasad when Shri B. N. Prasad was Asstt. Depot Supdt. of FSD Suriya Ext. W-2 is a certificate which shows that both the concerned workmen were employed as casual labourers with effect from 1-10-84 to 30-9-85 and had completed more than 240 days service during the period in question and that the above facts have been verified from the attendance register of the casual labourers (Technical side) maintained at FSD Suriya by the concerned official. It appears that the certificate Ext. W-2 was issued by the Asstt. depot Supdt., FSD Suriya after going through the Attendance Register of the casual labourers which shows that both the concerned workmen were employed as Casual labourers as is being claimed by the workmen. The photo copy of the Attendance Register has been marked as Ext. W-2 in the case which is from the month of October, 1984 to August, 1985 containing the names of the two concerned workmen Shri Hansraj Singh and Shri Narmadeswar Rai besides other casual labourers working in Suriya FSD. On perusal of the said attendance register Ext. W-3 it will appear on calculating their attendance for the months of October, 1984 to August, 1985 that both the concerned workmen had completed attendance of more than 240 days in a year prior to the stoppage of their work. It is stated on behalf of the management that this attendance register does not contain the signature of any officer of Suriya FSD. It is true that it does not contain the signature of any officer but it will appear that the workmen filed a petition on 14-2-90 for production of attendance register for the period from 1-10-84

to 30-9-85 by the management but the management did not produce any attendance register to show the falsity of the case of the workmen. WW-1 has stated that he had filed the photo copy of Ext. W-1, W-2 and the Attendance Register Ext. W-3 before the ALC (C) during the conciliation of the case, but the management had never objected to the fact of their working in FSD Suriya. The management has not questioned about the correctness of the Attendance Ext. W-3, in cross-examination of WW-1. The fact that the Asstt. depot Supdt. FSD Suriya has stated in Ext. W-2 that he had given the certificate Ext. W-2 after looking to the Attendance Register shows the accuracy of the existence of the Attendance Register maintained by Suriya FSD. It was for these reasons that the management neither filed any attendance register nor, dared to falsify Ext. W-3 and the certificate Ext. W-2. WW-1 has stated the work being performed by the concerned workmen. He has stated that Radhey Babu (meaning MW-2) was the incharge of FSD Suriya during the period he was working there and that during their employment the concerned workmen used to supply water to the staff, fill the bag with grain, sweep the depot and office and also used to do the work asked by the staff to do and they used to get wages @ Rs. 15/- or 16/- per day which was paid by some staff of FSD Suriya directly to them. There is no denial of the said work being performed by the concerned workmen. It is clear, therefore, that the concerned workmen were full time casual employees of FSD Suriya and were performing the duties of regular employees of the corporation.

In view of the evidence discussed above I hold that the two concerned workmen were casual labourers of Suriya FSD performing duties of regular employees and that there were relationship of employer and employee between the management and the two concerned workmen.

Point No. 2

I have held above that the two concerned workmen were full time casual employees performing duties of regular employees of FCI at Suriya FSD. The certificate Ext. W-2 and the attendance Register Ext. W-3 shows that the concerned workmen had completed attendance of more than 240 days as casual labourer with effect from 1-10-84 to 30-9-85. According to Section 25-B(2) of the I. D. Act where a workman is not in continuous service within the meaning of (Clause 1) for a period of one year, he shall be deemed to be in continuous service under an employer for a period of one year, if the workman, during the period of 12 calendar months preceding the date with reference to which calculation is to be made, has actually worked under the employer for not less than 240 days. It will thus appear that the two concerned workmen were in continuous service for a period of one year as they had completed attendance of more than 240 days in 12 calendar months preceding the date of their stoppage from work. According to Section 25F of the I. D. Act no workman employed in any industry who has been in continuous service for not less than one year under an empolyer shall be retrenched by the employer until (1), the workman has been given one month notice in writing indicating the reasons for retrenchment and the period of notice has expired or workmen has been paid in lieu of such notice, wages for the period of the notice (2), the workman has been paid, at the time of retrenchment, compensation which shall be equivalent of 15 days average pay for very completed year of continuous service or any part thereof in excess of 6 months and (3) notice in prescribed manner is served on the appropriate Govt. Admittedly none of the provision of Section 25F had been complied with by the management at the time when the services of the concerned workmen were terminated. It was specifically alleged in the W. S. of the workmen that they were neither given one months notice nor wages in lieu of notice for the period of notice nor they were paid compensation. The management have their defence entirely on different ground and the said ground that the concerned workmen were not their departmental labourers has been found to be not true and thus it is now the admitted case of the parties that the provision of Section 25F of the I. D. Act were not complied with before terminating the services of the concerned workmen. As the services of the concerned workmen amounted to retrenchment without compliance of the provisions of Section 25F of the I. D. Act I hold that the retrenchment with effect from 1-10-85 was unjustified.

Point No. 3

The workmen have also claimed their regularisation basing their claim on the circular Ext. W-1 dated 6-5-87. It will appear from para-4 of Ext. W-1 that in view of the decision of the board of directors it was decided to relax the ban of recruitment for filling the entry of category III and IV posts by considering full time casual/daily rated employees who have been performing duties of regular employees of the corporation under FCI (Staff Regulation, 1971) and who have completed 3 months period of service as on 2-5-86 and possess the requisite qualification etc. It will appear that the 2 concerned workmen were full time casual employees who were performing duties of regular employees of the corporation and they had completed 3 months period of service prior to 2-5-86. There is nothing on the record to show that the two concerned workmen do not possess the qualifications which are required for the post of Category IV of FCI. As the two concerned workmen had fulfilled conditions as laid down in Ext. W-1 the concerned workmen are entitled to be regularised in their service as they had already completed about one year of service prior to 2-5-86.

I hold, therefore, that the management was not justified in not regularising the concerned workmen with effect from 1-10-85.

In the result, I hold that the action of the District Manaer, FCI Hazaribagh in terminating the services of the concerned workmen S/Shri Narmadeswar Pd. Rai and Hansraj Singh Ex-casual workers of FSD Suriya with effect from 1-10-85 without assigning any reason and in contravention of Section 25F of the I. D. Act is not justified. I further hold that the management is not justified in not regularising the two concerned workmen according to the circular Ext. W-1. As the management has not complied

with the provision of Section 25F of the I. D. Act, it will be deemed that the two concerned workmen continued to be in the employment of the management and are entitled to the arrears of back wages from 1-10-85 in the regular scale of pay of category IV of the FCI. The management is further directed to regularise the services of the concerned workmen with effect from 1-10-85. The management is directed to allow the concerned workmen to join their duty when they report to join for duty within one month from the date of publication of the Award and the management should also pay them the arrears of pay of Category IV with effect from 1-10-85 after 2 months of the joining of the duties by the workmen.

This is my Award.

I. N. SINHA, Presiding Officer
[No. L-22012(231)|F|89-IR(C-II)]

का.आ. 3113 :—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड की धेमोमेन कोलियरी के प्रबन्धतन्त्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबन्ध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, आसनसोल के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 22-10-90 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 3113.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal Asansol as shown in the Annexure in the Industrial dispute between the employers in relation to the management of Dhemomain Colliery of M|s. ECL and their workmen, which was received by the Central Government on the 22-10-1990.

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL ASANSOL
REFERENCE NO. 12|89

PRESENT :

Shri N. K. Saha,
Presiding Officer.

PARTIES :

Employers in relation to the management of Dhemomain Colliery if M|s Eastern Coalfields Ltd.

AND

Their Workman.

APPEARANCES :

For the Employers—Sri B. N. Lala, Advocate.
For the Workman—Sri Bijoy Kumar, Joint Secretary of the Union.

INDUSTRY : Coal. STATE : West Bengal.

Dated, the 1st October, 1990.

AWARD

The Government of India in the Ministry of Labour in exercise of the powers conferred on them by Clause (d) of sub-section (1) and sub-section (2A) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication vide Ministry's Order No. L-22012|141|88-D.IV.B dated the 3rd March, 1989.

SCHEDULE

"Whether the action of the Management of Dhemomain Colliery under Sitarampur Area of M|s. E.C. Ltd., P.O. Sitarampur, Dist. Burdwan in terminating services of Sri Sudhir Ch. Das, Store Keeper w.e.f. 10-12-1986 by altering his age from 42 years in 1974 to 48 years in 1974, is justified ? If not, to what relief the workman concerned is entitled?".

2. During the pendency of this case, to-day (1st October 1990) both the parties filed a joint petition of compromise duly signed by them with a prayer to make an award in terms of the settlement.

3. I have gone through the terms of settlement. I find them quite fair and reasonable. Accordingly in terms if the settlement the award is passed.

4. The terms of settlement shall from part of the award.

Enc : Settlement.

N. K. SAHA, Presiding Officer
[No. L-22012|141|88-D.IV.B]

BEFORE THE PRESIDING OFFICER CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL ASANSOL
Ref. No. 12 of 89

PARTIES :

Employers in relation to he management of Dhemomain Colliery of Eastern Coalfields Limited.

AND

Their workman.

Both the parties above named most respectfully beg to submit as under :

1. That the instant matter is pending before the Tribunal and the matter has not yet been heard.

2. That in the meantime both the parties mutually discussed the instant matter amicably settled the same on the following terms

Terms of Settlement

(a) That Sri S. C. Das superannuated with effect from 10-12-86.

(b) That the management has accepted that the date of his superannuation will be deemed to be on 15-9-1988 instead of 10-12-1986.

(c) That the workmen concerned Sri S.C. Das will be paid a Lumpsum amount of Rs.18,000|- (Rupees Eighteen thousand only) on account of his non-employment from 10-12-86 to 15-9-88 and nothing else.

(d) That the aforesaid period of non-employment wlil however, be counted for the purpose of gratuity only.

(e) That the amount Rs. stated in 'C' shall be paid within a month from the date of this settlement become effective.

(f) That by the settlement the instant matter and only matter arising out of this instant matter stand fully and finally settled.

(g) That the settlement will be effective from the date it is accepted by the Tribunal

3. Both the parties pray that the Tribunal may be pleased to accept this settlement as fair and proper and may be further pleased to pass an Award in terms of the settlement.

And for this act of kindness both the parties as in duty bound shall ever pray. Part of the Award.
For and on behalf of the

Management.
Dated :

For and on behalf of the

21-9-1990.

Workman
VICE-PRESIDENT
KOYALA MAZDOOR CONGRESS
SUDHIR CH. DAS

नई दिल्ली, 24 अक्तूबर, 1990

का. आ. 3114.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, मैसर्स एस. सी. सी. लि., रामाकृष्णापुर के प्रबन्ध तंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकरण, हैदराबाद के पंचपंट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 23-10-90 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 24th October, 1990

S.O. 3114.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Hyderabad as shown in the Annexure in the Industrial dispute between the employers in relation to the management of S.C. Co. Ltd. Ramakrishanpur and their workmen, which was received by the Central Government on the 23-10-90.

ANNEXURE

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL AT HYDERABAD.

PRESENT :

Sri K. Taranadh, B.Com., B.L.,

Industrial Tribunal.

Dated : 1st October, 1990.

INDUSTRIAL DISPUTE NO. 81 of 1989.

BETWEEN

The Workman of S.C. Co. Ltd., Ramakrishnapur, Adilabad District.

AND

The Management of S.C. Co. Ltd., Ramakrishnapur, Adilabad District.

APPEARANCES :

M|s. A. K. Jayaprakash Rao, V. N. Goud and Ch. Laxminarayana, Advocate for the Workman.

M|s. K. Srinivas Murthy, G. Sudha, V. Usha Rani, Praveena Choudhary, Advocates for the Management.

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour by its Order No. L-22012(146)|89-IR(C.II) dt. 15-11-89 referred the following dispute under Section 10(1)(d) & (2A) of the Industrial Disputes Act, 1947 between the employers in relation to the Management of Sangareni Collieries Company Limited, Ramkrishanpir and their workman to this Tribunal for adjudication :—

"Whether the action of the Management of M|s. Singareni Collieries Co. Ltd., Ramakrishnapur area in terminating the services of Sri R.L.B. joesph, Pump Khalasi, Civil Department in disregard to Rule 3(i) and (vi) of the Age Retirement Rules w.e.f. 31-10-85 is justified? If not, to what relief the workman concerned is entitled?".

This referenec was registered as Industrial Dispute No. 81 of 1989 and notices were issued to the parties.

2. A notice was issued to the workman to the claim statement on 21-12-1989 and the said notice was acknowledged by the workman. The workman did not file any claim statement inspite of several adjournments i.e. on 18-1-1990, 30-1-1990, 19-2-1990, 19-3-1990, 7-4-1990, 2-5-1990, 24-5-1990, 25-7-1990, 31-7-1990 10-8-1990 and finally on 11-9-1990. Hence I find that the workman is not interested in prosecuting the case and I need not gve any more adjournments.

3. In the result the action of the Management of M|s. Singareni Collieries Company Limited, Ramakrishnapur Area in terminating the service of Sri B.L.B. Joeshp, Pump Khalasi, Civil Department in disregard to Rule 3(i) and (vi) of the Age Retire ment Rules w.e.f. 31-10-1985 is justified and the workman is not entitled to any relief and an award is passed accordngly.

Dictated to the Stenographer, transcribed by him, corrected by me and given under my hand and the seal of this Tribunal, this the 1st day of October, 1990.

K. TARANADH, Industrial Tribunal

[No. L-22012(146)|89-IR(C II)]

APPENDIX OF EVIDENCE

NIL

K. TARANADH, Industrial Tribunal

का.आ. 3115:—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एस सी सी लिमिटेड कोथागुडेम के प्रबन्धतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकरण, हैदराबाद के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 23-10-90 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 3115.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Hyderabad as shown in the Annexure in the Industrial dispute between the employers in relation to the management of S.C. Co. Ltd., Kothagudieum and their workmen, which was received by the Central Government on the 23-10-90.

ANNEXURE

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL AT HYDERABAD.

PRESENT :

Sri K. Taranadh, B.Com., B.L., Industrial Tribunal.

Dated : 10th October, 1990

INDUSTRIAL DISPUTE NO. 2 OF 1985.

BETWEEN :

The Workmen of Singareni Collieries Company Limited, Kothagudam, Khammam District. (Andhra Pradesh).

AND

The Management of Singareni Collieries Company Limited, Kothagudam, Khammam District. (Andhra Pradesh)

APPEARANCES :

Sri D. S. R. Varma, Counsel for the Workmen, Sarvasri K. Srinivasa Murthy, H. K. Saigal and Kumari G. Sudha, Advocates for the Management.

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour & Rehabilitation by its Order No. L-22011(31)/84-D.III-B, dt. 10-1-1985 referred the following dispute under Section 10(1)(d) and (2A) of the Industrial Disputes Act, 1947 between the employers in relation to the Management of Singareni Collieries Company Limited and their workman to this Tribunal for adjudication :

"Whether the action of the management of Messrs. Singareni Collieries Company Limited in refusing to grant one additional increment in lieu of forfeiture of holidays with effect from 1-1-1976 in terms of settlement dated 10-1-1976 to the following 23 workers is justified ? If not, to what relief are the workmen entitled ?"

ANNEXURE

Sl. No.		Name
1.	S/Shri	G. Jayachander Rao
2.	,,	S. Kasi Reddy
3.	,,	P. Babu Rao
4.	,,	V. Ranga Rao
5.	,,	T. Managapathi Raju
6.	,,	B. Dayananda Rao
7.	,,	R. Satyanandam
8.	,,	Y. Dakshina Murty
9.	,,	K. Bala Raju
10.	,,	K. Satyanarayana
11.	,,	V Venkateswar Rao
12.	,,	V. Satyanarayana
13.	,,	M. Venkateswarlu
14.	,,	D. Prabhakar Rao
15.	,,	G. P. Tandon
16.	,,	Ch. Sreeramanarayana
17.	,,	S. Narayana
18.	,,	B. V. Prakash
19.	,,	K. Krishna Murthy
20.	,,	B. Krishna Rao
21.	Smt.	K. Vimalamma
22.	Sri	M. Raja Krishna Rao
23.	Sri	Krishna Reddy."

This reference was registered as Industrial Dispute No. 2 of 1985 and notices were issued to the Parties.

2. In the claim statement filed in support of the industrial dispute, it was alleged by the workmen that there was a Settlement entered into between the Management and the Union on 19-1-1976. As per Clause 3 of that Settlement, all staff members and workers who are on the rolls of the Head Office as on 31-12-1975 as regular workers and completed minimum period of six months service on that date, are entitled for one cadre increment and probationers and trainees will not be entitled to that increment. The Management appointed all the incumbents in the permanent vacancies as probationers for a period of six months. The period of probation for six months is not in accordance with the Company's Standing Orders vide 2(F)(1) of the Standing Orders. Taking into consideration the Standing Orders of the Company, the incumbents were denied confirmation as soon as they have completed three months continuous service in the Company, they completed six months of service, hence they are entitled for one increment cadre from 1-1-1976 which is denied by the Management. Hence it is requested that an Award may be passed in their favour.

3. A counter was filed on behalf of the Management, contending that infact the subject matter was already covered by a Settlement and there cannot be an industrial dispute about a settlement, the claimant cannot put forward any claim as long as the Settlement, is in force and already it is the subject matter of an Award in I.D. No. 18 of 1983. It is true that a Settlement was entered into on 19-1-1976. As the monthly paid staff were placed on probation for a period of six months, as per the terms and conditions of the Office order all the workers who were referred in this dispute have not completed six months of regular service by 31-12-1975 after confirmation. Hence they are not entitled for extra increment as they have not put in minimum of six months service. The claimants continued to be probationers till July/August 1975 and hence had not completed a minimum period of six months in regular service as on 31-12-1975. Clause 3 of the Settlement should be read along with Clauses 1 and 2 of the Settlement and thus the demand of the Union is not proper and valid.

4. In this matter, in toto four witnesses were examined, two for the workmen and two for the management. The facts are not very much in dispute. As per W.W1 S. No. 15 of the reference one Sri G. P. Tandon was terminated and S. Nos. 21 to 23 Smt. Vimla, Sri M. Raja Krishna Rao and K. Krishna Reddy are not entitled for this benefit and hence these four can be safely taken out of consideration from this dispute, we are concerned only with the other workers who will be 19 in number in toto.

5. As mentioned above, the facts are not in dispute at all. All these people were appointed some where in January 1975, except two persons, who were appointed some where in February 1975, S. No. 617 R. Satyanandam and S. No. 20 B. Krishna Rao (S. Nos. 15 and 21 to 23 are not being considered at all in view of the deposition of W.W1). As per Ex. W1 the appointment order issued on 9-1-1975, their period of probation was fixed for six months. But as per Ex. W3 the certified Standing Orders, the latest appears to be approved by the Certifying Officer in January 1953 and no amendments were made to this Standing Order of 1953 (There are only few amendments, for the definition of permanent employee in Clause 2(F)(1), the Standing Order 5 payment of wages and allowance, Standing Order 11(c)(1) with regard to leave facility. S.O. No. 12 guarantee leave, S.O. No. 21 with regard to Company's quarters and last S.O. No. 25 with regard to ompany's right to transfer—all these amendments also were somewhere affected in February 1954 only—afterwards to our knowledge their appears to be no amendments) As per Clause 2(F)(2) a probationer is defined to be one who is provisionally employed to fill up in a permanent vacancy and has not completed three months service in that post'. Thus while the probationery period was said to be only three months continuous service. as per certified Standing Orders, here for all these 23 employees, in their posting orders the probation was said to be six months and Ex. W1 clearly shows it. Immediately after completion of six mouths probation, they were confirmed some of them also were promoted as Grade II Clerks as per Ex. W4. Ex. W5 is the Settlement. The other documents are not very much relevant for our purpose.

6. On the other hand, the Management witnesses examined are M. W1 and M. W2 stated that as per the exigencies of service, it is true that some time the Company was fixing the period of probation beyond three months and infact there are some cases where the appointment order prescribed probation for one year also (M. W1) in a reply to the question by this Tribunal) Likewise W.W2 (one Nithyanande Rao, Secretary of the Workers Union). He is not one of the 23 employees, categorically admitted in cross examination that the wage definition as per Standing Order is Rs. 300.00 but now everybody is getting not less than thousand rupees. Likewise he admitted that their Union never gave any representations in 1975, 1976 and 1977 pointing out that six months probation period prescribed in their appointment orders is bad and opposed to Standing Orders. He also admitted that "it is true the present practices prevailing in several instances case of deviation is found from Standing Orders. It is true that as and when Management conferred benefits the employees enjoyed them though they are in deviation of Standing Orders. In some cases there were protests regarding Management changing Standing Orders".

7. Thus a perusal of thse facts, and depositions of these two representatives of the workman, will clearly go to show that neither party is attaching any importance to the Standing Orders. Whichever is convenient to them, they are following it. Technically speaking and going by the appointment orders of all these 19 employees with whom we are now concerned, they will be completing their periods of probation of six months only in the middle of June and two persons in July 1970 from that time, they will be completing their minimum periods of six months of service not by 31-12-1975 but in the middle of January 1975 and in the middle of February 1975. Hence automatically they are not entitled for one extra increment as per clause 3 of the Settlement dt. 19-1-1976.

8. Another very important argument was raised by the learned Advocate for the Management, contending that it is admitted by W.W2 and that it is a fact that earlier these 23 raised an I.D. No. 18|83 and in it an exparte award was passed on 15-11-1983 and that exparte award is also marked as Ex. M2. Hence it was argued that without taking any steps to set aside that exparte award, now they are not entitled to come forward by way of a separate industrial dispute and this reference is hit by principles of resjudicate.

9. She also placed reliance on VAZIR SULTAN TOBACCO CO. v. STATE OF ANDHRA PRADESH (1964 (I)LLJ, page 622). Here it was held that when a workman was dismissed in October 1957 and the dismissal was taken up by 104 coworkmen out of 2.000 and odd workmen and it was espoused by a Union by which the workmen in other similar establishment were members and after a delay of 4½ years when the dispute in regard to the dismissal of the employee was referred for adjudication, it was held that the inordinate delay in making a reference was both unreasonable and unjustified. and writ of prohibition was allowed. On the basis of this reasoning, it was contended that here also this thing took place some where in 31-12-1975 and the increments were not granted to them from 1-1-1976. As per W.W2 himself they did not represented in 1975, 1976 and 1977 they preferred an industrial dispute only in 1983 and it was disposed off and the result went against them in November, 1983, still they did not take any steps to get that exparte award set aside and again they are agitating for it in the year 1985 i.e. after a delay of more than nine years. Hence on the analogy of the above decision, it was vehemently argued that the award must be in favour of the Management. Definitely this reasoning is legal and should be followed and this Tribunal is fully in accordance with this opinion.

10. Secondly it was argued vehemently that though principles of resjudicata are not directly applicable, as per BURN & CO. LTD. v. THEIR EMPLOYEES (1957 (I) LLJ, page 226). The Supreme Court stated as a generic preposition, through Section 11 of the Code of Civil Procedure, in term. is inapplicable to industrial adjudication. underlying it expressed is the maxim interest rei publicae ut sit finis litium which is founded on sound public policy and is of universal application being a rule "dictated by wisdon which for all time" is applicable to the decisions of industrial adjudication for 'good reasons'. Of course it was

pointed out that in cases like fixation of wage structure and certain other things which are liable to be modified or changed circumstances on which they were based, will not come within the abmit of the principles of resjudicata, like wage structure, D.A etc. Here exactly the competent court, namely this Tribunal itself decided the issue and passed an Award. The same thing is now being sought to be agitated which is against the principles of resjudicata. Hence following the above things also the Advocate for the Managements' argument should prevail.

11. Inview of all these things, the action of the Management of Messrs Singareni Collieries Company Limited in refusing to grant one additional increment in lieu of forfeiture of holidays with effect from 1-1-1976 in terms of settlement dt. 19-1-1976 to the 19 workmen is justified, and the workmen are not entitled to any relief.

Award is passed accordingly.

Dictated to the Stenographer, transcribed by him, corrected by me and given under my hand and the seal of this Tribunal, this the 10th day of October, 1990.

K. TARANADH, Industrial Tribunal

[No. L-22011(31)|84-D. III-B (C. II)]

RAJA LAL, Desk Officer

APPENDIX OF EVIDENCE

Witnesses Examined for the Workmen :

W. W1 V. Ranga Rao

W. W2 D. A. Nityananda Rao

Witnesses Examined *for the Management :*

M. W1 J. Laxminarayana

M. W2 A. Potha Raju

Documents marked for the Workmen :

Ex. W1 Photostat copy of the Order dt. 9-1-75 issued to S. Prabhakara Rao and 21 others by the General Manager, S. C. Co. Ltd., Kothagudem Collieries with regard to appointments as Clerks, Grade II.

Ex. W2 Photostat copy of the confirmation Order dt. 5-6-76 issued to V. Ranga Rao, Clerk Grade-II by the General Manager, S. C. Co. Ltd., Kothagudem Collieries.

Ex. W3 Standing Orders of the Company.

Ex. W4 Photostat copy of the Office Order dt. 25-6-81 issued to M. Venkaty and 27 others by the General Manager, S. C. Co. Ltd., Kothagudem Collieries with regard to Clerks Grade-II are placed in Grade-I.

Ex. W5 Copy of the Memorandum of Settlement arrived at under Section 18(1) of the I.D. Act, 1947, at Kothagudem between the Management of the Singareni Collieries Company Ltd., Singareni Collieries Worker's Union and the Tandur Coal Mines Labour Union on 19-1-1976.

Ex. W6 Photostat copy of the list of holidays for the year 1975.

Ex. W7 Photostat copy of the Settlement arrived at under Section 18(1) of the I.D. Act, 1947 at Kothagudem between the Management of S. C. Co. Ltd., and their workmen represented by the Singareni Collieries Workers Union and the Tandur Coal Mines Labour Union on 19-1-76.

Ex. W8 Office Order dt. 16-5-1988 issued to M|s. K. Sadaja P.E.T. Scup School, Kudratnpur by the Chief Personnel Officer, S. C. Co. Ltd., Kothagudem with regard to appointment her as Clerk Grade I.

Ex. W9 Photostat copy of the representation dt. 21-6-78 made by G. Jayachander Rao and others to the General Manager, S. C. Co. Ltd., Kothagudem with regard to Additional Increment in lieu of forfeitures of holidays for the staff of Head Office in par with mine workers.

Ex. W10 Photostat copy of the Representation dt. 29-6-1978 made by General Secretary to the General Manager, S.C. Co. Ltd., Kothagudem Collieries with regard to granting increment in lieu of foregoing festival holidays.

Ex. W11 Photostat copy of the Representation dt. 19-7-78 made by the General Secretary to Assistant Labour Commissioner (C) Vijayawada with regard to grant of one increment extra in lieu of forfeiture of holidays for the staff and workers of Head Office.

Documents marked for the Management :

Ex. M1 Office Order dt. 9-1-1975 issued to S. Prabhakara Rao and 21 others by the General Manager, S. C. Co. Ltd., Kothagudem Collieries appointing them as Clerks Grade-II.

Ex. M2 Photostat copy of the Award in I.D. No. 18|83 dt. 15-11-83 on the file of the Industrial Tribunal, Andhra Pradesh, Hyderabad.

E. M3 True copy of the memorandum of settlement arrived at Under Section 18(1) of I.D. Act, 1947 at Kothagudem between the Management of the Singareni Collieries Workers' Union and the Tandur Coal Mines Labour Union on 19-1-76.

Ex. M4 True copy of the representation dt. 22-2-84 made by Branch Secretary, Singareni Collieries Workers' Union, to the Asst. Labour Commissioner (C) Government of India, Vijayawada with regard to grant an additional increment in lieu of forfeiture of holidays for the staff of Head Office, S. C. Co. Ltd., Kothagudem.

Ex. M5 Photostat copy of the list of Holidays for the year 1974.

Ex. M6 Photostat copy of the list of Holidays for the year 1975.

Ex. M7 Photostat copy of the holidays for the year 1977 for head office and all Mines|Departments including main Hospital.

Ex. M8 Photostat copy of Holidays for the year 1976 for Head Office and all Mines.

K. TARANDH, Industrial Tribunal

नई दिल्ली, 24 अक्तूबर 1990

का.आ. 3116 :—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार टेलीकाम सिविल सब-डिवीजन रांची के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण नं. 1 धनबाद के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 22-10-90 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 24th October, 1990

S.O. 3116.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, No. 1 Dhanbad as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Telecom Civil Sub-Division, Ranchi and their workmen, which was received by the Central Government on 22-10-90.

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1, DHANBAD.

In the matter of reference under section 10(1)(d) of Industrial Disputes Act, 1947

REFERENCE NOS. 132 OF 1989

AND

REFERENCE NO. 94 OF 1989

PARTIES :

Employers in relation to the Telecom Civil Sub Division, Ranchi.

AND

Their Workmen.

PRESENT :

Shri S. K. Mitra, Presiding Officer.

APPEARANCES :

For the Employers—Shri S. Pal, Advocate.

For the Workmen—Shri D. K. Verma, Advocate.

STATE : Bihar INDUSTRY : Telecom.

Dated, the 24th September, 1990

AWARD

The Central Government in the Ministry of Labour, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947, was pleased to refer the following two industrial disputes for adjudication by this Tribunal

Reference No. 132 of 1989

(Order No. L-40012|41|88-D.II(B) dated 13-8-1989)

SCHEDULE

"Whether the action of the management of Telelom Civil Sub-Division, Ranchi, terminating the service of Shri Sudhir Kumar Biswas is justified ? If not, to what relief the workman is entitled ?"

Reference No. 94 of 1989

(Order No. L-40012|41|88-D.II(B) dated 13-8-89)

SCHEDULE

"Whether the action of the management of Telecom Civil Sub-Division, Ranchi, terminating the service of Shri Sudhir Kumar Biswas is justified ? If not, to what relief the workman is entitled ?"

2. Since the appropriate Government has made the identical reference in both these reference cases, they were amalgamated into one by order dated 16-1-90 passed in Reference No. 94 of 1989.

3. The concerned workman, Sudhir Kumar Biswas, presumably raised the dispute Under Section 2-A of the Industrial Disputes Act and submitted written statement in support of his claim. The management of Telecom Civil Sub-Division, Ranchi, was contesting the claim of the concerned workman by submitting written statement.

4. The concerned workman submitted a petition dated 27-3-90 praying for withdrawal of the reference case on the ground that he has been re-instated in service by the management. His statement of fact appears to have been attested by the Asstt. Circle Secretary, N.U.T.E.E.U. and CL-IV, Bihar Circle Patna. On the basis of the petition of the concerned workman as aforesaid an award was passed on 29-3-90 treating the petition as memorandum settlement.

Shri S. Pal, Advocate for the management appeared on 30-4-90 and filed a petition on behalf of the management stating that the concerned workman submitted the petition on 27-3-90 for withdrawal of the dispute presenting it as settlement and praying that the dispute be simply allowed to be withdrawn and also for recall of the award.

5. After hearing Shri Pal the matter was stated for order on 14-5-90. The record was upto up on 14-5-90 and upon perusal of the petition of the concerned workman dated 27-3-90 an order was passed for re-call of the award and a direction was given to send an intimation to the appropriate Government immediately. Unfortunately, the order re-calling the award was not communicated to the appropriate Government through inadvertance. Anyway, since the management has fixed a petition for re-calling of the award within the period of limitation and since the petition of the workman is nothing but a petition for withdrawal of the dispute, I am satisfied that the award passed in the above reference cases on 29-3-90 should be re-called and the concerned workman should be allowed to withdraw the dispute on the basis of his petition dated 27-3-90.

6. Accordingly, the following award is passed in both the reference cases.

Award dated 29-3-90 passed in the above reference cases is hereby re-called. The concerned

workman is permitted to withdraw dispute and both the reference cases are disposed of accordingly.

S. K. MITRA, Presiding Officer

[No. L-40012|41|88-D.II(B)(Pt.)]

का. आ. 3117 :—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार फारेस्ट रिसर्च इन्स्टीच्यूट एण्ड कालेज, देहरादून के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, कानपुर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 22-10-90 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 3117.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Kanpur as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Forest Research Instt. & College, Dehradun and their workmen, which was received by the Central Government on 22-10-90.

ANNEXURE

BEFORE SHRI ARJUN DEV, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, KANPUR

Industrial Dispute No. 198 of 1990

In the matter of dispute between :

Smt. Blomina Palmer,
W|o Sh. Alfred Palmer,
Vig. No. 7, Barrack No. 13,
Q. No. 6 Prem Nagar,
Dehradun-248001. Petitioner

AND

Medical Officer-in-Charge,
New Forest Hospital,
Forest Research Institute and College,
Dehradun-248001. Opp. Party

AWARD

1. The Central Government, Ministry of Labour vide its notification No. L-42012|69|89-I.R.(D.U.) dt. 29-3-90, has referred the following dispute for adjudication to this Tribunal :

"KYA FOREST RESEARCH INSTITUTE VA COLLEGE DEHRADUN KEY PRABANDHAN DVARA SMT. BLOMINA PALMER KO DATED 30-6-88 SEY NAUKARI SEY NISHKASIT KARNA NYAYOCHIT HAI ? YADI NAHI TO KARMKAR KIS ANUTOSH KE ADHIKARI HAI ?

2. In the instant case despite issue of several notices to the Union|workman neither workman nor Union appeared nor filed the statement of claim in the case.

3. On 17-9-90 none appeared from the side of the Union|workman. Thus, it appears that neither the union nor the workman is interested in prosecuting the case.

4. In these circumstances, a no claim award is given against the union|workman.

5. Reference is answered accordingly.

ARJAN DEV, Presiding Officer

[No. L-42012|69|89-IR(DU)(Pt.)]

K.V.B. UNNY, Desk Officer

नई दिल्ली, 29 अक्तूबर, 1990

का. आ. 3118 :—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, यूको बैंक के प्रबंधतंत्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण सं. 1, धनबाद के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 22-10-90 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 29th October, 1990

S.O. 3118.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal No. 1, Dhanbad as shown in the industrial dispute between the employers in relation to the management of UCO Bank and their workmen which was received by the Central Government on 22-10-90.

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1, DHANBAD.

In the matter of a reference under section 10(1) (d) of the Industrial Disputes Act, 1947.

Reference No. 92 of 198.

PARTIES :

Employers in relation to the management of UCO Bank.

AND

Their Workmen.

PRESENT :

Shri S. K. Mitra, Presiding Officer.

APPEARANCES :

For the Employers.—Shri A. Mishra, Dy. Chief Officer (Law), UCO Bank, Zonal Office, Patna.

For the Workmen.—Shri D. P. Roy, General Secretary, All India UCO Bank Staff Federation.

STATE : Bihar INDUSTRY : Banking

Dated, the 9th October, 1990

AWARD

The present reference arises out of Order No. L-12012|62|89-D-II(A), dated the 14th August, 1989 passed by the Central Government in respect of an industrial dispute between the parties men-

tioned above. The subject matter of the dispute has been specified in the schedule to the said order and the said schedule runs as follows :

"Whether the action of the management of UCO Bank, in denying the regularisation of appointment in part-time subordinate cadre of Shri Anandi Prasad Mondal w.e.f. 20-12-82 instead of from January, 1984 and not paying him the wages of part-time sweeper as per Bipartite Settlement and paying him only Rs. 2|- per day is justified? If not, to what relief is the workman entitled?"

2. The dispute has been settled out of Court. A memorandum of settlement has been filed in Court. I have gone through the terms of settlement and I find them quite fair and reasonable. There is no reason why an award should not be made on the basis of terms and conditions laid down in the memorandum of settlement. I accept it and make an award accordingly. The memorandum of settlement shall from part of the award.

3. Let a copy of this award be sent to the Ministry as required under section 15 of the Industrial Disputes Act, 1947.

S. K. MITRA, Presiding Officer.

[No. L-12012|62|89-D.II(A)|IR(Bank-II)]

MEMORANDUM of settlement made between the Management of UCO Bank, (a nationalised Bank) AND ALL INDIA UCO BANK STAFF FEDERATION on this 4th day of October, 1990.

PARTIES PRESENT :

(1) Shri S L. Ahuja.—Asstt. General Manager UCO Bank, Head Office, Personnel Department.

(2) Shri A. Mishra.—Dy. Chief Officer (Law), UCO Bank, Zonal Office, Patna, Representing the Management :

(1) Shri D.P. Roy.—General Secretary, All India UCO Bank Staff Federation.

(2) Shri Deb Das Mukherjee.—Vice President of the said Federation. Representing the Union.

SHORT RECITAL OF THE CASE

WHEREAS Central Govt. referred an industrial dispute before the Ld. Central Govt. Industrial Tribunal-Cum-Labour Court No. 1 at Dhanbad on the following terms :—

"Whether the action of the United Commercial Bank Management in denying the regularisation of appointment in part time subordinate cadre of one Shri Anandi Prasad Mondal with effect from 20-12-82 instead of Jan. 1984 and not paying the wages of part time Sweeper employed as per Bipartite Settlement and paying only Rs. 2|- per day is justified ? If not to what relief the workman is entitled".

Whereas the contention of the All India UCO Bank Staff Federation is that Shri Anandi Prasad Mondal joined in UCO Bank as Sweeper-Cum-Farash at as Corhatta Chowk Branch at Bhagalpur in Bihar on 20-12-82.

The Bank used to pay him Rs. 2|- only as wages per day till Shri Mondal used to receive from the Bank 1|3rd pay as part time sub-ordinate Staff with effect from 25-1-84. Thereafter Shri Mondal was paid 1|2 Salary with effect from 6-11-84 and then he was made as permanent full time sub-staff of the Bank with effect from 11-3-88 under Bhagalpur Divisional Office. The Federation claimed that Shri Mondal was entitled to get 1|3rd pay from 20-12-82 to 24-1-84 as sub-staff of the Bank as per service condition then prevailed in the Bank and incremental benefit thereof.

Whereas the contention of the Bank was that Shri Mondal was engaged on daily wage basis during the period from 20-12-82 to 24-1-84. As such, he had no case at all prior to 25-1-84 when he was appointed in the Bank as sub-staff with 1|3rd pay and subsequently, the Bank absorbed him with 1|2 pay from 6-11-84 and thereafter, he was made as full time sub-staff with effect from 11-3-88.

Now that for the interest of cordial industrial relation, the parties hereby agree to settle dispute amicably on the following terms :—

(1) The Bank will pay a lump sum amount of Rs. 2,600|- to Shri Anandi Prasad Mondal on settlement of his claim of back wages etc.

(2) The Federation will be satisfied for being paid the aforesaid amount to Shri Anandi Prasad Mondal and they will have no further claim in respect of the above dispute under reference.

(3) The Bank will pay the said amount to Shri Anandi Prasad Mondal within 30 days from the date hereof.

(4) Both the Management of UCO Bank and the All India UCO Bank Staff Federation will jointly move this compromise petition before the Ld. Presiding Officer of the Central Government Industrial Tribunal-Cum-Labour Court No. 1 at Dhanbad with the humble prayer to pass an award in terms of this compromise.

SIGNED FOR UCO BANK

1. Sd.|-
(S. L. Ahuja)
Asstt. General Manager,
Personnel Deptt., Head Office.

2. Sd.|-
(A. Mishra)
Dy. Chief Officer (Law),
Zonal Office, Patna.

SIGNED FOR ALL INDIA UCO BANK STAFF FEDERATION.

1. Sd.|-
(D. P. Roy)
General Secretary.

2. Sd.|-
(Deb Das Mukherjee)
Vice President.

WITESS :—

H.R. Khan

1. Chief Officer (Law),
UCO Bank, Head Office,
Personnel Deptt. Calcutta.

2. (Anandi Prasad Mondal)

का. आ. 3119:—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार न्यू इण्डिया अशयोरेन्स के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकरण, अहमदाबाद के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को प्राप्त हुआ था।

S.O. 3119.—In pursuance of section 17 of the Industrial Dispute Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Ahmedabad as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the New India Assurance and their workmen, which was received by he Central Government.

ANNEXURE

Before Shri H.D. Pandya, Central Industrial Tribunal at Ahmedabad

Reference (ITC) No. 42|88

BETWEEN :

New India Assurance Co. Ltd.—1st Party

AND

Its workmen.— 2nd Party

Whether the action of the 1st Party in removing Smt. B. D. Shah, is just or not, etc.

JUDGEMENT

1. The industrial dispute arising out of the action of the company, between The New India Assurance Co. Ltd., and its workmen, in removing Kum. Bharti M. Vaidya (now Smt. B.D. Shah), from the service, is just or not, was referred for adjudication to the Industrial Tribunal at Ahmedabad, under Section 10(1)(H) of the Industrial Disputes Act, vide order No. L-17011|7|88-D. 4(A)|D.D.(B) dated 26-12-88, by the Labour Ministry, of the Government of India, New Delhi.

2. In this reference the union of the 2nd Party, has submitted an application, vide Exh. 2 3 for permission to withdraw the reference, according to which the union should be permitted to withdraw the reference. Therefore, I pass the order as under :

ORDER

3. The 2nd Party Union is permitted to withdraw this reference. No order as to costs.

Sd- G. J. Dave
Secretary
Ahmedebad

Dt. 11-6-1990

D. D. PANDYA, Central Industrial Tribunal
[No. L-17011|7|88-D.IV(A)]

नई दिल्ली, 6 नवम्बर, 1990

का.आ. 3120:—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार बी. सी. सी. लि. बरोरा कोलयरी के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकरण, सं. 2 धनबाद के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 22-10-90 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 6th November, 1990

S.O. 3120.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal No. 2 Dhanbad as shown in the Annexure in the Industrial dispute between the employers in relation to the management of Barora Colliery of M|s. Bharat Coking Coal Limited and their workmen, which was received by the Central Government on the 22-10-1990.

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO. 2) AT DHANBAD

PRESENT :

Shri I. N. Sinha, Presiding Officer.

Reference No. 315 of 1986

In the matter of an Industrial dispute under Section 10(1)(d) of the I.D. Act, 1947.

PARTIES :

Employers in relation to the management of Barora Colliery of Bharat Coking Coal Ltd. and their workmen.

APPEARANCES :

On behalf of the wokmen.—Shri D. Mukherjee, Secretary, Bihar Colliery Kamgar Union.

On behalf of the employers.—Shri R. S. Murthy, Advocate.

STATE : Bihar INDUSTRY : Coal

Dated, Dhanbad, the 12th October, 1990

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour in exercise of the powers conferred on them under Section 10(1)(d) of the I.D. Act, 1947 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication vide their Order No. L-20012|144|86-D. III(A), dated the 20th August, 1986.

SCHEDULE

"Whether the action of the management of Barora Colliery of Bharat Coking Coal Limited in stopping from service their workman, Shri Sahab Chamar, Wagon Loader from May, 1982 was justified? If not to what relief is the said workman entitled?"

In this case both the parties appeared and filed their respective W.S. documents etc. Thereafter the case proceeded along its course. Subsequently at the stage of evidence both the parties appeared before me and filed a Joint Compromise Petition. I heard them on the said petition of compromise and I do find that the [illegible]contained therein are fair, proper and beneficial to both the parties. Accordingly, I accept the said petition of compromise and pass an Award in terms thereof which forms part of the Award as Annexure.

I. N. SINHA, Presiding Officer

[No. L-20012|144|86-D. III(A)|IR (Coal-I)]

K. J. DYVA PRASAD, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 2, DHANBAD

In the matter of Reference No. 315|86

PARTIES :

Employers in relation to the Management of Barora Area No. 1 of M|s. B.C.C.L., P.O. Nawagarh, District Dhanbad.

AND

Their workman.

JOINT COMPROMISE PETITION OF THE EMPLOYERS AND THE WORKMAN.

The above mentioned employers adn the workman sponsoring Union most respectfully jointly as follows :

1. That the matter in Reference No. 315|86 in respect of Sri Saheb Chamar, W|Loader of Muraidih Colliery under Barora Area No. 1 of M|s. BCCL is pending before the hon'ble Tribunal No. 2 at Dhanbad. The above matter was discussed with the Union and the Management on 7-4-90 and on 6-9-90. This matter had been taken up by Sri S. K. Bakshi on 6-9-90 in the meeting held at Barora Area office in presence of the Director (Personnel) of BCCL and the Director (Personnel) agreed to reinstate the workman as Cat-I, Mazdoor without any back wages and consequential benefit.

2. That as a result of the above negotiation the employers and the sponsoring Union|workman have agreed to settle the matter on an overall basis on the following terms and conditions :—

(a) It is agreed by both the parties that Shri Saheb Chamar shall be allowed to resume his duty within a week's time of signing of this settlement as General Mazdoor Cat-I on surface.

(b) It is agreed by both the parties that the period of idleness shall be teated as dies non but the same will be treated as continuous service for the purpose of gratuity only.

(c) That it has been agreed by both the parties that Shri Saheb Chamar shall be placed as General Mazdoor Cat-I and his basic shall be fixed at the initial basic of Cat-I wages.

(d) It has been agreed by both the parties that after this settlement no dispute subsists.

3. That the employers and the sponsoring Union| workman concerned consider and hereby declare that the aforesaid terms and conditions are fair, just and reasonable to both the parties.

In view of the above the employers and the sponsoring Union|workman jointly pray that the Hon'ble Tribunal may be pleased to accept this joint compromise petition and the no dispute award may kindly be given in terms thereof.

Sd|-

(B. N. TIWARI),
General Maanger,
Barora Area No. 1.

Sd|-

(U. P. SINGH),
Actg. Personnel Manager,
Barora Area.

Sd|-

Advocate,
For Employers.

Sd|-

(D. MUKHERJEE),
Secretary,
Bihar Colliery Kamgar Union.

Sd|-

(B. C. MONDAL),

Br. Secy.
Bihar Colliery Kamgar Union,
Muraidih Branch.

Sd|-

(SAHEB CHAMAR),

Printed by the Manager, Govt. of India Press, Ring Road, New Delhi-110064
by ... Controller of Publications, Delhi-110054, 1990